



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18]
No. 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 6, 1989/वैशाख 16, 1911
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1989/VAISAKHA 16, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि एवं न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1989

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 20th April, 1989

का.ग्रा. 968:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भीमसिंह इंदोरा अधिवक्ता ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पालम में नोटरी का व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. एफ-5 (27)/89-न्या.]

के.डी. सिंह, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 968.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Sh. Bhim Singh Indore, Advocate for appointment as a Notary to practise in Paalam.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(27)/89-Judl.]

K. D. SINGH, Competent Authority

गृह मंत्रालय

आन्तरिक सुरक्षा विभाग

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1989

का.अ. 969 :—भारत सरकार निष्कांत हित (पृथक्करण) अधिनियम, 1951 (1951 का 64) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली के वाणिज्यिक अधीनस्थ व्यायाधीश (कमिश्नरल सुबोर्डिनेट जज) श्री प्रेम कुमार को उनके अपने कार्य के अतिरिक्त उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कार्य निष्पादन तथा शक्तियों का प्रयोग करने हेतु तत्काल प्रभाव से संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के लिए सक्षम प्राधिकारी नियुक्त करती है।

2. इससे दिनांक 26-9-1988 की अधिसूचना संख्या -1(3)/विशेष कक्ष/88-एस.एस-II अधिक्रमित हो जाती है।

[सं. 1(3)/विशेष कक्ष/88-एस.एस.-II]

कुलदीप राय, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 20th March, 1989

S.O. 969.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 4 of the Evacuee Interest (Separation) Act, 1951 (LXIV of 1951), the Central Government hereby appoints Sri Prem Kumar, Commercial subordinate Judge, Delhi, as Competent Officer, for the Union Territory of Delhi, for the purpose of performing the functions and exercising the powers under the said Act, in addition to his own duties, with immediate effect.

2. This supersedes Notification No. 1(3)/Spl. Cell/88-SS-II dated the 26th September, 1988.

[No. 1(3)/Spl. Cell/88-SS. II]

KULDIP RAI, Dy. Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(पेंशन व पेंशनभोगी कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

का.आ.-770 राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 52 में,—
“उपदान की रकम सरकार को व्यपगत हो जाएगी” शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“उपदान की रकम सरकार को व्यपगत हो जाएगी :
परन्तु मृत्यु उपदान/सेवा निवृत्ति उपदान की रकम ऐसे व्यक्ति को

सौदे होंगी जिसने नाम से प्रस्तुत उपदान की वास्तविक निजी व्यापार्य द्वारा उत्तराधिकार प्रमाणपत्र दिया गया है।”

[संख्या-7/6/88-पी.एण्ड पी. डब्ल्यू. (डी)]

शशीष कुमार, उप सचिव

पाठ टिप्पण : केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 का आ.सं. 934 तारीख 1-4-1972 के रूप में प्रकाशित किए गए थे।

नियमों के चौथे संस्करण (जुलाई, 1988 तक शुद्धित) को 1988 में मुद्रित किया गया है। तत्पश्चात् उनका संशोधन पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग को निम्नलिखित अधिसूचना द्वारा किया गया :

क्रम सं. अधिसूचना सं.

तारीख

1. का.आ.सं. 254

4-2-1989

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(Department of Pension & Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 970.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit & Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Pension) Second Amendment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Rule 52 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, for the words and figure “under Rule 50 shall lapse to the Government”, the following words, figure and proviso shall be substituted, namely :—

“under Rule 50 shall lapse to the Government : provided that the amount of death gratuity/retirement gratuity shall be payable to the persons in whose favour a Succession Certificate in respect of the gratuity in question has been granted by a Court of Law.”

[No. 7/6/88-P&PW(D)]

ASHISH KUMAR, Dy. Secy.

Foot Note :—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. No. 934 dated 1-4-72. The Fourth Edition (Corrected up to July, 1988) of the rules was printed in 1988. The rules were subsequently amended vide Deptt. of Pension & Pensioners' Welfare Notifications given below :—

S. No.

Notification No.

Date

1.

S.O. No. 254

4-2-1989

(कार्मिक और शिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

का.आ.—971 केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अरुणाचल प्रदेश, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान तमिलनाडु और त्रिपुरा के राज्य सरकारों की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन

के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार, निम्नलिखित अपराधों के अन्वेषण के लिए, संपूर्ण अरुणाचल प्रदेश, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु और त्रिपुरा क्रमशः राज्यों पर करती है:—

(क) अप्रत्याहार निवारण अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम नं. 49) के अधीन अपराध।

(ख) ऊपर वर्णित अपराधों में से एक या अधिक अपराधों के संबंध में उससे सशक्त प्रयत्नों, दुरुप्रेरण और षडयंत्र तथा ऊन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले जैसे ही संभवद्वारा के अनुक्रम में किए गए किसी अन्य अपराध या अपराधों के संबंध में।

[संख्या 228/40/88-ए.बी.डी. (2)]

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 971.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government with the consent of the State Governments of Arunachal Pradesh, Goa, Kerala, Maharashtra, Orissa, Rajasthan, Tamil Nadu and Tripura, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the States of Arunachal Pradesh, Goa, Kerala, Maharashtra, Orissa, Rajasthan, Tamil Nadu and Tripura respectively for investigating of offences as hereunder:—

(a) Offences under Prevention of Corruption Act, 1988 (Act No. 49 of 1988).

(b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/40/88-AVD. II]

नई दिल्ली, 7, अप्रैल, 1989

वा.आ.—972 केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री ए.बी. बेलगल अधिवक्ता, मुम्बई उच्च न्यायालय को, विशेष न्यायाधीश, मुम्बई के न्यायालय में डा. आर.एस. सावले, तत्कालीन भारताधिक अधिकाारी, कृषि वित्त विभाग, बैंक आफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे जो अब बैंक आफ इंडिया मुम्बई की मुख्य शाखा, मुम्बई में अधिकारी है, और अन्य के विरुद्ध दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन मामला सं. आर.सी.-10-11/76-सी.आई.ए.-2 (विशेष मामला सं. 28/1980, तारीख 13-5-80 के विचारण के संचालन के प्रयोजन के लिए, विशेष लोक अधियोजन नियुक्त करती है।

[संख्या 225/7/89-ए.बी.डी. (2)]

जी. सीतारामन, अवर सचिव

New Delhi, the 7th April, 1989

S.O. 972.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri A. B. Belgal, Advocate Bombay High Court as Special Public Prosecutors for the purpose of conducting the trial of the Delhi Special Police Establishment case No. RC 10-11/76-CIA-II (Special case No. 28/1980 dated 13-5-80 against Dr. R.S. Savale, the then officer incharge Agricultural Finance Department, Bank of India, Regional Office, Poona now officer Bank of India, Bombay, Main Branch, Bombay and others, in the court of Special Judge, Bombay.

[No. 225/7/89-AVD. II]

G. SITARAMAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1989

आयकर

फा.आ. 973:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक के खंड (ii) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनडीआर इसके साथ संलग्न सारणी में सूचीबद्ध इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लि. मुम्बई द्वारा जारी किए गए बंधपत्रों को उक्त खंड के प्रयोजनार्थ विनिश्चित करती है।

बतर्कित कि उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ इस प्रकार के बंधपत्रों के अन्तरण के मामले में केवल पूर्णतः अथवा डिलीवरी द्वारा तभी अनुमत्य होगा यदि अन्तरिती इस प्रकार के अन्तरण के बारे में 60 दिन की अवधि के अन्तर, रजिस्टर्ड डाक द्वारा इंडस्ट्रियल क्रेडिट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन आफ इंडिया को सूचित करे।

सारणी

जिस गहने में जारी किया गया	बंधपत्रों का विवरण
(1)	(2)
1. जून, 1988	11.50% बंधपत्र (2008)
2. नवम्बर, 1988	11.50% बंधपत्र (2008)

[म. 8237/फा.स. 275/134/88-आ. कर (ब.)]

बी.ई. एलिकजेंडर, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 7th March, 1989

INCOME-TAX

S.O. —In exercise of the powers conferred by clause (ii) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the Bonds issued by the Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited, Bombay as listed in the Table hereto annexed, for the purposes of the said clause:

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds, by endorsement or delivery, only if the transferee informs the Industrial Credit and Investment Corporation of India Limited by registered post within a period of sixty days.

TABLE

Month of issue	Description of bonds
(1)	(2)
1. June 1988	11.50% bonds(2008)
2. November, 1988	11.50% bonds(2008)

No. 8237/F. No. 275/134/88-IT(B)

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1989

आयकर

का.आ. 914:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक के खंड (2-ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी किए गए निम्नलिखित बंधपत्रों को उक्त खंड के प्रयोजनार्थ विनिश्चित करती है, अर्थात्:—

- (1) 11.5 प्रतिशत आई.डी.बी.आई. बॉन्ड्स 2008 (50वीं श्रृंखला)
- (2) 11.5 प्रतिशत आई.डी.बी.आई. बॉन्ड्स 2009 (51वीं श्रृंखला)

बशर्ते कि उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ इस प्रकार के बंधपत्रों के अन्तरण के मामले में पुष्ठांकन अथवा वितरण द्वारा तभी अनुमत्य होगा, यदि अन्तरिती इस प्रकार के अन्तरण से साठ दिन की अवधि के अन्दर रजिस्टर्ड डाक द्वारा भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को सूचित करता है।

[संख्या 8299 का/सं. 275/142/88-आ.क. (ब.)]

New Delhi, the 25th March, 1989

INCOME-TAX

S. O. 974.—In exercise of the powers conferred by clause (iib) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the following bonds, issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, for the purposes of the said clause, namely:—

- (1) 11.5 PERCENT IDBI BONDS 2008 (FIFTIETH SERIES);
- (2) 11.5 PERCENT IDBI BONDS 2009 (FIFTY-FIRST SERIES);

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds, by endorsement or delivery, only if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[Ni. 8299/F. No. 275/142/88-IT (B)]

का.आ. 975:—आयकर अधिनियम, आयकर 1961 (1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक के खंड (iiख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इंडस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा जारी किए गए "11.5. बंधपत्रों, 2008 (51वीं श्रृंखला)" को एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ विनिश्चित करती है,

बशर्ते कि उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ इस प्रकार के बंधपत्रों के अन्तरण के मामले में पुष्ठांकन अथवा वितरण द्वारा तभी अनुमत्य होगा यदि अन्तरिती इस प्रकार के अन्तरण से 60 दिन की अवधि के अन्तर्गत रजिस्टर्ड डाक द्वारा इंडस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इंडिया अथवा भारतीय रिजर्व बैंक (आई.एफ.सी.आई. बंधपत्रों को जारी करने और उनकी प्रबंध व्यवस्था के लिए 'चार्ज' प्रबंधकों को सूचित करेगा।

[सं. 8300/का.सं. 275/9/89-आ.क. (ब.)]

बी.ई.एलैकजेंडर, अवर सचिव

INCOME-TAX

S. O. 975.—In exercise if the powers conferred by clause (iib) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the "11.5 PER CENT BONDS, 2008 (Fifty-first Series)", issued by the Industrial Finance Corporation of India, New Delhi, for the purposes of the said clause

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds, by endorsement or delivery, only if the transferee informs the Indus-

trial Finance Corporation of India or the Reserve Bank of India (Managers incharge for the issue and management of IFCI bonds) by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 8300/F. No. 275/9/89-IT(B)]

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1989

आयकर

का.आ. 976:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "अरुलमिगु मीनाक्षी सुन्दरेश्वरर थिरुकायल, मदुरै" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष 1978-89 और 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8245/का.सं. 197/14/88-आ.क. (नि.-1)]

New Delhi, the 16th March, 1989

INCOME-TAX

S. O. 976.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Arufmigu Meenakshi Sundereswarar Thirukoil, Madurai" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8245/F. No. 197/14/88-IT(A1)]

का.आ. 977:—आयकर अधिनियम, 1961 (1962 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री हरिहर पुत्र भजन समाज, बम्बई" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर-निर्धारण वर्ष के 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं.आ.सं. 8243/का.सं. 197/2/89-आ.क. (नि.-1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

INCOME-TAX

S. O. 977.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Harisharaputra Bhajan Samaj, Bombay" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1988-89.

[No. 8243/F. No. 197/2/89-IT(A-1)]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

आयदा

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

स्टाम्प

का.आ. 978:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दैस्टर्न मिनिस्ट्रियल निमिटेड, लेम्बई को पैंतालीस हजार रुपये मात्र के उस समेकित स्टाम्प शुल्क की अदायगी करने की अनुमति देती है, जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले कुल साठ लाख रुपये मात्र के मूल्य के 100 रुपये प्रत्येक के अंकित मूल्य वाले 60,000 असम्परिवर्तनीय श्रृणपत्रों पर स्टाम्प ड्यूटी के कारण प्रभावी है।

[सं. 16/89-स्टाम्प/का.सं. 33/22/89-वि.क.र.]

ORDER

New Delhi, the 12th April, 1989

STAMPS

S.O. 978.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Western Ministil Limited, Bombay to pay consolidated

stamp duty of rupees forty five thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 60,000 non-convertible Debentures of the face value of Rs. 100 each of the total value of rupees sixty lakhs only to be issued by the said Company.

[No. 16/89-Stamp F. No. 33/22/89-ST]

आदेश

स्टाम्प

का.आ.-979-भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा ईस्ट इण्डिया होटल्स लिमिटेड, फलकता की बारह लाख तिरानवे हजार सात सौ पचास रुपये मात्र के उम समेकित स्टाम्प शुल्क की अवामरी करने की अनुमति देती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले सत्रह करोड़ पन्नीस लाख रु. के कुल मूल्य के, 100 रु. प्रत्येक के "14. . आरक्षित असंपरिवर्तनीय ऋण पत्र-1989" पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभावी है।

[सं. 15/89-स्टाम्प फा. सं. 33/17/89-बि. कर]

ORDER

STAMPS

S. O. 979.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the East India Hotels Ltd., Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees twelve lakhs ninety three thousand seven hundred and fifty only, chargeable on account of the stamp duty on "14 per cent Secured Non-Convertible Debentures-1989" of Rs. 100 each of the total value of rupees seventeen crores and twenty five lakhs only to be issued by the said Company.

[No. 15/89-Stamp F. No. 33/17/89-ST]

आदेश

स्टाम्प

का.आ.-980-भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा उक्त शुल्क की माफ करती है जो आवास और शहरी विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा जारी किए जाने वाले कुल पचास करोड़ रु. मात्र मूल्य के प्रेमिसरी नोटों के स्वरूप में बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है, जिनके निम्नप्रकार से उल्लिखित किया गया है :-

(क) 130. हुडको शील्डर बन्धपत्र द्वितीय श्रृंखला 1995 जो 7 वर्ष के अन्त में परिशोध्य हैं और

(ख) 90. हुडको गैस्टर बन्धपत्र द्वितीय श्रृंखला जो 10 वर्ष के अन्त में परिशोध्य हैं।

[सं. 14/89-स्टाम्प फा. सं. 33/1/89-बि. कर]

बी.आर. मेहमी, अवर सचिव

ORDER

STAMPS

S. O. 980.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the duty with which the bonds in the nature of premissory notes described as, —

(a) 13 per cent HUDCO shelter Bonds Hind series 1995 repayable at the end of 7 years; and

(b) 9 per cent HUDCO shelter Bonds Hind series repayable at the end of 10 years of the total value of rupees fifty crores only to be issued by the Housing and Urban Development Corporation Ltd., New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 14/89-Stamp F. No. 33/1/89-ST]

B. R. MEHMI, Under Secy.

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

का.आ. 981.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना 1980 की धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार श्री एम.एल.टी. फर्नांडीस, मुख्य अधिकारी शहरी बैंक विभाग भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, बम्बई-400005 को श्री जगदीश कपूर के स्थान पर एतद्द्वारा पञ्जाब एण्ड सिन्ध बैंक के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

(सं. एक. 9/12/89-बी.ओ.-1)

एम.एस. सीतारामन, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 6th April, 1989

S. O. 981.—In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government hereby appoints Shri M.L.T. Fernandez, Chief Officer, Urban Banks Department, Reserve Bank of India, Central Office, Bombay-400005 as a Director of Punjab and Sind Bank vice Shri Jagdish Kapoor.

[No. F 9/12/89-BO.1]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

का.आ. 982.—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री जी.के. अरोड़ा वित्त सचिव, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली की श्री एम. वेंकटरमणन के स्थान पर भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निदेशक नियुक्त करती है।

[संख्या एक. 7/5/89-बी.ओ.-1(2)]

S. O. 982.—In pursuance of clause (d) of sub-section (1) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Central Government hereby appoints Shri G.K. Arora, Finance Secretary in the Ministry of Finance Department of Economic Affairs, New Delhi to be a Director on the Central Board of the Reserve Bank of India vice Shri S. Venkitaraman.

[No. F. 7/5/89-BO.1(2)]

का.आ. 983.—भारतीय नियति-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 28) की धारा 6 की उप धारा (1) के खण्ड (क) के उप खण्ड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को भारतीय नियति-आयात बैंक के निदेशक मंडल में निदेशक नामित करती है :-

1. श्री जी. के. अरोड़ा वित्त सचिव,

वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली, श्री एम. वेंकटरमणन के स्थान पर।

2. श्री गणपत रे, सचिव (ई. गार.) विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली।

[संख्या फा 7/5/89-बी.ओ.-1]

S. O. 983.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of Section 5 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government hereby nominates the following persons as Directors of the Board of Directors of the Export-Import Bank of India :

1. Shri G.K. Arora, Finance Secretary, Ministry of Finance, New Delhi vice Shri S. Venkitaraman.
2. Shri Muchkund Dubey, Secretary (ER), Ministry of External Affairs, New Delhi.

[No. F. 7/5/89-BO.1]

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

का.आ. 984:—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 29 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि प्रत्येक बैंकिंग कंपनी के लिए यह विधिसम्मत होगा कि वह—

- (i) जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाली और मार्च, 1989 के 31वें दिन तक की अवधि से संबंधित तुलन पत्र और लाभ-हानि लेखा तैयार करें; और
- (ii) उक्त अवधि के लिए तुलन पत्र और लाभ-हानि लेखा ऐसी कंपनी की आम वार्षिक बैठक के सम्मुख प्रस्तुत करें जो उस कंपनी की आन्तरिक आम वार्षिक बैठक की तारीख से 18 महीने के अन्दर-अन्दर आयोजित की जाए।

[संख्या 4(4)86/लेखा(1)]

S.O. 984.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that it shall be lawful for every banking company to —

- (i) prepare a balance sheet and profit and loss account with respect to the period commencing on the 1st day of January, 1988 to the 1st day of March, 1989; and
- (ii) lay the balance sheet and profit and loss account for the period as aforesaid before the annual general meeting of every such company to be held not later than eighteen months from the date of the last annual general meeting of such company.

[No. 4(4)/86-Accts. (i)]

का.आ. 985:—भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 (1955 का 23) की धारा 39 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए भारतीय स्टेट बैंक की लेखा बहियां एवं खाते मार्च 1989 के 31 वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किए जायेंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा(ii)]

S. O. 985.—In exercise of the powers conferred by the proviso to section 39 of the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955), the Central Government for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the State Bank of India for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)/86-Accts. (ii)]

का.आ. 986:—भारतीय स्टेट बैंक (अनुबंधी बैंक) अधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 39 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी, 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए अनुबंधी बैंक की लेखा बहियां एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किए जायेंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा(iii)]

S. O. 986.—In exercise of the powers conferred by the proviso to section 39 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the subsidiary banks for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988, shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)/86-Accts. (iii)]

का.आ. 987:—निक्षेप बीमा एवं प्रत्यक्ष गारंटी निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 28 की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए निक्षेप बीमा एवं प्रत्यक्ष गारंटी निगम की लेखा बहियां एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किए जायेंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा(iv)]

S. O. 987.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 28 of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)/86-Accts. (iv)]

का.आ. 988:—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम 1964 (1964 का 18) की धारा 18 की उप-धारा (2) के परन्तुक और धारा 21 की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि बैंक के लिए जुलाई 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाली और मार्च 1989 के 31वें दिन तक की अवधि से संबंधित तुलन पत्र और लाभ तथा हानि लेखा तैयार करना विधिसम्मत होगा।

[संख्या 4(4)86/लेखा(v)]

S. O. 988.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18 and the proviso to sub-section (2) of section 21 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that it shall be lawful for the bank to prepare a balance sheet and profit and loss account with respect to the period commencing from the 1st day of July, 1988 to the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)/86-Accts. (v)]

का.आ. 989:—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अन्तर्ग) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 10 की उप-धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन को सहज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ

होने वाले लेखा वर्ष के लिए समतुल्य नए बैंक की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (vi)]

S. O. 989.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 10 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the corresponding new bank for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)86-Accts. (vi)]

का.प्रा. 990.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम 1976 (1976 का 21) की धारा 19 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन की सहाज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (vii)]

S. O. 990.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 19 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the Regional Rural Banks for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)86-Accts. (vii)]

का.प्रा. 991.—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अन्तर्गण) अधिनियम 1980 (1980 का 40) की धारा 10 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन की सहाज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए समतुल्य नए बैंक की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (viii)]

S. O. 991.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 10 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the corresponding new bank for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)86-Accts. (viii)]

का.प्रा. 992.—भारतीय निर्यात आयात बैंक अधिनियम 1981 (1981 का 28) की धारा 19 की उपधारा (2) के परन्तुक और धारा 22 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन की सहाज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जनवरी 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए भारतीय निर्यात-आयात बैंक की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (ix)]

S. O. 992.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 19 and proviso to sub-section (2) of section 22 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981), the Central Government, for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the Export-Import Bank of India for the accounting year commencing on the 1st day of January, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)86-Accts. (ix)]

का.प्रा. 993.—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम 1981 (1981 का 61) की धारा 46 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन की सहाज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जुलाई 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले लेखा वर्ष के लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (x)]

S. O. 993.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 46 of National Bank for Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the Central Government for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the National Bank for Agriculture and Rural Development for the accounting year commencing on the 1st day of July 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

[No. 4(4)86-Accts. (x)]

का.प्रा. 994.—भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक अधिनियम 1984 (1984 का 62) की धारा 29 की उपधारा (2) और धारा 32 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक लेखावधि से दूसरी लेखावधि में परिवर्तन की सहाज बनाने के प्रयोजन से, एतद्वारा आदेश देती है कि जुलाई 1988 के पहले दिन से आरम्भ होने वाले वर्ष के लिए भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण बैंक की लेखा बहियाँ एवं खाते मार्च 1989 के 31वें दिन की स्थिति के अनुसार संतुलित एवं बंद की जाएंगी/किंग जाएंगे।

[संख्या 4(4)86/लेखा (xi)]

मन्तेश्वर झा, संयुक्त सचिव

S. O. 994.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 29 and sub-section (2) of section 32 of the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984), the Central Government for the purpose of facilitating the transition from one period of accounting to another period of accounting hereby orders that the books and accounts of the Industrial Reconstruction Bank of India for the accounting year commencing on the 1st day of July, 1988 shall be balanced and closed as on the 31st day of March, 1989.

MANTRESHWAR JHA, Jr. Secy.

समाहृतनिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

अधिसूचना सं. 09/1989

इन्दौर 13 जनवरी, 1989

का.प्रा. 996.—समाहृतनिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क इन्दौर के श्री जे. जी. मोटवानी अधीक्षक समूह "ख" निर्वेदन आय प्राप्त करने पर विनाक 31-10-1988 की अपराह्न में शासकीय सेवा में निवृत्त हो गए।

[प.स. II (3) 12-गोप/87/166]

आ. प्र. अग्रवाल, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

NOTIFICATION NO. 09/1980

Indore, the 13th January, 1989

S. O. 995.—Shri J. D. Mitwani, Super intendent, Central Excise, Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31-10-1988 in the afternoon.

[C. No. II(3)12-Con[87/166]

B. K. AGARWAL, Collector

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त (प्रणामन)

अहमदाबाद, 29 मार्च, 1989

आयकर

का.आ. 996.—उप आयकर आयुक्त (निर्धारण) रेंज-विशेष रेंज-6, अहमदाबाद के 5 दिसम्बर, 1988 में प्रभावी नवसृजन को देखते हुए तथा 26-12-1988 को किए गए विशेष सर्कल-6, अहमदाबाद एवं 10-3-1989 को किए गए विशेष सर्कल-6(2), अहमदाबाद के सृजन के परिप्रेक्ष्य में, साथ ही, विशेष सर्कल-6 अहमदाबाद को 10-3-1989 से विशेष सर्कल-6(1), अहमदाबाद के रूप में नवसमाहित किये जाने की स्थिति को देखते हुए, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 120 की उप-धारा (1) तथा इस मसौदे में उक्त धारा के तहत केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, नई दिल्ली की ओर से 30 मार्च 1988 को जारी की गई अधिसूचना नं. 7812/80 नं. 361(ई) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस कार्यालय की 1-4-1988 की अधिसूचना में उपान्तरण करते हुए, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रणा), गुजरात, अहमदाबाद एतद्वारा यह निदेश देता है कि आयकर आयुक्त अधीन-5, अहमदाबाद उपर्युक्त नवसृजन/नवनामित रेंज तथा सर्कलों के अन्तर्गत आयकर अथवा अधिकार अथवा व्याज कर के मसौदे में जिनका निर्धारण द्वारा हो और जो कम्पनी (नाम) अधिनियम, 1964 (1961 का 7) की धारा 11 की उपधारा 1 के अनुच्छेद (ए) में (एन) एवं व्याजकर अधिनियम 1974 (1974 का 45) की धारा 15 की उपधारा-1 में बिनिदिक्लिट आदेशों में से किसी को लेकर असमृष्ट हो, ऐसे व्यक्तियों के मामले में भी अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। इस के अनतिरिक्त जिनके संबंध में बोर्ड ने निदेश जारी किए हो अथवा बोर्ड या अधोहस्ताक्षरी द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 246 की उपधारा 2 के अनुच्छेद (1) के प्रावधानों के अनुसार भविष्य में कोई निदेश जारी किए जाए ऐसे सभी व्यक्ति या व्यक्ति-प्रवर्गों के मामलों में भी वे अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे।

2 इस अधिसूचना को ऊपर उल्लिखित रेंज तथा सर्कलों के सृजन व नवनामांकन किए जाने के दिन से, पूर्वापेक्षी प्रभाव से लागू समझा जाएगा।

[का. सं. उप-आयुक्त (न्यायिक)/IV-1/88-89]

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER OF INCOME

TAX (ADMINISTRATION)

Ahmedabad, the 29th March, 1989

INCOME TAX

S. O. 996.—In view of the creation of Range of Deputy Commissioner of Income-tax (Assessment) Special Range-6, Ahmedabad with effect from 5-12-1988, and creation of Special Circle-6, Ahmedabad with effect from 26-12-1988, and Special Circle-6(2) Ahmedabad with effect from 10-3-1989, and the change of nomenclature of Special Circle-6, Ahmedabad as Special Circle-6(1), Ahmedabad with effect from 10-3-1989, in exercise of the powers conferred on the undersigned by sub-section (1) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 and by the Notification No. 7842/80 No. 361(E)

dated 30th March, 1988 issued by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi in this behalf under the said Section and in modification of this office Notification of even number dated 1-4-1988, the Chief Commissioner of Income-Tax (Adm.) Gujarat, Ahmedabad hereby directs that the Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Ahmedabad shall also perform his functions in respect of such persons assessed to Income-tax or Sur-tax or Interest-tax in the above mentioned Range and Circles Created/renamed, as are aggrieved by any of the orders mentioned in clauses (a) to (h) of Sub-section (1) of Section 11 of Companies (Profits) Sur-tax Act, 1964 (7 of 1964) and in Sub-section (1) of Section 15 of the Interest-tax Act, 1974 (45 of 1974) and also in respect of such persons or classes of persons as the Board has directed or the Central Board of Direct Taxes or the undersigned may direct in future in accordance with the provisions of clause (1) of Sub-section (2) of Section 246 of the Income-tax Act, 1961.

2. This Notification shall come into force with retrospective effect from the date of creation of the Range and Circles and renaming of the Circle specified above.

[F. No. D.C (Ind.)/IV-1/88-89]

का.आ. 997.—26-12-1988 में प्रभावी विशेष सर्कल-6, अहमदाबाद के सृजन और 10-3-1989 में प्रभावी विशेष सर्कल-6(2), अहमदाबाद के सृजन के तथा 10-3-1989 से विशेष सर्कल-6, अहमदाबाद का नाम विशेष सर्कल-6(1) अहमदाबाद के रूप में बदल जाने के जटीन आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) एवं इस संबंध में केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के स्तर से जारी की गई अधिसूचना द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं इस कार्यालय की 1-4-88 तथा 27-5-1988 की अधिसूचनाओं के उपान्तरण में, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रणामन), अहमदाबाद इसके द्वारा निदेश देता है कि उप-आयकर आयुक्त (अपील), अहमदाबाद रेंज-3, अहमदाबाद जो आयकर निर्धारण के लिए उपर्युक्त नवसृजन/नवनामित सर्कलों के अन्तर्गत पड़ने हों ऐसे सभी व्यक्तियों व आयों के मामले में अपने दायित्वों का पालन करेंगे, मिलाव ऐसे सभी व्यक्ति जिनके मामले में आयकर निर्धारण का दायित्व आयकर आयुक्त (अपील) की अधिकारिता के अधीन निहित हो।

2. इस अधिसूचना को ऊपर उल्लिखित रेंज तथा सर्कलों के सृजन व नवनामांकन किए जाने के दिन से, पूर्वापेक्षी प्रभाव से लागू समझा जाएगा।

[का. सं. उप-आयुक्त (न्यायिक)/IV-2/88-89]

एन.पी. भट्ट, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रणामन)

S. O. 997.—In consequence of the creation of Special Circle-6, Ahmedabad with effect from 26-12-1988, and Special Circle-6(2), Ahmedabad with effect from 10-3-1989, and the Change of nomenclature of Special Circle-6, Ahmedabad as Special Circle-6(1), Ahmedabad with effect from 10-3-1989, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961, and the Notification issued by the Central Board of Direct Taxes in this behalf, and in modification of this Office Notifications of even number dated 1-4-1988 and 27-5-1988, the Chief Commissioner of Income-tax (Adm.), Gujarat, Ahmedabad hereby directs that the Deputy Commissioner of Income-tax (Appeals), Ahmedabad Range, Ahmedabad shall also perform his function in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax in the above mentioned Special Circles created/renamed, excluding all persons assessed to Income-tax over which the jurisdiction vests in the Commissioner of Income-tax (Appeals).

2. This Notification shall come into force with retrospective effect from the date of creation and renaming of the Circles Specified above.

[F. No. D.C (Ind.)/IV-2/88-89]

N. P. BHAT, Chief Commissioner of Income-tax (Adm.)

**संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय,
(केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)**

निरसन आदेश

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1988

का. आ. 998 :—मैसर्स कंप्यूटर ऐडिड लर्निंग सिस्टम (प्रा.) लि., 601, सहयोग बिल्डिंग, 58, नेहरूप्लेस, नई दिल्ली को कच्चे माल जैसे मोटर और इलेक्ट्रॉनिक्स स्टेपर में बने सहित डिस्क ड्राइव के 500 नमों के आयात के लिए रु. 15,60,000 का एक अग्रिम लाइसेंस सं. पी. एल. 31606000 का एक अग्रिम लाइसेंस सं. पी. एल. 3160600 दिनांक 20-8-87 प्रदान किया गया था।

फर्म ने सूचित किया है कि लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति मोटर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स स्टेपर में बने ड्राइव डिस्क सहित 312 नमों के माल के आयात के 9,38,618 रु. के आंशिक उपयोग किए जाने के बाद कहीं भ्रष्टान्तरण हो गया है/कहीं खो गयी है।

फर्म ने प्रक्रिया पुस्तक 88-91 के पैरा 89 के अन्तर्गत यथा-आपेक्षितानुसार कथित विवरण के समर्थन में एक शपथपत्र दर्ज किया है। में सन्तुष्ट हूँ कि लाइसेंस तथा डी. ई. ई. सी. बुक की सीमा शुल्क प्रति तो फर्म के पास है और लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति कहीं भ्रष्टान्तरण नहीं हो गई है/खो गई है।

अब तक यथासंगोपित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 के खण्ड 9 (डी) के अन्तर्गत मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुये में एतद्वारा उपरोक्त विनियम नियन्त्रण प्रति के निरसन का आदेश देता हूँ।

आवेदक के केस प्रक्रिया पुस्तक के पैरा-89 के नियमों के अनुसार लाइसेंस को विनियम नियन्त्रण प्रति की दूसरी प्रति जारी करने का पृथक से विचार किया जा रहा है।

[का. म.: एडवांस/लाई./यू. डी. ई. एल/10/एएम-88/एलएस-1/सीएसए/2958]

एन. डी. अग्निहोत्री, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

**OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS (CENTRAL LICENSING AREA)**

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 18th November, 1988

S.O. 998.—M/s. Computer Aided Learning Systems (P) Ltd, 601, Sahyog Building, 58, Nehru Place, New Delhi was granted an advance licence No. P/L/3160680 dt. 20-8-87 for Rs. 15,60,000 for the import of raw materials i.e. 500 Nos. of Disc drive with Built in stepper Motor and electronics.

The firm have reported that the Exchange Control Copy of the licence has been lost/misplaced after having been partly utilised for Rs. 9,38,618 for import of 312 Nos. of Disc drive with built in stepper Motor and Electronics.

The firm have filed an affidavit in support of above statement as required under para 89 of Hand Book of Import Export Procedures. I am satisfied that Customs copy of licence and DEEC Book is with the firm and exchange control copy of licence has been lost/misplaced in original.

In exercise of the power conferred on me under section 9(d) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-55 as amended upto date, I hereby order for cancellation of the said exchange control copy of the licence.

The applicant's case for issue of duplicate exchange control copy of licence in accordance with para 89 of Hand Book of rules and Procedures, 1988-91 is being considered separately.

[F. No. ADV/LIC/UDS/AM88/ALS-1/CLA/2958]

N. D. AGNIHOTRI, Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Jt. Chief Controller of Imports & Exports
1037 GI/89-2

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल 1989

का. आ. 999 :—राजनयिक कौंसली अधिकारी (शपथ एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वां), की धारा 2 के खण्ड (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत का राजदूतावास, साना में सहायक श्री जी. आर. विरमानी को 12-3-1989 में कौंसली एजेंट का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी. 4330/1/89]

जी. जगन्नाथन, उप सचिव (कौंसली)

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 999.—In pursuance of the clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorise Sh. G. R. Virmani, Assistant in the Embassy of India, Sana'a to perform the duties of Consular Agent with effect from 12-3-1989.

[T-4330/1/89]

J. JAGANNATHAN, Dy. Secy.

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1989

का. आ. 1000 :—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सीताक्षी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 104/125, सीतामाऊ कानपुर में है, के पंजीकरण के निरस्तीकरण को अधिमूर्चित करती है, क्योंकि उक्त उपक्रम ऐसे उपक्रमों में से है, जिन पर उक्त अधिनियम के भाग "क" अध्याय-III के उपबन्ध अब लागू नहीं होते हैं।

(पंजीकरण संख्या 1624/83)

[सं. 16/9/89-एम.-3]

शशि भूषण सिंह, उप सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 5th April, 1989

S.O. 1000.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 25 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Meenakshi Electronics Limited, having its registered office at 104/125, Sisamau, Kanpur the said undertaking being undertaking to which the provisions of Part A Chapter III of the said Act no longer apply.

(Registration No. 1624/83).

[No. 16/9/89-M.III]

S. B. SINGH, Dy. Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1989

का.आ. 1001:—राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) की धारा 8(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के परामर्श से कर्नाटक रॉयंग (64) भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी श्री जे.के. अरोड़ा, जो कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे हैं, को 30 फरवरी, 1989 के पूर्वानुमति से 2 वर्ष के लिए अथवा अगले आवेदन होने तक इनमें से जो भी पहले हो प्रतिनियुक्ति के आधार पर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, नई दिल्ली, में प्रत्यक्ष निवेशक के पद में नियुक्त करती है।

[सं. एल-12011/1/88-आई एंड पी]

अलोक भटनागर, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Cooperation)

New Delhi, the 28th February, 1989

S.O. 1001.—In exercise of powers conferred by Section 8(1) of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (No. 26 of 1962), the Central Govt. in consultation with the National Cooperative Development Corporation have appointed Shri J. K. Arora, an IAS officer (KTK. 64) of the cadre of Karnataka working as Joint Secretary in the Deptt. of Agri. & Coopn., Ministry of Agriculture, as Managing Director of NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION, NEW DELHI, with effect from the forenoon of 20th February, 1989, the deputation basis for 2 years or until further orders whichever is earlier.

[No. L-12011/1/88-I&P]

ALOK BHATNAGAR, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नयी दिल्ली, 4 अप्रैल, 1989

का.आ. 1002—भारत सरकार के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 22-11-86 का.आ. संख्या O-12016/1/85 प्रो. एन. जी. बी.-4—1 में धारा 6 (1) के अधिन प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3930 दिनांक 22-11-86 पृष्ठ क्रमांक 4607 से 4608 तक प्रदर्श संशोधन में आये शब्दों और धको के स्थान पर निम्नानुसार पढ़ा जाना है।

गांव - घरेई

के लिये

खसरा नं.	क्षेत्रफल	खसरा नं.	क्षेत्रफल
117	5+12 0-10-50	117	2+3+7 0-10-5

[सं. ओ-12016/1/85 प्रोड/विन.]

**MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS
ERRATUM**

New Delhi, the 4th April, 1989

S.O. 1002:—For the words and figures appearing in the corrigendum to the Notification under Section 6(1) issued

under Government of India's Notification No. O-12016/1/85-ONGD 4-1 under S.O. No. 3930 dated 22-11-86 (published in Govt. of India Gazette Part II Section 3(ii) page Nos. 4607 & 4608 dated 22-11-86) read as under:—

Village : Adai

READ			FOR		
S.No.	H.No.	Area	S.No.	H.No.	Area
117	5+12	0-10-50	117	2+3+7	0-10-50

[File No. O-12016/1/85-CNG/Dist.]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1989

का. आ. 1003—भारत सरकार के राजपत्र भाग-2 खंड-3 उपखंड (ii) में का. आ. 34283 संख्या ओ 12016/9/83 प्रोड-I दिनांक 4-10-86 पृष्ठ क्रमांक 3993 और 3994 पर प्रदर्श अनुसूची में नीचे वर्णित किया हुआ बदली किया जाता है।

गांव :- तलेगांव (मालवाडी) तहसील :- मालवा जिल्हा :- पुना (महाराष्ट्र)

के लिये			पढ़े		
खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल हे.घार.	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल हे.घार.
123	2ए	00.08-97	123	2ए	00.15-65

[सं. ओ-12016/9/83-प्रोड/विन.]

ERRATUM

New Delhi, the 10th April, 1989

S.O. 1003:—For the words and figures appearing in Column II of the Notification issued under Government of India's Notification No. O/12016/9/83 Prod. I under S.O. No. 3428 published in the Government of India Gazette Part-II, Section 3, Sub-Section(ii) at pages 3994 and 3995 dated 4-10-86, read.

Village : Talegaon (Malwadi) Tahsil : Maval Dist. : Pune

For			Read		
G.No.	Hissa No.	Area	G.No.	Hissa No.	Area
123	2A	00-08-97	123	2A	15-65

[File No. O-12016/9/83-Prod/Dist.]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

का. आ. 1004—भारत सरकार के राजपत्र भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) दिनांक 13-12-1986 का. आ. 4144 संख्या ओ. 12016-148/84

प्रोटो-1 दिनांक 13-12-1986 पृष्ठ क्रमांक 4983 और 4984 पर प्रसिद्ध हुई अनुसूची के स्थान पर नीचे वर्णित को रखा जाता है :-
गांव :- इंदुरी तहसील :- मावल जिला :- पुना (महाराष्ट्र)

के लिये			पक्षे		
खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर क्षेत्रफल हे. आर.	खसरा नम्बर	हिस्सा नम्बर	क्षेत्रफल हे. आर.	
505	.. 00.26.08	505	..	00.26.82	

[सं० ओ-12016/148/86-ओ एन जी/वित्त.]

सक्षम अधिकारी, बंधई-पूना पाईप लाईन्स प्रोजेक्ट.

ERRATUM

New Delhi, the 12th April, 1989

S.O. 1004:—For the words and figures appearing in Column II of the Notification issued under Government of India's Notification No. O-12016/143/86/ONGD-4 under S.O. No. 4141 published in the Government of India Gazette Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) at pages 4984 and 4985 dated 13-12-86, read.

Village : Induri Tahsil : Maval Dist. Pune.

For			Read		
G.No.	Hissa No.	Area	G.No.	Hissa No.	Area
505	..	0-26-08	505	—	00-26-82

[N.O. O-12016/148/86-ONG/Dist]

A.R. GADRE, Competent Authority,
Bombay Pune Pipeline Project, Pune

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1989

का.आ. 1005:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोटवान (जी.सी.एस. से जी. जी. एस-2 तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एनदुपाबद्ध घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ीदा-9. को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी सूनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत;

3 अनुसूची

मोटवान (जी.सी.एस.) से जी.जी. एस.-2 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात; जिला: भरुच; तालुका: सेन्टीयर

गांव	प्लॉक नं.	हेक्टेयर आर. सेन्टीयर
तेलवा	106	00-08-58
	105	00-01-98
	104	00-19-14
	103	00-12-98
	102	00-21-32
	76	00-25-20
	53	00-07-76
	77	00-01-40
	49	00-18-82
	47	00-01-54
	48	00-07-42
	31	00-00-14
	34	00-05-20
	35	00-00-98
	36	00-19-80
	30	00-06-32
	26	00-12-74
	25	00-10-40
	22ए	00-20-43
	20	00-20-41
	19	00-07-54
	18	00-06-10
	13	00-04-30

[सं. ओ-11027/38/89-ओ एन जी-जी-III]

क. विवेकानन्द, सैक अधिकारी

New Delhi the 5th April 1989

S.O. 1005.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Motwan G.C.S to G.G.S-2 in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And Whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire that right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makrapur Road, Vadodra, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE				
PIPELINE—MOTWAN (G.C.S.) TO G.C.S-2				
State : Gujarat Dist. : Bharuch Taluka : Ankleshwar				
Village	Block No.	Hec- tare	Acre Centiare	
TELWA	106	00	08 58	
	105	00	01 98	
	104	00	19 14	
	103	00	12 98	
	102	00	21 32	
	76	00	25 20	
	53	00	07 76	
	77	00	01 40	
	49	00	18 82	
	47	00	01 54	
	48	00	07 42	
	31	00	00 14	
	34	00	05 20	
	35	00	00 98	
	36	00	19 80	
	30	00	06 32	
	26	00	12 74	
	25	00	10 40	
	22A	00	20 43	
	20	00	20 41	
	19	00	07 54	
	18	00	06 10	
	13	00	04 30	

[No. O-11027/38/89—ONG. D.III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का.भा. 1006.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में चाकसू से हरियाणा राज्य में बहोली (करनाल) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाइन (ने) इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वशतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, इण्डियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड पाइप लाइन्स 27 एसुभाष नगर रोहतक को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता कि उसकी सूचनाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

तहसील: पानीपत;	जिला: करनाल;	राज्य: हरियाणा			
नाम गांव	हवबपेतहनं.	मुस्तली नं.	क्षेत्रफल	अंश	मिटर
		किला नं.	हेक्टेयर	अंश	मिटर
1	2	3	4	5	6
बुधाना लाघू	86	(72)			
		7	—	01	26
		13	—	11	38

1	2	3	4	5	6
		18	—	11	38
		23/1	—	00	00
		23/2	—	11	38
		(75)			
		2	—	00	00
		3	—	11	38
		8	—	06	32
		9	—	01	77
		12	—	10	88
		13	—	00	51
		19/1	—	11	38
		19/2	—	00	00
		22	—	11	38
		(99)			
		2	—	11	38
		9	—	10	37
		10	—	01	01
		11	—	07	34
		12	—	04	05
		(99)			
		20			
		21/1	—	07	59
		21/2	—	01	26
		(102) 1	—	11	63
		(241/1)	—	02	53
		(926)	—	02	78
कायथ	91	(22)			
		2	—	03	29
		9/1	—	03	29
		9/2	—	07	84
		12	—	11	38
	91	(22)			
		19	—	11	13
		20	—	00	51
		21/2	—	05	31
		22/1	—	05	31
		(32)			
		16	—	00	51
		2	—	04	05
		(33)			
		1	—	11	38
		2	—	00	00
		10	—	11	38
		11	—	11	38
		20	—	11	38
		21	—	04	55
		(36)			
		1	—	00	25
		(37)			
		5	—	10	37
		6/1	—	03	55
		6/2	—	08	10
		15	—	11	38
		16	—	10	88
		24	—	02	53

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		25	--	08	35			23/2	--	10	38
		(46)						(36)			
		4	--	08	35			3	--	11	38
		5	--	02	53			8	--	11	38
		7	--	11	38		89	(36)			
		14	--	11	38			13	--	11	38
		17/1	--	10	62			18	--	08	09
		17/2	--	01	01			19	--	03	54
		24	--	11	38			22	--	09	36
		(48)						23	--	02	02
		3	--	03	54			(50)			
		4/1	--	07	34			2	--	11	38
		4/2	--	01	01			9	--	11	38
		7	--	03	79			12	--	10	62
		8	--	03	04			19	--	11	38
91		(60)	--	03	54			20	--	00	00
		(68)	--	01	77			21/2	--	04	30
		(85)	--	00	51			22	--	06	83
		(111)	--	01	01			(51)			
		(115)	--	01	01			1	--	10	12
		(116)	--	00	51			2	--	01	26
		(123)	--	00	51			10/1	--	07	34
89		(3)						10/2	--	04	06
		23	--	06	07			11	--	11	38
		24	--	00	25			20/1	--	01	26
		(16)						20/2	--	10	37
		3	--	11	38			21	--	11	38
		8	--	11	38			(52)			
		13	--	10	87			25	--	00	25
		18/1	--	08	09			(65)			
		18/2	--	03	04			5	--	05	32
		19	--	00	25			6	--	10	62
		22	--	05	32			15	--	11	13
		23/1	--	04	55			16	--	08	85
		23/2	--	01	77			25	--	11	38
		(20)						(66)			
		2	--	01	52			1	--	06	32
		3/1	--	01	52			10	--	01	02
		3/2	--	07	08			(69)			
		3/3	--	03	29			5	--	10	62
		6	--	03	29			6	--	05	56
		7	--	05	06			7	--	05	06
		14	--	01	26			14	--	10	62
		15	--	09	36			15/1	--	01	02
		16	--	01	78			17/1	--	09	61
		17	--	08	09			17/2	--	00	25
		24	--	11	38			24	--	10	62
		(33)						26	--	01	83
		4	--	11	38		89	(36)			26
		7	--	11	38			13	--	11	38
		13/1	--	00	00			18	--	08	09
		13/2	--	01	78			19	--	03	54
		14	--	08	09			22	--	09	36
		17	--	03	54			23	--	02	00
		18	--	07	58			(50)			
		23/1	--	01	01			2	--	11	38

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
						ईशागना	66-67	(6)			
		9	—	11	38			1	—	00	51
		12	—	10	62			10	—	02	28
		19	—	11	38			11	—	00	51
		20	—	00	00			(8)			
		21 2	—	04	30			25	—	00	25
		22	—	06	83			(26)			
		(51)						4	—	10	87
		1	—	10	12			7	—	11	38
		2	—	01	26			8/2	—	00	00
		10 1	—	07	34			13	—	04	81
		10 2	—	04	05			14	—	06	83
		11	—	11	38			17	—	00	51
		20 1	—	01	26			18	—	10	87
		20 2	—	10	37			23	—	11	38
		31	—	11	38			(35)			
		(52)			5			3	—	07	84
89		(79)						8	—	11	38
		4	—	11	13			12	—	03	54
		7/1	—	01	02			13	—	08	09
		7/2	—	10	12			18	—	01	02
		8	—	00	25			19	—	10	37
		13	—	05	32			22	—	11	38
		14	—	05	82			(62)			
		17	—	00	51			2	—	10	87
		18/1	—	01	02			9	—	11	38
		18/2	—	09	36			11	—	03	54
		23	—	11	38			12	—	08	09
		(84)						19	—	00	51
		3	—	12	90			20	—	10	37
		8	—	07	08			21	—	11	38
		12	—	00	25			(72)			
		13	—	11	38			15	—	03	03
		18	—	06	32			16	—	10	37
		19	—	04	81			25/2	—	11	38
		22/1	—	00	51			(73)			
		22/2	—	10	37			1	—	11	38
		23	—	00	76			10	—	11	38
		(87)						11	11	06	83
		2	—	07	33			20	—	00	25
		(94)	—	04	05			(99)			
		(95)	—	00	51			5	—	11	38
		(100)	—	07	08			6	—	11	38
		(107)	—	01	77			14	—	02	28
		(108)	—	01	77			15	—	09	11
		(114)	—	01	01			16	—	02	02
		(119)	—	03	20			17	—	09	11
		(136)	—	00	53			24/4	—	00	00
		(140)	—	00	51			(99)			
		(142)	—	00	51			24/5	—	01	52
		(334)	—	01	01			24/6	—	01	77
		(344)	—	02	02			24/7	—	02	02
		(359)	—	01	01			24/8	—	04	82
		(370/1)	—	01	01			24/9	—	01	26
		(381)	—	01	02			(108)			
								4	—	10	87

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	66-67	7	—	11	38			6	—	04	54
		13	—	02	53			7	—	06	83
		14	—	07	08			14	—	13	41
		17	—	01	77			17	—	07	33
		18	—	09	36			24	—	11	38
		23	—	11	38			(22)			
	(135)							3	—	01	02
	3	—	11	38				4	—	09	62
	8	—	11	38				7/2	—	04	55
	13	—	13	15				8	—	06	83
	14	—	01	52				13/1	—	01	78
	16	—	00	25				13/2	—	06	32
	17	—	10	12				18	—	11	38
	5 18	—	00	25				23	—	11	38
	24	—	00	76				(27)			
	25	—	13	41				2	—	00	51
	(144)							3	—	10	62
	5	—	11	38				8	—	04	81
	6	—	11	38				9	—	06	32
	15/1	—	05	56				12	—	11	13
	15/2	—	05	56			6.4				
	16	—	10	37				(27)	—	00	25
	17	—	01	01				13	—	00	25
	24	—	07	58				19	—	11	38
	25	—	04	05				22	—	11	38
	(168)							(47)			
	4	—	10	88				1	—	00	25
	7	—	11	38				2	—	10	62
	14	—	11	38				9	—	05	82
	17	—	08	60				10	—	05	82
	18	—	02	78				11	—	11	13
	23	—	03	29				12	—	00	25
	24	—	01	52				20	—	11	38
	(187)	—	04	31				21	—	11	38
	(204)	—	03	29				(50)			
	(210)	—	01	52				1	—	10	37
	(219)	—	01	77				10	—	06	32
	(297)	—	00	51				11	—	00	76
	(307)	—	00	51				(51)			
	(308)	—	02	78				5	—	00	00
	(334)	—	00	51				6	—	04	81
	(335)	—	00	51				15	—	10	62
	(358)	—	00	51				16	—	11	38
	(907)	—	01	01				25	—	11	38
								(70)			
								5	—	10	88
								6	—	07	58
								7	—	03	54
								14	—	09	60
								15	—	01	52
								17/1	—	04	55
								17/2	—	04	55
								24	—	11	38
								(73)			
								4	—	11	13
								7	—	05	82
कार्य	64	(7)									
		6	—	05	82						
		15	—	11	38						
		16	—	11	38						
		25	—	11	38						
		(8)									
		11	—	00	25						
		(11)									
		4	—	01	52						
		5/1	—	01	02						
		5/2	—	05	56						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
						कालिका	41	(3)	—		
64	8	—	03	04				16	—	00	51
	13	—	09	61				25/1	—	01	26
	14	—	00	25				25/2	—	00	51
	18	—	11	38				(4)			
	23	—	11	38				20	—	10	87
	(91)							21	—	00	25
	3	—	11	38				(17)			
	8	—	09	13				1	—	00	00
	9	—	01	77				(18)			
	12/2	—	07	58				5	—	11	38
	13/1	—	03	55				6	—	11	38
	19	—	11	38				15	—	11	38
	22	—	11	38				16/2	—	11	38
	(92)							24/2	—	02	78
	2	—	11	38				25	—	08	61
	9/1	—	03	04				(28)			
	9/2	—	05	06				4	—	09	61
	10	—	01	52				5	—	01	78
	11	—	08	09				7/1	—	04	55
	13	—	03	29				7/2	—	06	83
	20	—	11	38				14	—	11	38
	21	—	11	38				17	—	11	38
	(106)							23	—	01	26
	6	—	02	53				24	—	10	12
	15	—	08	09				(44)			
	16	—	11	38				3	—	06	83
	25/1	—	06	07				4	—	03	29
								8	—	11	38
	25/2	—	04	55				13	—	06	07
	(107)							18	—	13	66
	1	—	12	14				22	—	02	28
	10	—	08	85				23	—	09	21
	11	—	03	55				(59)			
	(109)							2/2	—	01	26
	5	—	11	38				2/3	—	08	85
	6/2	—	11	38				3/1	—	00	76
	7	—	00	25				3/2	—	01	01
	14	—	05	82				8/2	—	01	52
	15	—	05	82				9	—	03	54
	16	—	00	25				12	—	11	13
	17	—	11	38				19	—	11	3
	24	—	10	87				20	—	00	25
	(122)							21	—	09	11
	3	—	00	51				22	—	04	55
	(130)	—	02	28				(77)			
	(134)	—	03	29				1	—	10	62
	(140)	—	03	03				10	—	10	87
	(143)	—	02	28				11	—	11	38
	(145)	—	06	83				20	—	09	11
	(171)	—	00	52				21	—	02	28
	(174)	—	00	52				(78)			
	(195)	—	00	52				16	—	02	02
	(214)	—	00	51				25	—	09	11
	(393)	—	01	02				(89)			
	(406)	—	09	61							

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	41	5	—	10	37			(262)	—	00	51
		6	—	10	37			(265)	—	01	25
		15	—	11	38			(282)	—	00	51
		16	—	07	08			(284)	—	00	51
		17	—	03	54			(285)	—	00	51
		24	—	10	12			(295)	—	05	06
		25	—	01	26			(683)	—	01	01
	(108)					सोझरी	42	(9)			
	4	—	11	38				17	—	00	76
	7	—	10	62				24	—	07	59
	14	—	10	12				25	—	02	78
	17	—	10	12				(10)	—		
	18	—	00	51				4	—	11	38
	23	—	06	32				7	—	11	37
	24	—	04	81				14	—	11	38
	(116)							17	—	09	61
	3	—	11	13				18	—	00	00
	4	—	00	00				23	—	04	81
	8	—	11	38				24	—	03	29
	13	—	10	87				(26)			
	18	—	11	38				3	—	10	62
	22	—	02	03				4	—	00	00
	(116)							8	—	10	88
	23/1	—	00	25				13	—	11	38
	23/2	—	08	85				18	—	10	12
	(129)							22	—	03	79
	2	—	09	11				23	—	04	30
	3	—	02	28				(27) 2	—	10	62
	9	—	11	38				3	—	00	25
	12	—	11	38				9	—	11	38
	19	—	11	38				12	—	11	38
	22	—	11	13				19	—	11	13
	(135)							20	—	00	51
	1	—	04	05				21	—	05	82
	2	—	05	82				22	—	05	82
	9	—	00	25				(44)			
	10	—	10	62				16	—	00	25
	11	—	11	38				25/2	—	05	82
	20/1	—	03	04				(45)			
	20/2	—	03	54				1	—	11	13
	23	—	11	38				2	—	00	25
	(142)							10	—	11	38
	1	—	10	12				11	—	11	38
	10	—	03	29				20	—	11	13
	(143)							21	—	05	82
	5	—	04	05				(49)			
	(154)	—	05	56				1	—	00	00
	(155)	—	01	26				(50)			
	(159)	—	03	03				5/1	—	08	60
	(163)	—	05	06				5/2	—	01	77
	(170)	—	05	82				6	—	11	38
	(180)	—	02	28				(50)			
	(181)	—	02	28				15	—	11	38
	(242)	—	01	77				16	—	11	13
	(259)	—	01	01				17	—	00	00

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		24	--	05	82	सुताना—जारी		20	--	08	35
		25	--	05	82			21	--	02	78
42		(68)/4	--	11	13			(64)			
		5	--	00	25			25	--	05	31
		7	--	08	60			(66)			
		14	--	10	37			5	--	11	38
		17	--	11	13			6	--	12	14
		18/1	--	00	25			15	--	04	55
		23/3	--	05	31			16	--	10	12
		24	--	05	82			(195)	--	06	07
		(75)				उरुदाला		(237)	--	02	02
		3	--	10	12			(803)	--	01	26
		4	--	00	51			(814)	--	04	06
		8	--	11	38		44	(12)			
		13	--	08	35			21	--	11	13
		18	--	11	13		44	(13) 1	--	11	13
		19	--	00	00			10	--	08	35
		22	--	04	81			11	--	03	04
		23	--	06	32			20	--	00	00
		26	--	03	04			(14)			
		(94)						6	--	03	04
		2	--	10	12			15	--	08	35
		3	--	00	51			16/1	--	11	38
		9	--	11	38			(14)			
		12	--	11	37			15	--	11	13
		12	--	00	13			(27)			
		20	--	00	25			5/1	--	01	01
		21	--	05	82			5/2	--	03	29
		22	--	05	82			6/1	--	07	33
		(101)						6/2	--	03	79
		1	--	09	86			15	--	11	13
		2	--	00	00			16	--	10	62
		10/1	--	05	06			17	--	01	01
		10/2	--	06	58			24	--	05	82
		11	--	09	86			25	--	05	82
								(31)			
42		(145)	--	03	79			4	--	10	12
		(152)	--	01	01			4	--	01	01
		(189)	--	07	08			7	--	11	13
		(202)	--	01	02			14	--	11	13
		(270)	--	01	01			17	--	11	13
		(744)	--	04	05			24	--	11	13
		(762)	--	00	51			(42)			
								3	--	00	25
		(37)						4	--	11	13
सुताना	23							7	--	07	33
		9	--	07	08			8	--	03	54
		12	--	11	38			13	--	08	85
		19	--	08	35			14	--	02	53
		20	--	01	77		44	18	--	15	43
		21	--	07	34			19	--	00	76
		22	--	04	05			21/1	--	00	25
		(63)						21/2	--	00	00
		1	--	11	38			22	--	16	19
		10	--	11	38			23	--	01	77
		11	--	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
कमला—जारी		(48)				आसन खुद—जारी		24/1	—	05	31
		1	--	15	18			24/2	—	05	82
		2	--	00	76			(17)			
		10	--	01	01			3	—	00	51
		(49)						4	—	10	62
		5	--	00	76		22	7	—	05	82
		6	--	12	39			8	—	05	82
		15	--	11	38			13	—	04	55
		16	--	09	11			14	—	04	81
		17	--	02	53			18	—	11	13
		24/1	--	03	79			23	—	11	13
		24/2	--	05	31			(24)			
		25	--	02	28			3	—	05	06
		(62)						8	—	07	59
		4/1	--	10	88			9	—	03	54
		7	--	11	13			12	—	09	36
		14	--	11	13			13/1	—	01	77
		17	--	11	13			19 _i	—	01	52
		18	--	00	00			19 _i	—	03	79
		23	--	03	54			22	—	11	13
		24	--	07	33			(34)			
		(66)						2	—	11	38
		3	--	09	36			9	—	11	38
		4	--	02	02			11	—	04	05
		8	--	11	38			12	—	07	59
44		13	--	11	38			19	—	00	76
		18	—	11	38			20	—	10	62
		19	—	00	00			21	—	11	38
		(66)						(39)			
		22	—	05	31			1	—	10	88
		23	—	06	32			10	—	02	28
		(76)						11	—	11	13
		2	—	11	13			20	—	11	63
		3	—	00	00			(71)	—	04	30
		9	—	03	79			(77)	—	09	36
		(87)	—	05	31			(84)	—	02	28
		(93)	—	01	77			(115)	—	01	01
		(98)	—	01	52			(132)	—	01	26
		(308)	—	01	01			(283)	—	01	01
		(311)	—	00	76		22	(287)	—	00	51
		(312)	—	00	51			(290)	—	01	01
								(53/59)	—	00	51
आसन खुद	22	(5)				आसन कला,	21	(40)			
		6	—	08	85			25	—	00	51
		15	—	11	38			(59)			
		16	—	10	88			4	—	11	13
		25/1	—	01	52			7	—	11	38
		25/2	—	09	86			14	—	11	38
		(10)						17	—	09	86
		4/2	—	01	52			18/1	—	01	52
		5/1	—	06	38			23	—	08	85
		5/2	—	03	04			24	—	02	83
		6	—	03	29			(61)			
		7	—	07	84			3	—	11	38
		14	—	10	62			8	—	11	38
		17	—	11	38						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
भासन कल--जारी	13/1	—	02	78		बण्डरा--जारी		24	--	10	62
	13/2	—	04	55				(60)			
	18	—	11	38				4	--	00	51
	19	—	00	25				(67)			
	22	—	05	31				7	--	00	51
	23	—	06	33				14	--	09	11
	(82)							17	--	05	82
	2	—	10	88				18	--	05	82
	3	—	00	51				23	--	11	38
	9	—	11	38				24	--	00	00
	12	—	11	38				(90)			
	19	—	11	38				3	--	11	38
	21	—	02	02				8	--	11	38
	22	—	08	85				13/1	--	07	59
	(85)							13/2	--	01	26
	1	—	07	84				18	--	09	36
21	2	—	03	54				19/1	--	02	28
	10/1	—	05	06				22/2	--	09	36
	10/2	—	01	01				23	--	02	28
	11	—	11	38				(96)			
	20	—	10	88				2	--	10	88
	21	—	07	84		11		9	--	11	63
	(106)							12	--	11	63
	1	—	04	81				19	--	11	63
	10	—	01	01				20	--	00	25
	(107)							21	--	05	82
	5	—	07	84				22	--	05	82
	(187)	—	02	78				(116) 25	--	00	76
	(198)	—	03	04				(117)			
	(199)	—	03	04				1	--	11	64
	(202)	—	01	01				2	--	00	00
	(203)	00	02	03				10	--	11	64
	(204)	—	01	01				11	--	11	64
	(205)	—	01	26				20	--	11	64
	(220)	—	01	26				21	--	09	36
	(308)	—	00	51				(124)			
बण्डरा	10	(36)						1	--	02	53
	21	--	08	09				(125)			
	(37)							5	--	07	84
	1	--	11	38				6	--	10	88
	10	--	11	38				15	--	11	38
	11	--	09	36				18	--	11	38
	20	--	03	28				24	--	00	00
	(38)							25	--	11	38
	15	--	02	28				(141)			
	16	--	09	36				4	--	05	31
	25/1	--	00	00				5	--	06	32
	25/2	--	11	38				6	--	00	76
	(50)							7	--	10	88
	5	--	11	38				14	--	11	88
	6	--	11	38				17	--	11	38
	14	--	00	25				24	--	11	38
	15	--	11	14				(149)			
	16	--	06	32				3/2	--	01	26
	17	--	05	31				4	--	10	37
								7	--	04	05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
खण्डरा-जारी		8	--	07	32	बोहली-जारी		(162)			
		13	--	11	38			4	--	11	38
		14	--	00	00			7	--	08	60
		18	--	11	38			14	--	08	85
		23	--	11	38			17	--	06	83
		(160)						18	--	04	55
		3	--	10	88			23	--	10	37
11		8	--	05	31			24	--	00	76
		9	--	04	81			(184)	--	14	17
		12	--	10	3			(186/2)	--	13	65
		13	--	01	26			(192/2)	--	07	34
		19	--	11	38			(192/3)	--	04	06
		22	--	11	38			(212)	--	00	76
		(163)						(213)	--	04	30
		2	--	11	38			(253)	--	00	51
		9	--	10	88			(256)	--	05	55
		10	--	00	76			(462)	--	01	26
		11	--	06	83						
		12	--	04	81						
		19	--	00	25						
		20	--	11	38						
		21	--	05	06						
		(180)	--	00	76						
		(189)	--	02	78						
		(191)	--	01	52						
		(290)	--	03	29						
		(296)	--	00	51						
		(302)	--	03	79						
बोहली	12	(121) 17	--	10	12						
		23	--	03	79						
		24	--	09	36						
		(140)									
		4	--	00	51						
		19/1	--	05	06						
		19/2	--	01	01						
		21	--	00	76						
		22	--	10	88						
		(145)									
		15	--	03	29						
		16	--	11	38						
		25	--	11	38						
		(146)									
		1	--	06	32						
		10	--	13	41						
		11	--	08	60						
		20	--	00	25						
12		(160)									
		5	--	11	38						
		6	--	11	38						
		14	--	02	53						
		15	--	08	85						
		16	--	01	77						
		17	--	09	86						
		24	--	11	38						
		22	01	53	27						

[सं. ओ.-31015/6/88-ओ. प्रार. आई]

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1006.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Chaksu in the State of Rajasthan to Baholi (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline(s) should be laid by Indian Oil Corporation Limited.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire the right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user there in.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Panipat Distt. : Karnal State : Haryana					
Name of Village	Hasbust No.	(Mustateel No.)	Area		
		Killa No.	Hec- tare	Are	Sqr. Mtr.
1	2	3	4	5	6
Bulana Lakhu	86	(72)			
		7	..	01	26
		13	..	11	38
		18	..	11	38
		23/1	..	00	00
		23/2	..	11	38
		(73)			
		2	..	00	00
		3	..	11	38
		8	..	06	32
		9	..	01	77
		12	..	10	88
		13	..	00	51

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		19/1		00	00	Shahpur	89	(3)			
		19/2	..					23	..	06	07
		22	..	00	38			2	..	00	25
		(99)						(16)			
		2	..	11	38			3	..	11	38
		9	..	10	37			8	..	11	38
		10	..	01	01			13	..	10	87
		11	..	07	34			18/1	—	00	09
		12	..	04	05			18/2	..	03	04
		(99)						19	..	00	25
		20	..	11	38			22	..	05	32
		21/11	..	07	59			23/1	..	04	55
		21/2	..	04	26			23/2	..	01	77
		(102) 1	..	11	63			(20)			
		(241/1)	..	02	53			2	..	01	52
		(926)	..	02	78			3/1	..	01	52
Kayat	91	(22)						3/2	..	07	08
		2	..	03	29			3/3	..	03	29
		9/1	..	03	29			6	..	03	29
		9/2	..	07	84			7	..	05	06
		12	..	11	38			14	..	01	26
	91	(22)						15	..	09	36
		19	..	11	13			16	..	01	88
		20	..	11	13			17	..	08	09
		21/2	..	05	31			24	..	11	38
		22/1	..	05	31			(33)			
		(32)						4	..	11	38
		16	..	00	51			7	..	11	38
		25	..	04	05			13/1	..	00	00
		(33)						13/2	..	01	78
		1	..	1	38			14	..	08	09
		2	..	00	00			17	..	03	54
		10	..	11	38			18	..	07	58
		11	..	11	38			23/1	..	01	01
		20	..	11	38			23/2	..	10	38
		21	..	04	55			(36)			
		(36)						3	..	11	38
		1	..	00	25			8	..	11	38
		(37)					89	(36)			
		5	..	10	37			13	..	11	38
		6/1	..	03	55			18	..	08	09
		6/2	..	08	10			19	..	03	54
		15	..	11	38			22	..	09	36
		16	..	10	88			23	..	02	02
		24	..	02	53			(50)			
		25	..	08	35			2	..	11	38
		(46)						9	..	91	38
		4	..	08	35			12	..	10	62
		5	..	02	53			19	..	11	38
		7	..	11	38			20	..	00	00
		14	..	11	38			21/2	..	04	30
		17/1	..	10	62			22	..	0	83
		17/2	..	01	01			(51)			
		24	..	11	38			1	..	10	12
		(48)						2	..	01	26
		3	..	03	54			10/1	..	07	34
		4/1	..	07	34			10/2	..	04	05
		4/2	..	01	0			11	..	11	38
		7	..	03	79			20/1	..	01	26
		8	..	03	04			20/2	..	10	57
	91	(60)	..	03	54			21	..	11	38
		(68)	..	01	77			(52)			
		(85)	..	00	51			25	..	00	25
		(111)	..	01	01			(65)			
		(115)	..	01	01			5	..	05	32
		(116)	..	00	51			6	..	10	62
		(123)	..	00	51			15	..	11	13

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	7
		1	..	08	85			23	..	11	38
		25	..	11	38			(35)	..	07	84
		(66)						8	..	11	38
		1	..	06	32			12	..	03	54
		10	..	01	02			13	..	08	99
		(69)						18	..	01	02
		5	..	10	62			19	..	10	37
		6	..	05	56			22	..	11	38
		7	..	05	06			(62)			
		14	..	10	62			2	..	10	87
		15/1	..	01	02			9	..	11	38
		17/1	..	09	61			11	..	03	54
		17/2	..	00	25			12	..	08	09
		24	..	10	62			19	..	00	51
		26	..	01	26			20	..	10	37
89		(79)						21	..	11	38
		4	..	11	13			(72)			
		7/1	..	01	02			15	..	03	03
		7/2	..	10	12			16	..	10	37
		8	..	00	25			25/2	..	11	38
		13	..	05	32			(73)			
		14	..	05	92			1	..	11	38
		17	..	00	51			10	..	11	38
		18/1	..	01	62			11	..	06	83
		18/2	..	09	36			20	..	00	25
		23	..	11	38			(99)			
		(84)						5	..	11	38
		3	..	12	20			6	..	11	38
		8	..	07	08			14	..	02	28
		12	..	00	25			15	..	09	11
		13	..	11	38			16	..	02	02
		18	..	06	32			17	..	09	11
		19	..	04	81			24/4	..	00	00
		22/1	..	00	51	66-67		(99)			
		22/2	..	10	37			24/5	..	01	52
		23	..	00	76			24/6	..	01	77
		(87)						24/7	..	02	02
		2	..	07	33			24/8	..	04	02
		(94)	..	04	05			24/9	..	01	26
		(95)	..	00	51			(108)			
		(100)	..	07	08			4	..	10	87
		(107)	..	01	77			7	..	11	38
		(108)	..	01	77			13	..	02	53
		(114)	..	01	01			14	..	07	08
		(119)	..	03	29			17	..	01	77
		(156)	..	00	51			18	..	09	36
		(140)	..	00	51			23	..	11	38
		(142)	..	00	51			(135)			
		(334)	..	01	01			3	..	11	38
		(344)	..	02	02			8	..	11	38
		(359)	..	01	01			13	..	13	15
		(370/1)	..	01	01			14	..	01	52
		(371)	..	01	02			16	..	00	25
Ishrana	66-17	(6)						17	..	10	1
		1	..	00	51			18	..	00	25
		10	..	02	28			24	..	00	76
		11	..	00	51			25	..	13	14
		(8)						(144)			
		25	..	00	25			5	..	11	38
	66-67	(26)						6	..	11	38
		4	..	10	37			15/1	..	05	56
		7	..	11	38			15/2	..	05	67
		8/2	..	00	00			16	..	10	37
		14	..	06	83			17	..	07	01
		17	..	00	51			24	..	04	05
		18	..	10	87			25	..	04	05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(168)					64	(51)			
		4	—	10	18			5	..	00	00
		7	—	11	38			6	..	04	81
		14	—	11	38			15	..	10	62
		17	—	08	60			16	..	11	38
		18	—	02	78			25	..	11	38
		23	—	03	29			(70)			
		24	—	01	52			5	..	10	88
		(197)	—	04	31			6	..	07	58
		(204)	—	03	29			7	..	03	54
		(210)	—	01	52			14	..	09	61
	66-67	(219)	..	01	77			14	..	01	52
		(297)	..	00	51			17/1	..	04	55
		(307)	..	0	51			17/2	..	04	55
		(308)	..	02	78			24	..	11	38
		(334)	..	00	51			(73)			
		(335)	..	00	51			4	..	11	13
		(358)	..	00	51			7	..	05	82
		(907)	..	01	01			8	..	03	04
Karad	64	(7)						13	..	09	61
		6	..	05	82			14	..	00	25
		15	..	11	38			18	..	11	38
		16	..	1	38			23	..	11	38
		25	..	11	38			(91)			
		(8)						3	..	11	38
		11	..	00	25			8	..	09	13
		(11)						9	..	01	77
		4	..	01	52			12/2	..	07	58
		5/1		01	02			13/1	..	03	55
		5/2	..	05	56			19	..	11	38
		6	..	04	55			22	..	11	38
		7	..	06	83			(92)			
		14	..	13	41			2	..	11	38
		17	..	07	33			9/1	..	03	04
		24	..	11	38			9/2	..	05	06
		(22)						10	..	01	52
		3	..	01	02			11	..	08	09
		4	..	09	62			12	..	03	29
		7/2	..	04	55			20	..	11	38
		8	..	06	83			21	..	11	38
		13/1	..	01	78			(106)			
		13/2	..	06	32			6	..	02	53
		18	..	11	38			15	..	08	09
		23	..	11	38			16	..	11	38
		(27)						25/11	..	06	07
		2	..	00	51			25/2	..	04	55
		3	..	10	62			(107)			
		8	..	04	81			1	..	12	14
		9	..	06	32			10	..	08	85
		12	..	11	13			11	..	03	55
		(27)						(109)			
		13	..	00	25			5	..	11	38
		19	..	11	38			6/2	..	11	38
		22	..	11	38			7	..	00	25
		(47)						14	..	05	82
		1	..	00	25			15	..	05	82
		2	..	10	62			16	..	00	25
		9	..	05	82			17	..	11	38
		10	..	05	82			24	..	10	87
		11	..	11	13			(122)			
		12	..	00	25			3	..	00	51
		20	..	11	38			(130)	..	02	28
		21	..	11	38			(134)	..	03	29
		(50)						(140)	..	03	03
		1	..	10	37			1(43)	..	02	28
		10	..	06	32			(145)	..	06	83
		11	..	00	76			(171)	..	00	52

1	2	3	4	5	6				
	64	(174)	..	00	52		41	(108)	
		(195)	..	00	52			4	.. 11 38
		(214)	..	00	51			7	.. 10 62
		(393)	..	01	02			14	.. 10 12
		(406)	..	09	61			17	.. 10 12
Kalkha	41	(3)						18	.. 00 51
		16	..	00	51			23	.. 06 32
		25/1	..	01	26			24	.. 04 81
		25/2	..	00	51			(116)	
		(4)						3	.. 11 13
		20	..	10	87			4	.. 00 00
		21	..	00	25			8	.. 11 38
		(17)						13	.. 10 87
		1	..	00	00			18	.. 11 38
		(18)						22	.. 02 03
		5	..	11	38			(116)	
		6	..	11	38			23/1	.. 00 25
		15	..	11	38			23/2	.. 08 85
		16/2	..	11	38			(129)	
		24/2	..	02	78			2	.. 09 11
		25	..	08	61			3	.. 02 28
		(28)						9	.. 11 38
		4	..	09	61			12	.. 11 38
		5	..	01	78			19	.. 11 38
		7/1	..	04	55			22	.. 11 13
		7/2	..	06	83			(135)	
		14	..	11	38			1	.. 04 05
		17	..	11	38			2	.. 05 82
		23	..	01	26			9	.. 00 25
		24	..	10	12			10	.. 10 62
		(44)						11	.. 11 38
		3	..	06	83			20/1	.. 03 04
		4	..	03	29			20/2	.. 03 54
		8	..	11	38			21	.. 11 38
		13	..	06	07			(142)	
		18	..	13	66			1	.. 10 12
		22	..	02	28			10	.. 03 29
		23	..	09	11			(143)	
		(59)						5	.. 04 05
		2/2	..	01	26			1(54)	.. 05 06
		2/3	..	08	85			(155)	.. 01 26
		3/1	..	00	76			(159)	.. 03 03
		3/2	..	01	01			(163)	.. 05 06
		8/2	..	01	52			(170)	.. 05 82
		9	..	03	54			(180)	.. 02 28
		12	..	11	13			(181)	.. 02 28
		19	..	11	13			(242)	.. 01 77
		20	..	00	25			(259)	.. 01 01
		21	..	09	11			(262)	.. 00 51
		22	..	04	55			(265)	.. 01 25
		(77)						(282)	.. 00 51
		1	..	10	62			(284)	.. 00 51
		10	..	10	87			(285)	.. 00 51
		11	..	11	38			(295)	.. 05 06
		20	..	09	11			(683)	.. 01 01
		21	..	02	28	I ohari	42	(9)	
		(78)						17	.. 00 76
		16	..	02	02			24	.. 07 59
		25	..	09	11			25	.. 02 78
		(89)						(10)	
		5	..	10	37			4	.. 11 38
		6	..	10	37			7	.. 11 37
		15	..	11	38			14	.. 11 38
		16	..	07	08			17	.. 09 61
		17	..	03	54			18	.. 00 00
		24	..	10	12			23	.. 04 81
		25	..	01	26			24	.. 03 29

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Lohari	42	(26)					42	(101)			
		3	..	10	62			1	..	09	86
		4	..	00	00			2	..	00	00
		8	..	10	88			10/1	..	05	06
		13	..	11	38			10/2	..	06	58
		18	..	10	12			11	..	09	86
		22	..	03	79			(145)	..	03	79
		23	..	04	30			(152)	..	01	01
		(27)2	..	10	62			(189)	..	07	08
		3	..	00	25			(202)	..	01	52
		9	..	11	38			(270)	..	01	01
		12	..	11	38			(744)	..	04	05
		19	..	11	13			(762)	..	00	51
		20		00	51	Sutana	23	(37)			
		21	..	05	82			9	..	07	08
		22	..	05	82			12	..	11	38
		(44)						19	..	08	35
		16		00	25			20	..	01	77
		25/2	..	03	82			21	..	07	34
		(45)						22	..	04	05
		1	..	11	13			(63)			
		2	..	00	25			1	..	11	38
		10	..	11	38			10	..	11	38
		11	..	11	38			11	..	11	38
		20	..	11	13			20	..	08	35
		21	..	05	82			21	..	02	78
		(49)						(64)			
		1	..	00	00			25	..	05	31
		(50)						(66)			
		5/1	..	08	60			5	..	11	38
		5/2	..	01	77			6	..	12	14
		6	..	11	38			15	..	04	55
		(50)						16	..	10	12
		15	..	11	38			195)	..	06	07
		16	..	11	13			(237)	..	02	02
		17	..	00	00			(803)	..	01	26
		24	..	05	82			(884]	..	04	06
		25	..	05	82	Contala	44	(12)			
		(68)						21	..	11	13
		4	..	11	13			(13)			
		5	..	00	25			1	..	11	13
		7	..	08	60			10	..	08	35
		14	..	10	37			11	..	03	04
		17	..	11	13			20	..	00	00
		18/1	..	00	25			(14)			
		23/3	..	05	31			6	..	03	04
		24	..	05	82			6	..	03	04
		(75)						15	..	08	35
		3	..	10	12			16/1	..	11	38
		4	..	00	51			(14)			
		8	..	11	38			25	..	11	13
		13	..	08	35			(27)			
		18	..	11	13						
		19	..	00	00			5/1	..	01	01
		22	..	04	81			5/2	..	03	29
		23	..	06	32			6/1	..	07	33
		26	..	03	04			6/2	..	03	79
		(94)						15	..	11	13
		2	..	10	12			16	..	10	62
		3	..	00	51			17	..	01	01
		9	..	11	38			24	..	05	82
		12	..	11	37			25	..	05	82
		19	..	00	13			(31)			
		20	..	00	25			4	..	10	12
		21	..	05	82			5	..	01	01
		22	..	05	82						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Contala	44	7	..	11	13		22	5/2	..	03	04
		14	..	11	13			6	..	03	29
		17	..	11	13			7	..	07	84
		24	..	11	13			14	..	10	62
		(43)						17	..	11	38
		3	..	00	25			24/1	..	55	31
		4	..	11	13			24/2	..	05	82
		7	..	07	33			(17)			
		8	..	03	54						
		13	..	08	85			(17)			
		14	..	02	53			3	..	00	51
		18	..	15	43			4	..	10	62
		19	..	00	76			7	..	05	82
		21/1	..	00	25			8	..	05	82
		21/2	..	00	00			13	..	04	55
		22	..	16	19			14	..	04	81
		23	..	01	77			18	..	11	13
		(48)						23	..	11	13
		1	..	15	18			(24)			
		2	..	00	76			3	..	05	06
		10	..	01	01			8	..	07	59
		(49)						9	..	03	54
		5	..	00	76			12	..	09	36
		6	..	12	39			13/1	..	01	77
		15	..	11	38			/19	..	01	52
		16	..	09	11			19/	..	03	79
		17	..	02	53			22	..	11	13
		24/1	..	03	79			(34)			
		24/2	..	05	31			2	..	11	38
		25	..	02	28			9	..	11	38
		(62)						11	..	04	05
		4/2	..	10	88			12	..	07	59
		7	..	11	13			19	..	00	76
		14	..	11	13			20	..	10	62
		17	..	11	13			21	..	11	38
		18	..	00	00			(39)			
		23	..	03	54			1	..	10	88
		24	..	07	33			10	..	02	28
		(66)						11	..	11	13
		3	..	09	36			20	..	11	63
		4	..	02	02			(71)	..	04	30
		8	..	11	38			(77)	..	09	36
		13	..	11	38			(84)	..	02	28
		18	..	11	38			(115)	..	01	01
		19	..	00	00			(132)	..	01	26
		(66)						(283)	..	01	01
		22	..	05	31			(287)	..	00	51
		23	..	06	32			(290)	..	01	01
		(76)						(535/9)	..	00	51
		2	..	11	13	Asan Kalan	21	(40)			
		3	..	00	00			25	..	00	51
		9	..	03	79			(59)			
		(87)	..	05	31			4	..	11	13
		(93)	..	01	77			7	..	11	38
		(98)	..	01	52			14	..	11	38
		(308)	..	01	01			17	..	09	86
		(311)	..	00	76			18/1	..	01	52
		(312)	..	00	51			23	..	08	85
Asan Khurd	22	(5)						24	..	02	53
		6	..	08	85			(61)			
		15	..	11	38			3	..	11	38
		16	..	10	88			8	..	11	38
		25/1	..	01	52			13/1	..	02	78
		25/2	..	09	86			13/2	..	04	55
		(10)						18	..	11	38
		4/2	..	01	52			19	..	00	25
		5/1	..	6	58						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		22	..	05	31			13/1	..	07	59
		23	..	06	33			13/2	..	01	26
		(82)						18	..	09	36
		2	..	10	88			19/1	..	02	36
		3	..	00	51			22/2	..	09	28
		9	..	11	38			23	..	02	36
		12	..	11	38			(96)			
		12	..	11	38			(96)			
		19	..	11	38		11				
		21	..	02	02			2	..	10	88
		22	..	08	85			9	..	11	63
		(85)						12	..	11	63
		1	..	07	84			19	..	11	63
		2	..	03	54			20	..	00	25
		10/1	..	05	06			21	..	05	82
		10/2	..	01	01			22	..	05	82
		11	..	11	38			(116) 25	..	00	76
		20	..	10	88			(117)			
		21	..	07	84			1	..	11	64
		(106)						2	..	00	00
		1	..	04	81			10	..	11	64
		10	..	01	01			11	..	11	64
		(107)						20	..	11	64
		5	..	07	84			21	..	09	36
		(187)	..	02	78			(124)			
		(198)	..	03	04			1	..	02	53
		(199)	..	03	04			(125)			
		(202)	..	01	01			5	..	07	84
		(203)	..	02	03			6	..	10	88
21		(204)	..	01	01			15	..	11	38
		(205)	..	01	01			16	..	11	38
		(220)	..	01	26			24	..	00	00
		(308)	..	00	51			25	..	11	38
								(1/41)			
Khandre	10	(36)						4	..	05	31
		21	..	08	09			5	..	06	32
		(37)						6	..	00	76
		1	..	11	38			7	..	10	88
		10	..	11	38			14	..	11	38
		11	..	09	36			17	..	11	38
		20	..	02	28			24	..	11	38
		(38)						(149)			
		15	..	02	28			3/2	..	01	26
		16	..	09	36			4	..	10	37
		25/1	..	00	00			7	..	04	05
		25/2	..	11	38			8	..	07	32
		(58)						13	..	11	38
		5	..	11	38			14	..	00	00
		6	..	11	38			18	..	11	38
		14	..	00	25			23	..	11	38
		15	..	11	14			(160)			
		16	..	06	32			3	..	10	88
		17	..	05	31			8	..	05	31
		24	..	10	62			9	..	04	81
		(60)						12	..	10	37
		4	..	00	51			13	..	01	26
		(67)						19	..	11	38
		7	..	00	51			22	..	11	38
		14	..	09	11			(163)			
		17	..	05	82			2	..	11	38
		18	..	05	82			9	..	10	88
		23	..	11	38			10	..	00	76
		24	..	00	00			11	..	06	83
		(90)						12	..	04	81
		3	..	11	38			19	..	00	25
		8	..	11	38			20	..	11	38

1	2	3	4	5	6
		21	..	05	06
		(180)	..	00	76
		(189)	..	02	78
		(191)	..	01	52
		(290)	..	03	29
		(296)	..	00	51
		(302)	..	03	79
Bohali	12	(121) 17	..	10	12
		23	..	03	79
		24	..	09	36
		(140)			
		4	..	00	51
		19/1	..	05	06
		19/2	..	01	01
		21	..	00	76
		22	..	10	88
		(145)			
		15	..	03	29
		16	..	11	38
		25	..	11	38
		(146)			
		1	..	06	32
		10	..	13	41
		11	..	08	60
		20	..	00	25
	12	(160)			
		5	..	11	38
		6	..	11	38
		14	..	02	53
		15	..	08	85
		16	..	01	77
		17	..	09	86
		24	..	11	38
		22	1	53	27
		(162)			
		4	..	11	28
		7	..	08	60
		14	..	08	85
		17	..	06	83
		18	..	04	55
		23	..	10	37
		24	..	00	76
		(184)	..	14	17
		(186/2)	..	13	65
		(192/2)	..	07	34
		(192/3)	..	04	05
		(212)	..	00	76
		(213)	..	04	30
		(253)	..	00	51
		(256)	..	05	55
		(462)	..	01	26

[No. 0-31015/6/88—ORI]

का. भा. 1007—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि राजस्थान राज्य में चाकसू से हरियाणा राज्य में बहीला (करनाल) तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाइन(एँ) इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदभावद अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अथ, अथ, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन (अधिनियम, 1962) (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने इसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मध्यम अधिकारगरी, इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन, पाइपलाइन्स, 270 सुमावनगर, रोहतक का इस तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वास्तव है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पहली : रोहतक		जिला : रोहतक		राज्य : हरियाणा	
क्र. सं.	नाम गांव	हदबस्तन.	मुस्ताल न.	क्षेत्रफल	
		किला नं.		हेक्टर	ग्रा. वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
1.	इसमाईला	37 (84)	--		
	गियारा	1/1	--	01	01
	(11) बिसवा	1/2	--	06	32
		10	--	11	13
		11/1	--	04	05
		11/2	--	07	08
		20/1	--	02	53
		20/2	--	08	60
		21	--	11	13
		(109)			
		1/1	--	05	06
		1/2	--	02	28
		10/1	--	--	76
		10/2	--	01	01
		10/3	--	02	78
		11	--	01	52
		(110)			
		5/1	--	--	51
		5/2	--	01	01
		6/1	--	02	78
		6/2	--	--	25
		6/3	--	01	01
		15/2	--	09	61
		16	--	11	13
		25	--	11	13
		(111)			
		5	--	11	13
		6/1	--	10	12
		13/1	--	11	13
		16/1	--	11	13
		16/2	--	11	13
		25	--	11	13
		(133)			
		4	--	--	51
		5	--	07	84
		6	--	07	59

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		7/1	--	03	54			6	--	02	53
		(135)						15	--	12	39
		14	--	07	08			16	--	11	13
		15/1	--	02	78			25	--	11	13
		15/2	--	01	26			(49)			
		16	--	01	26			5	--	11	13
		17	--	09	11		38	6	--	11	13
		24/1	--	09	36			15	--	11	13
		24/2	--	01	77			16	--	10	37
		(136)						17	--		25
		4	--	11	13			24	--	02	02
		7/1	--	04	30			25	--	09	11
		7/2	--	06	83			(73)			
		14	--	11	13			4	--	05	06
		17	--	11	13			5	--	06	07
		24	--	10	12			6	--	01	77
		(156)						7	--	08	09
		4	--	11	13			14	--	10	62
		7	--	09	61			15	--		51
		8	--	01	52			17/1	--	03	79
		13	--	05	56			17/2	--	07	34
		14	--	05	56			24/1	--	04	30
		17/1	--	01	77			24/2	--	06	83
		17/2	--		25			26	--	01	26
		18	--	09	36			(78)			
		24	--		25			4	--	11	13
		(401)	--	01	77			7	--	11	13
		(1015)	--		51			(78)			
		(1102)	--	02	02			14	--	11	13
		(1104)	--	01	26			17/1	--	11	13
		(1112)	--	01	27			24	--	11	13
		(1113)	--	01	01			(98)	--		
		(1119)	--	02	78			6	--	10	62
		(1121)	--	01	01			7	--	11	13
		(1127)	--	01	02			14	--	11	13
		(16)	--					17	--	10	37
		16	--	14	16			18	--		76
		25	--	11	13			23	--	03	04
		(21)						24	--	08	09
		4	--	02	28			(103)			
		5	--	11	13			3	--	05	56
		(21)						4	--	05	56
		6	--					7	--	03	54
		7	--	13	66			8	--	07	59
		13	--	09	36			13	--	10	12
		14	--	04	55			14	--	01	01
		18	--	11	38			18	--	11	13
		19	--	03	03			23	--	09	86
		29	--	08	60			(119)			
		22	--					3	--	11	13
		23						8	--	11	13
		(44)	--					13/2	--	11	13
		1	--	05	06			18	--	11	13
		2	--	03	54			23	--	11	13
		11	--	01	01			(124)			
		(45)						3	--	11	13
2. इसकाबकी नो (9) 38	बिसबा										

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	38	8	--	11	13		44	7/1	--	08	6
		13	--	08	60			7/2	--	02	78
		18	--	--	--			13	--	04	55
		19	--	06	83			14	--	09	36
		22	--	04	05			17/1	--	--	51
		23	--	07	08			18/1	--	02	53
		(136)						18/2	--	08	35
		2	--	06	58			23	--	11	38
		3	--	04	55			(28)			
		8	--	01	52			3/1	--	05	82
		9	--	09	61			3/2	--	05	56
		12	--	11	13			8	--	10	88
		(136)						9/1	--	--	51
		19/1	--	03	54			12/1	--	02	02
		19/2	--	07	58			12/2	--	04	81
		22	--	11	13			13	--	04	55
		(141)						19	--	11	38
		1/1	--	--	51			22/1	--	01	52
		2	--	09	36			22/2	--	09	86
		9	--	11	13			(39)			
		12	--	11	13			2	--	10	88
		19	--	11	13			9/2	--	09	36
		21	--	--	51			10	--	02	02
		22	--	10	62			11/1	--	07	59
		(147)						11/2	--	01	52
		1	--	03	29			12	--	02	26
		2	--	08	58			20/1	--	06	58
		9	--	03	54			(39)			
		10	--	07	59			20/2	--	04	81
		11	--	10	62			21/1	--	03	79
		12	--	--	51			21/2	--	07	59
		20	--	11	13			(49)			
		21	--	11	13			6	--	04	05
		(151)						15	--	10	37
		1	--	--	51			16	--	11	38
		(157)	--	06	58			25/1	--	--	25
		(158)	--	06	83			25/2	--	09	11
		(159)	--	09	36			25/3	--	01	52
		(161)	--	05	31			25/4	--	--	51
		(174)	--	01	27			(50)			
		(177)	--	01	26			1	--	10	87
		(178)	--	01	01			(50)			
		(189)	--	--	51			10	--	07	33
		(190)	--	--	51			11	--	01	01
		(264)	--	--	25			(60)			
3. गान्धरा	44	(9)						4	--	--	51
		14	--	02	53			5	--	10	87
		15	--	06	83			6	--	05	06
		16	--	02	28			7/1	--	02	27
		17/1	--	05	82			7/2	--	04	05
		17/2	--	--	51			14	--	11	38
		17/3	--	02	78			(60)			
		24	--	10	88			15	--	--	--
		(19)						17/1	--	10	37
		4	--	11	38			17/2	--	01	10

1	2	3	1	5	6	1	2	3	1	5	6
	44	24	--	10	12		43	22	--	04	30
		(69)						23	--	04	30
		3	--	02	02			(48)			
		4	--	09	36			2	--	09	86
		7	--	02	28			3	--	01	27
		8	--	09	10			9	--	11	13
		13	--	11	38			12	--	11	13
		18	--	11	38			19	--	11	13
		23	--	11	28			22	--	11	13
		(84)						(70)			
		2	--	04	05			1	--	05	31
		3	--	07	33			2	--	10	37
		8/2	--	01	01			9	--	05	56
		9	--	10	37			11	--	08	60
		12	--	11	38			19	--	--	--
		19	--	11	38			20	--	11	13
		21	--	--	25			21	--	11	13
		22	--	11	31			(73) 1	--	11	13
		(93)						10	--	11	13
		25	--	01	52			11	--	10	37
		(94)						20	--	04	55
		1	--	05	82			21	--	00	00
		2	--	05	31			(74)			
		9	--	--	--			16	--	05	56
		10	--	11	--			25	--	11	38
		11	--	11	38			(89)			
		20	--	11	38			5	--	11	38
		21	--	8	85			6	--	13	66
		(107)						(97)	--	04	30
		1	--	02	53			(101)	--	01	27
		(108)						(106)	--	04	05
		5	--	08	35	5. पावनसर्मा	57	(9)			
		6	--	11	38			4	--	06	58
		15	--	11	38			5	--	04	55
		16	--	11	38			6/1	--	00	25
		25	--	11	38			7	--	10	88
		(116)						14	--	11	13
		5	--	11	38			17	--	11	13
		6	--	11	38			24/1	--	05	82
		15	--	08	09			24/2	--	03	79
		(157)						(10)			
		--	--	01	26			5/2	--	11	13
		(165)	--	--	51			6	--	11	13
		(166)	--	--	51			15	--	11	13
		(174)	--	01	77			16	--	11	13
		(176)	--	--	51			21	--	01	26
		(182)	--	--	51			25	--	09	86
		(185)	--	--	50			(11)			
4. सानौन्द	43	(23)						15	--	00	76
		22	--	--	51			16	--	05	56
		(44)						25	--	10	12
		3	--	11	13			(12)			
		8	--	11	13			1	--	03	79
		13	--	10	62			10	--	11	13
		18	--	09	86			(12)			
		19	--	--	25			11	--	10	62
								20	--	05	56

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	57	21	—	01	01		57	14/1	—	08	85
		(72)						14/2	—	02	28
		2/2	—	11	13			17	—	11	13
		3	—	00	00			21	—	10	62
		9	—	10	2			(131)			
		(72)						5/1	—	05	82
		12	—	11	13			5/2	—	05	31
		19	—	11	13			6	—	11	13
		22	—	11	13			15	—	11	13
		(73)			13			16	—	11	13
		3	—	11	13			24	—	01	26
		8	—	11	13			25	—	09	86
		13	—	11	13			(140)			
		18	—	06	07			4/1	—	1	26
		19/1	—	00	25			4/2	—	01	77
		19/2	—	01	26			4/3	—	08	10
		22	—	07	59			7	—	10	88
		23	—	05	31			8	—	00	25
		(74)						13	—	04	05
		4	—	11	12			14	—	07	08
		7/1	—	01	52			17	—	02	02
		7/2	—	07	84			18	—	09	11
		8	—	02	02			23	—	10	62
		13	—	07	08			(163)	—	00	51
		14/1	—	01	26			(205)	—	01	52
		14/2	—	02	78			(206)	—	01	52
		17	—	00	25			(212)	—	02	53
		18/1	—	05	06			(226)	—	00	51
		18/2	—	05	82			(229)	—	01	01
57	23	—	11	13		6. भालीट	59	(104)			
	(102)	—	00	51				1	—	04	55
	15/1	—						02	—	05	56
	15/2	—	01	01				9	—	00	25
	16	—	06	58				10	—	11	13
	25/1	—	04	55				11	—	11	38
	25/2	—	04	05				20	—	11	38
	(104)							31	—	06	32
	1/2	—	02	02				(105)			
	2	—	09	11				25/2	—	05	06
	9/1	—	00	25				(140)			
	9/2	—	03	54				5	—	11	13
	10	—	07	59				6	—	11	13
	11	—	11	13				15	—	11	13
	12	—	00	00				16	—	08	35
	20	—	11	13				24	—	00	00
	21	—	11	13				25	—	10	62
	(105) 1	—	10	12				(147)			
	10	—	13	13				4	—	02	02
	11	—	09	61				5	—	08	08
	20/2	—	04	55				6	—	01	26
	(130)							7	—	08	10
	4	—	05	56				14/2	—	11	13
	5	—	05	56				17/1	—	09	36
	6	—	01	01				17/2	—	01	77
	7/1	—	08	61				24	—	11	13
	7/2	—	01	52				(174)			
								4	—	10	88

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	59	7	--	10	37			20/2	--	05	06
		8	--	00	76			21	--	11	13
		13	--	05	56			22	--	00	25
		14	--	05	57			(33)			
		17	--	00	76			15	--	04	30
		18	--	10	37			16/1	--	04	55
		23	--	11	13			16/2	--	00	23
	(183)							25	--	09	61
	3	--	01	13				(34) 1	--	11	61
	8/1	--	02	02				10	--	11	38
	8/2	--	09	11				11	--	07	08
	13	--	11	13				20/2	--	00	51
	18	--	09	86				(44)			
	19	--	01	26				5/1	--	04	05
	22	--	06	58				5/2	--	06	83
	23	--	04	55				6/1	--	04	81
	(204)	--	09	86				6/2	--	03	79
	3/1	--	00	00				7	--	02	02
	9	--	11	13				14	--	10	12
	12	--	11	13				15/1	--	01	26
	(204)							17	--	11	38
	19	--	11	13				24	--	11	38
	22	--	11	13				(56) 3	--	01	52
	(213)							4/1	--	08	35
	1	--	02	02				4/2	--	01	52
	2	--	09	11				7	--	02	78
	9/1	--	02	53				8	--	08	60
	9/2	--	01	26				13/1	--	02	53
	10	--	06	83				13/2	--	10	88
	11	--	11	13				(65) 9	--	10	12
	12	--	00	00				12	--	11	38
	20	--	11	13				19/1	--	05	56
	21	--	11	13				19/2	--	05	82
	(229) 1	--	01	34				21	--	02	78
	(252)	--	02	78				22/1	--	08	85
	(267)	--	01	26				(79)			
	(306)	--	04	30				25/2	--	03	54
	(309)	--	00	51				(80) 1	--	10	12
	(322)	--	00	25				2	--	01	52
								10	--	11	38
								11	--	10	87
								20	--	11	38
								21/1	--	01	52
								21/2	--	04	05
								21/3	--	00	25
								(89) 1	--	01	01
								(90) 5	--	19	62
								(90) 6	--	11	38
								15/1	--	03	79
								15/2	--	07	84
								16	--	11	38
								24	--	04	05
								25	--	07	34
								(105) 4	--	09	36
								5	--	01	01
								7	--	10	88
								14	--	11	38
7. हड़की	54	(16)									
		3/1	--	05	82			20	--	11	38
		3/2	--	01	26			21/1	--	01	52
		7	--	00	51			21/2	--	04	05
		8	--	11	38			21/3	--	00	25
		13	--	11	38			(89) 1	--	01	01
		18	--	01	01			(90) 5	--	19	62
		19	--	08	10			(90) 6	--	11	38
		22	--	06	07			15/1	--	03	79
		23	--	05	31			15/2	--	07	84
		(21) 2	--	11	38			16	--	11	38
		3	--	00	00			24	--	04	05
		9/1	--	10	63			25	--	07	34
		9/2	--	00	51			(105) 4	--	09	36
		11	--	00	00			5	--	01	01
		12	--	11	38			7	--	10	88
		19	--	06	07			14	--	11	38
		20/1	--	00	25						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		17/2	--	10	62			(177)	—	06	83
		23/3	--	06	32			(184)	—	02	28
		24	--	05	06			(201)	—	05	31
		(116)						(214)	—	05	51
		3/1	--	09	11			(215)	—	02	28
		3/2	--	02	28			(223)	—	00	51
		8	--	11	38			(226)	—	02	28
		13	--	11	38			(229)	—	02	53
		18/1	--	04	05			(230)	—	00	51
		18/2	--	04	55			(252)	—	01	26
		19	--	02	78			(259)	—	00	25
		23	--	10	12						
		23	--	01	53	8. वोलंगी	53	(2) 6	—	00	00
		(129) 2	--	11	38			15	—	05	31
		9/1	--	02	28			16	—	09	61
		9/2	--	09	36			25	—	11	38
		11	--	00	51			(3) 1	—	10	62
		12	--	11	13			10	—	11	38
		19	--	04	55			11	—	05	82
		20	--	06	83			20	—	00	25
		21	--	11	38			(7) 5	—	11	38
		(138) 1	--	10	87			6	—	10	87
		10	--	11	13			7	—	01	01
		11	--	04	55			(7) 14	—	07	33
		(139)						15	—	04	05
		15/1	--	00	76			16	—	09	11
		15/2	--	02	28			17	—	00	51
		16	--	10	37			24	—	0	11
		25	--	11	38			(10) 4	—	11	38
		(147)						7	—	10	12
		5/1	--	02	78			8	—	01	52
		5/2	--	08	09			13	—	08	35
		6	--	10	37			14	—	02	78
		7	--	01	02			18	—	11	38
		14	--	08	09			23	—	11	38
		(147) 15)	--	03	54			(18) 3	—	11	38
		17	--	11	38			8/1	—	01	27
		24	--	11	38			8/2	—	05	31
		(156) 4	--	11	38			9	—	03	54
		7	--	07	33			12	—	10	62
		8	--	04	05			13/1	—	01	01
		13	--	10	87			19	—	11	38
		14	--	00	51			22	—	10	88
		18	--	11	38			(21) 1	—	00	25
		23	--	11	38			2/1	—	09	86
		(160)						2/2	—	00	51
		2/2	--	01	52			9	—	06	83
		3	--	09	86			10	—	00	51
		8/1	--	00	00			11	—	11	13
		8/2	--	02	28			12	—	00	00
		9/1	--	05	32			20/1	—	08	85
		12	--	11	38			20/2	—	02	78
		19/1	--	02	53			21	—	08	85
		19/2	--	08	85			(33) 1	—	09	11
		22/1	--	11	38			10	—	02	03
		(167)						(34) 5	—	02	28
		3	--	01	52			6	—	09	61
		(174)	--	33	63			15	—	11	38

1	2	3	4	5	6	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		16	—	11	38			10/2	—	01	01
		24	—	00	25			10/3	—	02	78
		25	—	11	13			11	—	01	52
		(36) 4	—	05	82			(110)			
		5	—	05	82			5/1	—	—	51
		6/1	—	00	00			5/2	—	01	01
		7	—	11	38			6/1	—	02	78
		14	—	11	38			6/2	—	—	25
		17	—	11	38			6/3	—	01	01
		(36)						15/2	—	09	61
		23	—	04	05			16	—	11	13
		24	—	09	61			25	—	11	13
		(51)						(111)			
		4	—	01	26			5	—	11	13
		(60)	—	18	21			6/1	—	10	12
		(62)	—	02	53			15/1	—	11	13
		(63)	—	01	27			16/2	—	11	13
								25	—	11	13
								(135)			
								4	—	—	51
								5	—	07	84
								6	—	07	59
								7/1	—	03	54
								(135)			
								14	—	07	08
								15/1	—	02	78
								15/2	—	01	26
								16	—	01	26
								17	—	09	11
								24/1	—	09	36
								24/2	—	01	77
								(136)			
								4	—	11	13
								7/1	—	04	30
								7/2	—	06	83
								14	—	11	13
								17	—	11	13
								24	—	10	12
								(156)			
								4	—	11	13
								7	—	09	61
								8	—	01	52
								13	—	05	56
								14	—	05	56
								17/1	—	01	77
								17/2	—	—	25
								18	—	09	36
								24	—	—	25
								(401)	—	01	77
								(1015)	—	—	51
								(1102)	—	02	02
								(1104)	—	01	26
								(1112)	—	01	27
								(1113)	—	01	01
								(1119)	—	02	78
								(1121)	—	01	01
								(1127)	—	01	02

[सं. मो.-31015/6/88-मो.प्रार.प्र.ई]

S.O. 1007.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Chaksu in the State of Rajasthan to Baholli (Karnal) in the State of Haryana, Pipeline(s) should be laid by India Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline(s) it is necessary to acquire that right of user the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user there in.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline(s) under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Pipelines, 270, Subhash Nagar, Rohtak.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by Legal Practitioner.

SCHEDULE

Tehsil :	District :	State :				
Rohtak	Rohtak	Haryana				
Name of Village	Hadbast No.	(Musta-tell No.)	Area			
		Kila No.	Hect-are	Are	Centiare	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
1. Ismayila	37	(84)				
Gyarah Bisawa		1/1	—	01	01	
(11)		1/2	—	06	32	
		10	—	11	13	
		11/1	—	04	05	
		11/2	—	07	08	
		20/1	—	02	53	
		20/2	—	08	60	
		21	—	11	13	
		(109)				
		1/1	—	05	06	
		1/2	—	02	78	
		10/1	—	—	76	

2. Ismayila No. (9) 38
Bisawa

(16)			
16	—	14	16
25	—	11	13
(21)			
4	—	02	28
5	—	11	13

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
2. Ismayila No. (9)	38	(21)						13/2	—	11	13	
Bisawa								18	—	11	13	
		6	—	—	—			23	—	11	13	
		7	—	13	66			(124)				
		13	—	09	36			3	—	11	13	
		14	—	04	55			8	—	11	13	
		18	—	11	38			13	—	08	60	
		19	—	03	03			18	—	—	—	
		22	—	08	60			19	—	06	83	
		23	—	—	—			22	—	04	05	
		(44)						23	—	07	08	
		1	—	05	06			(136)				
		2	—	03	54			2	—	06	58	
		11	—	01	01			3	—	04	55	
		(45)						8	—	01	52	
		6	—	02	53			9	—	09	61	
		15	—	12	39			12	—	11	13	
		16	—	11	13							
		25	—	11	13			(136)				
		(49)						19/1	—	03	54	
		5	—	11	13			19/2	—	07	58	
		6	—	11	13			22	—	11	13	
		15	—	11	13			(141)				
		16	—	10	37			1/1	—	—	51	
		17	—	—	25			2	—	09	36	
		24	—	02	02			9	—	11	13	
		25	—	09	11			12	—	11	13	
		(73)						19	—	11	13	
		4	—	05	06			21	—	—	51	
		5	—	06	07			22	—	10	62	
		6	—	01	77			(147)				
		7	—	08	09			1	—	03	29	
		14	—	10	62			2	—	07	58	
		15	—	—	51			9	—	03	54	
		17/1	—	03	79			10	—	07	59	
		17/2	—	07	34			11	—	10	62	
		24/1	—	04	30			12	—	—	51	
		24/2	—	06	83			20	—	11	13	
		26	—	01	26			21	—	11	13	
		(78)						(151)				
		4	—	11	13			1	—	—	51	
		7	—	11	13			(157)	—	06	58	
		(78)						(158)	—	06	83	
		14	—	11	13			(159)	—	09	36	
		17/1	—	11	13			(161)	—	05	31	
		24	—	11	13			(174)	—	01	27	
		(98)						(177)	—	01	26	
		4	—	10	62			(178)	—	01	01	
		7	—	11	13			(189)	—	—	51	
		14	—	11	13			(190)	—	—	51	
		17	—	10	37			(264)	—	—	25	
		18	—	—	76							
		23	—	03	04		3. Gandhra	44	(9)			
		24	—	08	09				14	—	02	53
		(103)							15	—	06	83
		3	—	05	56				16	—	02	28
		4	—	05	56				17/1	—	05	82
		7	—	03	54				17/2	—	—	51
		8	—	07	59				17/3	—	02	78
		13	—	10	12				24	—	10	88
		14	—	01	01							
		18	—	11	13				(19)			
		23	—	09	86				4	—	11	38
		(119)							7/1	—	08	60
		3	—	11	13				7/2	—	02	78
		8	—	11	13				13	—	04	55

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	1	2	3	5	6
		14	—	09	36			12	—	11 38
		17/1	—	—	51			19	—	11 38
		18/1	—	02	53			21	—	— 25
		18/2	—	08	35			22	—	11 13
		23	—	11	38			(93)		
		(28)						25	—	01 52
		3/1	—	05	82			(94)		
		3/2	—	05	56			1	—	05 82
		8	—	10	88			2	—	05 38
		9/1	—	—	51			9	—	— —
		12/1	—	02	02			10	—	11 38
		12/2	—	04	81			11	—	11 38
		13	—	04	55			20	—	11 38
		19	—	11	38			21	—	08 85
		22/1	—	01	52			(107)		
		22/2	—	09	86			1	—	02 53
		(39)								
		2	—	10	88	3. Gandhra	44	(108)		
		9/2	—	09	36			5	—	08 35
		10	—	02	02			6	—	11 38
		11/1	—	07	59			15	—	11 38
		11/2	—	01	52			16	—	11 38
		12	—	02	28			25	—	11 38
		20/1	—	06	58			(116)		
		(39)						5	—	11 38
		20/2	—	04	81			6	—	11 38
		21/1	—	03	79			15	—	08 09
		21/2	—	07	59			(157)		
		(49)						—	—	01 26
		6	—	04	05			(165)	—	— 51
		15	10	10	37			(166)	—	— 51
		16	—	11	38			(174)	—	01 77
		25/1	—	—	25			(176)	—	— 51
		25/2	—	09	11			(182)	—	— 51
		25/3	—	01	52			(185)	—	— 50
		25/4	—	—	51					
		(50)								
		1	—	10	87	4. Noanoand	43	(23)		
		(50)						22	—	— 51
3. Gandhra	44	(44)						(44)		
		10	—	07	33			3	—	11 13
		11	—	01	01			8	—	11 13
		(60)						13	—	10 62
		4	—	—	51			18	—	09 86
		5	—	10	87			19	—	— 25
		6	—	05	06			22	—	04 30
		7/1	—	02	27			23	—	04 30
		7/2	—	04	05			(48)		
		14	—	11	38			2	—	09 86
		(60)						3	—	01 27
		15	—	—	—			9	—	11 13
		17/1	—	10	37			12	—	11 13
		17/2	—	01	01			19	—	11 13
		24	—	10	12			22	—	11 13
		(69)						(70)		
		3	0	02	02			1	—	05 31
		4	—	09	36			2	—	10 37
		7	—	02	28			9	—	05 56
		8	—	09	10			11	—	08 60
		13	—	11	38			19	—	— —
		18	—	11	38			20	—	11 13
		23	—	11	38			21	—	11 13
		(84)					43	(73)1	—	11 13
		2	—	04	05			10	—	11 13
		3	—	07	33			11	—	10 37
		8/2	—	01	01			20	—	04 55
		9	—	10	37			21	—	— —

1	2	3	4	5	6	1	3	4	5	6	
		(74)					23	..	11	13	
		16	—	05	56		(102)	..	00	51	
		25	—	11	38		15/1				
		(89)					15/2	..	01	01	
		5	—	11	38		16	..	06	58	
		6	—	13	66		25/1	..	04	55	
		(97)	—	04	30		25/2	..	04	05	
		(101)	—	01	27		(104)				
		(106)	—	04	05		1/2	..	02	02	
							2	..	09	11	
5. Paksaman	57	(9)					9/1	..	00	25	
		4	—	96	58		9/2	..	03	54	
		5	—	04	55		10	..	07	59	
		6/1	—	00	25		11	..	11	13	
		7	—	10	88		12	..	00	00	
		14	—	11	13		20	..	11	13	
		17	—	11	13		21	..	11	13	
		24/1	—	05	82	57	(105) 1	..	10	12	
		24/2	—	03	79		10	..	11	13	
		(10)					11	..	09	61	
		5/2	—	11	13		20/2	..	04	55	
		6	—	11	13		(130)				
		15	—	11	13		4	..	05	56	
		16	—	11	13		5	..	05	56	
		24	—	01	26		6	..	01	01	
		25	—	09	86		7/1	..	08	61	
		(11)					7/2	..	01	52	
		15	—	00	76		14/1	..	08	85	
		16	—	05	56		14/2	..	02	28	
		25	—	10	12		17	..	11	13	
		(12)					24	..	10	62	
		1	—	03	79		(131)				
		10	—	11	13		5/1	..	05	82	
		(12)					5/2	..	05	31	
		11	—	10	62		6	..	11	13	
		20	—	05	56		15	..	11	13	
		21	—	01	01		16	..	11	13	
		(72) 2/2	—	11	13		24	..	01	26	
		3	—	00	00		25	..	09	86	
		9	—	10	62		(140)				
57		(72)					4/1	..	01	26	
		12	..	11	13		4/2	..	01	77	
		19	..	11	13		4/3	..	08	10	
		22	..	11	13		7	..	10	88	
		(73)					8	..	00	25	
		3	..	11	13		13	..	04	05	
		8	..	11	13		14	..	07	08	
		13	..	11	13		17	..	02	02	
		18	..	06	07		18	..	09	11	
		19/1	..	00	25		23	..	10	62	
		19/2	..	01	26		(163)	..	00	51	
		22	..	07	59		(205)	..	01	52	
		23	..	05	13		(206)	..	01	52	
		(74)					(212)	..	02	53	
		4	..	11	13		(226)	..	00	51	
		7/1	..	01	52		(229)	..	01	01	
		7/2	..	07	84						
		8	..	02	02	6. Bhaloi	59	(104)	..	04	55
		13	..	07	08		01	..	05	56	
		14/1	..	01	26						
		14/2	..	02	78		09	..	00	25	
		17	..	00	25		10	..	11	13	
		18/1	..	05	06		11	..	11	38	
		18/2	..	05	82		20	..	11	38	
							21	..	06	32	
							(105)				
							25/2	..	05	06	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		(140)					54	(21) 2	..	11	38
		5	..	11	13			3	..	00	00
		6	..	11	13			9/1	..	10	63
		15	..	11	13			9/2	..	00	51
		16	..	08	36			11	..	00	00
		24	..	00	00			12	..	11	38
		25	..	10	62			19	..	06	07
		(147)						20/1	..	00	25
		4	..	02	02			20/2	..	05	06
		5	..	07	08			21	..	11	13
		6	..	01	26			22	..	00	25
		7	..	08	10			(33)			
		14/2	..	11	13			15	..	04	30
		17/1	..	09	36			16/1	..	04	55
		17/2	..	01	77			16/2	..	00	25
		24	..	11	13			25	..	09	61
		(174)						(34) 1	..	11	38
		4	..	10	88			10	..	11	38
		7	..	10	37			11	..	07	08
		8	..	00	76			20/2	..	00	51
		13	..	05	56			(44)			
		14	..	05	57			5/1	..	04	05
		17	..	00	76			5/2	..	06	83
		18	..	10	37			6/1	..	04	81
		23	..	11	13			6/2	..	03	79
		(183)						7	..	02	02
		3	..	11	13			14	..	10	12
		8/1	..	02	02			15/1	..	01	26
		8/2	..	09	11			17	..	11	38
		13	..	11	13			24	..	11	38
		18	..	09	86			(56) 3	..	01	52
		19	..	01	26			4/1	..	08	35
		22	..	06	58			4/2	..	01	52
		23	..	04	55			7	..	02	78
59		(204) 2	..	09	86			8	..	08	60
		3/1	..	00	00			13/1	..	02	53
		9	..	11	13			13/2	..	10	88
		12	..	11	13			(65) 9	..	10	12
		(204)						12	..	11	38
		19	..	11	13			19/1	..	05	56
		22	..	11	13			19/2	..	05	82
		(213)						21	..	02	78
		1	..	02	02			22/1	..	08	85
		2	..	09	11			(79)			
		9/1	..	02	53			25/2	..	03	54
		9/2	..	01	26			(80) 1	..	10	12
		10	..	06	83			2	..	01	52
		11	..	11	13			10	..	11	38
		12	..	00	00			11	..	10	87
		21	..	11	13			20	..	11	38
		21	..	11	13			21/1	..	01	52
		(229)/1	..	07	34			21/2	..	04	05
		(252)	..	02	78			21/3	..	00	25
		(267)	..	01	26			(89) 1	..	01	01
		(306)	..	04	30			(90) 5	..	10	62
		(309)	..	00	51			(90) 6	..	11	38
		(322)		00	25			15/1	..	03	79
7. Roorki	54	(16)						15/2	..	07	84
		3/1	..	05	82			16	..	11	38
		3/2	..	01	26			24	..	04	05
		7	..	00	51			25	..	07	34
		8	..	11	38			(105) 4	..	09	36
		13	..	11	38			5	..	01	01
		18	..	01	01			7	..	10	88
		19	..	08	10			14	..	11	38
		22	..	06	07			17/2	..	10	62
		23	..	05	31						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	54	23/3	..	06	32			(230)	—	00	51
		24	..	05	06			(252)	—	01	26
		(116)						(259)	—	00	25
		3/1	..	09	11	8. Polungi	53	(2) 6	..	00	00
		3/2	..	02	28			15	..	05	31
		8	..	11	38			16	..	09	61
		13	..	11	38			25	..	11	38
		18/1	..	04	05			(3) 1	..	10	62
		18/2	..	04	55			10	..	11	38
		19	..	02	78			11	..	05	82
		23	..	10	12			20	..	00	25
		23	..	01	53			7(5)	..	11	38
		(129) 2	..	11	38			6	..	10	87
		9/1	..	02	28			7	..	01	01
		9/2	..	09	36			(7) 14	..	07	33
		11	..	00	51			15	..	04	05
		12	..	11	13			16	..	09	11
		19	..	04	55			17	..	00	51
		20	..	06	83			24	..	09	11
		21	..	11	38			(10) 4	..	11	38
		(138) 1	..	10	87			7	..	10	12
		10	..	11	13			8	..	01	52
		11	..	04	55			13	..	08	35
		(139)						14	..	02	78
		15/1	..	00	76			18	..	11	38
		15/2	..	02	28			23	..	11	38
		16	..	10	37			(18) 3	..	11	38
		25	..	11	38			8/1	..	01	27
		(147)						8/2	..	05	31
		5/1	..	02	78			9	..	03	54
		5/2	..	08	09			12	..	10	62
		6	..	10	37			13/1	..	01	01
		7	..	01	02			19	..	11	38
		14	..	08	09			22	..	10	88
		(147) 15	..	03	54			(21) 1	..	00	25
		17	..	11	38			2/1	..	09	86
		24	..	11	38			2/2	..	00	51
		(156) 4	..	11	38			9	..	06	83
		7	..	07	33			10	..	00	51
		8	..	04	05			11	..	11	13
		13	..	10	87			12	..	00	00
		14	..	00	51			20/1	..	08	85
		18	..	11	38			20/2	..	02	78
		23	..	11	38			21	..	08	85
		(160)						(33) 1	..	09	11
		2/2	..	01	52			10	..	02	03
		3	..	09	86			(34) 5	..	02	28
		8/1	..	00	00			6	..	09	61
		8/2	..	02	28			15	..	11	38
		9/1	..	05	32			16	..	11	38
		12	..	11	38			24	..	00	25
		19/1	..	02	53			25	..	11	13
		19/2	..	08	85			(36) 4	..	05	82
		22/1	..	11	38			5	..	05	82
		(167)						6/1	..	00	00
		3	..	01	52			7	..	11	38
		(174)	..	33	63			14	..	11	38
		177	..	06	83			17	..	11	38
		(184)	..	02	28			(36)			
		(2 1)	..	05	31			23	..	04	05
		(214)	..	00	51			24	..	09	61
		(215)	..	02	28			(51)			
		(223)	..	00	51			4	..	01	26
		(226)	..	02	28			(60)	..	18	21
		(229)	..	02	53			(62)	..	02	53
								(63)	..	01	27

का.आ. 1008:—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड "क" के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गई कालम 1 में दिये गये प्राधिकारी को कथित अधिनियम के अधीन अनुसूची के कालम 2 में प्रविष्टि के अनुरूप लिखित क्षेत्रों के अन्दर सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

अनुसूची

प्राधिकारी एवम् पता	क्षेत्र
श्री एस.एन. ठक्कर लाइज़न ऑफिसर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. कांडला-भटिण्डा पाइपलाइन बंगला नम्बर-66, सेक्टर नं. 4 गांधीधाम-370201 कच्छ (गुजरात)	गुजरात

[सं.ओ. 0-31015/3/89-ओ आर-1]

S.O.1008.—In pursuance of Clause (a) of Section 2 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorises the authority mentioned in Column 1 of the schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

Authority and Address	Areas
Shri S N Thacker Liaison Officer, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla-Bhatinda Pipeline Bungalow No. 66, Sector No. 4 GANDHIDHAM-370 201 Kutchh (Gujarat)	Gujarat

[No. O-31015/3/89-OR-I]

का.आ. 1009:—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खण्ड "क" के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे दी गई कालम 1 में दिये गये प्राधिकारी को कथित अधिनियम के अधीन अनुसूची के कालम 2 में प्रविष्टि के अनुरूप लिखित क्षेत्रों के अन्दर सक्षम प्राधिकारी के कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

अनुसूची

प्राधिकारी एवम् पता	क्षेत्र
श्री कृपाल सिंह लाइज़न ऑफिसर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि., कांडला-भटिण्डा पाइपलाइन, एस.सी.ओ-178, सेक्टर नं. 37-सी चण्डीगढ़	पंजाब

[सं.ओ-31015/2/89-ओआर-1]

टी.एन. परमेश्वरन, अवसर सचिव

S.O.1009.—In pursuance of Clause (a) of Section 2 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorises the authority mentioned in Column 1 of the schedule below to perform the functions of the Competent Authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column 2 of the said schedule.

SCHEDULE

Authority and Address	Areas
Shri Kirpal Singh Liaison Officer, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla-Bhatinda Pipeline, SCO-178, Sector No. 37-C, CHANDIGARH	Punjab

[No. O-31015/2/89-OR-1]

T.N. PARAMESWARAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1989

का.आ. 1010:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का.आ.सं. 1215 (ई) तारीख 28-12-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुपूरक नद अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा नं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
गाजियाबाद	दादरी	दादरी	सदर-पुर	469	0.0030	
				511	0.0100	
				2	0.0130	

[सं. ओ-14016/54/88-जी.पी.]

New Delhi, the 21st April, 1989

S.O. 1010.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1215 (E) dated 28-12-88 under sub-section (I) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Sadarpur	469	0.0030	
				511	0.0100	
				2	0.0130	

[No. O-14016/54, 88-G.P.]

का. प्र. 1011:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का.प्र.सं. तारीख 1216 (ई) 28-12-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जन करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः तत्काल प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का निश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Saini	219	0.0100	

[No. O-14016/42/88-G.P.]

अनुसूची का अनुसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	महल्ला	परगना	ग्राम	गाँव	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
गाज़ियाबाद	दादरी	दादरी	सनी	219	0.0100	

[सं. प्र. 14016/42/88-जी.प्रा.]

S.O. 1011.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1216 (E) dated 28-12-88 under sub-section (I) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

का.आ.1012.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 311 तारीख 11-2-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Hectare/ Bigha	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Mahawar	62	0-5-0	

[No. O-14016/57/88-G.P.]

का. आ. 1013.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 312 तारीख 11-2-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	प्लॉट सं.	क्षेत्रफल/ हेक्टर/एकड़/चक पुरानी नं. बीघा में
1	2	3	4	5	6
गजियाबाद	दादरी	दादरी	महावर		62 0-5-0

[सं. आ. - 14016/57/88 - जी. पी.]

S.O. 1012.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 311 dated 11-2-89 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गटा सं.	क्षेत्रफल/ हेक्टर/एकड़	चक पुरानी बीघा में नं. संख्या
1	2	3	4	5	6	7
गजियाबाद	बावरी	दादरी	रनाली	285	0-0-10	
			पुर	301	0-0-15	
				369	0-1-15	
				3	0-3-0	

[सं. ओ - 14016/62/88 - जी. पी.]

S.O. 1013.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 312 dated 11-2-89

under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Hectare/ Bigha	Remarks
1	2	3	4	5	6	8
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Ranauli	285	0-0-10	
			Latifpur	301	0-0-15	
				369	0-1-15	
				3	0-3-0	

[No. O-14016/62/88-G.P.]

सं. आ. 1014—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का, सं. 309 तारीख 11-2-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियमन किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का

अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकार में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गटा सं.	क्षेत्रफल हेक्टर/एकड़	चक पुरानी बीघा में नं. संख्या
1	2	3	4	5	6	7
गजियाबाद	बावरी	दादरी	माथोगुर	18	0-0-600	
				125	0-0-150	
				123	0-0-60	
				3	0-0-810	

[सं. ओ - 14016/49/88 - जी. पी.]

S.O. 1014.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 309 dated 11-2-89 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

II.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Hectare/ Bigha	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dairi	Dairi	Salopur	18	0.0600	
				125	0.0150	
				123	0.0050	
				3	0.0810	

[N.O-14016/49/88-G.P.]

का. प्रा. 1015.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (i) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. प्रा. सं. 310 तारीख 11-2-89 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने या अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः तत्काल अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी आधाराओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुपूरक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं. चक नं.	क्षेत्रफल/हेक्टर एकड़/बीघा में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
गाजियाबाद	हादरी	दादरी	सलारपुर कलां	57	0.0280	
				25	0.0630	
				2	0.0910	

[सं. ओ - 14016/51/88 - जी. पी.]

S.O. 1015.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 310 dated 11-2-89 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Hectare/ Bigha	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Salarpur Kalan	57 25	0.0280 0.0530	
				2	0.0910	

[No. O-14016/51/88 G.P.]

का. आ. 1016:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (i) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 1214(ई) तारीख 28-12-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना भाग्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भागीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुपूरक वाव अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल/हेक्टर/ एकड़/बीघा में	विवरण
				सर. नं.	पुरानी सं.	
1	2	3	4	5	6	7
गाजियाबाद	दादरी	दादरी	गेजा तिल्फनाबाद	264		0.0100

[सं. आ. - 14016/52/88 - जी. पी.]

S.O. 1016.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 1214(E) dated 28-12-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTRY CASE (SCHEDULE)

H.B.J. Gas Pipeline Project

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in Hectare/ Bigha	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Ghaziabad	Dadri	Dadri	Gejha Tilftabad	264	0.0100	

[No. O-14016/52/88-G.P.]

का. प्रा. 1017—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अधिनियम) अधिनियम 1962 (1963 का 50) की धारा 3 उपधारा (i) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. प्रा. सं. 3297 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और भण्डे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक गांव अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहाँपुर	तिलहार	खेड़ा कमोडा	गोबिन्दपुर	267	0-28	

[सं. ओ-14016/432/85-जी.पी.]

S.O. 1017.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3297 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tashil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Shahjahanpur	Tilhar	Khera Bakhoda	Govind Pur	267	0-28	

[N.O. 14016/432/85-G.P.]

का. भा. 1018—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. भा. सं. 3296 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइन को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूचक वाद अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहाँपुर	तिलहर	तिलहर	बैसरी बैसरा	448	0-45	

[सं. ओ - 14016/429/85 - जी. पी.]

S.O. 1018.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3296 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authorities has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acers	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Shahjahanpur	Tilhar	Tilhar	Baisari Baisara	448	0-45	

[N.O. 14016/429/85-G.P.]

का. भा. 1019—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (i) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. भा. सं. 3302 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना प्राथम्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अथ अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश होती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि० में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस शर्त के अधीन निहित होगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल एकड़ में	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
शाहजहाँपुर	तिलहर	तिलहर	कवाजा सराई उर्फ सरैया	103/1	0-05	

[सं. ओ - 14016/485/85-जी. पी.]

S.O. 1019.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3302 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of

user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remarks
1	2	3	4	5	6	7
Shahjhanpur	Tilhar	Tilhar	Kawaja Saraiurf Saraljan	103/1	0-05	

[No. O-14016/485/85-G.P.]

का. भा. 1020.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना के अंतर्गत एमोड वेडस एंड केबिल रूट, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाया जाना है।

और यह भी अनुभव करती है कि उस कार्य के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खंड 3 के उपखंड (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

अतः कि उक्त भूमि में अपनी शक्ति रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सहित प्राधिकारी गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमि. एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकासदीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226019, उ. प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराने के समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यवसाय के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुसूची
एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं.	क्षेत्रफल	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
फर्रुखाबाद	छिब्रामऊ	छिब्रामऊ	लालपुर	1	0-08	
				2	0-11	
				3	0-02	
				4	0-01	
			योग	4	0-22	

[सं. ओ - 14016/488/84 - जी. पी.]

S.O. 1020.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas of HBJ Pipeline Project for Anode Bed and Cable Route to be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of this laying it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project Vikasdeep Building, 22 Station Road, Lucknow, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

Supplementary Case (Schedule)
H.B.J. Gas Pipe Line Project

District	Tahsil	Pargana	Village	Plot No.	Area in acres	Remark
1	2	3	4	5	6	7
Fateukhabad	Chhibra Mau	Chhibra Mau	Lalpur	1	0- 08	
				2	0- 11	
				3	0- 02	
				4	0- 01	
Total				4	0 22	

[No O-14016/488/84-G.P.]

का. भा. 1021—यहां केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजीरा से बरेली से जगदीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ;

और यतः यह प्रतीत होता है कि लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है :

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाईप लाईन 45, सुभाष नगर साबौर रोड, उज्जैन (म. प्र. 456818) को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाईप लाईन प्रोजेक्ट

ग्राम खोजरी तहसील : खाचरोद जिला :- उज्जैन राज्य मध्य प्रदेश

अनु. नं.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र हेक्टर में
1	2	3
1	185	0.005
2	188	0.920
3	177	0.188
4	173	0.188
5	172	0.021
6	171	0.157

	1	2	3	4	5	6
7.	168		0.010			
8.	170		0.105			
9.	169		0.209			
10.	164		0.125			
11.	165		0.010			
12.	163		0.073			
13.	160		0.178			
14.	131		0.105			
15.	133		0.125			
16.	128		0.005			
17.	127		0.010			
18.	135		0.105			
19.	123मी.		0.063			
20.	126		0.251			
21.	125		0.167			
22.	106		0.648			
23.	61		0.021			
24.	105		0.082			
25.	60		0.021			
26.	14/1		0.188			
27.	62		0.261			
28.	58		0.669			
29.	65		0.125			
30.	55/1		0.125			
31.	55/2		0.157			
32.	55/3		0.261			
33.	54		0.031			
34.	53		0.272			
35.	66		0.146			
36.	52		0.245			
37.	51		0.084			
38.	49		0.063			
39.	50		0.084			
40.	192		0.010			
41.	162		0.073			

1	2	3
42.	161/1	0.021
43.	159	0.031
44.	132	0.042
45.	134	0.021
46.	124	0.042
योग कुल क्षेत्रफल:—		6.743

[सं. प्रो—14016/87/84-जी. पी.]

S.O. 1021.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipeline 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

Village KHOKHRI; Tehsil Khachrod; Dist. Ujjain (M.P.)

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for ROU in Hectare
1	2	3
1.	185	0.005
2.	188	0.920
3.	177	0.188
4.	173	0.188
5.	172	0.021
6.	171	0.157
7.	168	0.010
8.	170	0.105
9.	169	0.209
10.	164	0.125
11.	165	0.010
12.	163	0.073
13.	160	0.178
14.	131	0.105
15.	133	0.125
16.	128	0.005
17.	127	0.010
18.	135	0.105
19.	123 m.	0.063
20.	126	0.251
21.	125	0.167
22.	106	0.648
23.	61	0.021
24.	105	0.082
25.	60	0.021
26.	14/1	0.188

1	2	3
27.	62	0.261
28.	58	0.669
29.	65	0.125
30.	55/1	0.125
31.	55/2	0.157
32.	55/3	0.261
33.	54	0.031
34.	53	0.272
35.	66	0.146
36.	52	0.245
37.	51	0.084
38.	49	0.063
39.	50	0.084
40.	192	0.010
41.	162	0.073
42.	161/1	0.021
43.	159	0.031
44.	132	0.042
45.	134	0.021
46.	124	0.042
Total area in hectare		6.743

[No. O-14016/87/84-G.P.]

का. प्रो. 1022.—यत्. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजोरा से बरेली से जगदीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यत्. यह प्रतीत होता है कि ऐसी जगहों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवत् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाइप लाइन 45, सुभाष नगर सावर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010 को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सूचनाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी को मार्फत।

अनुसूची

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम का नाम : मोहनकोट सहस्राल : पेटलावद जिला साबुआ राज्य : मध्य प्रदेश		
क्र. सं.	खसरा नं.	उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र हेक्टर में
1.	2.	3.
1.	228	0.032
कुल क्षेत्रफल हेक्टर में		0.082

[सं. प्रो. 14016/339/84-जी. पी.]

S.O. —Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

Village Mohankot; Tehsil Petlawad; Dist. Jhabua (M.P.)		
Sl. No.	Survey No.	Area to be Acquired in Hect.
1.	228	0.082
Total Area in Hect.		0.082

[No. O-14016/339/84-G.P.]

का. प्रा. 1023.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजौरा से बरेली से जगदीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के लोके पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाइप लाइन 45, सुभाष नगर सावर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010 को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

नाम ग्राम : चिकली तहसील : ताराना जिला उज्जैन राज्य : मध्य प्रदेश

अनु. क्रं. सर्वे नं. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)

1.	2.	3.
1.	274	0.082
2.	275	0.058
कुल क्षेत्रफल हेक्टर में		0.140

[सं. भा. 14016/504/84-ग.प.]

S.O. 1023.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Barilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe Line, 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain, (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village Chikli; Tehsil Tarana; Dist. Ujjain; M.P.		
Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	274	0.082
2.	276	0.058
Total Area in Hect.		0.140

[No. O-14016/504/84-G.P.]

का. प्रा. सं. 1024.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हजौरा से बरेली से जगदीशपुर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाठ्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उक्त भूमि के संबंध में पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस ध्यौरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एच. बी. जे. पाइप लाइन 15, सुभाष नगर सावर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456010 को इस अधिसूचना की तारीख के 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितता यह भी कयन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एच. बी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

ग्राम का नाम : काछीबड़ोदा तहसील : बदनार जिला : धार राज्य : मध्य प्रदेश

अनुसूची

क्र.सं. खसरा नं. उपयोग अधिकार अर्जन का क्षेत्र हेक्टर में

1. 2. 3.

1. 929 0.105

कुल क्षेत्रफल हेक्टर में 0.105

[सं. प्रो.-14016/353/84-जी पी.]

राकेश ककर, उप सचिव

S.O. 1024.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Hazira-Bareilly to Jagdishpur in Madhya Pradesh State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village Kachhi Baroda; Tehsil Badnawar; Dist. Dhar (M.P.)

SCHEDULE

Sl. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hect.
1.	929	0.105
Total Area in Hect.		0.105

[No. O-14016/353/84-G.P.]

RAKESH KACKER, Dy. Secy.

साथ एवं भाग्यिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक प्रति विभाग)


भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

क्र. प्रो. 1025.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 9 के उपनियम (1) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस मानक मुहर का डिजाइन, उसके शाब्दिक विवरण और संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष सहित नीचे अनुसूची में दिया गया है, वह निश्चित कर दिया गया है।

भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 और उसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के प्रयोजन के लिए यह मानक मुहर 1987 02 01 से लागू होगी।

अनुसूची

क्र.सं.	मानक मुहर का डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	मानक मुहर के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		टर्बाइन स्नेहन तेल-भारी ग्रेड	IS : 1012-1978	संस्म (2) में दिखाई गई निश्चित शैली और परस्पर संबंध अनुपात में बनाया गया "ISI" प्रक्षरयुक्त भारतीय मानक ब्यूरो का मोनोग्राम, जिसमें भारतीय मानक की संख्या डिजाइन में दिखाए अनुसार मोनो ग्राम के उपर और शब्द "भारी" मोनोग्राम के नीचे अंकित हो।

[संख्या सीएमडी/13:9]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)


BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 12th April, 1989

S.O.1025.—In pursuance of sub-rule (1), of the rule 9 of Bureau of Indian Standards Rules 1987 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the Standard Mark, design of which together with the description of the design and the number and year of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1987-02-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Desig of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and year of the Relevant Indian Standard	Description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.	ISI 	Turbine lubricating oils— heavy grade	IS : 1012—1978	The monogram of the Bureau of Indian Standards, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the words 'HEAVY' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

क्र.सं. 1026.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 6 के उपविनियम (3) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि टर्बाइन स्लेहन तेल की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, निर्धारित कर दी गई है और वह फीस 1987-2-01 से लागू होगी।

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	टर्बाइन स्लेहन तेल भारी ग्रेड	भा, भा. : 1012-1978	एक लिटर	5 पैसे

[संख्या सीएमडी/13 : 10]

S.O.1026.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 6 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulations, 1988, the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for turbine lubricating oils details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1987-02-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Year of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per unit
1	2	3	4	5
1.	Turbine lubricating oils—heavy grade	IS : 1012—1978	One Litre	5 Paise

[No. CMD/13 : 10]

क्र. सं. 1027.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), दिनांक 1984-09-22 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय नागरिक पूर्ति विभाग (भारतीय मानक ब्यूरो) की अधिसूचना संख्या का.आ. 2986 दिनांक 1984-08-28 का अनाधिक संशोधन करते हुए भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि बिजली के बिकटक की प्रति इकाई मुहरांकन फीस, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, संशोधित कर दी गई है। मुहरांकन फीस की संशोधित दर 1989-02-01 से लागू होगी :

अनुसूची

क्र.सं. उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबद्ध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहरांकन फीस
(1)	(2)	(3)	(4)
1. बिजली के विफिटक	भासा : 369-1983	एक प्रत्ये	75 पैसे

[संख्या सीएमडी/13 : 10]

S.O. 1027. —In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies) (Bureau of Indian Standards) notification number S.O. 2986 dated 1984-08-28 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1984-09-22 the Bureau of Indian Standards, hereby, notified that the marking fee per unit for electric radiators details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-02-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per unit
1	2	3	4	5
1.	Electric radiators	IS : 369—1983	one piece	75 paise

[No. CMD/13 : 10]

क्र. भा. 1028.—भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) नियम 1987 के नियम 7 के तहत (ख) के अधिनियम में एडमिनिस्ट्रेशन किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिस भारतीय मानक का संशोधन दिया गया है वह उक्त नियम के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन जारी किया गया है:

अनुसूची

क्रम संख्या	संशोधित भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	जिस राजपत्र अधिसूचना में भारतीय मानक की स्थापना की अधिसूचना छपी थी उसकी संख्या और तिथि	संशोधन की संख्या और तिथि	संशोधन लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	भासा : 1223-1982	क्र. भा. 2786 दिनांक 1986 08 09 सं.	3 अगस्त 1988	1988-08-31

[संख्या सीएमडी/13 : 5]

S.O. 1023.—In pursuance of Sub-Rule (b) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, it is, hereby, notified that amendment to the Indian Standard given in the schedule hereto annexed has been issued under the powers conferred under the said rule.

SCHEDULE

Sl. No.	No. and year of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified.	No. and date of the amendment	Date from which the Amendment shall have effect
1	2	3	4	5
1.	IS : 1223—1982	S.O. 2786 dated 1986-08-09	No. 3 Aug 1988	1988-08-21

[No. CMD/13 : 5]

का. आ. 1029.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2), दिनांक 1988-04-02 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नागरिक पूर्ति विभाग (भारतीय मानक ब्यूरो) की अधिसूचना संख्या का. आ. 1015 दिनांक 1988-01-20 का आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय मानक ब्यूरो एतद् द्वारा अधिसूचित करता है कि तेल दाब चूल्हे की प्रति इकाई मुद्रांकन फीस, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, संशोधित कर दी गई है। मुद्रांकन फीस की संशोधित दर 1989-02-01 से लागू होगी:

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुद्रांकन फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	तेल दाब चूल्हे	भाभा : 1342-1986	एक अदर	15 पैसे

[स. सीएमडी/ 13:10]

S. O. 1029.—In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies) (Bureau of Indian Standards) notification number S.O. 1015 dated 1988-01-20 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated 1988-04-02 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for oil pressure stove details of which are given in the Schedule hereto annexed has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-02-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee Per Unit
1.	Oil pressure stove	IS : 1342 --1986	One Piece	15 Paise

[No. CMD/13 : 10]

का. आ. 1030.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2), दिनांक 1984-09-15 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नागरिक पूर्ति विभाग (भारतीय मानक ब्यूरो) की अधिसूचना संख्या का. आ. 2954 दिनांक 1984-08-16 का आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय मानक ब्यूरो एतद् द्वारा अधिसूचित करता है कि रंगों के लिए लोह आक्साइड वर्णक की प्रति इकाई मुद्रांकन फीस, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, संशोधित कर दी गई है। मुद्रांकन फीस की संशोधित दर 1989-03-01 से लागू होगी:

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुद्रांकन फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	रंगों के लिए लोह आक्साइड वर्णक	भाभा : 44-1969	एक टन	रु.10.00

[संख्या सीएमडी/13:10]

S.O. 1030. --In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies) (Bureau of Indian Standards) notification number S.D. 2954 dated 1984-08-16 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1984-09-15 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for iron oxide pigments for paints, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-03-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Making Fee Per Unit
1	2	3	4	5
1.	Iron oxide pigments for paints	IS : 44—1969	One Tonne	Rs. 10.00

[No. CMD/13 : 10]

क्र. आ. 1031.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (3), दिनांक 1983-11-19 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नागरिक पूर्ति विभाग (भारतीय मानक ब्यूरो) की अधिसूचना संख्या का. आ. 4199 दिनांक 1983-10-26 का आशंक मनावन करत हुए भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि सोडियम थायोसल्फेट, फोटोग्राफी ग्रेड की प्रति इकाई मुहरांकन फीस, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, संशोधित कर दी गई है। मुहरांकन फीस की संशोधित दरें 1989-03-01 से लागू होंगी:

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहरांकन फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सोडियम थायोसल्फेट, फोटोग्राफी ग्रेड	भासा : 246-1972	एक टन	रु. 10.00

[संख्या सीएमडी/13 : 10]

S.O. 1031.—In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies) (Bureau of Indian Standards) notification number S.O. 4199 dated 1983-10-26 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1983-11-19 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for sodium thiosulphate photographic grade details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-03-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee Per Unit
1	2	3	4	5
1.	Sodium thiosulphate photographic grade	IS : 246 1972	One Tonne	Rs. 10.00

[No. CMD/13 : 10]

क्र. आ. 1032.—भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (2), दिनांक 1988-04-02 में प्रकाशित खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नागरिक पूर्ति विभाग (भारतीय मानक ब्यूरो) की अधिसूचना संख्या का. आ. 1021 दिनांक 1988-02-12 का आशंक संशोधन करत हुए भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि तेल दाब चूल्हों के बर्नर की प्रति इकाई मुहरांकन फीस, जिसका विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है, संशोधित कर दी गई है। मुहरांकन फीस की संशोधित दर 1989-02-01 से लागू होंगी:

अनुसूची

क्र.सं.	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	संबंध भारतीय मानक की संख्या और वर्ष	इकाई	प्रति इकाई मुहरांकन फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	तेल दाब चूल्हों के बर्नर	भासा : 8808-1986	एक अंशद.	3 पैसे

[संख्या सीएमडी/13 : 10]

क्र. रा. परमेश्वर, महानिदेशक

S.O.1032.—In partial modification of the Ministry of Food and Civil Supplies (Deptt. of Civil Supplies) . (Bureau of Indian Standards) notification number S.O. 1021 dated 1988-02-12 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1988-04-02 the Bureau of Indian Standards, hereby, notifies that the marking fee per unit for burners for oil pressure stoves details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been revised. The revised rate of marking fee shall come into force with effect from 1989-02-01:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. & Year of the Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee Per Unit
1	2	3	4	5
1.	Burners for oil pressure stoves	IS : 8808 -1986	One Piece	3 Paise

[No. CMD/13 : 10]

K.R. PARAMESVAR, Director General

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1989

क्र.आ. 1033.—भारत के राजपत्र दिनांक 12 नवम्बर, 1988 के भाग II, खण्ड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ 4177 से 4179 पर प्रकाशित-भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना क्र.आ.सं. 3392 दिनांक 19 अक्तूबर 1988 में—

पृष्ठ 4177 पर

(1) अनुसूची (क) में खाना सं. स्तम्भ में क्रम सं. 2 में "379" के स्थान पर "397" पढ़ें।

[सं. 43015/8/88-एन.एम. डब्ल्यू]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

CORRIGENDUM

New Delhi the 3rd April, 1989

S.O. 1033.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S. O. 3392, dated 19th October, 1988 published at pages 4178 and 4179 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 12th November, 1988, in line 5, for "No. C-1(E) III FFA/410-0588" read "No. C 1(E) III FFR/410-0588".

[No. 43015/S/88-LSW]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

क्र.आ. 1034.—केंद्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि से कोयला अधिप्राप्त होने की संभावना है;

अतः, जब केंद्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें कोयले का पूर्वोक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495001 के कार्यालय में या कलकत्ता, शहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट सभी नक्शे

चार्ट और अन्य दस्तावेज राहायक संपदा प्रबन्धक, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपुर को परिदल करेंगे।

अनुसूची

कोयला क्षेत्र

उत्तारिखा कोलफील्ड

जोड़िया क्षेत्र

जिला शहडोल (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. एम.ओ. : यू.एम.आर. : 21 : 88, तारीख 20 दिसम्बर, 88 (पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शित करने वाला)

क्र.सं.	ग्राम का नाम	साधारण तहसील संख्यांक	जिला	हेक्टरों में क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1.	कोयरा	169	बन्दीगढ़	शहडोल	244.32 पूर्ण
2.	बर्वाँन्हा	465	बन्दीगढ़	शहडोल	334.07 पूर्ण
3.	कोटलवाह	141	बन्दीगढ़	शहडोल	243.93 पूर्ण
4.	खेरा	163	बन्दीगढ़	शहडोल	396.78 पूर्ण

योग : 1219.10 हेक्टर (लगभग)

या 3012.396 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन.

क-ख रेखा, बिन्दु 'क' अर्थात् कोटलवाह, बघराड, बरबसपुर ग्रामों के त्रिभुज बिन्दु से आरंभ होती है और कोटलवाह-बरबसपुर बर्वाँन्हा-बरबसपुर ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा, बर्वाँन्हा-गन्दाही ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है, बरहानाला पार करती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग-घ रेखा, कोयरा-बाडोनरी, कोयरा-छन, कोयरा-गगसी ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है।

घ-ङ रेखा, कोयरा-घमोखड़, खैरा चापड़ ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।

ङ-क रेखा, कोयरा-बघराड, कोटलवाह-बघराड ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/4/89-एन.एम.डब्ल्यू.]

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O.1034.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the South Eastern Coal-fields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 or at the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Assistant Estate Manager, South Eastern Coalfields Limited, Secpa: Road, Bilaspur within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE
KORAR BLOCK
UMARIA COALFIELD
JOHILLA AREA
DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

Plan No. SO : UMR : 21 : 88 dated 20th December 1988.
(showing land notified for prospecting).

Serial Number	Name of village	General Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Korar	169	Bandhogarh	Shahdol	244.32	Full
2.	Bardaunha	465	Bandhogarh	Shahdol	334.07	Full
3.	Kotalwah	141	Bandhogarh	Shahdol	243.93	Full
4.	Khaira	163	Bandhogarh	Shahdol	396.78	Full
Total:					1219.10 hectares	
						Approximately)
						or
						3012.396 acres
						(approximately)

BOUNDARY DESCRIPTION

A - B	Line starts from point 'A' is trijunction point of Villages Kotalwah, Ghagharar, Barbaspur and passes along common boundary of villages, Kotalwah-Barbaspur, Bardauna-Barbaspur and meets at point 'B'.
B - C	Line passes along the common boundary of villages Bardauna-Saraswahi, crosses the Baruhanalla and meets at point 'C'.
C - D	Line passes along the common boundary of Villages Korar-Dadraunri, Korar-Chhain, Korar-Parsi and meets at point 'D'.
D - E	Line passes along the common boundary of villages Korar-Dhamokhar, Khaira-Chapar and meets at point 'E'.
E - A	Line passes along the common boundary of villages Khaira-Ghagharar, Kotalwah-Ghagharar and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/4/89-LSW]

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1989

का.घा. 1035.—भारत के राजपत्र तारीख 29 अक्टूबर, 1988 के भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 3912 से 3913 पर प्रकाशित भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का. घा.सं. 3188 तारीख 30 सितम्बर, 1988 में—

पृष्ठ क्रमांक 3912 पर—

अधिसूचना में,

पंक्ति 5 में—“अधन” के स्थान पर “अधीन” पढ़ें।

पंक्ति 6 में—“डेंकमाल” के स्थान पर “देनकमाल” पढ़ें।

पंक्ति 10 में—“जेजे” के स्थान पर “भेजेजे” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 3913 पर—

अनुसूची में—तालिका के उपर

“1 सितम्बर” के स्थान पर “10 सितम्बर पढ़ें।

तालिका में, “ग्राम” स्तम्भ के नीचे—

क्रम संख्या 2—“हारीपुर” के स्थान पर “हौरीपुर” पढ़ें।

क्रम संख्या 3—“मितुवाली” के स्थान पर “मितुवानी” पढ़ें।

क्रम संख्या 8—“मारिहपुर” के स्थान पर “हरीहपुर” पढ़ें।

क्रम संख्या 9—“काकुड़ी” के स्थान पर “काकुड़ी” पढ़ें।

क्रम संख्या 10—“बलिपीडी” के स्थान पर “बालीपीडी” पढ़ें।

क्रम संख्या 11—“कुलियानाल” के स्थान पर “कोचियानाली” पढ़ें।

क्रम संख्या 16—“बिारपुर” के स्थान पर “बिहारीपुर” पढ़ें।

क्रम संख्या 23—“दासरधीपुर” के स्थान पर “दशरधीपुर” पढ़ें।

और जहाँ कहीं भी “दासरधीपुर” शब्द प्रयुक्त हुआ है उसके स्थान पर “दशरधीपुर” पढ़ें।

अनुसूची में—स्तम्भ “धाना” संख्या के नीचे—

क्रम संख्या 7—“———” के स्थान पर “159” पढ़ें।

क्रम संख्या 8—“———” के स्थान पर “160” पढ़ें।

अनुसूची में—स्तम्भ “क्षेत्र एकड़ में” के नीचे—

क्रम संख्या 2 में—“20.09” के स्थान पर “20.99” पढ़ें।

अनुसूची में—कुल योग में—

“हेक्टर” के स्थान पर “हैक्टर” पढ़ें।

सीमा वर्णन में—

रेखा ग-घ “काचड़ी” के स्थान पर “कंकाली” पढ़ें।

“हरिपुर” के स्थान पर “हरिहरपुर” पढ़ें।

“क्षरवाली” के स्थान पर “भारताली” पढ़ें।

“बहमानी” के स्थान पर “बहमणी” पढ़ें।

[सं. 43015/7/88-एल एस डब्ल्यू]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 7th April, 1989

S.O. 1035.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal No. S.O. 3188 dated the 30th September, 1988 published at page 3914 of the Gazette of India, Part-II, section 3, sub-section (ii) dated the 29th October, 1988.

At page 3914,

in 7th line—for "Coa" read "Coal".

in 9th line—for "state" read "Estate".

[No. 43015/7/88-LSW]

शुद्धि पत्र

का.आ. 1036—भारत के राजपत्र तारीख 4 जून, 1988 के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 2193 से 2194 पर प्रकाशित भारत सरकार, उर्जा मंत्रालय, कोयला विभाग की अधिसूचना सं. का.आ. 1696 तारीख 11 मई, 1988 में,—
पृष्ठ 2194 पर—

- (1) अधिसूचना में "रेखांक सं. सी-1(ई) III/एफआर/1402, 2088 के" स्थान पर "रेखांक सं. सी-1(ई) III/एफ आर 402-0288" पढ़िए।
- (2) "(महाराष्ट्र) को भेजे" के स्थान पर "(महाराष्ट्र) को भेजेंगे" पढ़िए।

अनुसूची में :

- (3) ग्राम संख्या 1 तहसील स्तम्भ के नीचे कालम संख्या 4 में "अमरेश्वर" के स्थान पर "उमरेश्वर" पढ़िए।
- (4) ग्राम संख्या 2 और 5 ग्राम का नाम स्तम्भ के नीचे कालम 2 में "बतेश्वर" के स्थान पर "बोपेश्वर" पढ़िए और "मनपावली" के स्थान पर "गनपावली" पढ़िए।

सीमा वर्णन में :

- (5) रेखा ख-ग में "कन्हवा" के स्थान पर "कन्हवा" पढ़िए।
- (6) रेखा ड-च-छ-ज में बिन्दु 'छ' पर मिलती के स्थान पर बिन्दु "ज" पर मिलती है पढ़िए।
- (7) रेखा "छ-ज-छ-क" के स्थान पर रेखा "ज-झ-न-ट-क" पढ़िए। और उसमें "कन्हवा, मनपावली, मुकुर्मी" के स्थान पर "कन्हवा, गनपावली, मुकुली" पढ़िए और बिन्दु "क" पर मिलती है के स्थान पर "आरंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है पढ़िए।

[सं० 43015/4/88-गस एस डब्ल्यू]

मिगरौली

जिला सीधी (म. प्र.)

सभी अधिकार

क्र. सं.	ग्राम	तहसील	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	2	3	4	5	6
1. चिरीटोला		मिगरौली	सीधी	19.77	(लगभग) भाग
2. पडारी		"	"	1349.16	"
3. मुहैर		"	"	719.06	"

CORRIGENDUM

S.O. 1036.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal S.O. No. 1696 dated the 11th May, 1988, published at pages 2194 to 2195 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 4th June, 1988;

at page 2195, in the schedule,—

- (1) in Sl. No. 3, in column under the heading Tahsil, for "Umerr" read "Umerr";
- (2) in Sl. No. 6, in column under the heading District, for "Naggpr" read "Nagpur".

[No. 43015/4/88-LSW]

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1989

का.आ. 1037:—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के उर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 2680, तारीख 10 सितंबर, 1988 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में त्रिनिद्विष्ट परिशेष की भूमि का अर्जन करने के अर्जन आशय की सूचना दी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार ने परामर्श करने के पश्चात्, यह समाधान हो गया है कि इसमें संलग्न अनुसूची में वर्णित 2575.17 एकड़ (लगभग) या 1042.160 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि अर्जन की जाती चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1); द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 2575.17 एकड़ (लगभग) या 1042.160 (लगभग) माप वाली भूमि अर्जन की जाती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखाओं का निरीक्षण, कलक्टर, सिधी (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में, या नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्थान अनुभाग) मिर्गावली (मध्यप्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

रेखाचित्र सं. राज. 11/88,

तारीख 8-11-1988

(जिसमें अर्जित भूमि वर्णित है)

1	2	3	4	5	6
4.	चकुवार	सिंगरीला	सीधो	98.84	(लगभग) भाग
5.	सीगाही	"	"	0.50	" "
6.	सौलांग	"	"	358.29	" "
7.	नौरहिया	चित्तरींगी	"	27.18	" "
8.	गौरबी	"	"	2.38	" "
कुल				2575.17 एकड़ (लगभग)	
				1042.160 हेक्टेयर (लगभग)	

ग्राम चिगीटोला में अजित प्लाट सं.

485 (भाग), 486 (भाग), 491 (भाग) ।

ग्राम पडारी में अजित प्लाट सं.

1271, 1272, 1273, 1274, 1275 (भाग), 1276 से 1284, 1285 (भाग), 1286 (भाग), 1287 (भाग), 1288 से 1310, 1311 (भाग), 1312 (भाग), 1313 (भाग), 1318 (भाग), 1351 (भाग), 1352 (भाग), 1353 (भाग), 1354 1355 (भाग), 1358 (भाग), 1359, 1360, 1361 (भाग), 1366 (भाग), 1365 (भाग), 1367 (भाग), 1368, 1369, 1370, 1371, 1373 (भाग) ।

ग्राम मुहूर में अजित प्लाट सं.

1 (भाग), 2 (भाग), 3 (भाग), 22, 23 (भाग), 24 (भाग), 26 (भाग), 27 से 39, 40 (भाग), 41 (भाग), 42 (भाग), 131, 132 (भाग), 133 (भाग), 134 (भाग), 135, 136 (भाग), 137 (भाग), 139 (भाग), 386 (भाग), 387 (भाग), 388 (भाग), 389 से 392, 393 (भाग), 394 (भाग), 397 (भाग), 400 (भाग), 401 (भाग), 402 (भाग), 403 से 408, 409 (भाग), 410, 411 (भाग), 414 (भाग), 415 (भाग), 417 (भाग), 515, 519, 524 (भाग), 525 (भाग), 526 (भाग), 527, 534 ।

ग्राम चकुवार में अजित प्लाट सं.

158 (भाग), 159 (भाग), 160 (भाग), 161 ।

ग्राम सीगाही में अजित प्लाट सं.

80 (भाग) ।

ग्राम सौलांग में अजित प्लाट सं.

459/6 (भाग), 460 (भाग), 461 (भाग), 462 (भाग), 463, 464 (भाग), 465

ग्राम नौरहिया में अजित प्लाट सं.

124 (भाग), 125 (भाग), 126 (भाग) ।

ग्राम गौरबी में अजित प्लाट सं.

56 (भाग), 57 (भाग) ।

सीमा वर्णन:

क-ख रेखा ग्राम मुहूर के प्लाट संख्यांक 414, 411 में से होकर और ग्राम पडारी के प्लाट संख्यांक 1372, 1367, 1365 और 1366 में से होकर जो कि मुहूर ब्लॉक के खंड 9 के अधीन अजित क्षेत्र की सामान्य सीमा भी बनाती है, जाती है ।

ख-ग रेखा ग्राम पडारी के प्लाट संख्यांक 1366, 1361, 1362, 1353, 1352 और ग्राम चिगीटोला के प्लाट संख्यांक 491 और 486 में से होकर जाती है ।

ग-घ रेखा ग्राम चिगीटोला के प्लाट संख्यांक 486, 485 और ग्राम पडारी के प्लाट संख्यांक 1352, 1351, 1356, 1355, 1358, 1318, 1311, 1312, 1313, 1287, 1286 में से होकर जाती है ।

घ-ङ रेखा ग्राम पडारी के प्लाट संख्यांक 1286, 1285 में से होकर जाती है ।

ङ-च रेखा ग्राम पडारी के प्लाट संख्यांक 1285, 1275, 1270 और ग्राम चकुवार के प्लाट संख्यांक 159, 160, 158 और ग्राम सीगाही के प्लाट संख्यांक 80 और ग्राम सौलांग के प्लाट संख्यांक 464 में से होकर जाती है ।

च-ठ रेखा ग्राम सौलांग के प्लाट संख्यांक 464, 459/6, 461, 460 और ग्राम मुहूर के प्लाट संख्यांक 1, 2 और ग्राम नौरहिया के प्लाट संख्यांक 124, 125, 126 और ग्राम गौरबी के प्लाट संख्यांक 56 और 57 में से होकर जाती है ।

छ-क रेखा ग्राम गौरबी के प्लाट संख्यांक 57, 56, ग्राम नौरहिया के प्लाट संख्यांक 126, 125, ग्राम मुहूर का एक असंख्यांकित प्लाट, 51, 52, 515, 41, 40, 42 और ग्राम सौलांग के प्लाट संख्यांक 462, ग्राम मुहूर के प्लाट संख्यांक 132, 133, 134, 137, 136, 388, 387, 386, 394, 397, 400, 401, 302, 417, 415, 409, और 414 में से होकर जाती है और धारम्भिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

[सं. 43015/21/87 - एन एस डब्ल्यू]

बी. बी. राव, धवर सचिव

New Delhi, the 21st April, 1989

S.O.1037. -- Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2680 dated the 10th September, 1988, under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands specified in the schedule appended to that notification:

And whereas the Competent Authority in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government:

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the lands measuring 2575.17 acres (approximately) or 1042.160 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 2575.17 acres (approximately) or 1042.160 hectares (approximately) described in the said schedule are hereby acquired.

2. The plans of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Sidhi (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of Northern Coalfields Limited (Revenue Section), Singrauli (Madhya Pradesh).

SCHEDULE

GORBI BLOCK 'B'

NORTHERN COALFIELDS LIMITED

SINGRAULI

DISTRICT-SIDHI (M.P.)

Drawing No. Rev/11/88, dt. 8-11-1988
(showing lands acquired)

ALL RIGHTS

Sl. No.	Village	Tahsil	Distt.	Area	Remarks
1.	Chingitola	Singrauli	Sidhi	19.77 acres (approximately)	Part
2.	Palari	"	"	1349.16 "	"
3.	Muher	"	"	719.06 "	"
4.	Chakuwar	"	"	98.84 "	"
5.	Sigaha	"	"	0.50 "	"
6.	Solang	"	"	358.29 "	"
7.	Naurhia	Chitrangi	"	27.18 "	"
8.	Gorbi	"	"	2.37 "	"
Total Area : 2575.17 acres (approximately) or 1042.160 hectares (approximately)					

Plot numbers acquired in village Chingitola:—

485(P), 486(P), 491(P).

Plot numbers acquired in village Padari:—

1271, 1272, 1273, 1274, 1275(P), 1276 to 1284, 1285(P), 1286(P), 1287(P), 1288 to 1310, 1311(P), 1312(P), 1313(P), 1318(P), 1351(P), 1352(P), 1353(P), 1354, 1355(P), 1358(P), 1359, 1360, 1361(P), 1365(P), 1365(P), 1367(P), 1368, 1369, 1370, 1371, 1372(P).

Plot numbers acquired in village Muher:—

1(P), 2(P), 3(P), 22, 23(P), 24(P), 26(P), 27 to 39, 40(P), 41(P), 42(P), 131, 132(P), 133(P), 134(P), 135, 136(P), 137(P), 139(P), 386(P), 387(P), 388(P), 389 to 392, 393(P), 394(P), 397(P), 400(P), 401(P), 402(P), 403 to 408, 409(P), 410, 411(P), 414(P), 415(P), 417(P), 515, 519, 524(P), 525(P), 526(P), 527, 534.

Plot numbers acquired in village Chakuwar:—

158(P), 159(P), 160(P), 161.

Plot number acquired in village Sigaha:—

80(P).

Plot numbers acquired in village Solang:—

459/6(P), 460(P), 461(P), 462, 463, 464(P), 465.

Plot numbers acquired in village Naurhia:—

124(P), 125(P), 126(P).

Plot numbers acquired in village Gorbi:—

56(P), 57(P).

BOUNDARY DESCRIPTION.

- A - B Line passes through plot numbers 414, 411 of village Muher and plot numbers 1372, 1367, 1365 and 1366 of village Padari which also forms common boundary of area acquired under section 9 of Muher Block.
- B - C Line passes through plot numbers 1366, 1361, 1362, 1353, 1352 of village Padari and plot numbers 491 and 486 of village Chingitola.
- C - D Line passes through plot numbers 486, 485 of village Chingitola and plot numbers 1352, 1351, 1356, 1355, 1358, 1318, 1311, 1312, 1313, 1287, 1286 of village Padari.
- D - E Line passes through plot numbers 1286, 1285 of village Padari.
- E - F Line passes through plot numbers 1285, 1275, 1270 of village Padari and plot numbers 159, 160, 158 of village Chakuwar and plot number 80 of village Sigahi and plot number 464 of village Solang.
- F - G Line passes through plot numbers 464, 459/6, 461, 460 of village Solang and plot numbers 1, 2, of village Muher and plot numbers 124, 120, 126 of village Naurhiya and plot numbers 56 and 57 of village Gorbi.
- G - A Line passes through plot numbers 57, 56 of village Gorbi, plot numbers 126, 125, of village Naurhiya, plot numbers 3, 525, 524, 23, 24, 526, 26, 53, 52, one unnumbered plot 51, 52, 515, 41, 40, 42 of village Muher and plot number 462 of village Solang, plot numbers 132, 133, 134, 137, 136, 388, 387, 386, 394, 397, 400, 401, 492, 417, 415, 409 and 414 of village Muher and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/21/87-LSW]
B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1989

का.आ. 1038—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में ऊर्जा मंत्रालय (कायला विभाग) के प्रशासनिक निष्ठाधीन, केन्द्रीय खान आयाजन एवं डिजाइन संस्थान लि. के निम्नलिखित कार्यालयों का, जिनके कर्मचारीबृन्द ने हिन्दी का कार्यमाध्यम ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :-

1. क्षेत्रीय संस्थान-2, धनबाद
2. क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची
3. क्षेत्रीय संस्थान-4, नागपुर
4. क्षेत्रीय संस्थान-5, बिलासपुर
5. क्षेत्रीय संस्थान-6, सिंगरौली

[का.सं. ई-11016/10/89-हिन्दी]
विजय गंकार दुबे, संयुक्त सचिव

S.O. 1038.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union), Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of Central Mine Planning and Design Institute Ltd., under the Administrative control of the Ministry of Energy (Department of Coal), the staff whereof have acquired working knowledge of Hindi:—

1. Regional Institute—2, Dhanbad.
2. Regional Institute—3, Ranchi.
3. Regional Institute—4, Nagpur.
4. Regional Institute—5, Bilaspur.
5. Regional Institute—6, Singrauli.

[F. No. E-11016/10.89-Hindi.]
V. S. DUBEY, Jt. Secy.

(विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1989

का.आ. 1039.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की देखरेखी) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग) की अधिसूचना सं.का.आ. 5404, तारीख 14 नवम्बर, 1985 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना की मारणी में, क्रम संख्याक 2 के सामने स्तम्भ 1 में की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायगी, अर्थात् :-

“अधीक्षण इंजीनियर, व्यास सतलुज लिंक सर्किल सं. 1, भाकड़ा व्यास प्रबंध बोर्ड, सुन्दरनगर (हि.प्र.)”

[फाइल सं. 1/8/85-हाईडेल]
के.सी. गेहानी, निदेशक

Department of Powers

New Delhi, the 3rd April, 1989

S.O. 1039.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby amends the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Power), No. S.O. 5404, dated the 14th November, 1985, as follows, namely :

In the said notification, in the Table against serial number 2, in column 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

“Superintending Engineer, Beas Sutlej Link Circle No. 1, Bhakra Beas Management Board, Sundernagar (H.P.)”

[F. No. 1/8/85-Hydel]
K. C. GEHANI, Director

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

का.आ. 1040.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

(क) उक्त अनुसूची के भाग 1 में,—

- (1) “असम” शीर्षक के अन्तर्गत गोहाटी विश्वविद्यालय, गोहाटी से संबंधित क्रम संख्याक 5क के सामने स्तम्भ 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायगी, अर्थात् :-

"1979 से आगे"

(2) "मैसूर" शीर्षक के अन्तर्गत बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर से संबंधित क्रम संख्यांक 73 और 78 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

1	2	3	4
"78 बंगलौर विश्वविद्यालय बंगलौर	आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति स्नातक एम.	बी.एस.ए. एम.	1967 से आगे
	आयुर्वेदाचार्य (आयुर्वेदिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा स्नातक)	बी.ए.एम. एम.	1987 तक
	(आयुर्वेदाचार्य आयुर्वेदिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा स्नातक)	बी.ए.एम.एस.	1987 से आगे

(3) "उड़ीसा" शीर्षक के अन्तर्गत, क्रम संख्यांक 82ख और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियाँ अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4
"82ख बरहामपुर विश्वविद्यालय बरहामपुर	आयुर्वेदाचार्य (आयुर्वेदिक चिकित्सा और शल्य चिकित्सा स्नातक)	बी.ए.एम.एस.	1983 से आगे

टिप्पण: भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की दूसरी अनुसूची का बाद में निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया:—

1. का.प्रा.सं. 4068, तारीख 30 नवम्बर, 1979
2. का.प्रा.सं. 2635, तारीख 18 सितम्बर, 1980
3. का.प्रा.सं. 2313, तारीख 20 अगस्त, 1981
4. का.प्रा.सं. 2314, तारीख 22 अगस्त, 1981
5. का.प्रा.सं. 137, तारीख 24 दिसम्बर, 1981
6. का.प्रा.सं. 638, तारीख 25 जनवरी, 1982
7. का.प्रा.सं. 661, तारीख 2 फरवरी, 1982
8. का.प्रा.सं. 973, तारीख 20 फरवरी, 1982
9. का.प्रा.सं. 354(अ), तारीख 6 मई, 1983
10. का.प्रा.सं. 3550, तारीख 5 सितम्बर, 1983
11. का.प्रा.सं. 804 (अ) तारीख 11 नवम्बर, 1983
12. का.प्रा.सं. 462(अ) तारीख 23 जून, 1984
13. का.प्रा.सं. 1911, तारीख 17 अप्रैल, 1985
14. का.प्रा.सं. 2745, तारीख 29 मई, 1985
15. का.प्रा.सं. 3404, तारीख 5 जुलाई, 1985
16. का.प्रा.सं. 4057, तारीख 14 अगस्त, 1985
17. का.प्रा.सं. 5603, तारीख 2 दिसम्बर, 1985
18. का.प्रा.सं. 5671, तारीख 5 दिसम्बर, 1985
19. का.प्रा.सं. 822, तारीख 17 फरवरी, 1986 द्वारा अंतःस्थापित
20. का.प्रा.सं. 1832, तारीख 16 अप्रैल, 1986 द्वारा अंतःस्थापित
21. का.प्रा.सं. 627, तारीख 2 फरवरी, 1987
22. का.प्रा.सं. 760, तारीख 25 फरवरी, 1987
23. का.प्रा.सं. 1030, तारीख 30 मार्च, 1987
24. का.प्रा.सं. 1946, तारीख 9 जुलाई, 1987
25. का.प्रा.सं. 3186, तारीख 30 अक्तूबर, 1987
26. का.प्रा.सं. 1697, तारीख 15 अप्रैल, 1988
27. का.प्रा.सं. 1504, तारीख 22 अप्रैल, 1988

[सं. बी. 26015/11/88-ए.ई.]
मार.एम. माथुर, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 1040. - In exercise of the powers conferred by sub-section (?) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendments in the Second Schedule to the said Act, namely:—

(a) In part I of the said Schedule:—

(1) Under the heading 'Assam' against Serial Number 5A relating to Gauhati University, Gauhati, in column 4 for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4
			'From 1979 onwards'
(2) Under the heading 'Mysoor' for Serial Numbers 73 and 78A, relating to the Bangalore University, Bangalore the following shall be substituted, namely:—			
1	2	3	4
"78 Bangalore University, Bangalore	Bachelor of the System of Ayurvedic Medicine	B.S.A.M.	From 1967 onwards"
	"Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery)	B.A.M.S.	Upto 1978"
	"Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery)	B.A.M.S.	From 1987 onwards"

(3) Under the heading "O. issa" after Serial Number 828 and the entries relating thereto, the following Serial Number and entries there shall be inserted, namely:—

1	2	3	4
"82C Berhampur University, Berhampur	Ayurvedacharya (Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery)	B.A.M.S.	From 1983 onwards"

Note : The Second Schedule to the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970) has been subsequently amended vide:—

1. S.O. No. 4068, dated the 30th November, 1979
2. S.O. No. 2635, dated the 18th September, 1980
3. S.O. No. 2313, dated the 20th August, 1981
4. S.O. No. 2314, dated the 22nd August, 1981
5. S.O. No. 137, dated the 24th December, 1981
6. S.O. No. 638, dated the 25th January, 1982
7. S.O. No. 661, dated the 2nd February, 1982
8. S.O. No. 973, dated the 20th February, 1982
9. S.O. No. 354(E), dated the 6th May, 1983
10. S.O. No. 3550, dated the 5th September, 1983
11. S.O. No. 804(E), dated the 11th November, 1983
12. S.O. No. 462(E), dated the 23rd June, 1984
13. S.O. No. 1911, dated the 17th April, 1985
14. S.O. No. 2745, dated the 29th May, 1985
15. S.O. No. 3404, dated the 5th July, 1985
16. S.O. No. 4057, dated the 14th August, 1985
17. S.O. No. 5603, dated the 2nd December, 1985
18. S.O. No. 5671, dated the 5th December, 1985
19. Inserted by S.O. No. 822 dated the 17th February, 1986
20. Inserted by S.O. No. 1832 dated the 16th April, 1986
21. S.O. No. 627, dated the 2nd February, 1987
22. S.O. No. 760, dated the 25th February, 1987
23. S.O. No. 1030, dated the 30th March, 1987
24. S.O. No. 1946, dated the 9th July, 1987
25. S.O. No. 3186, dated the 30th October, 1987
26. S.O. No. 1697, dated the 15th April, 1988
27. S.O. No. 1504, dated the 22nd April, 1988.

[No. V. 26015/(1/88-AE)
R.S. MATHUR, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1989

का.आ. 1041.—केन्द्रीय सरकार ने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में और तमिलनाडु सरकार के परामर्श से डा० (श्रीमती) ललिता अनन्तसुब्रमण्यम आयुर्विज्ञान शिक्षा निदेशक तमिलनाडु को इस अधिसूचना के जारी करने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य, नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 138 तारीख 9 फरवरी, 1980 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन मनोनीत शीर्ष के अधीन क्रम संख्यांक 6 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

"6. डा. (श्रीमती) ललिता, अनन्तसुब्रमण्यम्, एम. डी., डी.जी. ओ., आयुर्विज्ञान शिक्षा निदेशक तमिलनाडु, एजिलगम, मद्रास-600005."।

[संख्या बी. 11013/18/88-एम ई. (पी)]

(Department of Health)

New Delhi, the 24th April, 1989

S.O. 1041.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Tamilnadu have nominated Dr. (Smt.) Lalitha Ananthasubramaniam, Director of Medical Education, Tamilnadu (ex-officio), to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Nominated under section 3(1)(a)" for serial number 6 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"6. Dr. (Smt.) Lalitha Ananthasubramaniam, M.D., D.G.O., Director of Medical Education, Tamil Nadu, Ezilagam, Madras-600005."

[No. V. 11013/18/88-ME(P)]

का. आ. 1042.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अनुसरण में रविशंकर विश्वविद्यालय की सभा, रायपुर ने डा. बी. बी. सक्सेना को इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का. भा. 138 (सं. 5-13/59 एम आई) तारीख 9 जनवरी, 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिनियम में “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्यांक 34 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“34 डा. बी. बी. सक्सेना संकायाध्यक्षक चिकित्सा संकाय और पी. एम. एम. बिभागाध्यक्षक, पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर मध्य प्रदेश)”

[स. बी. 11013/22/88-एम ई. पी.]

S.O. 1042.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. V. B. Saxena has been elected by the Court of Ravi Shankar University, Raipur to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 188 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3” for serial number 34 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted namely :—

“34. Dr. V. B. Saxena, Dean,
Medical Faculty and
Head, Deptt. of P.S.M.
Pt. J. L. N. M. Medical College,
Raipur (M.P.)”.

[No. V.11013/22/88-ME(P)]

का. भा. 1043.—केन्द्रीय सरकार ने भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में और पश्चिम बंगाल सरकार के परामर्श से, डा. के. के. भट्टाचार्य, आयुर्विज्ञान शिक्षा निदेशक सचिव (पदेन), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, पश्चिमी बंगाल सरकार को भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य पुनः नामनिर्दिष्ट किया गया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (5) के साथ पठित धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में डा. के. के. भट्टाचार्य, आयुर्विज्ञान शिक्षा निदेशक और सचिव (पदेन) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार को, भारत सरकार के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 के अधीन गठित भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य पुनः नामनिर्दिष्ट करती है।

[स. बी. 11013/2/89-एम. ई. (पी)]

S.O. 1043.—Whereas the Central Govt. in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of Section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Govt. of West Bengal, have re-nominated Dr. K. K. Bhattacharyya, Director of Medical Education and Secretary (Ex-Officio), Department of Health and Family Welfare, Govt. of West Bengal to be a Member of the Medical Council of India.

Now, therefore, in pursuance of clause (a) of sub-section of section 3 read with sub-section (5) of section 7 of the said Act, the Central Govt. hereby re-nominates Dr. K. K. Bhattacharyya, Director of Medical Education and Secretary (Ex-officio), Department of Health and Family Welfare, Govt. of West Bengal to be a member of the Medical Council of

India constituted under the notification of Govt. of India in the erstwhile Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960.

[No. V-11013/2/89-ME(P)]

का. भा. 1044.—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपबन्धों के अनुसरण में शिवाजी विश्वविद्यालय के सिनेट ने डा. जी. एम. जाधव, को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य निर्वाचित किया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अनुसरण में भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. भा. 138 (सं. 5-13/59 एम आई), तारीख 9 जनवरी, 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, “धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन निर्वाचित” शीर्षक के नीचे क्रम संख्यांक 32 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—

“32. डा. जी. एम. जाधव,
श्री सरस्वती अस्पताल,
लक्ष्मीपुरी,
कोल्हापुर-416002 (महाराष्ट्र) शिवाजी विश्वविद्यालय

[स. बी. 11013/6/88 एम ई. (पी)]

S.O. 1044.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. G. M. Jadhav has been elected by the Senate of Shivaji University to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this Notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely :—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3” for serial number 32 and the entry relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely :—

“32. Dr. G. M. Jadhav;
Shri Saraswati Hospital,
Laxmipuri,
Kolhapur (Maharashtra)-416002,
Shivaji University.

[No. V-11013/70/88-ME(P)]

का. भा. 1045.—केन्द्रीय सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खंड (क) अनुसरण में और महाराष्ट्र राज्य सरकार से परामर्श करके डा. एम. एच. हीरानन्दानी एफ. आर. सी. एस. को 30 अप्रैल 1990 तक का अवधि के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा (3) की उपधारा (1) के सबन्धों के अनुसरण में, स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. भा. 138, तारीख 9 जनवरी, 1960 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के अधीन नाम निर्दिष्ट शीर्षक के नीचे क्रम संख्यांक 5 और उससे संबंधित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित संख्यांक और प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“5 डा. एल. एच. हीरानन्दानी

एफ. आर. सी. एस. (इंग्लैंड),

डी. एस. ओ. (लम्बत),

एफ. सी. पी. एस. (मुम्बई),

दूसरी मंजिल, ए-3, अमरचन्द मैनशन,

आई एम. सी. ए. से आगे

मेडम कामारोड,

मुम्बई-400039

[संख्या बी-11013/18/88/एम. ई. (पी.)]

सर्वेश्वर झा, उप सचिव

S.O. 1045.—Whereas the Central Government in pursuance of clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) and in consultation with the Government of Maharashtra have nominated Dr. L. H. Hiranandani, FRCS, to be a member of the Medical Council of India for the period upto the 30th April, 1990.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Ministry of Health No. S.O. 138, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading “Nominated under section 3(1)(a), for serial number 5 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

“5. Dr. L. H. Hiranandani,
FRCS (Eng.) DLO (Lond), FCPS (Bom),
2nd Floor, A-3, Amarchand Mansion,
Next to Y.W.C.A., Madame Cama Road,
Bombay-400039.”

[No. V.11013/19/89-ME(P)]
SARWESHWAR JHA, Dy. Secy.

शहरी विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1046.—यतः निम्नलिखित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार अधोषणित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली नगर योजना क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है तथा जिसे दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 2-4-1988 के नोटिस संख्या एफ 7(8) 82—एम पी. द्वारा प्रकाशित किये गये थे, जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) में अपेक्षित आपत्तियों/सुझाव उक्त नोटिस की तारीख के 30 दिन की अवधि में प्राप्त किए गए थे।

और, यतः, उक्त प्रस्तावित संशोधनों के बारे में कोई आपत्तियाँ और सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं, अतः केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली नगर योजना क्षेत्रीय विकास योजना में संशोधन करने का निर्णय किया है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त नगर योजना में एनडू द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन:—

“उत्तर में हवाई अड्डा (इंदिरा गांधी) (सम्पर्क मार्ग), दक्षिण में भरथल गांव और बिजवासन खसरा सं. 66, 67/5, 68/2 पूर्व में अंसल प्रॉपर्टी खसरा सं. 9, 12, 19 और 22 से घिरे और पश्चिम में रिवाड़ी जाने वाली रेल लाइन से लगभग 80 एकड़ क्षेत्र के भूमि उपयोग को “कृषि हरित पट्टी” से “भंडारण एवं भंडार” व (पेट्रोलियम उत्पाद) में बदले जाने का प्रस्ताव है।”

[सं. के-13011/14/85-डी डी II ए ए-II]

अर्जन देव, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1046.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder were published with Notice No. F.7(6)/82-MP dated 2-4-88 in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act within thirty days from the date of the said notice;

And whereas no objections and suggestions have been received with regard to the said proposed modification, the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the Said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India,

MODIFICATION

“The land use of an area, measuring about 80 acres bounded by Airport (I.G.) connecting road in the North, Village Bharthal and Bijwasan Khasra Nos. 66, 67/5, 68/2 in the South, Ansal Property Khasra No. 9, 12, 19 & 22 in the East and bounded by Railway line to Rewari in the West, is changed from “Agricultural green belt” to “Warehousing and Storage” (Petroleum products).

[No. K-13011/14/85-DDIA/VA]

ARJAN DEV, Desk Officer

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1989

(पुरातत्व)

का. प्रा. 1047.—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उगावद्ध अनुसूचों में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व के हैं;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अभिलेख अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की वो मान की सूचना देती है;

ऐसे आक्षेप, पर जो इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर उक्त प्राचीन संस्मारकों में हितवद्ध किसी से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

राज्य	जिला	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के अधीन सम्मिलित किया जाने वाला राजस्व प्लॉट संख्या
1	2	3	4	5
मध्य प्रदेश	भोपाल	कमला पार्क	कमलावती सहल और उससे सभी पश्च क्षेत्र	प्लॉट संख्या 1552, 1390 और 1872, 1380 का भाग और नीचे दिए गए स्थल रेकर्ड में दर्शाए गए भोपाल ताल की या अवशेषित भूमि।

क्षेत्र	सीमा	स्वामित्व	टिप्पणियां
6	7	8	9
0.256 हेक्टर	उत्तर :- सर्वेक्षण प्लॉट संख्या 1552, 1390 का अवशिष्ट भाग पूर्व :- सर्वेक्षण प्लॉट सं. 1872, 1380 का अवशिष्ट भाग दक्षिण :- सर्वेक्षण प्लॉट सं. 1389 और ताल पश्चिम :- सर्वेक्षण प्लॉट संख्यांक 1389	नगर पालिका भोपाल	—

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Culture)

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

(ARCHAEOLOGY)

New Delhi, the 27th April, 1989

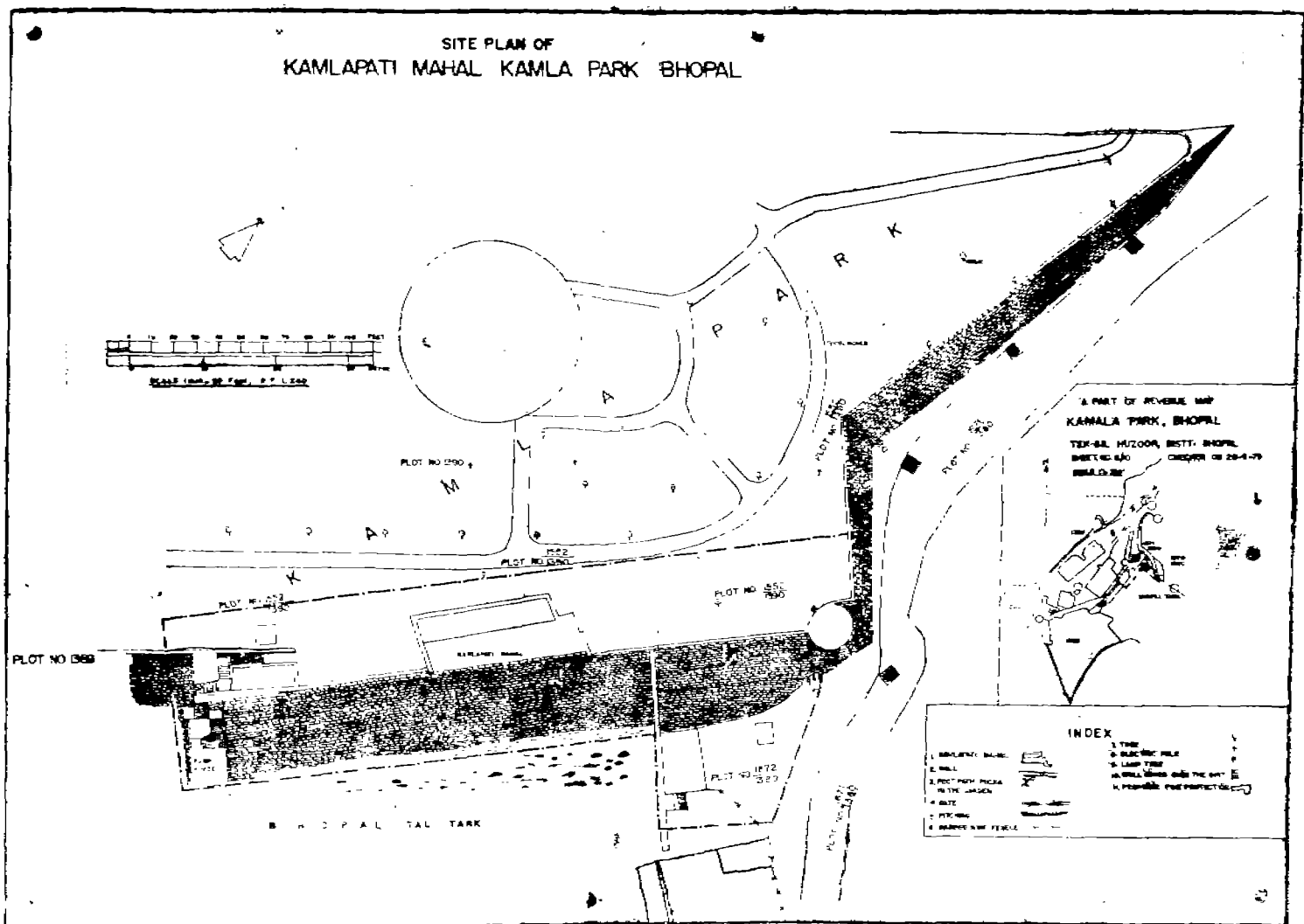
S.O. 1047.—Whereas the Central Government is of the opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives to months notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance ;

Any objection which may be received within a period of two months from the date of issue of this notification in the Official Gazette from any person interested in the said ancient monument will be taken into consideration by the Central Government.

SCHEDULE

State	District	Locality	Name of Monument/ Site	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Madhy Pradesh	Bhopal	Kamla Park	Kamla Pati Mahaland adjoining areas	Part of survey plot numbers 1552/1390 and 1872/1380 and unsurveyed land of Bhopal Tal as shown on the site plan reproduced below.	0.256 hectares	North—Remaining portion of survey plot number 1552/1390 East—Remaining portion of survey plot number 1872/1380 South—Survey plot number 1389 and Tal West—Survey plot number 1389	Municipality Bhopal	



[No. 2/3/80-M]

नई दिल्ली, 3 मई, 1989

का. आ. 1048.—प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 का और संशोधन करने के लिए कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्राहूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 38 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उस धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है।

किन्हीं ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 31 मई, 1989 को या उससे पहले प्राप्त होंगे, विचार किया जाएगा।

प्राहूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष नियम, 1959 में,—

(क) खंड (ख) में “सिनेट्रोमैग्राफिक फिल्म” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात् “और विडियो फिल्म”;

(ख) खंड (ग) में “सिनेमेटोग्राफिक फिल्म” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात्:—“जिसके अंतर्गत विडियो फिल्म भी है”;

(ii) नियम 42 को उसके उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्याकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्याकित उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा अर्थात्:—

“(2) उपनियम (1) की कोई बात ऐसे व्यक्ति को लागू नहीं होगी जो दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट से भिन्न किसी संरक्षित संस्मारक का बाह्य दृश्य से विडियो फिल्मांकन करता है जिसकी बावत विदेशी पर्यटकों द्वारा 5 (डालर) के सदाय पर और भारतीय पर्यटकों द्वारा 25 रु के सदाय पर विडियो फिल्मांकन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

परन्तु यह तब जब कि यह अवाणिज्यिक प्रयोजन के लिए हो और इसके अंतर्गत किसी स्टैंड के बनाए जाने और उसके उपयोग की आवश्यकता न हो या उससे रुझान और धार्मिक आचरण तथा मरम्मत कार्यों में किसी प्रकार से कोई विघ्न न पड़ता हो।”

[सं 1/1/89—स्मा०]

जगतपति जोशी, महानिदेशक

पादटिप्पण:—मूल नियम भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2 खंड 3 उपखंड (ii) तारीख 15 अक्तूबर 1959 पृष्ठ 519 और 525 पर प्रकाशित किए गए थे।

New Delhi, the 3rd May, 1989

S.O. 1048.—The following draft of certain rules further to amend the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 38 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), is hereby published for general information as required by sub-section (1) of that section.

Any objections or suggestions that may be received by the Archaeological Survey of India in the Department of Culture of the Ministry of Human Resource Development on or before 1st May, 1989 will be considered.

1037 GI/89—10

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959,—

(i) in rule 2,—

(a) in clause (b), after the words “cinematographic film”, the following words shall be inserted, namely:—

“and video film”;

(b) in clause (c), after the words “cinematographic film”, the following words shall be inserted, namely:—

“including video film”;

(ii) rule 42 shall be renumbered as sub-rule (1) thereof and after sub-rule (1) as so renumbered, the following sub-rule shall be added, namely:—

(2) Nothing in sub-rule (1) shall apply to any person undertaking video filming from exterior of a protected monument except those specified in the Second Schedule in respect of which video-filming shall be permitted on payment of \$ 5 by foreign tourists and rupees 25 by Indian tourists:

Provided it is for non-commercial purpose and does not involve any cast and use of a stand or in any way interfere with customary and religious practices and work of repairs.”

[No. 1/1/89-M]

JAGAT PATI JOSHI, Director General.

Foot-note: The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II-Section 3-Sub-section(ii) dated 15th October, 1959 at pages 519 and 525.

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का. आ. 1049—इस विभाग की दिनांक 10 फरवरी, 1988 की सम संख्यक अधिसूचना में निम्नानुसार आंशिक संशोधन किया गया है:—

(i) क्रम संख्या 5 में सदस्यों की सूची में भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक के समक्ष लिखे गए “श्री ए. के. पांड्या” के स्थान पर “श्री डी. के. चटर्जी” का नाम प्रतिस्थापित किया जाता है।

(ii) क्रम संख्या 20 में सदस्यों की सूची में संयुक्त सचिव (खेल), युवा कार्यक्रम और खेल विभाग (सदस्य-सचिव) और (कोषाध्यक्ष) के समक्ष लिखे गए “श्री माता प्रसाद” के स्थान पर “श्री डी. के. मणवालन” का नाम प्रतिस्थापित किया जाता है।

[मि० सं० 13-35/87-खेल-IV]

एस० जी० मंकड, निदेशक (खेल)

DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

New Delhi, the 11th April, 1989

S.O. 1049.—This Department's notification of even number dated 10th February, 1988 is hereby partially modified as follows:

(i) In the list of Members at Sl. No. 5 against Director General, Sports Authority of India, the name “Shri D. K. Chatterjee” is substituted in place of “Shri A. K. Pandya”.

(ii) In the list of Members at Sl. No. 20 against Joint Secretary (Sports), Department of Y.A. and Sports (Member-Secretary and Treasurer), the name “Shri D. K. Manavalan” is substituted in place of “Shri Mata Prasad”.

[No. F-13—35/87-SP-IV]

S. G. MANKAD, Director (Sports)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1989

का.आ. 1050 :— भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या सा.का.नि. 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियम के प्रत्येक उपबंध के अंतर्गत जारी निदेशों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के उपरांत, संलग्न अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट फिल्मों को, जिसका/जिनका विवरण उल्लिखित अनुसूची के कालम 6 में दिया गया है, उसके/उनके सभी भाषा रूपान्तरों के साथ स्वीकार करती है :—

अनुसूची

क्रम सं.	फिल्म का नाम	फिल्म की लम्बाई	आवेदक का नाम	प्रोड्यूसर का नाम	फिल्म का संक्षिप्त विवरण कि क्या वैज्ञानिक फिल्म है अथवा शैक्षिक उद्देश्य की है या समाचारों एवं सम सामयिक घटनाओं पर आधारित फिल्म या वृत्तचित्र है।
1	2	3	4	5	6
1.	फ्लैग एण्ड फ्रीडम	583.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026		सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डायमंड" के रूप में वर्गीकृत।
2.	टेलीकम्युनिकेशन एंड यूआर सर्विस	282.00	-तथैव-		-तथैव-
3.	स्टोरी आफ कूड	345.55	भारतीय खाद्य निगम, बागबाबा रोड, नई दिल्ली-1		-तथैव-
4.	माहिती चित्र नं. 468	228.60	सहायक सूचना अधिकारी, गुजरात सरकार, रामनोड रिसर्च लैब लिमि. डा. एनी बेसेंट रोड, बम्बई-400018		गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
5.	उत्तर प्रदेश समाचार 122	283.47	सूचना निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ		उत्तर प्रदेश क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
6.	कलियूत	577.30	श्री पी. आर. एस. नायर, जे सी 9/1243, सस्ता मंगलम, त्रिवेन्द्रम केरल।		सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डायमंड" के रूप में वर्गीकृत।
7.	म्हूज मंगनीन नं. 94	309.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026		सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार" और सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
8.	हेल्थ फार आल 2000 एडी कोयर आफ आइज	315.60	मैसर्स सकिल प्रोडक्शन, अशरूप स्टूडियो, माहिम स्टेशन के सामने, बम्बई-400016		सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डायमंड" के रूप में वर्गीकृत।
9.	हेल्थ फार आल 2000 एडी कोलेरा	90.93	-तथैव-		-तथैव-
10.	हेल्थ फार आल 2000 एडी (ब्रस्ट फिडिंग)	335.20	-तथैव-		-तथैव-
11.	उज्ज्वल भविष्य की ओर	295.66	सूचना निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ		उत्तर प्रदेश क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डायमंड" के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
12. महाराष्ट्र न्यूज नं. 419	300.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशक, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, बम्बई-34			महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
13. वाई सोशल फोरेस्ट्री	506.00	मैसर्स एन.ई.आई.एफ., नेशनल हाउस, अपोलो बन्दर, बम्बई-400039			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
14. हेल्थ फार आल 2000 एडी प्राइमरी हेल्थ	306.62	मैसर्स सकिल प्रोडक्शन्स, अशरफ स्टूडियो, महिम रेलवे स्टेशन के सामने, बम्बई-400016			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
15. हेल्थ फार आल 2000 एडी डायरिया	289.91	-तथैव-			-तथैव-
16. माहितीचित्र नं. 470	286.51	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, 'ममनाई लेबो. लिमिटेड' 77-डा. एनी बेसेंट रोड, बम्बई-400018			गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
17. शहर में प्रदूषण	406.00	सूचना महानिदेशक, महाराष्ट्र सरकार, 68-तारदेव रोड, बम्बई-400034			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
18. बाजार की सी	88.90	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24-बैडर रोड, बम्बई-400026			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित अथवा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
19. सही उम्र	01.00	-तथैव-			-तथैव-
20. ऐसी भी क्या जल्दी	65.00	-तथैव-			-तथैव-
21. नवीं बारूद	136.00	-तथैव-			महाराष्ट्र क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
22. महाराजा सूरजमल 1707-1763	348.00	-तथैव-			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
23. माहितीचित्र नं. 471	290.17	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, 'ममनाई रोड, रिसर्च लेबो. लिमि. 77-डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई-400018			गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
24. माहिती चित्र नं 491	220.98	-तथैव-			-तथैव-
25. वार्ता तरंगिनी-98	230.21	ग्राम्य प्रदेश फिल्म डिवीजन कारपोरेशन, 11-5-423/लकड़ी का पुल, हैदराबाद-54			ग्राम्य प्रदेश क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
26. वार्ता तरंगिनी-99	214.51	-तथैव-			-तथैव-
27. राहिव सित्रो अमे रत्न ना	582.17	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, 'ममनाई रिसर्च लेबो. लिमि. डा. एनी बेसेंट रोड, वर्ली, बम्बई-400034			गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्यूमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
28. सिरमोरआबूशानो	492.26	-तथैव-			तथैव-

1	2	3	4	5	6
29. ए वाइज स्टप	40.84	श्री बी खोसला, 71/1, सरगम, थर्टीएथ रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
30. क्लोजिंग दी डोर अगेंस्ट लेपरेसी	533.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24-पैडरू रोड, बम्बई-400026			-तथैव-
31. इम्मुनाइजेशन अगेंस्ट टी.बी.	36.00	-तथैव-			-तथैव-
32. इम्मुनाइजेशन अगेंस्ट पोलियो	33.00	-तथैव-			-तथैव-
33. ग्रांड मा इज राईट	79.00	-तथैव-			-तथैव-
34. गौरवशाली बिहार 575.90	575.90	सूचना और जनसंपर्क निदेशक, बिहार सरकार, पटना ।			
35. न्यूज मैगजीन नं. 97	546.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24-पैडरू रोड, बम्बई-400026			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
36. गुजरातना संगीतकारो	548.64	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्ड रिसर्च लेबो. लिमि., 77 डा. एनीबसेन्ट रोड, बम्बई-400018			गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
37. न्यूज मैगजीन नं 98	365.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24-पैडरू रोड, बम्बई-400026			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
38. टू साइड आफ ए कोईन	425.00	श्री दिनकर चौधरी सप्तश्रृंग को.ओ. हा. सोसायटी लिमिटेड 7-बी/183 डी.एन. नगर, अंधेरी, बम्बई-400058			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
39. महितीचित्र नं. 472	256.03	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनार्ड रिसर्च लेबो. लिमिटेड, 77-एनीबसेन्ट रोड, वर्ली, बम्बई-400016			गुजरात क्षेत्र में रिलीज के लिए अनुमोदित तथा, "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।
40. दि लिटरेरी स्टोरम-II	590.40	श्री अली सरदार जाफरी, 1 डी, सीता महल, भीमांजी पतीत रोड, बम्बई-400036			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "डाक्युमेंट्री" के रूप में वर्गीकृत।
41. जरा इनकी सुमिये	274.00	मिस मीना पालिवाल, 25, अल हिलाल बन्दारा रिक्लामेशन बम्बई			-तथैव-
42. लीफ प्रोटीन	460.00	मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, 24-पैडरू रोड, बम्बई-400026			-तथैव-
43. न्यूज मैगजीन नं. 100	283.00	-तथैव-			सामान्य रिलीज के लिए अनुमोदित तथा "समाचार और सामयिक घटनाओं" के रूप में वर्गीकृत।

1	2	3	4	5	6
44. वार्ता वर्गिनी नं. 101	195.08	झांप्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, जफर बाग, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004			झांप्र प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत ।
45. नंबर वन किनर	382.50	नेशनल एजुकेशनल एण्ड इन्फार्मेशन फिल्म लि., 67 मेकर चेम्बर, छठा तल, नारीमन प्वाइन्ट, बम्बई-21			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
46. फार प्रोटेक्शन इम्पुनाइजेशन	383.00	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	
47. लोक अग्रालत	257.00	सूचना और प्रचार निदेशक मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल			
48. इम्पुनाइजेशन अगेंस्ट श्री डीसिज	24.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			-तदेव-
49. विस्डम	29.00	-तदेव-			-तदेव-
50. शाह नवाज खान	390.17	श्री जे.एस. बांदेकर, एम/17 घम्वडकर नगर पारेल, बम्बई-12			-तदेव-
51. महाराष्ट्र न्यूज नं. 421	285.00	सूचना और जनसंपर्क निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, 68 ताडदेव रोड, बम्बई-400034			महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रदर्शन स्वीकृत और "समा सम सामयिक घट रूप में वर्गीकृत ।
52. न्यूज मैगजीन नं. 101	511.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत ।
53. माला	42.00	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	
54. श्री गीजूभाई बंधाके	475.49	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनोई रिसर्च लैब लि., 77 डा. एनी बेसेंट रोड, बम्बई-18			गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत ।
55. फार सेफ ट्रांसपोर्टेशन	298.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68 ताडदेव रोड, बम्बई-34			महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत ।
56. सहकारमे सीमाव्ययम	532.31	झांप्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि. 11/5/423/1, लकड़ी का पुल हैदराबाद ।			झांप्र प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत ।
57. निम्ना धपुला संघटकाली	524.00	निदेशक, सूचना और जनसंपर्क, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, ताडदेव रोड, बम्बई-400034			महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत ।

1	2	3	4	5	6
58. महितिचित्र नं० 474	291.69	महायक निदेशक, सूचना, गुजरात सरकार, रामनोई रिसर्च लै. लि., डा. एनीहोसेट रोड, बर्ली, बम्बई-18			गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप वर्गीकृत।
59. न्यूज मैगजीन नं. 102	197.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम साम- यिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
60. गंगा	293.52	निदेशक, सूचना और जनसंपर्क, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत।
61. न्यूज मैगजीन नं. 102ए	537.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
62. वनस्थली	292.00	निदेशक, सूचना और जनसंपर्क, उत्तर प्रदेश सरकार, पार्क रोड, लखनऊ			उत्तर प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत।
63. न्यूज मैगजीन नं. 103	347.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत।

[फाइल संख्या 315/2/87-एफ (पी)]

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1989

S.O. 1050.—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the first Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose or a film dealing with news & current events or documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Flag & Freedom	583.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as "Documentary"
2.	Tele Communication At Your Service	282.00	-do-		-do-
3.	Story of Food	345.55	The Food Corporation of India, Barakhamba Lane, New Delhi-1.		-do-
4.	Mahitichitra No. 468	228.60	Asstt. Director of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab Ltd., Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as News and Current Events.

1	2	3	4	5	6
5.	Uttar Pradesh Samachar 122	283.47	Director of Information, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.		Approved for release in Uttar Pradesh circuit and classified as News and Current Events
6.	Kaliyoot	577.30	Shri P.R.S. Nair, JC9/1243 Sastamangalam Trivandrum, Kerala.		Approved for general release and classified as "Documentary".
7.	News Magazine No. 94	309.00	The Chief Producer, Film Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as News and Current Events.
8.	Health for all 2000 AD-Care of Eyes.	315.60	M/s Shakil Productions, Ashrof Studios, Opp. Mahim Station, Bombay-400 016.		Approved for general release and classified as "Documentary".
9.	Health for all 2000 AD Cholera	90.93	-do-	-do-	-do-
10.	Health for all 2000 AD (Breast feeding)	335.28	-do-	-do-	-do-
11.	Ujjaval Bhavishya Ki Ore	295.66	Director of Information, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.		Approved for release in Uttar Pradesh circuits and classified as "Documentary".
12.	Maharashtra News No 319	300.00	Director General of Information & Public Relations, Government of Maharashtra, Film Centre, Bombay-34		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News & Current Events".
13.	Why Social Forestry	506.00	M/s N.E.I.F., National House, Appolo Bander, Bombay-400 039.		Approved for general release and classified as "Documentary".
14.	Health for All 2000 AD Primary Health care	306.62	M/s Shakil Productions, Asharf Studios Opp. Mahim Railway Station, Bombay-400 016.		-do-
15.	Health for All 2000 AD Diarrhoea	289.91	-do-	-do-	-do-
16.	Mahitichitra No. 470	286.51	Asstt. Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Lab Ltd., 77-Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
17.	Shahar Me Pradushan	406.00	Director General of Information, Govt. of Maharashtra, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		Approved for General release and classified as "Documentary".
18.	Bazar Ki Sair	88.90	The Chief Producer, Film Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary.
19.	Sahi Umar	81.00	-do-	-do-	-do-
20.	Aisi Bhi Kya Jaldi	65.00	-do-	-do-	-do-
21.	Navin Bharud	136.00	-do-	-do-	Approved for Maharashtra Circuit and classified as Documentary.
22.	Maharaja Surajmal 1707-1763	348.00	-do-	-do-	Approved for general release and classified as "Documentary".

1	2	3	4	5	6
23. Mahitichitra No. 471	290.17	Asstt. Director of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77-Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.			Approved for release in Gujarat circuit and classified as "News and Current Events".
24. Mahitichitra No. 491	220.98	-do-	-do-	-do-	-do-
25. Vartha Tharangini-98	230.21	Andhra Pradesh Film Dev. Corporation, 11-5-423/Lakdi-Ka-Pul, Hyderabad-54.			Approved for release in Andhra Pradesh and classified as News and Current Events.
26. Vartha Tharangini-99	214.51	-do-	-do-	-do-	-do-
27. Rahev Sio Ame Rann Na	582.17	Asstt. Director of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab., Ltd., Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 034.			Approved for release in Gujarat circuit and classified as "Docu- mentary".
28. Shirmor Abhooshano	492.26	-do-	-do-	-do-	-do-
29. A wise step	40.84	Shri B. Khosla, 71/1 Sargam, 30th Road, Bandra, Bombay-400 050.			Approved for general release and classified as Documentary
30. Closing the Door against Leprosy.	533.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.			-do-
31. Immunization against TB	36.00	-do-	-do-	-do-	-do-
32. Immunization against Polio	33.00	-do-	-do-	-do-	-do-
33. Grandmaa is Right.	79.00	-do-	-do-	-do-	-do-
34. Govrabhaji Bihar	575.90	Director of Information and Public Relations, Government of Bihar, Patna.			-do-
35. News Magazine No. 97	546.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.			Approved for general release and classified as "News & Current Events".
36. Gujaratna Sangitkaro	548.64	Asstt. Director of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77 Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.			Approved for release in Gujarat circuit and classified as "Docu- mentary".
37. News Magazine No. 98	365.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.			Approved for general release and classified as News & Current Events.
38. Two Sides of a Coin	425.00	Shri Dinkar Chowdhari Saptarishi Coop. Hsg. Society Limited, 7-B/183, D.N. Nagar, Andheri, Bombay-400 058.			Approved for general release and classified as "Documentary".

1	2	4	5	6
39. Mahitichitra No. 472	256.03	Asstt. Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77-Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as News & Current Events.
40. The Literary Storm-II	590.40	Shri Ali Sardar Jafri, 1D, Seeta Mahal, Bomanji Petit Road, Bombay-400 036.		Approved for general release and classified as Documentary.
41. Zara Inki Suniye	274.00	Miss Meena Paliwal, 25 AL Hilal Bandra Reclamation, Bombay.		-do-
42. Leaf Protein	460.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		-do-
43. News Magazine No. 100	283.00	-do-	-do-	Approved for general release and classified as "News & current events".
44. Varttha Tarangini No. 101	195.08	The Andhra Pradesh Film Development Corporation Ltd., 11-5-423/1 Zafar Bagh, Lakdi-Ka-Pul, Hyderabad-500 004.		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as "News & current Events".
45. Number One Killer	382.50	The National Educational & Information Films Ltd., 67 Maker Chamber, 6th Floor, Nariman Point, Bombay-400 021.		Approved for general release & classified as "Documentary".
46. For Protection-Immunization.	383.00	-do-	-do-	-do-
47. Lok Adalat	257.00	The Director of Information & Publicity, Govt. of Madhya Pradesh, Bhopal.		-do-
48. Immunization against three diseases.	24.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		-do-
49. Wisdom	29.00	-do-	-do-	-do-
50. Shah Nawas Khan	390.17	Shri J.S. Bandekar, M/17 Ambedkar Nagar, Parel, Bombay-400 012.		-do-
51. Maharashtra News No. 421	285.00	Director of Information and Public Relations, Govt. of Maharashtra, 68-Tardeo Road, Bombay-400 034.		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as "News & Current Events".
52. News Magazine No. 101	511.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026.		Approved for general release and classified as "Documentary".
53. Mala	42.00	-do-	-do-	-do-
54. Shri Gijubhai Budhake	475.49	The Asstt. Director of Information, Government of Gujarat, Ramnord Research Lab Ltd., 77 Dr. Annie Besant Road, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as "Documentary".

1	2	3	4	5	6
55.	For Safe Transportation	298.00	Director General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Road, Bombay-400 034.		Approved for release in Maharashtra circuit & classified as Documentary.
56.	Sahakaram Soubagya	532.31	Andhra Pradesh Film Development Corporation, 11/5/423/1, Lakdi Ka Pul, Hyderabad.		Approved for release in Andhra Pradesh circuit & classified as Documentary.
57.	Mitra Apula Sankatkali	524.00	Director of Information & Public Relations, Government of Maharashtra, Film Centre, Tardeo Road, Bombay-400 034.		Approved for release in Maharashtra circuit & classified as "Documentary".
58.	Mahitichitra No. 474.	291.69	Asstt. Director of Information, Govt. of Gujarat, 77 Ramnoard Res. Lab. Ltd., Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit & classified as News & Current Events.
59.	News Magazine No. 102	197.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as "News & Current Events."
60.	Ganga	293.52	The Director of Information and Public Relations, Government of Uttar Pradesh, Lucknow.		Approved for general release and classified as "Documentary".
61.	News Magazine No. 102A	537.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as News & Current Events.
62.	Ek Vanasthali	292.00	The Director of Information and Public Relations, Govt. of Uttar Pradesh, Park Road, Lucknow.		Approved for release in Uttar Pradesh circuit and classified as "Documentary".
63.	News Magazine No. 103	347.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as "Documentary".

आदेश

[File No. 315/2/87-F(P)]

का.प्र. 1051:—भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के आदेश संख्या मा.का.नि. 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियम के प्रत्येक उपबंध के अंतर्गत जारी निर्देशों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार द्वारा फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के उपरान्त, संलग्न अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट फिल्मों को, जिसका/जिनका विवरण उपर्युक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया गया है, उसके/उनके सभी भाषा रूपान्तरों के साथ स्वीकार करती है।

अनुसूची

क्रम सं.	फिल्म का नाम	फिल्म की लंबाई	आवेदक का नाम	प्रोड्यूसर का नाम	फिल्म का संक्षिप्त विवरण कि क्या वैज्ञानिक फिल्म है अथवा शैक्षिक उद्देश्य की है या समाचारों एवं सम सामयिक घटनाओं पर आधारित फिल्म या वृत्तचित्र है।
1	2	3	4	5	6
1.	गिरिजोधराना	455.82	ग्रोप्र प्रवेश राज्य फिल्म विकास निगम लि., 11-5-423/1, लकड़ी का पुल, हैदराबाद-500004		ग्रोप्र प्रवेश क्षेत्र में प्रवेश के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत

1	2	3	4	5	6
2. मैं सुनिया ऐ	32.19	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत	
3. अमी मुनेची	46.00		मुख्य प्रोड्यूसर फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत	
4. मैं शबालू छे	41.00		-तथैव-	-तथैव-	
5. मी असा भाईकला	43.00		-तथैव-	-तथैव-	
6. जनन कोट्टीरुन्नव	55.57		-तथैव-	-तथैव-	
7. नेमूविन्ना विषय म	38.00		-तथैव-	-तथैव-	
8. नान केल्पीपट्टा विषयम	44.00		-तथैव-	-तथैव-	
9. नानू हीगा अंडकोट्टिडे	40.00		-तथैव-	-तथैव-	
10. काली खांसी से बचाव	32.00		-तथैव-	-तथैव-	
11. चुघरी खांसी टीके बचन	41.00		-तथैव-	-तथैव-	
12. मोती उदरास समयरक्षण	38.00		-तथैव-	-तथैव-	
13. डांगी खोलयाप्सन बचाव	33.32		-तथैव-	-तथैव-	
14. कक्कूयम हरमालूकू	40.00		-तथैव-	-तथैव-	
15. कोरिंता आगो राकुंडा रक्षण	37.00		-तथैव-	-तथैव-	
16. नाईकेम्मीहिंदा थाप्पीसिकोली	35.00		-तथैव-	-तथैव-	
17. काली खांसी तो बचो	33.22		-तथैव-	-तथैव-	
18. विल्लान छुमाईलीनिमम रक्षा टेनस से बचाव	12.36		-तथैव-	-तथैव-	
19. धनुरबा समेरक्षण	36.00		-तथैव-	-तथैव-	
20. धनुरबत	36.00		-तथैव-	-तथैव-	
21. टिटोनिंसिलिनीनम रक्षा	38.40		-तथैव-	-तथैव-	
22. टेनस मुंची रक्षना	33.00		-तथैव-	-तथैव-	
23. धनुरबायु	36.00		-तथैव-	-तथैव-	
24. टेनस अके	33.00		-तथैव-	-तथैव-	
25. टेनस तो बचो	25.60		-तथैव-	-तथैव-	
26. टेनसिलिरुधूं पाधुगप्पू	33.00		-तथैव-	-तथैव-	
27. टेनस से बचाव	31.00		-तथैव-	-तथैव-	
पोलियो से बचाव					
28. पोलियो समरक्षम	36.57		मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26	सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत	
29. पोलियो पासुन बचाव	34.13		-तथैव-	-तथैव-	
30. पोलियो तो बचा	33.83		-तथैव-	-तथैव-	
31. पोलियो से बचाव	34.44		-तथैव-	-तथैव-	
32. पोलियो मुंची रक्षना	31.00		-तथैव-	-तथैव-	
33. पोलियो मईलिनिनम रक्षा	42.00		-तथैव-	-तथैव-	
34. पोलियो बचाते	40.00		-तथैव-	-तथैव-	
35. पोलियाडिडा रक्षना	31.00		-तथैव-	-तथैव-	
36. ईल्लापिल्लई वधायिलिरुडू पाधुगप्पू	34.00		-तथैव-	-तथैव-	
जोखिम क्यों उठाएं					
37. अण्णईआकी थाके ओलागागाडेकू	32.00		-तथैव-	-तथैव-	
38. खतरा क्यों है	32.00		-तथैव-	-तथैव-	
39. कीनी कुली नीयेन	39.00		-तथैव-	-तथैव-	

1	2	3	4	5	6
40.	छिवकुलोपवातम इन्डुकु	30.00		-तथैव-	-तथैव-
41.	ओर भूशई मुट्टूमिल्ला	51.00		-तथैव-	-तथैव-
42.	धोखा पटकार नाका	30.77		-तथैव-	-तथैव-
43.	जोशिम शामले लियो	36.27		-तथैव-	-तथैव-
44.	खतरा कयो लवो	21.64		-तथैव-	-तथैव-
45.	वीयु थोल्लई धाने	29.00		-तथैव-	-तथैव-
कोई समस्या नहीं					
46.	वय्यावेल्ली वारुधीवेल्ले	55.00		-तथैव-	-तथैव-
47.	कोई जनमत नहीं	32.61		-तथैव-	-तथैव-
48.	कोई उलझन नहीं	35.96		-तथैव-	-तथैव-
49.	ई ईम्मानुमील्ले	33.00		-तथैव-	-तथैव-
50.	किच्छू झमला नहीं	42.00		-तथैव-	-तथैव-
51.	कोई झंझट नहीं	38.00		-तथैव-	-तथैव-
52.	ओर थोल्लईउमील्लई	34.00		-तथैव-	-तथैव-
53.	थावडू टोंडाडारामेल्ला	30.00		-तथैव-	-तथैव-
54.	रामवेश	207.57	श्री ए. रमेश पंडित, 17 पाकेटवाला बिल्डिंग, स्टेशन रोड, कुर्ली, बम्बई-400070		सामान्य प्रदर्शन के लिए अनुमोदित और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
55.	महितिचित्र नं. 479	286.51	राहुयक निदेशक, सूचना और जनसंपर्क, गुजरात सरकार, रामनोई रिसर्च लैब लिमि. 77, डा. एनी बेसेंट रोड, बर्ली, बम्बई-18		गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचारों तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।
56.	उत्तर प्रदेश समाचार 125	290.78	श्री प्रमोद पांडे, सूचना एवं जनसंपर्क निदेश- शालय, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ		उत्तर प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचारों एवं सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
57.	न्यूज मैगजीन नं. 114	443.00		मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड बम्बई-400026	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचारों एवं सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
58.	क्षय रोगम मुंच रक्षना	33.00		-तथैव-	सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत।
59.	पोलियो रु सुरक्षा	30.00		-तथैव-	-तथैव-
60.	जुम्मा आसूखिन्धा नहीं	45.00		-तथैव-	-तथैव-
61.	हमपाती रु सुरक्षा	34.00		-तथैव-	-तथैव-
62.	क्षयवुद्धा रक्षणे	34.00		-तथैव-	-तथैव-
63.	टेनस-2	27.00		-तथैव-	-तथैव-
64.	टेनसिलि शिन म रक्षा	32.00		-तथैव-	-तथैव-
65.	टेनस रु सुरक्षा-2	33.00		-तथैव-	-तथैव-
66.	घनुरवायु-2	26.50		-तथैव-	-तथैव-
67.	टेनस रु सुरक्षा	30.00		-तथैव-	-तथैव-
68.	जीवितमंता सुरक्षम	30.00		-तथैव-	-तथैव-
69.	आयुष्मर भाराम	29.56		-तथैव-	-तथैव-
70.	मीसलज नूची रक्षना	30.00		-तथैव-	-तथैव-

1	2	3	4	5	6
71.	अंजामपानी बाह्यायुक्त	32.00	भुवनेश्वर प्रोड्यूसर्स, फिफ्थ फ्लोर, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
72.	दादरगिडडा रक्षित	41.00		-तथैव-	-तथैव-
73.	एकलू गव्यन होले-2	40.00		-तथैव-	-तथैव-
74.	कामधोधा जागरता-2	29.00		-तथैव-	-तथैव-
75.	कामधोधाजा गरता-1	42.00		-तथैव-	-तथैव-
76.	स्वाल्पा येचारा इली-2	34.00		-तथैव-	-तथैव-
77.	स्वाल्पा येचारा इली-1	42.00		-तथैव-	-तथैव-
78.	अलपामोभू नरतीर्योवकु	32.00		-तथैव-	-तथैव-
79.	साइफ लांग डी	34.00		-तथैव-	-तथैव-
80.	खिपरा रे पदिवे कर्हिनकी	34.00		-तथैव-	-तथैव-
81.	टी.बी. से बचाव	35.96		-तथैव-	-तथैव-
82.	ईशुमुधुरकी नार्दिलिऊवू पाधुकप्पू	36.00		-तथैव-	-तथैव-
83.	क्षय रोग समे रक्षा	38.00		-तथैव-	-तथैव-
84.	टी.बी. पोसन बचाव	36.00		-तथैव-	-तथैव-
85.	जोखा तेखा रोकखा	49.00		-तथैव-	-तथैव-
86.	क्षयरोगाथिल निग्रन्निम रक्षा	36.57		-तथैव-	-तथैव-
87.	टी.बी. तो बचा	36.00		-तथैव-	-तथैव-
88.	जम्मा रू बचाता (टी.बी. से बचाव)	35.66		-तथैव-	-तथैव-
89.	टेनस से बचाव-2	31.59		-तथैव-	-तथैव-
90.	टेनसलीरिधू पदाउकप्पू	29.00		तथैव	-तथैव-
91.	धनुरक्षा समे रक्षा-2	29.56		-तथैव-	-तथैव-
92.	टेनस पोसनबचाव-2	32.61		-तथैव-	-तथैव-
93.	टेनस तो बचाव-2	28.34		-तथैव-	-तथैव-
94.	जिन्वगी भर आसानी	34.00		-तथैव-	-तथैव-
95.	वाजनाय मुमुधुम मुगम	28.00		-तथैव-	-तथैव-
96.	जीवन भर आसानी	32.30		-तथैव-	-तथैव-
97.	आजीवन आराम मिले	34.00		-तथैव-	-तथैव-
98.	जीवितम मुमुधुम संतुष्टि	28.34		-तथैव-	-तथैव-
99.	जीवन भर लई आसानी	29.00		-तथैव-	-तथैव-
100.	आजीवन सुविधा	28.34		-तथैव-	-तथैव-
101.	जीवना पूर्ति आराम	30.00		-तथैव-	-तथैव-
थोड़ी सी सावधानता					
102.	खसरे से बचाव	47.54		-तथैव-	-तथैव-
103.	बाट्टाम्माईलीरिधू पदाउकप्पू	43.00		-तथैव-	-तथैव-
104.	ओरी समे रक्षा	43.58		-तथैव-	-तथैव-
105.	गोशारा पागुन बचाव	39.62		-तथैव-	-तथैव-
106.	खसरे तो बचा	40.53		-तथैव-	-तथैव-
107.	भिनीमिलारु सुरक्षा	45.00		-तथैव-	-तथैव-
108.	हाम लीके बचाते	53.00		-तथैव-	-तथैव-
109.	थोड़ी सी सावधानता-2	26.00		-तथैव-	-तथैव-

1	2	3	4	5	6
			मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
110.	धीवाई कोजम गावानम-2	30.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
111.	धीवाई कोजम गावानम-1	38.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
112.	जरा सी ग्रहमियात-2	37.79	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
113.	जरा सी ग्रहमियात-1	50.90	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
114.	थोड़ी सावधानी-2	35.55	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
115.	थोड़ी सावधानी-1	30.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
116.	थोड़ी सी सावधानता-1	31.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
117.	थोड़ी जेही सावधानी-2	11.75	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
118.	थोड़ी जेही सावधानी-1	24.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
119.	समयनसतर्कता-2	29.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
120.	समयनसतर्कता-1	35.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
121.	घल्पावोन्नु सराहीबकू-1	32.00	तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
122.	गुजरात तो लोकनस्थो	598.93	संपर्क अधिकारी, गुजरात सरकार, धनराज महान, छत्रपति शिवाजी महाराज, मार्ग, बम्बई-400039		गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में स्वीकृत]
123.	कोनो बेमेजली नई	33.52	होरे में फिल्म, 121 कलेक्टर्स कालोनी, पलैट नं 1/सी, चेम्बूर बम्बई-74		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
124.	टिटनम प्रतिरोध-1	28.65	डो रे मे फिल्मस, 121 कलेक्टर्स कालोनी, पलैट नं. 1 सी, चेम्बूर, बम्बई-74		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
125.	पोसिमो प्रतिरोध	33.52	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
126.	मोई सुमी मोलोई पियासू	35.66	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
127.	सुहुरी कान्हा प्रतिरोध	33.22	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
128.	विपव सापई लोईकिया	30.48	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
129.	मू सुमिधि 1 (घाई हूँ हूँ)	43.28	मुख्य प्रोड्यूसर फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26	—तथैव—	—तथैव—
130.	धार्ता रंगिनी-108	210.98	ग्रामप्रवेश राज्य विकास नि. लि., 11-5-423/1 लकड़ी का पुल, हँदराबाद-4		ग्रामप्रवेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचारों तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
131.	संधिका समक्षेमम	438.41	—तथैव—		ग्रामप्रवेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
132.	न्यूज सैगजीन नं. 115	331.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
133.	महाराष्ट्र न्यूज नं. 425	294.00	सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर 68, ताड़देव रोड, बम्बई		महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
134.	स्वर गंगा—सागुआई हंगल	570.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
135.	येवंध	37.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
136.	मूडू ब्याधुलानुंची	26.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
137.	हथोन्नु केड्डलाधुम	48.76	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
138.	मूरु रोगागालिवा रक्षण	25.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
139.	जरा आईका	33.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
140.	टिन रोगानप्पीन बचाव	25.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—
141.	साम्बलो छो	38.00	—तथैव—	—तथैव—	—तथैव—

1	2	3	4	5	6
142.	तगन बीमारियों से रक्षा	25.60	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
143.	तीन बीमारियों से बचाव	23.00	---तथैव---		---तथैव---
144.	तीन बीमारियों से बचाव	27.00	---तथैव---		---तथैव---
145.	केलंगल	42.00	---तथैव---		---तथैव---
146.	मूंदू नाश्कालीसिंघ पाषुकापू	28.00	---तथैव---		---तथैव---
147.	न्यूज मैगज़ीन नं. 116 ए	192.00	---तथैव---		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
148.	न्यूज मैगज़ीन-116	339.00	---तथैव---		---तथैव---
149.	जुर्म	32.22	---तथैव---		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
150.	जुर्म	33.52	---तथैव---		---तथैव---
151.	गोन्ही	31.39	---तथैव---		---तथैव---
152.	उज्ज्वल भविष्य	29.00	---तथैव---		---तथैव---
153.	उज्ज्वल भविष्य	29.60	---तथैव---		---तथैव---
154.	रोशन मुस्ताकबिय	32.30	---तथैव---		---तथैव---
155.	सीमते नोग टीके गचा	30.00	---तथैव---		---तथैव---
156.	सीमी बीमारी से सुरक्षा	31.00	---तथैव---		---तथैव---
157.	अप्पी गोतो	35.00	---तथैव---		---तथैव---
158.	एकतृ णन्दन होले-2	36.00	---तथैव---		---तथैव---
159.	जुल्म	30.00	---तथैव---		---तथैव---
160.	टेनस प्रतिरोध-2	34.13	डो रे में फिल्म्स, 121, कलेक्टर्स कालोनी, चेम्बूर, बम्बई-400074		---तथैव---
161.	सारू भाई प्रतिरोध	40.24	---तथैव---		---तथैव---
162.	प्राचीन आराम	27.43	---तथैव---		---तथैव---
163.	सुनक हेरी	30.78	---तथैव---		---तथैव---
164.	समन्या साबोधानाता-2	33.22	---तथैव---		---तथैव---
165.	समन्या साबोधानाता-1	38.40	---तथैव---		---तथैव---
166.	जन्मा रोग प्रतिरोध	36.88	डो रे में फिल्म्स, 121, कलेक्टर्स कालोनी, चेम्बूर, बम्बई-400074		सामान्य प्रदर्शन के लिए वर्गीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
167.	तीनी बीध रोगोर प्रतिरोध	28.38	डो रे में फिल्म्स, 121, कलेक्टर्स कालोनी, चेम्बूर, बम्बई-400074		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
168.	महितिचित्र नं. 480	295.66	संपर्क अधिकारी, गुजरात सरकार, धनराज मङ्गल, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-400039		गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार और सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
169.	सक्सेस आफ एन एक्स-पेरीमेंट	337.00	बाज कुरतारकर लक्ष्मी नारायण निवास, 25वां रोड, बांद्रा-बम्बई-50		महाराष्ट्र क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
170.	फ्रीडम ए. कामन हेरीटेज	582.00	मै. एशियन फिल्म्स, 72 जनपथ, नई दिल्ली-1		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
171.	न्यूज मैगज़ीन नं. 117	270.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सम सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
172.	संकटपोसन सुटका	37.00	---तथैव---		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
173.	मुसीबत तो छुटकारो	47.86	---तथैव---		---तथैव---
174.	मुसीबत तई छुटकारो	42.67	---तथैव---		---तथैव---
175.	अमेले थेके रहार्ई	53.34	---तथैव---		---तथैव---
176.	असुविधम बछातू	47.00	---तथैव---		---तथैव---

1	2	3	4	5	6
177.	मुसीबत से छुटकारा	45.41	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
178.	जवाबदारी	37.49.	---तथैव---		---तथैव---
179.	जिम्मेदारी	38.40	---तथैव---		---तथैव---
180.	जिम्मेदारी	36.88	---तथैव---		---तथैव---
181.	जवाबदारी	38.00	---तथैव---		---तथैव---
182.	मुनी जी	31.69	---तथैव---		---तथैव---
183.	मुनीचा	33.00	---तथैव---		---तथैव---
184.	मुनी जी	33.23	---तथैव---		---तथैव---
185.	योग्या वाली	36.00	---तथैव---		---तथैव---
186.	योग्या समया	43.00	---तथैव---		---तथैव---
187.	भविष्य बानव	28.00	---तथैव---		---तथैव---
188.	भविष्य बानाभो	29.00	---तथैव---		---तथैव---
189.	समाज सेविका	34.00	---तथैव---		---तथैव---
190.	समाज सेविका	26.00	---तथैव---		---तथैव---
191.	समुधा सेविका	38.70	---तथैव---		---तथैव---
192.	समाज सेविका	23.00	---तथैव---		---तथैव---
193.	समाज सेविका	26.60	---तथैव---		---तथैव---
194.	समाज सेविका	28.00	---तथैव---		---तथैव---
195.	सी कर्तव्यम	48.00	---तथैव---		---तथैव---
196.	तमारू कर्तव्यम	52.00	---तथैव---		---तथैव---
197.	निम्मा कर्तव्यम	44.00	---तथैव---		---तथैव---
198.	गुणवति	28.65	---तथैव---		---तथैव---
199.	गुणावति	28.35	---तथैव---		---तथैव---
200.	गुणवती	29.00	---तथैव---		---तथैव---
201.	भाग्यवती	40.23	---तथैव---		---तथैव---
202.	गुणवती	31.00	---तथैव---		---तथैव---
203.	सविका निराम	41.00	---तथैव---		---तथैव---
204.	सामाजिक अपराध	40.00	---तथैव---		---तथैव---
205.	सामाजिक अपराध	39.00	---तथैव---		---तथैव---
206.	सामाजिक अपराध	40.00	---तथैव---		---तथैव---
207.	यजुर्वेद	203.78	श्री रमेश गिनि, 17, रोकेट वाला बिल्डिंग, हरियाणा लेन, स्टेशन रोड, कुर्ना, बम्बई-70		---तथैव---
208.	कोल्कोडा सैनिक स्कूल	274.46	ब्राह्म प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम लि. 11-5-423/1, लक्ष्मी का गुल, हैदराबाद-4		ब्राह्म प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
209.	धुनहरा माविल	27.43	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
210.	धनुशूतकार-2	31.00	---तथैव---		---तथैव---
211.	उंगल कादामई	42.00	---तथैव---		---तथैव---
212.	समूगा कुतराम	41.00	---तथैव---		---तथैव---
213.	तुमाचा कर्तव्य	37.49	---तथैव---		---तथैव---
214.	निगलउडे गुमटाला	43.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्युमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
215.	अपाननका कर्तव्य	45.00	---तथैव---		---तथैव---
216.	अपनार कर्तव्य	41.00	---तथैव---		---तथैव---
217.	तुहाडा फर्ज	38.70	---तथैव---		---तथैव---
218.	अपोनर कर्तव्य	39.00	---तथैव---		---तथैव---
219.	आपका फर्ज	50.00	---तथैव---		---तथैव---
220.	गुणवती	30.48	---तथैव---		---तथैव---
221.	गुणवती	27.43	---तथैव---		---तथैव---

1	2	3	4	5	6
222.	खूबियां बाली	27.56	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
223.	समाज सेविका	25.00	--तय्य--		--तय्य--
224.	समाजी कारकुन	42.00	--तय्य--		--तय्य--
225.	समुगसुभा अपराधम	62.00	--तय्य--		--तय्य--
226.	सामाजिक अपराध	49.00	--तय्य--		--तय्य--
227.	सामाजिक अपराध	48.00	--तय्य--		--तय्य--
228.	सामाजिक अपराध	37.49	--तय्य--		--तय्य--
229.	सामाजिक अपराध	49.00	--तय्य--		--तय्य--
230.	सामाजिक जुर्म (सोशल काइम)	42.36	--तय्य--		--तय्य--
231.	सही वक्त ते	36.00	--तय्य--		--तय्य--
232.	सही वक्त पर	39.00	--तय्य--		--तय्य--
233.	भाविय बनायी	35.00	--तय्य--		--तय्य--
234.	नुस्ताकबिल बनाइए (फार दि क्यूबुर)	33.52	--तय्य--		--तय्य--
235.	किमिंग यू सोपरलो	331.00	श्रीमती आशा बत्ता, बम्बई-6, अद्वत, दत्ता, मंदिर रोड, कांहीबली (पश्चिम), बम्बई-67		--तय्य--
236.	न्यूज मैगजिन नं. 118	296	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
237.	मतिनिचित्र नं. 431	213.35	सहायक सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, रामनोई रिमजं लैब लि., 77, डा. एनी बेसेंट रोड, बर्ली, बम्बई-400018		गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
238.	अंधतवा सभे रसन	29.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-26		सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
239.	आमेसी पृतिमा विकासिन जानीबनंदी	44.00	--तय्य--		--तय्य--
240.	बर ना क्षोमा	46.00	--तय्य--		--तय्य--
241.	गुंजन दा हल	42.00	--तय्य--		--तय्य--
242.	अदबानीवर उपाय	38.00	--तय्य--		--तय्य--
243.	समसे का हल	56.00	--तय्य--		--तय्य--
244.	समस्यानी उकौल	53.00	--तय्य--		--तय्य--
245.	अंधापायी निम्नम रक्षा-2	30.00	--तय्य--		--तय्य--
246.	अंधातये रक्षण-1	29.00	--तय्य--		--तय्य--
247.	परिपक्व हो	41.00	--तय्य--		--तय्य--
248.	विबरम वेरिदावल अगात्तम	42.00	--तय्य--		--तय्य--
249.	एकतू नुव्दी पाकटे दिलो	42.00	--तय्य--		--तय्य--
250.	अबल बापारते	57.00	--तय्य--		--तय्य--
251.	धरधा कयारामनू बीदी	40.00	--तय्य--		--तय्य--
252.	इन्तिको वेल्गु	30.00	--तय्य--		--तय्य--
253.	थोड़ी मियानी से होन बयी	44.00	--तय्य--		--तय्य--
254.	जरा सहाती होउ बया	42.00	--तय्य--		--तय्य--
255.	जरा मयानी होने तो दो	42.00	--तय्य--		--तय्य--
256.	जरा उमरलायक तो बया दो	44.00	--तय्य--		--तय्य--
257.	मने नंवा दीपा	32.00	--तय्य--		--तय्य--
258.	बेद्टिन दीवम	29.00	--तय्य--		--तय्य--

1	2	3	4	5	6
259. गृहर शोभा	32.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रमाण, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
260. घर की शान	44.00	—तथैव—			—तथैव—
261. घराबी शोभा	36.00	—तथैव—			—तथैव—
262. घर की शान	41.00	—तथैव—			—तथैव—
263. यह इम्तिदाज क्यों ?	40.00	—तथैव—			—तथैव—
264. आधो भेदभाव माटे ?	39.00	—तथैव—			—तथैव—
265. न्यूज मैगजीन नं. 120	280.00	—तथैव—			**
266. ई भेदभावम एम्हकू	41.00	—तथैव—			***
267. एमिदा विवायसम	39.00	—तथैव—			—तथैव—
268. एह भेदभाव क्यों	35.05	—तथैव—			—तथैव—
269. हा भेदभावा का	39.00	—तथैव—			—तथैव—
270. ह्या भेदभाव कहनकी	37.49	—तथैव—			—तथैव—
271. महितीचित्र नं. 482	482.60	संपर्क अधिकारी, गुजरात सरकार, धनराज महल, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-400039			गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
272. मणी सवन	305.00	श्री सुभाष व्याकर, निवेशक, फिल्म फाउंडेशन मणि सवन, 19 नेबरनम रोड, बम्बई-400007			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
273. पथिक (स्वर्णि श्री काका-साहेब जर्ज एन. बी. शाहगिल)	585.22	श्री जम्हार पटेल, कुरकुम्भ रोड, डोंड, जिल्हा पुणे			—तथैव—
**सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत।					
***सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत।					
274. किन्नोर	599.00	श्री बिरेन्द्र द्विवेदी, फिल्मेज, 10, सी जेल, ए. बी. नायर मार्ग बम्बई-400049			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
275. महितीचित्र नं. 483	294.44	संपर्क अधिकारी, गुजरात सरकार, धनराज महल, छत्रपति शिवाजी महाराज मार्ग, बम्बई-400039			गुजरात क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और समाचार तथा सामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
276. विजयोन्मावम	289.63	ग्रांथ प्रवेश राज्य फिल्म, विकास निगम लि. 11-5-423/1, लकडी का पुल, हैदराबाद-500004			ग्रांथ प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत तथा समाचार और समसामयिक घटनाओं के रूप में वर्गीकृत
277. राष्ट्र कृषक परिवर्ष	511.28	—तथैव—			ग्रांथ प्रदेश क्षेत्र में प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत
278. न्यूज मैगजीन नं. 121	256.00	मुख्य प्रोड्यूसर, फिल्म प्रमाण, 24 पैडर रोड, बम्बई-26			सामान्य प्रदर्शन के लिए स्वीकृत और डाक्यूमेंट्री के रूप में वर्गीकृत

[फा नं. 315/3/88-एफ (पी)]

ए एम आर मृत्ति, टेस्क अधिकारी

S.O. 1051 :—In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the first Schedule to the Order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose or a film dealing with news & currents or documentary film
1	2	3	4	5	6
1.	Girijanodharana	455.82	Andhra Pradesh State Film Development Corpn. Ltd., 11-5-423/1 Lakdikapool, Hyderabad-500 004.		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as "Documentary".
2.	Mein Suniya Ae	32.19	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as "Documentary"
3.	Ami Sunechi	46.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as "Documentary".
4.	Main Shabhalyu Che	41.00	-do-		-do-
5.	Mi Asa Aikala	43.00	-do-		-do-
6.	Gnan Kettirunnw	55.57	-do-		-do-
7.	Nenuvinna Vishayam	38.00	-do-		-do-
8.	Naan Kelvipatta Vishayam	44.00	-do-		-do-
9.	Nanu Heega andkohdidde	40.00	-do-		-do-
10.	Kali Khasi se bachav	32.00	-do-		-do-
11.	Ghugri Khasi Teke Bachan	41.00	-do-		-do-
12.	Moti Udras Same Rakshan	38.00	-do-		-do-
13.	Dangi Kholayapasun Bachav	33.32	-do-		-do-
14.	Kakkuvan Irumaluku	40.00	-do-		-do-
15.	Korinta Daggo Raakunda Rakshana	37.00	-do-		-do-
16.	Nyikemmihinda Thappisikoli	35.00	-do-		-do-
17.	Kaali Khansi ton bacha	33.22	-do-		-do-
18.	Villan Chumayil nimum Raksha	42.36	-do-		-do-
IMMUNIZATION AGAINST TETANUS I					
19.	Dhanurwa same rakshan	36.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026		Approved for general release and classified as "Documentary".
20.	Dhanurvati I	36.00	-do-		-do-
21.	Titonisininum Raksha I	38.40	-do-		-do-
22.	Tetanus Nunchi Rakshana	33.00	-do-		-do-
23.	Dhanurvayu	36.00	-do-		-do-
24.	Tetanus Ak	33.00	-do-		-do-
25.	Tetanus ton bacha	25.60	-do-		-do-
26.	Tetanasilirundhu Padhugappu I	33.00	-do-		-do-
27.	Tetanus se bachao	31.00	-do-		-do-
IMMUNISATION AGAINST POLIO					
28.	Polio same rakshan	36.57	-do-		-do-
29.	Polio Pasun Bachav	34.13	-do-		-do-
30.	Polio ton bacha	33.83	-do-		-do-
31.	Polio se bachav	34.44	-do-		-do-
32.	Poliyo Nunchi Rakshana	31.00	-do-		-do-
33.	Polio youilninum Raksha	42.00	-do-		-do-
34.	Polio teke bachate	40.00	-do-		-do-
35.	Poliiodinda Rakshana	31.00	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
36.	Illampillai Vadhathilirundhu Padhwagappu	34.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026		Approved for general release and classified as Documentary
WHY TAKE RISK					
37.	Apayakee yake Olagagadeku	32.00	-do-		-do-
38.	Khatara que le ?	32.00	-do-		-do-
39.	Keno Jhuki Neben	39.00	-do-		-do-
40.	Chikkulo Padatam enduku	30.00	-do-		-do-
41.	Oru Bhudoj Mutthumilla	51.00	-do-		-do-
42.	Dhoka Patkaru Naka	30.77	-do-		-do-
43.	Jhokham sha mate Leyoo	36.27	-do-		-do-
44.	Khatra Kyon lavo	21.64	-do-		-do-
45.	Veen Thollai Ane	29.00	-do-		-do-
NO PROBLEM					
46.	Vayyaveli Varuthivekkelle	55.00	-do-		-do-
47.	Koi Zansat Nahi	32.61	-do-		-do-
48.	Koi Uljhan Nahin	35.96	-do-		-do-
49.	EE Ebbandiledu	33.00	-do-		-do-
50.	Kichchu Jamela Nai	42.00	-do-		-do-
51.	Koi Jhanjhat Nahin	38.40	-do-		-do-
52.	Oru thollaiumillai	34.00	-do-		-do-
53.	Yavadu Tondaraella	30.00	-do-		-do-
54.	Sama Veda	207.57	Shri A. Ramesh Pandit, 17, Pocketwala Bldng. Station Road, Kurla, Bombay-400070		Approved for general release and classified as Documentary.
55.	Mahitichitra No. 479	286.51	Asstt. Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.		Approved for release in Gujarat circuit & classified as News & Current Events.
56.	Uttar Pradesh Samachar 125	290.78	Shri Pramod Pande, Directorate of Information and Public Relations, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.		Approved for release in Uttar Pradesh circuit and classified as News and Current Events.
57.	News Magazine No. 114	443.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as News and Current Events.
58.	Kahya Rogam Munch Rakshana	33.00	-do-		Approved for general release and classified as Documentary.
59.	Polio Ru Surakhya	30.00	-do-		-do-
60.	Jumma Asubindha Nahin	45.00	-do-		-do-
61.	Hampani Ru Surakhya	34.00	-do-		-do-
62.	Kshyadubda Rakshane	34.00	-do-		-do-
63.	Tetanus II	27.00	-do-		-do-
64.	Tetanasil Ninnun Raksha	32.00	-do-		-do-
65.	Tetanus Ru Surakhya II	33.00	-do-		-do-
66.	Danurvayu II	26.50	-do-		-do-
67.	Tetanus Ru Surakhya I	30.00	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
68.	Jeevitamantaa Sukham	30.00	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary.
69.	Ayushabhar Aram	29.56	-do-		-do-
70.	Measles Nunchi Rakshana	30.00	-do-		-do-
71.	Anjanpani Thadayuka	32.00	-do-		-do-
72.	Dadaradinda Rakshane	41.00	-do-		-do-
73.	Ektu Shabdhan Hole II	40.00	-do-		-do-
74.	Kaasthantha Jaagrattha II	29.00	-do-		-do-
75.	Kaasthantha Jaagrattha I	42.00	-do-		-do-
76.	Swalpa Yechara Irli II	34.00	-do-		-do-
77.	Swalpa Yechaa Irli I	42.00	-do-		-do-
78.	Alpamonnu Sraddikku	32.00	-do-		-do-
79.	Life Long Tree	34.00	-do-		-do-
80.	Bipada Rc Padibe Kahinki	34.00	-do-		-do-
81.	T.B. Se Bachav	35.96	-do-		-do-
82.	Elurburukki Noyilirindhu Padhukappu	36.00	-do-		-do-
83.	Kshya Rog Same Rakshan	38.00	-do-		-do-
84.	T.B. Pasun	36.00	-do-		-do-
85.	Jokkha Theka Rokkha	49.00	-do-		-do-
86.	Kshayarogathil Ninnlim Raksha	36.57	-do-		-do-
87.	TB Ton Bacha	36.00	-do-		-do-
88.	Jakhma Ru Bachata (Immunisation against TB)	35.66	-do-		-do-
89.	Tetanus Se Bachao II	31.59	-do-		-do-
90.	Tetanusilirindhu Padhukappu	29.00	-do-		-do-
91.	Dhanurva Same Rakshan II	29.56	-do-		-do-
92.	Tetanus Pasun Bachav II	32.61	-do-		-do-
93.	Tetanus Ton Bachav II	28.34	-do-		-do-
94.	Zindagi Bhar Asani	34.00	-do-		-do-
95.	Vazhnal Muzhudhum Sugam	28.00	-do-		-do-
96.	Jivan Bhar Asani	32.30	-do-		-do-
97.	Aajeebon Aaram Mele	34.00	-do-		-do-
98.	Jeevitam Muzhuvanum Santhusti	28.34	-do-		-do-
99.	Jiwanbhar Layee Asani	29.00	-do-		-do-
100.	Ajivan Suvidha	28.34	-do-		-do-
101.	Jeevana Poorthi Aarama	30.00	-do-		-do-
JUST A LITTLE CARE					
102.	Khasre Se Bachao	47.54	-do-		-do-
103.	Thattammaiyilirindhu Padhukappu	43.00	-do-		-do-
104.	Ori Same Rakshan	43.58	-do-		-do-
105.	Govara Pasun Bachav	39.62	-do-		-do-
106.	Khasre Ton Bacha	40.53	-do-		-do-
107.	Milimilaru Surakhya	45.00	-do-		-do-
108.	Haam Theke Bachate	53.00	-do-		-do-
109.	Thodishi Savachanata II	26.00	-do-		-do-
110.	Thevai Konjam Gavanam II	30.00	-do-		-do-
111.	Thevai Konjam Gavanam I	38.00	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
112.	Zara Si Ehtiyat II	37.79	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary
113.	Zara Si Ehtiyat I	50.90	-do-		-do-
114.	Thodik Sawdhani II	35.55	-do-		-do-
115.	Thodik Sawdhani I	30.00	-do-		-do-
116.	Thodishi Savadh anata I	31.00	-do-		-do-
117.	Thori Jehi Savadhani II	41.75	-do-		-do-
118.	Thori Jehi Savadhani I	24.00	-do-		-do-
119.	Samanyatatakata II	29.00	-do-		-do-
120.	Samanya Satarkata I	35.00	-do-	-do-	-do-
121.	Alpamonnu Sraddikku I	32.00	-do-		-do-
122.	Gujarat Na Loknuty	598.93	Liaison Officer Govt. of Gujarat Dhanraj Mahal Chhtrapati Shivaji Maharaj Marg Bombay-400 039.		Approved for release in Gujarat circuit & classified as Docu- mentary.
123.	Kono Bamejali Nai	33.52	Do Re Me Films, 121 Collectors Colony, Flat No. 1/c Chembur, Bombay-74.		Approved for general release and classified as Documentary
124.	Titanus Protirodh I	28.65	-do-		-do-
125.	Polio Protirodh	33.52	-do-		-do-
126.	Moi Sunibotoi Piasu	35.66	-do-		-do-
127.	Suhuri Kanh Protirodh	33.22	-do-		-do-
128.	Bipad Sapai Loikiya	30.48	-do-		-do-
129.	Mu Sunichi I (I have heard)	43.28	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay-26		-do-
130.	Varta Tarangini -108	210.98	Andhra Pradesh State Dev. Corpn. Ltd., 11.5.423/1 Lakdikapool, Hyderabad-4		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as News and Current Events.
131.	Sanghika Samkshemam	438.41	-do-		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as Documentary.
132.	News Magazine No. 115	331.00	The Chief Producer Films Divi- sion 24-Peddar Road Bombay-400 026		Approved for general release and classified as Documentary
133.	Maharashtra News No. 425	294.00	Dir Gen of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Centre, 68 Tardeo Rd. Bombay.		Approved for release in Maha- rashtra circuit and classified as News and Current Events"
134.	Swar Ganga- Gangubai Hangal	570.00	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay -400 026		Approved for general release and classified as "Documentary"
135.	Yevandh	37.00	-do-		-do-
136.	Moodu Vyadhulanunchi	26.00	-do-		-do-
137.	Ithonnnu Kettalum	48.76	-do-		-do-
138.	Mooru Rogagalinda Rakshane	25.00	-do-		-do-
139.	Jara Aika	33.00	-do-		-do-
140.	Tin Roganpsaun Bachav	25.00	-do-		-do-
141.	Samblo Cho	38.00	-do-		-do-
142.	Tran Bimariyon Same Rakshan	25.60	-do-		-do-
143.	Tin Bimariyan so Bachao	23.00	-do-		-do-
144.	Tin Bimarian Ton Bacha	27.00	-do-		-do-
145.	Kelugal	42.00	-do-		-do-
146.	Moontru Noykalilirindhu Podhukappu	28.00	-do-		-do-
147.	News Magazine No. 116A	192.00	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay-400 026		Approved for general release and classified as News and Cur- rent Events
148.	News Magazine No. 116	339.00	-do-		-do-
149.	Jurm	32.22	-do-		Approved for general release and classified as Documentary
150.	Jurm	33.52	-do-		-do-
151.	Gonho	31.39	-do-		-do-
152.	Ujwal Bhavishya	29.00	-do-		-do-
153.	Ujwal Bhavishya	29.60	-do-		-do-
154.	Roshan Mustaqbil	32.30	-do-		-do-
155.	Tinte Rog theke bacha	30.00	-do-		-do-

1	2	3	4	5	6
156.	Tini Bemari Ru Surakhya	31.00	Do Ro M. Films, 121, Collectors Colony, Chembur Bombay-400074		Approved for general release and classified as Documentary
157.	Ayi Shono	35.00	-do-		-do-
158.	Ektu Shabdhan Hole II	36.00	-do-		-do-
159.	Julum	30.00	-do-		-do-
160.	Tetanus Pratirodh II	34.13	-do-		-do-
161.	Saru Ai Pratirodh	40.24	-do-		-do-
162.	Ajiban Aram	27.43	-do-		-do-
163.	Sunak Heri	30.78	-do-		-do-
164.	Samanya Sabodhanata II	33.22	-do-		-do-
165.	Samanya Sabodhanata I	38.40	-do-		-do-
166.	Jakshma Rog Pratirodh	36.88	-do-		-do-
167.	Tini Bidh Rogor Pratirodh	28.38	-do-		-do-
168.	Mahit. hitra No. 480	295.66	The Liaison Officer Govt. of Gujarat Dhanraj Mahal Chhtrapati Shivaji Maharaj Marg, Bombay-400 039.		Approved for releases in Gujarat circuit and classified as News and Current Events
169.	Success of an Experiment	337.00	Bal Kuddarkar Lakshmi Narayan Niwas, 25th Road, Bandra, Bombay-50		Approved for release in Maharashtra circuit and classified as Documentary
170.	FreeCom A Common Heritage	582.00	M/s. Asian Films 72 Janpath New Delhi-110 001		Approved for general release and classified as Documentary
171.	News Magazine No. 117	270.00	The Chief Producer Films Division 24 Poldar Road Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as News and Current Events
172.	Sankatapason Suka	37.00	-do-		Approved for general release and classified as Documentary
173.	Musibat Ton Chutkaro	47.86	-do-		-do-
174.	Musibat Tai Chutkaro	42.67	-do-		-do-
175.	Jhamale Thake Rahai	53.34	-do-		-do-
176.	Asavicham Bacchatu	47.00	-do-		-do-
177.	Musibat WSe Chutkara	45.41	-do-		-do-
178.	Jababari	37.49	-do-		-do-
179.	Zimmedari	38.40	-do-		-do-
180.	Zimmedari	36.98	-do-		-do-
181.	Jawabari	38.00	-do-		-do-
182.	Suno Ji	31.69	-do-		-do-
183.	Sunya ha	33.00	-do-		-do-
184.	Suno Ji	33.23	-do-		-do-
185.	Yogya Vali	36.00	-do-		-do-
186.	Yogya Samaya	43.00	-do-		-do-
187.	Bhavishya Banav	28.00	-do-		-do-
188.	Bhavishya Banav	29.00	-do-		-do-
189.	Samaj Sevika	34.00	-do-		-do-
190.	Samaj Sowika	26.00	-do-		-do-
191.	Samuhga Sevika	38.70	-do-		-do-
192.	Samaj Sevika	23.00	-do-		-do-
193.	Samaj Sebika	26.60	-do-		-do-
194.	Samaj Sevika	28.00	-do-		-do-
195.	Mee Kartavyam	48.00	-do-		-do-
196.	Tamaru Kartavya	52.00	-do-		-do-
197.	Nimma Kartavya	44.00	-do-		-do-
198.	Gunwati	28.65	-do-		-do-
199.	Gunabatee	28.35	-do-		-do-
200.	Gunavanti	29.00	-do-		-do-
201.	Bhagyavathi	40.23	-do-		-do-
202.	Gunavanti	31.00	-do-		-do-
203.	Saanghika Niram	41.00	-do-		-do-
204.	Samajik Aparadha	40.00	-do-		-do-
205.	Samajika Aparadha	38.00	-do-		-do-
206.	Samajik Aparadha	40.00	-do-		-do-
207.	Yauvedha	233.78	Shri Ramash Pandit 17 Rockwala Bldg., Harijanwala Lane, Station Road Kurla, Bombay 70		-do-

1	2	3	4	5	6
208.	Korukonda Sainik School	274.46	Andhra Pradesh State Film Development Corporation Ltd. 11-5-423/1 Lakdikapool, Hyderabad 4		Approved for release in Andhra circuit and classified as Documentary
209.	Sunshra Bhawikh	27.43	The Chief Producer Films Division 24 Peddar Road, Bombay 400 026		Approval for general release and classified as Documentary
210.	Dhanu-hoonkar II	31.00	do		do
211.	Ungal Kadamai	42.00	do		do-
212.	Samooaga Kutram	41.00	do		do
213.	Tumacha Kartavya	37.49	do		do-
214.	Ningalude Ghumathala	43.00	-do-		-do-
215.	Apananka Kartavya	45.00	do		do
216.	Apnar Kartavya	41.00	do		do
217.	Tuhada Farz	38.70	do		do
218.	Aponar Kartavya	39.00	do		do
219.	Aapka Farz	50.00	do		do-
220.	Gunvanti	30.48	do		do
221.	Gunwanti	27.43	do		do
222.	Khooblyon Wali	27.55	do-		do-
223.	Samaj Sevika	25.00	do		do
224.	Samaji Karkun	42.00	do		do
225.	Samuhgamana Aparadham	62.00	do		do
226.	Samajik Aparadh	49.00	-do-		do
227.	Samajik Aparadh	48.00	do		-do-
228.	Samajik Apraadh	37.49	-do-		-do-
229.	Samajik Aparadh	49.00	-do-		-do-
230.	Samaji Jurm (Social Crime)	42.36	-do-		-do-
231.	Sahi Vakati	36.00	-do-		-do-
232.	Sahi Waqt Par	38.00	-do-		-do-
233.	Bhaw kh Banao	35.00	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary
234.	Nustaqbil W Banaiyo (for the future)	33.52	-do-		-do-
235.	Killing You Softly	331.00	Smt. Asha Datta W-6, Anant, Datta Mandir Road, Kandivali (W) Bombay-400 057		Approved for general release and classified as Documentary
236.	News Magazine No. 118	296	The Chief Producer, Films Division, 24-Peddar Road, Bombay-400 026		Approved for general release and classified as News and Warrant Events

1	2	3	4	5	6
237.	Mahitichitra No. 481	213.36	Asstt. Dir. of Information, Govt. of Gujarat, Ramnord Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as News and Current Events
238.	Andhatva Same Rakshan	29.00	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary
239.	Aamoni Poortigaa Vikasin- Vikasinchhanivanandi	44.00	-do-		-do-
240.	Ghar Ni Sobha	46.00	-do-		-do-
241.	Gurjhal Da Hall	42.00	-do-		-do-
242.	Adchanivar Upay	38.00	-do-		-do-
243.	Masale Ka Hal	56.00	-do-		-do-
244.	Samashyano Uker	53.00	-do-		-do-
245.	Andhatayi Ninnam Raksha II	30.00	-do-		-do-
246.	Andhatva Same Rakshan I	29.00	-do-		-do-
247.	Paripakwa Hau	41.00	-do-		-do-
248.	Vivaram Thirina val Agattum	42.00	-do-		-do-
249.	Ektu Nuccchi Pakte Dinto	42.00	-do-		-do-
250.	Aval Valaratte	57.00	-do-		-do-
251.	Dhruvha Kayaragalu Bidi	40.00	-do-		-do-
252.	Intiki Velugu	30.00	-do-		-do-
253.	Thodi Siyani Te Hon Diyo	44.00	-do-		-do-
254.	Jara Shahani Hou Dya	42.00	-do-		-do-
255.	Zara Sayani Hone To do	42.00	-do-		-do-
256.	Jara Umarlayak To Thava Do	44.00	-do-		-do-
257.	Mane Ninda Deepa	32.00	-do-		-do-
258.	Veettin Deepam	29.00	-do-		-do-
259.	Griher Shobha	32.00	-do-		-do-
260.	Ghar Di Shan	44.00	-do-		-do-
261.	Gharachi Shobha	36.00	-do-		-do-
262.	Ghar Ki Shan	41.00	-do-		-do-
263.	Yeh Imitiyaz Kyon?	40.00	-do-		-do-
264.	Atvo Bhudbhav Mate?	39.00	-do-		-do-
265.	News Magazine No. 120	280.00	-do-		Approved for general release and classified as News & Current Events

1	2	3	4	5	6
266.	Ea Bhadbhavam Enduku	41.00	The Chief Producer, Films Division 24-Peddar Road, Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary.
267.	Erindha Vidyasam	39.00	-do-		-do-
268.	Eh Bhadbhava Kiyon	35.05	-do-		-do-
269.	Ha Bhadbhava Ka	39.00	-do-		-do-
270.	Ea Bhadbhava Kahanki	37.49	-do-		-do-
271.	Mahitichitra No. 482	482.60	The Liaison Officer Govt. of Gujarat Dhanraj Mahal Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg, Bombay-400 039.		Approved for release in Gujarat circuit and classified as News and Current Events
272.	Mani Bhavan	305.00	Shri Subhash Yekar Director, Gandhi Films Foundation Mani Bhavan 19 Laburnum Road Bombay-400 007.		Approved for general release and classified as Documentary
273.	Pathik (Late Shri Kakasaheb alias N.V. Gadgil)	585.22	Shri Jabbar Patel Kurkumb Road Daund Zilla Pune		-do-
274.	Kinnaur	599.00	Shri Virendra Dwivedi Filmage, 10, Sea Shell A.B. Nair Marg Bombay-400 049.		-do-
275.	Mahitichitra No. 483	294.44	Liaison Officer Govt. of Gujarat Dhanraj Mahal Chhatrapati Shivaji Maharaj Marg Bombay-400 039		Approved for release in Gujarat circuit and classified as News and Current Events
276.	Vijayosthavam	289.63	Andhra Pradesh State Film Development Corporation, 11.5.423/1, Lakdikapool Hyderabad-500 004.		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as News and Current Events
277.	Rashtra Karshaka Parishath	511.28	-do-		Approved for release in Andhra Pradesh circuit and classified as Documentary
278.	News Magazine No. 121	266.00	The Chief Producer Films Division 24-Peddar Road Bombay-400 026.		Approved for general release and classified as Documentary

[F. No. 315/3/88-F(P)]

A. S. R. Murthy, Desk Officer

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

दूर संचार बोर्ड

नई दिल्ली, 29 मार्च 1989

का. भा.भा. 1052 :—केन्द्र सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम 10(4) के अनुसरण में संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग के प्रशासनिक शिफ नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों के जिसमें 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती हैं:—

1. दूरसंचार जिला प्रबंधक जालंधर
2. उपमंडल अधिकारी, फोन जालंधर शहर
3. उपमंडल अधिकारी, फोन जालंधर कैंट
4. उपमंडल अधिकारी, फोन, फगवाड़ा
5. उपमंडल अधिकारी, तार, नकोदर,
6. उपमंडल अधिकारी, तार, नवानशहर
7. सहायक इंजीनियर, पी एबी एक्स, जालंधर
8. मगानगर टेलीफोन निगम लि., नई दिल्ली

[सं. ई. 11027/2/88/रा. भा.]

श्रीम प्रकाश वर्मा, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunications)

Telecom Board)

New Delhi, the 29th March, 1989

S.O. 1052.—In pursuance of sub rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use of official purpose of the Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following offices under the administrative control of the Ministry of Communications, Deptt. of Telecommunications, whereof more than 80% staff have acquired working knowledge of Hindi.

1. Telecom. District Manager, Jalandhar.
2. Sub Divisional Officer, Telephones, Jalandhar City.
3. Sub Divisional Officer, Telephones, Jalandhar Cantt.
4. Sub Divisional Officer, Telephones, Phagwara.
5. Sub Divisional Officer, Telegraph, Nakodar.
6. Sub Divisional Officer, Telegraph, Nawanshahar.
7. Assistant Engineer, PABX, Jalandhar.
8. Managar Telephone Nigam Ltd. New Delhi.

[No. E. 11027/2/88-OL]

O. P. VERMA, Director (OL)

अम संज्ञासूचक

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

का. धा. 1053—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) को धारा 91 क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मसौदा नेशनल एल्युमिनियम कम्पनी लि. विशाखापटनम में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को 1 जनवरी, 86 से 30 सितम्बर 1991 तक का जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और परामर्शदाता दिखाए जाएंगे।
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखियाएँ प्राप्त करते रहेंगे, जिसका पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवर्तन की तारीख से पूर्व संवत्त अवधियों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जाएंगे।
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रारूप में और ऐसी विधिद्वारा सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देती थी।
- (5) निम्न द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निम्न प्राविकता कोई अन्य पदधारी:—
 - (i) धारा 44 की उप-धारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणियों को निशुल्क करने के प्रयोजनार्थ
 - (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा दिया अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं : या
 - (iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गए उन कागदों को, जिसके प्रतिकल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं : या
 - (iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

(क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करने कि यह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है :

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिमोहासीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना

कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के संवाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक को, उसके अधिकारी या सेवक को, या ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज को नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एम-38014/6/88-एस एस-1]

(स्टैंडीकरण ज्ञापन)

इस मामले में छूट का भूतलक्ष्य प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पत्र देरी से प्राप्त हुआ था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट का भूतलक्ष्य प्रभाव देने से किसी भी हानि के हिस पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 6th April, 1989

S.O. 1053.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of The National Aluminium Company Ltd, Visakhapatnam from the operation of the said Act for a period with effect from 1st January, 1986 upto and inclusive of the 30th September, 1991.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of

which exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to :—
- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, offices or other process occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[F. No. S-38014/6/88-SS.I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

का. प्रा. 1054—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मैसूर हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लि., कानपुर इन्वीजनल कानपुर में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को 1-10-1985 से 30-9-1991 तक की जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है की अवधि के लिए छूट प्रदान है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें, कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पक्ष-भिधान दिखाए जायेंगे ;
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएँ प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सन्वत्त अभिव्यक्तियों के आधार पर हकदार हो जाते ;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए, यदि कोई अभिव्यक्ति पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जायेंगे।
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है,) ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी।

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

- (i) धारा 41 की उप-धारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को गत्यापन करने के प्रयोजनार्थ ;
- (ii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं ; या
- (iii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिये गए उन कार्यों को, जिनके प्रतिकूल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं ; या
- (iv) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ;

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अभियोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिणाम में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और भजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने में, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं ; या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिणाम में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिनके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिणाम में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज को नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एम-38014/42/88एम-एम-1]

(स्पष्टीकरण-ज्ञापना)

इस मामले में छूट का भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यावाही करने में समय लगा था किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट का भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1054.—In exercise of the power conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of The Hindustan Aeronautics Limited, Kanpur from the operation of the said Act for a period with effect from 1st October, 1985 upto and inclusive of the 30th September, 1991.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefit under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period) such returns in form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to :—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[F. No. S-38014/42/88-SS-I]

EXCLAMATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1989

का. आ. 1055—केंद्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 1 के उपपैरा 1 के अनुसरण में श्री जे. के. रानीवाला को श्री एस. के. जैन के स्थान पर राजस्थान राज्य के लिए कर्मचारी भविष्य निधि की क्षेत्रीय समिति का सदस्य नियुक्ति करती और भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3 (ii) दिनांक 8 अक्टूबर, 1988 में प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3040 दिनांक 23 सितम्बर, 1988 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में प्रम संख्या 6 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“श्री जे. के. रानीवाला,
मैसर्स सुधीर मेडिकोज,
कविश्वर भवन फ्लैमी कालोनी
सवाई मानसिंह हाईवे
जयपुर-3”।

[स. वी. 20012 (3) /86-म. गु.-II]

New Delhi, the 10th April, 1989

S.O. 1055.—In pursuance of sub-paragraph (1) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, the Central Government hereby appoints Shri J. K. Raniwala as a member of the Regional Committee for the state of Rajasthan in place of Shri S. K. Jain and makes the following amendment in the notification of the Government of India, Ministry of Labour S.O. No. 3040 dated the 23rd September, 1988 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated the 8th October, 1988.

In the said notification against Serial No. 6 for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri J. K. Raniwala,
M/s. Sudhir Medicos,
Kavishwar Bhawan, Film Colony,
Swai Mansingh Highway,
Jaipur-3”.

[No. V. 20012(3)/86-SS.II]

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1989

का. आ. 1056—केंद्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1918 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मैसर्स वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय रसायनिक प्रयोगशाला, पुणे में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को 1-11-1982 से 30-9-1987 तक की जिसमें यह दिनांक भी सम्मिलित है की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है,

2. पूर्वाक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

- (1) पूर्वाक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर्ड रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जायेंगे।
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अश्वीन ऐसी प्रसुचिधाएँ प्राप्त करने रहेगें, जिनकी गाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व मन्दत अधिदायों के आधार पर शकदार हो गाने,
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय गलत हो किण जा चुके हों तो वे वापस नहीं किण जायेंगे।

New Delhi, the 11th April, 1989

(4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है,) ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी।

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्ति किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

- (i) धारा 44 की उप-धारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को गत्यापित करने के प्रयोजनार्थ;
- (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गए उन फायदों को, जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नुकद से और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
- (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रयुक्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अन्यवर्हित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है।

(ख) ऐसे प्रधान या अन्यवर्हित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संवाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उसकी परीक्षा करते हैं, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अन्यवर्हित नियोजक की, उसके अधिकर्ता या सेवक की, या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्ति युक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रहे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[सं. एम-38014/61/88-एन. एम-1]

(स्पष्टीकरण ज्ञापन)

इस मामले से छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रमाणित किया है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने में किसी भी व्यक्ति के द्वा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

S.O. 1056.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of The National Chemical Laboratory, Pune belonging to the C.S.I.R. from the operation of the said Act for a period with effect from 1-11-1982 upto and inclusive of the 30th September, 1987.

2. The above exemption in subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contribution for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory be empowered to :—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employer; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in

such factory, establishment, office or other premises.

[File No. S-38014/61/88-SS-I]

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has been deemed necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1057—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 16-4-89 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

“जिला और तालुक हसन में होबली कस्बा के अधीन सर्वेक्षण संख्या 87, 104, 105 और 106 के सहित राजस्व ग्रामा बी. कटीहल्ली के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”

[संख्या एस-38013/8/89 एस. एस.-1]

New Delhi, the 12th April, 1989

S.O. 1057.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th April, 1989 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section 1) of section 76 and 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka, namely :—

“Areas comprising of the revenue village B. Kattihalli including survey Nos. 87, 104, 105 and 106 under Hobli Kasaba in Taluk and District Hassan.”

[No. S-38013/8/89-SS-I]

नई दिल्ली 13 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1058—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 5 के साथ पठित पैरा 4 के उपपैरा (i) के अनुसरण में श्री डी. आर. कामथ को श्री एच. कमलनाथ के स्थान पर कर्नाटक राज्य के लिए कर्मचारी भविष्य निधि की क्षेत्रीय समिति का सदस्य नियुक्त करती है और भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3 (ii) दिनांक 11 अक्टूबर, 1986 में प्रकाशित भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 3561 दिनांक 29 नवम्बर, 1986 में निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या 5 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी अर्थात् :—

“श्री डी. आर. कामथ,
प्रबन्ध निवेशक
फिल्डस्टार प्लास्टिक इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड
मास्की फिल्डस्टार
पो. बा. नं. 1012,
इन्डीस्ट्रियल स्टेट, पीयावी,
मंगलूर—575008”

[संख्या बी. 20012 (2)/83-प. नु.-II]

New Delhi, the 13th April, 1989

S.O. 1058.—In pursuance of sub-paragraph (1) of paragraph 4 read with paragraph 5 of the Employees' Provident Fund Scheme, 1952, the Central Government hereby appoints Shri D. R. Kamath as a Member of the Regional Committee for the State of Karnataka in place of Shri H. Kamalanath and makes the following amendment in the notification of the Government of India, Ministry of Labour No. S.O. 3561 dated the 29th September, 1986 published in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 11th October, 1986.

In the said notification against Serial No. 5, for the existing entry, the following entry shall be substituted namely :—

“Shri D. R. Kamath,

Managing Director,
Fieldstar Plastic Industries Private Ltd.,
‘Maruthi Fieldstar’,
P.B. No. 1012, Industrial Estate, Yeyyadi,
Mangalore-575008”.

[No. V-20012(2)/83-SS. II]

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1059—राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री ए. आर. बान्दोपाध्याय, के स्थान पर श्री डी. पी. महेश्वरी, सचिव, श्रम रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग, बिहार सरकार को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नाम निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 545 (अ) दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “राज्य सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट” शीर्षक के नीचे मद 10 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

श्री डी. पी. महेश्वरी,
सचिव
श्रम रोजगार एवं प्रशिक्षण विभाग
बिहार सरकार,
पटना।

[संख्या यू० 16012/5/87/एस एस -I]

New Delhi, the 17th April, 1989

S.O. 1059.—Whereas the State Government of Bihar has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri D. P. Maheshwari, Secretary, Department of Labour and Employment and Training, Government of Bihar to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri A. R. Bandopadhyay;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Government under clause (d) of section 4)”, for the entry against Serial Number 10 the following entry shall be substituted, namely :—

Shri D. P. Maheshwari,
Secretary,
Department of Labour and Employment and Training
Government of Bihar,
Patna.

[No. U-16012/5/87-SS. II]

का. आ. 1060—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (ग) के अनुसूचन में श्री विनोद लाल के स्थान पर श्री बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त को कर्मचारी राज्य बीमा निगम के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसूचन में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 545 (अ) दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट) “शीर्षक के नीचे सब 6 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“श्री बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि प्रायुक्त
नई दिल्ली।”

[संख्या यू. 16012/6/87 एस. एस.-I]

ए. के. भट्टाचार्य श्रवर सचिव

S.O. 1060.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner as member of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Vinod Lall ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely :—

In the said notification under the heading “(Nominated by the Central Government under clause (c) of section 4)”, for the entry against Serial Number 6, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri B. N. Som,
Central Provident Fund Commissioner,
New Delhi.”

[No. U-16012/6/87-SS. 1]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1989

का. आ. 1061—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1917 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है।

[संख्या एस-17012/4/87-डी 4 (ए)/आई आर (बी-1)]

New Delhi, the 13th April, 1989

S.O. 1061.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Hyderabad as shown in the annexure in the industrial dispute between the employer in relation to the management of LIC of India and their workmen.

[No. L-17012/4/87-DIV(A)/DL(B)]

का. आ. 1062 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार,

भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है।

S.O. 1062.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Ahmedabad as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Life Insurance of India Bombay and their workmen.

ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. BAROT, PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 26 of 1984

ADJUDICATION BETWEEN

Life Insurance Corporation of India (Notice to be served on the Senior Divisional Manager, Life Insurance Corporation of India, Jeevan Prakash, Tilak Road, Ahmedabad.

AND

The workmen employed under it.

In the matter of termination of services of Shri M. N. Sheikh, Watchman, w.e.f. 25-1-1982.

APPEARANCES :

Shri M. B. Buch, Advocate—for the L.I.C.

Shri T. R. Mishra Advocate—for the workman.

AWARD

This is a reference made by the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, constituting me at Presiding Officer of the Industrial Tribunal with headquarters at Ahmedabad, in exercise of the powers conferred by Section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947. The reference is made by the Central Government Order No. L-17012/16/83-D.IV (A) dated 13th March, 1984. The dispute which is referred to this Tribunal for adjudication is stated in the Schedule to the order of reference and it reads :—

“Whether the punishment of termination of service awarded by the management of Life Insurance Corporation of India, in relation to its Western Zonal Office, “Jeevan Kendra”, Jamshedji Tata Road, Bombay to Shri M. M. Shaikh, with effect from 25-1-1982 is disproportionate to the misconduct committed by him? If so, to what relief is the workman concerned entitled?”

2 The workman concerned has filed his statement of claim wherein he has stated that he was a permanent employee of the Life Insurance Corporation of India (hereinafter referred to as “L.I.C.”); that he was working as a Watchman; that he has an unblemish record of service; that he was performing his duty sincerely and quite satisfactorily; that the L.I.C. vide its Order dated 25th January 1982, removed him from the service of the Corporation; that he then preferred an appeal on 10th February, 1982 to the Chairman and the Chairman vide his Order dated 22nd May, 1982, rejected his appeal and upheld the decision of the Zonal Manager; that the said order was communicated to him by the Senior Divisional Manager vide his letter dated 11th June, 1982. The workman concerned then preferred a Review Application dated 21-6-1982 explaining the circumstances and requested the L.I.C. to withdraw the removal order and take him back on duty forthwith. The Senior Divisional Manager vide his letter dated 2nd August, 1982, informed that the review application was forwarded to the Chairman of the Corporation and that the Chairman was pleased to reject is said review application; that the workman concerned then approached his Union and the said Union vide its representation dated 27-9-1982 addressed a communication to the Secretary

to Government of India, Ministry of Labour, New Delhi. Since the management was not of prepared to reconsider his case the workman concerned had no other alternative but to approach the Conciliation Officer and take necessary steps under the Industrial Disputes Act, 1947. The Conciliation Officer commenced the conciliation proceedings which ended in failure and after the failure report was submitted to the appropriate Government, the present reference case to be made to the Tribunal for adjudication. The workman concerned under the circumstances, has submitted that the impugned action of the management of L.I.C. in removing him from the service is illegal, invalid and inoperative inasmuch as no inquiry has been conducted against him before issuing removal order that he is condemned unheard and the removal order is violative of principles of natural justice. He has, therefore, submitted that the said order of removal passed against him deserves to be quashed and set aside and he be reinstated in service on his original post of Watchman with full back wages and continuity of service alongwith other consequential benefits.

3. The L.I.C. has filed its written statement at Ex. 5 contending inter alia, that the workman concerned has clearly admitted the charge levelled against him; that the charge which has been levelled against him having been proved and being of serious nature, he was removed from the service. It was further contended in support of the above contention that the L.I.C. is a body corporate established under Section 3 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (hereinafter referred to as "the said Act") and is required vide Section 6 thereof to carry on life insurance business whether in or outside India and to so exercise its powers under the aforesaid Act, as to secure that the life insurance business is developed to the best advantage of the community; that under Section 48 of the said Act the Central Government may by notification in the Official Gazette make rules to carry out the purpose of the said Act and in particular and without prejudice to the generality of the foregoing powers, such rules may provide for matters specified under clause (a) to (1) of sub-section (2) thereof. The Corporation further submits that Section 2 of the Life Insurance Corporation (Amendment) Ordinance, 1981 (No. 3 of 1981) provides that the Central Government may, by notification, in the Gazette make rules to provide for the terms and conditions of service of the employees and agents of the Corporation on the appointed day under the said Act. That Section 49 of the said Act before its amendment by the abovesaid Amendment Act provided that the Corporation may with the previous approval of the Central Government by notification in the Gazette of India make regulations not inconsistent with the provisions of the Act and the rules made thereunder to provide for all matters for which provision is expedient for the purpose of giving effect to the provisions of the Act and in particular without prejudice to the generality of the foregoing powers providing for terms and conditions of service of the employees of the Corporation. The Corporation has accordingly framed the Life Insurance Corporation of India (Staff) Regulations, 1960 (hereinafter referred to as "the Staff Regulations").

4. As regards the facts of the case, the Corporation has stated that the workman concerned was working as a Watchman. It was, however, admitted that the service of the workman concerned were terminated by letter dated 25-1-1982. However, it was maintained that the said removal order is as per the service regulations and the appointment order given to the concerned workman; that the workman concerned was working as a daily-rated/badli workman since the year 1969 and was offered appointment as a permanent Watchman by a letter dated 31st March, 1978. The said appointment letter in para 11 stipulated as under —

"The appointment is offered to you on the basis of information given by you in your application dated 5-7-1983 that you have not passed Matric/SSC or equivalent examination. If, in the meantime, you have appeared and/or passed Matric/SSC or its equivalent examination, you should let us have the full particulars of the examination passed before accepting this offer of appointment. Please note that in case it comes to the notice of the Corporation any time that you had passed Matric/SSC or

equivalent examination before the date of this letter, your services with the Corporation will be terminated and terminal benefits, if any, accrued to you will be forfeited."

Para 12 of the said letter stated as under :—

"If the terms herein offered are acceptable to you, you are required to report for duty to the offices of the Corporation stated in para 1 above immediately and in any event not later than 15 days from the date hereof."

That the said offer of appointment with all its conditions was accepted by the workman concerned and it was a contract of employment; that the workman concerned at that time had submitted school leaving certificate and a certificate of having passed Standard VIII from the Saraspur Middle School and he represented that he had studied only upto Standard VIII; that the workman concerned was empanelled as badli workman in 1973 and in 1973 itself he had already passed his B.A. Degree examination from the City Arts College which fact was suppressed by him. Had he disclosed this correct fact about his educational qualifications according to the rules, he would not have been empanelled as a badli workman. That the workman concerned had not only suppressed his correct qualifications but had suppressed his true date of birth and if he had disclosed his correct date of birth, he would not have been appointed as a Watchman. This fact came to the notice of the Corporation and the Corporation had, therefore, by its letter Ref. ADO : Est. : P dated 1-7-1980 called upon the workman concerned to state whether he had studied upto graduation and whether he had produced the certificate dated 20-4-1987 from Saraspur Middle School which was closed down in the year 1955. By another letter dated 19-8-1980 which was received by him he was called upon to submit his reply to the said letter stating that his failure to reply to the said letter amounted to the clear breach of the staff regulations and disciplinary action can be initiated against him. He was allowed further time of 7 days and if he failed to give reply within the extended period, the Corporation will be compelled to issue charges against him. That no definite reply was given by the workman concerned nor any correct information was supplied. The Corporation under its Staff Regulations No. 39 of L.I.C. India (Staff Regulations) 1980, issued a charge-sheet dated 14th May, 1981, wherein he was charged specifically for having furnished false information and having fraudulently procured employment in the Corporation by producing false documents and passing them as genuine. Shri Shaikh was called upon to reply the said charge-sheet within 10 days which he replied by his letter dated 14-5-1981. The workman concerned in his said letter had clearly admitted that in his application dated 5-7-1973 he had stated his qualification as Standard VIII passed and had solemnly affirmed in that application that if any untrue answers are contained therein, he agreed to the Corporation disqualifying him from holding any post and had admitted that he had submitted a certificate dated 20-4-1967 from the Saraspur Middle School, Ahmedabad, which he admitted to be false certificate; that in fact he had studied in Unjuman Islam High School, Ahmedabad and had passed the S.S.C. Examination in 1968 from that school and he then continued his study and passed B.A. Final Examination from the City Arts College in the year 1973. He had, however, submitted his explanation that due to his domestic financial circumstances he wanted to procure job and, therefore, had suppressed the facts about his qualifications. He, thus, admitted his mistake and requested to condone the same. It appears that the Senior Divisional Manager had considered his explanation and found him guilty of the charges levelled against him but considering the young age and family responsibilities of the workman concerned, he took the lenient view and ordered that his salary be reduced by two stages with effect from 1-6-1981. He passed the said order on 27th May, 1981. It appears that thereafter the Zonal Manager issued a show cause memo dated 7-11-1981, and under Regulation 48 of the Staff Regulations, 1960, reviewed the order dated 27th May, 1981 passed by the Senior Divisional Manager as in his opinion the penalty imposed by the Senior Divisional Manager of reducing salary by two stages in the time-scale for the admitted offences was not adequate.

The penalty of removal from service was, therefore, proposed and had issued a show cause memo dated 7-11-1981 accordingly. The workman concerned had replied to this show cause memo by his letter dated 22nd December, 1981, wherein he once again admitted of having furnished false information and having obtained employment through fraudulent means. However, he once again pleaded for a lenient view. The workman concerned had further offered that in case he was allowed to continue in service, he will not demand any promotion on the basis of his suppressed qualification. It further appears that the Zonal Manager after taking into consideration his said representation, by his order dated 25-1-1982 imposed the penalty of removal from service of the Corporation under Regulation 39(1)(f) of the Life Insurance Corporation of India (Staff Regulations) 1960. It is also the case of the Corporation that by clause (11) of the offer of appointment the workman concerned had agreed and stipulated with the Corporation that in the eventuality of any information furnished by him turning out to be incorrect or false, he would forfeit his right to any post in the Corporation. Considering this also it was submitted that the order passed was perfectly legal and proper. It was also submitted that the workman concerned had in his reply to the charge-sheet clearly admitted his guilt and, therefore, there was no question of holding any inquiry as contended. Thus for all these reasons it was submitted that the reference be rejected.

5. I have heard Shri T. R. Mishra, the learned Advocate for the workman concerned, and Shri M. B. Buch, the learned Advocate for the L.I.C.

6. Shri Mishra for the workman concerned was fair enough to concede to the fact that the workman concerned did produce false certificate as regards his qualifications but argued that the workman concerned was a Watchman who had an unblemish record of service. That certain domestic circumstances led him to do so. That initially the Senior Divisional Manager after considering all these facts had taken a lenient view of the matter and had stopped his two increments which later on was changed by the Zonal Manager and an order of removal was passed. Shri Mishra once again reiterated all these circumstances and argued that a lenient view deserves to be taken in this case. Shri Mishra also argued that insertion of Section 11A of the Industrial Disputes Act, 1947, empowers the Tribunal to exercise powers under which a lenient view can be taken considering the circumstances of the case. Shri Mishra, therefore, submitted that this is a fit case wherein powers under Section 11A of the Act should be exercised and the workman concerned be reinstated in service, may be without back wages.

7. Shri M. B. Buch, the learned Advocate appearing for the Corporation, however, very strongly resisted and argued that the case before this Tribunal is not such which would warrant any sympathy. He, therefore, argued that this is not a fit case for exercising powers under Section 11A of the I.D. Act. Shri Buch maintained that this is a clear case of fraud against the Corporation wherein the workman concerned adopted all unfair means to procure a job when thousands of people are jobless. Shri Buch also submitted that the workman concerned by procuring the job fraudulently not only cheated the Corporation but had also deprived a genuine case of one other person who also required a job like him. Shri Buch, therefore, argued that no lenient view should be taken in the matter. Shri Buch in support of his argument relied on the decision of one Madanlal Gupta and another Vs. State of Punjab and others, reported in Service Law Reporter 1983(7) page 246. It is a case of Punjab and Haryana High Court wherein petitioner who were B.A.B.Ts. and had also obtained qualifications of Giani and Parbhakar were appointed as Hindi Teacher in response to an advertisement for filling up the post of Hindi Teachers on regular basis. The petitioners applied in the said posts but were not selected on the ground that the qualifications prescribed in the advertisement for these posts were 'Matric (final) with Parbhakar (Hons. in Hindi) and O.T./S.T. or J.B.T. (two years course)'. It was on account of non-fulfilment of the academic qualifications that the petitioners were not selected. The Hon'ble High Court was pleased to hold on the facts of the case that much higher qualification than the one prescribed in the advertisement does not entitle the petitioners to claim that they fulfill prescribed qualifications. His Lord-

ships was further of the view that higher qualifications again may be valid consideration for non-selection as an individual with higher qualifications may not stick to the post for which advertisement has been made.

8. I have considered the rival contentions and also considered the facts of the present case and I am of the view that this is not a fit case for the exercise of powers given to the Tribunal under Section 11A of the Act. Section 11A reads as under :—

"11-A. Where an industrial dispute relating to the discharge or dismissal of a workman has been referred to a Labour Court, Tribunal or National Tribunal for adjudication and, in the course of the adjudication proceedings, the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified, it may, by its award set aside the order of discharge or dismissal and direct reinstatement of the workman on such terms and conditions, if any, as it thinks fit, or give such other relief to the workman including the award of any lesser punishment in lieu of discharge or dismissal as the circumstances of the case may require;

Provided that in any proceeding under this section the Labour Court, Tribunal or National Tribunal, as the case may be, shall rely only on the materials on record and shall not take any fresh evidence in relation to the matter."

9. It is true that insertion of Section 11-A has been made to give more powers to Tribunal by which the Tribunal can do more justice than before so to say social justice in a given case if the Tribunal is satisfied on the facts of the given case. Thus it is necessary at the outset to see when the Tribunal can exercise powers given to it under Section 11-A of the Act. The language of Section 11-A makes it clear that the power to interfere with the punishment cannot be exercised unless the Labour Court or the Tribunal is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified. The award must indicate reasons for the conclusion as to why it was unjustified. Unless the Tribunal records the finding supported by reasons that the punishment was unconscionable and grossly out of proportion to the gravity of misconduct, it cannot direct reinstatement. The punishment must be commensurate with the gravity of misconduct charged. The Tribunal has, therefore, to be satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified on the facts and circumstances and the punishment was disproportionately heavy or excessive. If it comes to such a conclusion, the Tribunal has to set aside the order and the reliefs must be tuned to the facts. It may then impose lesser punishment having due regard to the circumstances of the case. In this case though in the statement of claim averments have been made as to the order of removal being illegal and improper inasmuch as no inquiry was held in the matter, the same has not been pressed on behalf of the workman concerned. Shri Mishra for the workman concerned had admitted in clear terms that the workman concerned did produce false certificate as regards his educational qualifications. In my view Shri Mishra has rightly not pressed this point inasmuch as there is a clear cut admission of the guilt on the part of the workman concerned which he was asked to explain in the show cause notice. In my view, therefore, there was no necessity of holding any inquiry. Coming to the second and the only argument of Shri Mishra that this is a fit case for exercising powers under Section 11-A, I am of the view that the facts and circumstances of this case did not favour the workman concerned. The workman concerned not only produced a false certificate of his educational qualifications but produced a certificate altogether from a different school in which he had not studied. Secondly on the date when he mentioned that he had studied only upto Standard VIII which was required for getting a job, he was not only S.S.C. but had also cleared his B.A. Examination from the City Arts College. The rules and regulations which govern the appointments of Watchmen require that one should not be a S.S.C. and a candidate is required to fill in the form wherein he has to reply to the various columns. In the column meant for qualifications the workman concerned had stated that he has not passed S.S.C. and in support of the same he had produced a certificate which mentions that he had studied

upto Standard VIII and then left. As stated above, on the very date the workman concerned had even cleared his D.A. Examination. As rightly observed by His Lordships of the Punjab and Madras High Court higher qualifications does not entitle one to claim that he has fulfilled the prescribed qualification, it has also to be seen even if we consider it by way of social justice that today in the society thousands of people are jobless. Many of them have not passed the S.S.C. and for the benefit of such a class rules and regulations are framed so that these who have not passed the S.S.C. can be accommodated in the jobs like Peons and Watchmen etc. At the outset one would be inclined to take a lenient view of the matter because the workman concerned was also a person from the society who needed a job badly but to take such a view would amount to doing injustice to one of the persons in the society who also needed the job badly and that person might be a genuine person while here though the requirement is genuine, the means adopted to procure a job are absolutely improper. The means adopted are not only improper but are such which would attract the criminal proceedings too with which we are not concerned herein. Moreover, it is clear from the reply of the workman concerned dated 14-5-81 wherein he had solemnly affirmed that, if any untrue answers were contained in the application he agreed to the Corporation disqualifying him from holding any post. This clearly shows that firstly he had wrongly replied the questions and thereby cheated the Corporation. To support his false statement he produced false certificate and thirdly, if he is continued it would be also against his solemn affirmation that if any untrue answer was contained in his application, he would agree to the Corporation disqualifying him from holding any post in the Corporation. I have tried to consider the present case with sympathy that a workman who has served for years is now removed and in order to get a job which he needed very badly at that time, he did certain wrong, he be allowed to continue, may be, without back wages etc. But by doing so I think, firstly, it would amount to injustice to some another person who also requires a job very badly and who satisfies the prescribed qualifications. Secondly, by allowing this person to continue in job a wrong precedent would be set and an impression might be gathered by such persons who want to get job by any means that such means can be used with the result that many more might be prompted to do so with a view that ultimately the courts might take lenient view in future and they be continued and lastly that the Life Insurance Corporation is a very big institution where thousands of employees are working and if any such bad precedent is established, it cannot run its administration smoothly. I am therefore, of the view that the facts and circumstances of the case might be such which would incline someone to take a lenient view but there are certain cases when one has to be harsh with heavy heart and reject such a plea.

10. The result is that the demand is rejected and the reference is disposed of with no order as to costs.

Ahmedabad.

Date, 27th October, 1988.

G. S. BATOR, Presiding Officer

[No. L-17012/15/83 D.IV(A)/DI(B)]

का. आ. 1063:—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन के प्रबन्धकों के संबंध में उनके कामकाजों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है।

S.O. 1063.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Govt. Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employer in relation to the Hong-kong & Shanghai Banking Corporation and their workmen.

ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL

NEW DELHI

I.D. No. 19/88

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Puran Bahadur, House No. C-48/1(1241) Chauhan
Bangar, Gali No. 3, P. O. Maujpur, Delhi-110053.

Versus

The Manager, Hong Kong & Shanghai Banking Corporation
28, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

APPEARANCES :

Shri Puran Bahadur workman, in person.
Shri J. K. Mehra—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/87/87-D.IV(A) dated 29-2-88 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Hong Kong and Shanghai Banking Corporation, New Delhi, in terminating the services of the Shri Puran Bahadur Typist-cum-Clerk/Cashier, w.e.f. 14-3-1987, is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. As the dispute referred is being decided on the basis of settlement it is not considered necessary to set forth in detail the pleadings of the parties. Suffice it to say that the workman has filed his statement of claim dated 16-3-88 and the Management filed written statement dated 11-7-88. Today the parties have filed a written settlement Ex. C-1 and have also made statements that they accept this settlement as correct and agreed to be bound by the same. In terms of the settlement Ex. C-1, the workman will be reinstated in service as fresh appointment as a clerk w.e.f. 1st October 1988. The workman shall have no claim whatsoever including back wages in respect of his previous service against the Management. This reference stands disposed of accordingly.

27th September, 1988

G. S. KALRA, Presiding Officer
[No. L-12012/87/87-D.IV(A)/DI(B)]

नई दिल्ली 17 अप्रैल, 1989

का. आ. 1064:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, बनारस बैंक लिमिटेड के प्रबन्धकों के संबंध में उनके कामकाजों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, एवं जम न्यायानय, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है।

New Delhi, the 17th April, 1989

S.O. 1064.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Banaras Bank Ltd. and their workmen.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 150 of 1987

In the matter of dispute :

BETWEEN

Reference No. L-12011/15/86-D.IV(A) dated 25-9-87.

The Dy. General Secretary,
All India Benares State Bank Employee Union,
105/14, Prem-Nagar,
Kanpur.

AND

The Chairman,
Benares State Bank Ltd.,
Head Office,
D-52/1, Luxa Road,
Varanasi.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12011/15/86-D.IV(A) dt. 25-9-1987, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of the Benares State Bank Ltd., in not selecting (i) promotion of Shri S. N. Dixit as Special Assistant at Kanpur (Main) Branch vide order dated 30-5-86; (ii) transfer of Smt. Rita Srivastava from Orderly Bazar Branch to Kanpur; and (iii) Transfer of Shri V. C. Sharma Assistant, from Saharanpur Branch to Farukhabad Branch, is legal and justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled to?”

2. Today an application has been moved by Shri D. S. Saxena, Deputy General Secretary, AIRSBE Union, with the prayer for closing the dispute. In the application it is alleged that Smt. Rita Srivastava despite several efforts made through letters and telegram has failed to provide the details alongwith her affidavit in support of her case. It is further alleged that dispute with regard to the remaining two workmen, namely, Shri S. N. Dixit and Shri V. C. Sharma has already been resolved.

3. In their earlier application dated December 14, 1987 given on behalf of the Union through Shri D. S. Saxena, it was stated that the dispute with regard to said two workmen stood resolved. The dispute in this case was raised on behalf of the workman through the Deputy General Secretary of the Union.

4. In view of the application made today and in view of the earlier application dt. 14-12-87, it is held that the reference with regard to Shri S. N. Dixit and V. C. Sharma has become instructions and so far as Smt. Rita Srivastava is concerned the reference is answered against her on account of having been not pressed.

5. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12011/15/86-D.IV(A)]DI(B)]

का. मा. 1065—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947
(1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार,
भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबन्धसूचक के संबंध नियोजकों और उनके
कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय
सरकार औद्योगिक अधिकरण, अक्टूबर के संवत् को प्रकाशित करती है ।

S.O. 1065.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (10 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Govt. Industrial Tribunal-Cum-Labour Court No. 2, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India and their workmen, was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/26 of 1987

PARTIES :

Employer in relation to the Management of Reserve Bank
of India.

AND

Their Workmen

APPEARANCES .

For the Employer.—Shri S. R. Kolarkar, Asstt. Legal
Adviser.

For the Workmen.—Shri J. Y. Bhawe Authorised Re-
presentative.

2. Shri K. D. Awasthi, (Workman in person).

INDUSTRY : Banking

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 1st November, 1988

AWARD

The Central Government by their Order No. L-12012/228/86-D.II(A) dated 16-4-1987 has referred the following industrial dispute to this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, for adjudication :—

“Whether the fixation of seniority of Shri K. D. Awasthi, Hindi Assistant, in D.N.O.D. of Reserve Bank of India, Bombay, as junior most clerk Grade I is justified and proper? If not, to what relief he is entitled?”

2. The case of the Reserve Bank Workers' Organisation as disclosed from their statement of Claim (Ex. 3(W)) in short is thus :—

Shri K. D. Awasthi, joined the Reserve Bank of India as Coin/Note Examiner Gr. II at Nagpur office in December, 1960. In due course he was selected as Hindi Translator in November, 1968. In that capacity he performed various types of duties including clerical duties till 1981. In July, 1981 he was selected as a Hindi Assistant which is a post of promotion. There before he had gone through the necessary written examination and interview. He was posted as Hindi Assistant in the Office of the Bank at Bombay, in the department of Banking Operations and Development. However, even after his promotion as Hindi Assistant he was placed below junior-most officiating Clerk Grade I, without his knowledge. This anomaly came to his notice in 1984 when he was not called for written examination for Staff Officers Grade 'A' post. In fact he should have been called for the written examination of that post by virtue of his seniority and long service with the Bank. (ii) Thereafter an industrial dispute was raised before the Assistant Labour Commissioner (C), Bombay. The plea taken by the Bank was that the Seniority of Shri Awasthi has been fixed in terms of the Guide lines and also in terms of Administrative Circular No. 9 and dated 13-5-1972. The case of the Workers Organisation was that in the offer of transfer on promotion as a Hindi Assistant given to Shri Awasthi, the Bank has not stipulated that for the purpose of seniority, the

said Administrative Circular No. 9 of 1972 would apply. (iii). The case of the said Organisation is that the said circular No. 9 deals with the Seniority of the persons prevailing at a particular centre, but it will not apply to the persons posted from one city to another, i.e. from Nagpur to Bombay, and as such it will not apply to Shri Avasthi who has been posted from Nagpur to Bombay. The said circular does not deal with inter-office seniority of the persons who were promoted to the higher post than Clerks Grade I. Shri Avasthi was confirmed as Hindi Assistant in January, 1983. However, even then he continued to be below Clerk Grade I for the purpose of seniority, and he was deprived of his right of appearing for the qualifying test for Staff Officers' post Grade 'A'. He was deprived of such right twice when such tests were held in 1984 and in 1987, and was deprived of his promotion to the post of Staff Officer Grade 'A', thereby his future (arranged) sealed. The Organisation therefore prayed that Shri Avasthi be placed for the purpose of seniority above all the confirmed Clerks Grade I as he was a confirmed Assistant which is a post of promotion, and that he be promoted to the post of Staff Officer Grade 'A' and he be given the necessary benefits of the said post.

3. The case of the management of the Reserve Bank of India as disclosed from their written statement (Ex. 4/M) is thus :—

The staff of the Reserve Bank of India is classified into three classes, namely, Class I, Class III and Class IV. Class I staff consists of Officers, Class III consists of Clerks and other staff and Class IV consists of subordinate staff. The persons of Class III staff are either clerical or non-clerical cadre staff. In Class III there are two grades namely Clerks Grade II and its equivalent and Clerks Grade I and its equivalent. The cadre of Clerk Grade I is higher than that of Clerk Grade II. The post of Assistant is a clerical post equivalent to the cadre of Clerk Grade I, even though the post of Assistant carries a higher pay scale or emoluments than that of Clerk Grade I, it is not a higher cadre post than the cadre of Clerk Grade I. II. Shri K. D. Avasthi was recruited as a temporary Coin[Note Examiner Grade I which is a non-clerical cadre in Class III. He joined the service in the Bank at Nagpur office in February, 1960, and was confirmed in the said grade on 20th October, 1961. In January, 1968, Nagpur office of the Bank invited applications for the post of Translator, which was also non-clerical post in Class III. Shri Avasthi was selected for the post and posted as Translator in November, 1968. The post of Translator is equivalent to the cadre of Clerk Grade II. In 1979, the Bank called for applications for the posts of Hindi Assistants, Shri Avasthi along with other 15 candidates was selected for the said post. He took charge of the said post in July, 1981 at Bombay. Thus Shri Avasthi rendered service in the Bank from 5-2-1960 to 12-7-1981 in non-clerical cadre in Class III, and was appointed for the first time in the clerical cadre in Class III from 13-7-1981. Prior to 1972, the administrative machinery of the Bank was divided into five different groups of Departments. The Class III employees working in a group were eligible for promotion to higher posts, confirmation etc. only against the vacancies arising within their own group. In May, 1972, a combined seniority for all clerical employees working in different groups of departments was introduced on centre wise basis. Further non-clerical employees satisfying certain prescribed qualifications were also made eligible for automatic switch-over to clerical cadre. Shri Avasthi by his letter dated 6-7-72, sent to the Manager, Reserve Bank of India, Nagpur, had stated that he had read the Administrative Circular No. 9 dated 13-5-1972, and the schemes of combined seniority list, and that he opted for switch over to the clerical cadre. However, in December, 1972, he withdrew his option for switch over to clerical cadre and continued to remain in non-clerical cadre in Class III at Nagpur Office.

(iii) The other contentions of the Bank management are thus :

In the process of merging the seniority lists of clerical employees than working in different groups of departments

into a combined seniority list, it was decided to place all Clerical Grade I, Assistants and Field Inspectors in one group ranking above Clerk Grade II [Field Investigator. The mode of fixing the seniority of existing Clerks Grade I, Field Inspectors and Assistants on the merger of the seniority lists has been provided for in paragraph 8(b) of the Scheme for combined seniority list and switch over from non-clerical to clerical cadre which was enclosed to Administration Circular No. 9 dated 13th May, 1972. After the introduction of combined seniority list for clerical employees on a centre-wise basis, there is no separate seniority list for employees working as Assistants and their names are borne on the same seniority list of other clerical employees.

(iv) The practice followed by the Bank in fixing the seniority of Assistants has been followed in the case of Shri Avasthi and other staff candidates who were appointed to the posts Hindi Assistants in Hindi Division of Central Office, Bombay. The seniority of nine candidates including Shri Avasthi in the combined clerical seniority list at Bombay was to be determined. The names of these nine candidates were placed in the combined seniority list of clerical employees at Bombay immediately below the juniormost officiating Clerk Grade I as on 21-5-1980, i.e. the date on which the staff candidate belonging to the non-clerical cadre of Hindi Translator in Class III from Bombay was first appointed to the post of Hindi Assistant. The seniority of Shri Avasthi has been fixed strictly in accordance with the practice followed by the Bank in fixing the seniority of Assistants in the combined seniority list of Clerks Gr. I, Assistants, and Field Inspectors. The fixation of the seniority of employees being essentially a managerial function, Shri Avasthi is bound by the policy decision of the Bank in respect of fixation of his seniority. Further, the Scheme of combined seniority list for the clerical employees on a centrewise basis, is based on an agreement dated 7-5-1972 with the Reserve Bank of India Employees Association, the recognised Union of Class III employees of the Bank. The said Scheme has also been upheld by the Supreme Court in the case of Reserve Bank of India V/s. N. C. Paliwal & others, reported in AIR 1976 SC 2345. The claim under dispute made by the Reserve Bank Workers' Organisation in question is based on the assumption that the post of Assistant is higher than the cadre of Clerk Grade I. However, as the post of Assistant is not higher than the Clerk Grade I, the above said claim that Shri Avasthi's name should have been placed just below the juniormost officiating Assistant in the combined seniority list is without any justification, and is liable to be rejected.

(v) The Bank then concerned that merely because Shri Avasthi was required to do certain clerical duties also when he was working as a Translator, the post of Translator does not become a clerical post and it continues to be a non-clerical post. The Administrative Circular No. 9 dated 13-5-1972 issued after the combined seniority settlement of 1972 need not be referred to in the offer of appointment as Hindi Assistant given to Shri Avasthi as the said Administrative Circular was circulated to all the employees, and they are deemed to be aware of the contents of that circular. Further, Shri Avasthi himself has admitted in his letter dated 6-7-1972 to have read the contents of that circular. The post of Assistant is not higher than the cadre Clerk Grade I. On confirmation as Assistant, Shri Avasthi's position in the combined seniority list did not vary. The confirmation as Assistant has no bearing on the seniority position in the Combined Seniority list. In view of this position in the Combined Seniority list, he was not eligible for taking the 'qualifying Test' for the post of Staff Officer Grade 'A' held in 1984 and 1987. As such it is not correct to say that he was deprived by the Bank management of his promotional chances to Staff Officer Grade 'A'. Shri Avasthi is not entitled to be promoted as Staff Officer Grade 'A' till he becomes eligible to take the 'qualifying test' with reference to his seniority position in the combined clerical seniority list at Bombay and passes the said test. His juniors in the combined seniority list are not officiating as Staff Officer Grade 'A' as alleged by Shri Avasthi. The Bank Management therefore contended that its action in the matter was justified and prayed for the rejection of the claim of the Reserve Bank Workers' Organisation, Bombay.

4. On these pleadings the necessary Issues have been framed at Ex. 2. Those Issues, and my findings thereon are thus :—

Issues	Findings
1. Whether the Administration Circular No. 9 dated 13-5-1972 applied to the service conditions of Shri K.D. Avasthi ?	Yes
2. If yes, what is the effect of that circular on the claim of Shri Avasthi for promotion ?	As per the Circular.
3. Whether Shri Avasthi on his promotion as Hindi Assistant, held the post equivalent to that of a confirmed Clerk Grade-I ?	Held the post equivalent to Clerk Gr. I
4. Whether the post of a Translator is equivalent to the cadre of Clerk Grade-II ?	Yes
5. Whether the post of Assistant is not higher than the cadre of Clerk Grade-I ?	Yes. Not on higher rank.
6. While considering the promotion/ seniority of Shri Avasthi, Whether the Bank was bound to fix the seniority of Assistants in the combined seniority-list of Clerks grade-I, Assistant and Field Inspectors ?	Yes
7. Whether Shri Avasthi is not entitled to promotion in his own group as Staff Officer Grade A till he becomes eligible to take the qualifying test ?	No finding is recorded.
8. Whether the fixation of seniority of Shri Avasthi, Hindi Assistant in D.N.D. of Reserve Bank of India, Bombay as junior-most officiating clerk grade-I, is just and proper ?	Yes
9. If not, to what relief he is entitled ?	Does not arise.
10. What, Award ?	As per Award

REASONS

5. In this case the claimant Shri Avasthi examined himself on oath in support of his case. He was cross-examined on behalf of the management. No other oral evidence was led on behalf of the claimant. No oral evidence was but on behalf of the management. It will be seen from the evidence of claimant Shri Avasthi that he is M.A. LL.B. Ph.D. in Hindi. He also possesses the degree of Anuvad Pandit awarded by Maharashtra Rashtira Bhasha, Pune. He possesses the certificate in Banking Oriented Hindi awarded by Indian Institute of Bankers. He also possesses Rashtra Bhasha Ratna, the degree awarded by Rashtra Bhasha Prachar Samiti, Wardha. He also possesses Rashtra Bhasha Pandit, the degree awarded by Pune Samiti. He also possesses the Sahitya Snathak, the degree awarded by Vidharbha Sahitya Sabha. As such, he is a very highly qualified person. Even then being a Bank employee he is governed by the rules and regulations of the Banking service.

6. It is an admitted fact that he entered into the service of the Reserve Bank of India in 1960 and was appointed as a Coin-Note Examiner in Grade II at Nagpur. He worked

in Cash Department for about eight years and thereafter he was selected as a Translator in 1968 and was transferred to General side of the Bank at Nagpur only. As a Translator, he was working as Interpreter and was also doing some clerical work. In 1978 he was sent by the Bank for training in Clerk Grade I at Zonal Training Centre, Byculla, Bombay. The Bank wanted him to be conversant with the duties of Clerk Grade I and hence he was sent for the Training Class. In July, 1981 he was promoted to the post of Hindi Assistant, and was transferred from Nagpur Office to Bombay Office. He was confirmed in the post of Hindi Assistant in January, 1983. However, in the combined Seniority list his name was placed below the junior-most Clerk Grade I. According to him, he should have been placed above the senior-most Clerk Grade I, as on 13-7-1981 i.e. on the date he was appointed as an Assistant. According to the Bank management his name in the combined seniority list has been placed properly. Therefore, the main issue in this case is whether his name was placed properly in the combined seniority list. So, I shall deal with the date Issue first.

7. The combined seniority list has been prepared as per the Circular No. 9 of the Reserve Bank of India. As per the contention of the claimant, the said Circular No. 9 is not applicable to his service conditions. However, this contention is not valid. A copy of the Administration Circular No. 9 is at Ex. 6/M. By this Circular dated 13-5-1972 (Ex. 6/M) a copy of Scheme for Combined Seniority list and swichover from non-clerical to Clerical Cadre, and Memorandum of settlement between the Reserve Bank of India and the All India Reserve Bank Employees' Association was circulated to all the local Employees' Association of the Bank, and also among the members of staff of the Bank. As per para 8 of the Scheme for Combined Seniority list, swichover from non clerical to Clerical Cadre, all confirmed Clerks Gr. I, Clerks Grade I officiating as such on 7-5-1972. Assistants and Field Inspectors are placed in the Combined Seniority list ranking as a group. Therefore, so long as this settlement between the Bank management and the Bank Employees Association is in existence the said claimant who is also a Bank employee, is bound by the settlement and the scheme of Combined Seniority list. Further the said scheme for promotion for Class III employees as contained in the Circular N. 9 of the Bank and the provision for consideration of centre-wise seniority of employees has been upheld by the Supreme Court also, in the case at Reserve Bank of India Vs. Others reported in 1985 Lab. I.C. 1630. It has been contended that by the said scheme injustice has been done in the present case. In this connection, the observations made by the Supreme Court in the said case are very relevant and material which are thus :—

"In service jurisprudence there cannot be any service rule which would satisfy each and every employee and its constitutionality has to be judged by considering whether it is fair, reasonable and does justice to the majority of the employees and fortunes of some individuals is not the touchstone."

8. According to the claimant, even though he is a very highly qualified person and was in service of the Bank since 1960 his service of 21 years, or his service as Translator from 1968 to 1981, was not taken into consideration while fixing his seniority, after his promotion as Hindi Assistant. However, this contention of the claimant is not proper. According to the management, his past service has been taken into consideration while fixing his seniority in the combined Seniority list. The Bank Management is relying upon the statement showing the particulars of service, etc., of candidates selected and appointed as Hindi Assistants from, Seniority numbers in combined Seniority list as on 31-3-1981, 433 to 441, Ex. 7/M. The seniority number of the said claimant given in the Combined Seniority list is 433. It is seen from the document Ex. 7/M that the Ranking assigned by Selection Board to him was 12 and he was appointed as Hindi Assistant on 13-1-1981. Candidates at S. Nos. 434 and 438 in this list Smt. K. M. Khetwani and Kum. Rajrani Sharma were given higher ranking Nos. i.e. Nos. 1 and 2 by the Selection Board and they were appointed as Hindi Assistant of 22-5-1980 i.e. before the date of appointment of the said claimant who was appointed as Hindi Assistant on 13-1-1981. As such these two ladies, being appointed as Hindi Assistants earlier to the claimant, should

have been placed in the Combined Seniority list above him. However, as the length of service of these two ladies was less than the service of the claimant, they were placed in the Combined Seniority list below the claimant, and the claimant was placed above them. Hence, the length of service of the claimant was taken into consideration by the Bank management while fixing his seniority in the said Combined list.

9. According to the claimant, while he was working as a Translator from 1968 to 1981 he was also doing clerical work, and as such in fact he had already attained the status of Clerk Grade I before he was promoted to the post of Hindi Assistant, and as such, he should have been placed above Clerk Grade I as on the date of his promotion as Hindi Assistant. However, it will be seen from the evidence as well as the documents on record that his main function or work was that of a Translator and that his clerical work was incidental only. He was sent for training at Zonal Training Centre for clerical work to keep himself acquainted with the working of other departments of the Bank. He had firstly opted for switchover from non-clerical cadre to clerical cadre. However, he himself withdrew that option and continued to be a member of non-clerical staff. Therefore, till his promotion as Hindi Assistant he was mainly doing non-clerical work, and on promotion as Assistant, he was brought on par with the clerical cadre, and as such he cannot be placed above Clerk Grade I as on the date of his promotion as an Assistant. As such, he was rightly placed below Clerk Grade I on the date of his promotion as Assistant, as posts of Assistant and Clerk Grade I are treated on par under the said Combined Seniority Scheme.

10. According to the said claimant, the post of Assistant is a post of promotion. The post of Assistant is a post of promotion for Translator. However, between the posts of Assistant and Clerk Grade I, both these posts are on par with each other. It is true that the pay scale of an Assistant is much more than the post of Clerk Grade I. The pay scale of Clerk Grade I is Rs. 400—1200, while the pay scale of Assistant is Rs. 655—1495. Even then under the said Combined Seniority Scheme approved by both the Bank management and the Employees' Association both the said posts have been treated on equal par. As such the post of an Assistant cannot be considered as a post of promotion between the two posts namely, Assistant's post and the post of Clerk Grade I.

11. The other point urged by the claimant is that when he was offered the post of Assistant, it was not mentioned in the letter of offer by the Bank that for the purpose of his seniority as Hindi Assistant, the said Administration Circular No. 9 would apply. It may be noted that the said Circular is of the year 1972 and the claimant was promoted to the post of Assistant in 1981. The said Circular, as noted above, has already been circulated amongst the members of staff. The claimant has also admitted in his cross-examination that he had read the said Circular No. 9 and the said Combined Seniority Scheme. Therefore, when he accepted the post of Assistant, he was well aware that his seniority as Assistant would be fixed as per Administration Circular No. 9 in the Combined Seniority list, even though this fact was not specifically mentioned in the letter of offer of that post by the Bank to him.

12. The other point urged by the claimant is that the said Combined Seniority Scheme applies Region-wise i.e. it applies to Bombay centre, and as he was transferred to Bombay from Nagpur, it does not apply to him. It may be noted that on his transfer from Nagpur to Bombay he was to take service of the post of Assistant in Bombay and when he took charge of the post in Bombay, he became the employee of the Bank at Bombay centre, and as such while fixing his seniority amongst the Clerks Grade I and the Assistants, the said scheme did apply to him.

13. As noted above, the above said administration circular No. 9 did apply to the service conditions of the claimant, and hence issue No. 1 is answered in the affirmative.

Issue No. 2

14. My finding on this issue is that he will get the promotion as per said circular and the Scheme for Combined Seniority.

Issue No. 6

15. As noted above, the claimant as well as the Bank are bound by the said circular No. 9 and the Combined Seniority Scheme. As such issue No. 6 is answered in the affirmative.

Issue No. 3

16. I find that on his promotion as Hindi Assistant he held the post equivalent to that of Clerk Grade I and not necessarily of confirmed Clerk Grade I. Issue No. 3 is answered accordingly.

Issue No. 4

17. I find that these two posts are on same par and that the post of Translator is no higher than that of Clerk Grade II. Issue No. 4 is answered in the affirmative.

Issue No. 5

18. As noted above, the post of Assistant is not on higher cadre than the Clerk Grade I cadre. Issue No. 5 is answered in the affirmative.

Issue No. 7

19. This issue has been framed by me on the pleadings of both the parties. However, in the present case the industrial dispute relate to only fixing the seniority of the said claimant in the combined Seniority list and as such the question of his promotion as Staff Officer Grade 'A', is unconnected with the industrial dispute referred to this Tribunal. Hence, even though the issue has been framed as above, no finding is recorded thereon.

Issue No. 8

20. For all the above said reasons I find that the seniority of the claimant Shri Avasthi has been properly fixed in the Combined Seniority list of the Bank, and the action taken by the Bank in the matter is just and proper. Issue No. 8 is answered in the affirmative.

Issue No. 9

21. As he is not entitled to any relief under the reference in question, issue No. 9 is answered in the negative.

Issue No. 10

In the result, the Award must be and is drawn accordingly.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

[No. I-12012/228/86-D.II (A)/D.I (B)]

का. सा. 1066—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 145 की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलपमेंट के प्रबन्धन के संबंध में विशेषज्ञों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकांश, बंगलूर के पंचपद को प्रकाशित करती है।

S.O. 1066.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the National Bank of agriculture and Rural Development, Bangalore and their workmen.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL,
TRIBUNAL CUM LABOUR COURT AT BANGALORE

Dated the 17th October, 1988

PRESENT :

Shri B. N. Lalgé, B.A.(Hons), L.L.B. Presiding Officer.

Central Reference No. 121/87

I PARTY

II PARTY

- | | | |
|-------------------------|-----|----------------------------|
| (1) Sri M. C. Nanaiah | Vs. | The Deputy General Manager |
| (2) Sri B. N. Nagesh | | N.A.B.A.R.D. |
| (3) Smt. Swarnavalli | | Indian Express Building |
| by the Secretary | | Queens Road |
| N.A.B.A.R.D. Employees | | Bangalore-1. |
| Association | | |
| C/o N.A.B.A.R.D. | | |
| Indian Express Building | | |
| Queens Road Bangalore. | | |

APPEARANCES :

For the I Party—Shri V. Gopala Gowda, Advocate.

For the II Party—Shri T. C. Achar, Advocate.

AWARD

By exercising its powers under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act 1947 the Government of India, Ministry of Labour has made the present dispute by its order No. L-12012/253/85 dated 15th July 1987.

POINT OF REFERENCE

"Whether the action of the management of National Bank for Agriculture and Rural Development, Bangalore in terminating the services of S/Shri M. C. Nanaiah and B. N. Nagesh and Smt. Swarnavalli w.e.f. 5-11-84 and not considering them for further employment while recruiting fresh hands under Section 25H of the Industrial Disputes Act is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

2. The I party management has then filed its claim statement and inter alia, it is stated as follows.

The I party is a registered trade union. The concerned workmen are the members of the Association. They have authorised the I party Association to espouse their cause. The National Bank for Agriculture and Rural Development (henceforth called as NABARD) was constituted by an Act of 1981. It is an industry. The Head Office of the II party is at Bombay. The Regional Office is at Bangalore. The concerned workmen viz., S/Shri M. C. Nanaiah, B. N. Nagesh and Smt. Swarnavalli applied for the posts of Clerk Grade-II (Group 'B') in response to an advertisement issued by the Central office in the newspapers of 30-4-1983. They were called for, test held on 28-8-1983 and for an interview on 17-1-84. After interview, the Deputy Manager (Administration) of the local office sent a letter dated 23-1-1984 and asked them to see him. Similar letters were issued to others also. The workmen saw him in his Regional Office. He informed all of them that they have been successfully in the test and interview and they have been placed in accordance with their merit. He assured that permanent jobs would be given to them within two or three months and since the office was facing acute shortage of hands, he requested all of them to report for duty on daily wages and regular orders will follow when the formalities were completed. Accordingly, the three workmen along with six others reported to duty

at the local office on daily wage basis. Nanaiah and Swarnavalli reported on the 1st whereas Nagesh reported on 2nd of February 1984. It was stated that a region-wise waiting list was prepared, though it was called as the All-India List. List of 24 persons was called for by the Regional Office against the vacancies of more than fifteen. The first fifteen were asked to appear before the Medical Officer, including these workmen. Thereafter the bank has regularised the services of four workmen viz., (1) L. M. Thyagarajan, (2) R. Murali, (3) V. Prabhu and (4) K. Sureshkumar in April 1984. In October 1984 Shri M. N. Vidyagnan and N. R. Sridhar were regularised. Three more clerks were appointed on regular basis in April and May. Unfortunately, the management did not regularise the services of these workmen. The II party terminated their services on 5-11-84, with a mala fide intention of victimising them. No reasons were assigned. Even though there were vacancies, the management got thirteen people from Madras, out of which ten reported for duty in October and November 1984. Still, some more vacancies were there but these workmen were not accommodated. The II party is an All-India body with sixteen Regional offices and five sub-offices. Labour mobility is regularised by the service conditions and each branch cannot be taken as a unit for considering whether there is surplus labour force or lack of labour force. When the employees of the Reserve Bank opted to go back to their parental bank in January 1984, sixteen vacancies were created, 11 more vacancies were created between June and August 1984. In all, there were 27 vacancies and only 20 were filled up. Seven vacancies were still unfilled and thus the II party has indulged in unfair labour practice and has victimised them. Seven more vacancies were created as a result of opening of regional training centre at Mangalore. The action of the management is in violation of the provisions of the Section 2(o), Section 25-F, 25-G, 25-H, 25-M and 25-N of the I.D. Act. The 10 candidates of Tamil Nadu who reported for duty are as follows :

Name	Designation	Date of Reporting
1. A Revil	Clerk Grade-II	24-10-1984
2. M. Solvaraj	-do-	26-10-1984
3. V. Mani	-do-	31-10-1984
4. S. Elangeshan	-do-	31-10-1984
5. P.V. Krishna Kumar	-do-	2-11-1984
6. Shiva:aman	-do-	5-11-1984
7. R. Srinivasan	-do-	5-11-1984
8. T. Noelakeshi	-do-	12-11-1984
9. T.P. Raghunath	-do-	
10. N.R. Murthy	-do-	

Those persons were appointed with a view to cause break in the continuous service of the I party workmen. The merit list was not published and they have reason to believe that some malpractices have taken place to accommodate some persons of the management. Two clerks were appointed at the Regional Office, New Delhi without the required formalities. They are stated to be the relatives or the favourites of the Directors of the NABARD. In some cases, the candidates who are far below these workmen have been appointed on regular basis. These workmen have been removed from service in order to accommodate their people. They cannot be retrenched unless there is surplus work force. The union raised a dispute before the Regional Labour Commissioner and the management by its letter dated 10-10-1985 stated that the Mangalore Employment Exchange had sponsored the names of Nanaiah and Nagesh for the posts of clerks in response to the notification issued by their training centre and that the same will be considered along with the others sponsored by the Employment Exchange. Thereafter the Principal of Regional Training Centre, Mangalore sent a letter dated 2-12-85 and invited them for written test to be held on 15-12-85.

After that interview letters dated 18-1-86 were issued to appear on 29-1-1986. Subsequently the II party sent appointment letters dated 7-2-1986 to the said workmen and to report for medical examination. Then an office order dated 13-2-1986 was issued stating that both of them had been appointed as clerks in Grade II. By an office order dated 23-2-1987, they have been informed that their services have been confirmed

with effect from 13-2-1987. They are deemed to be in service from 5-11-84, the date of illegal termination of their services, until they were reinstated on 13-2-1986. They are entitled to get full back wages and other service benefits, including seniority. Hence, it is prayed that an award may be passed that the action of the management in terminating their services on 5-11-84 was not justified and to direct the management to give all the service benefits like full back wages, continuity of service etc.

3. The II party management has filed its counter statement and inter alia, it is stated as follows.

It is denied that the three workman were the members of the I party union at the relevant point of time or that they have authorised the I party to espouse their dispute. The II party bank has been established on 12-7-1982, the employees of Agricultural Refinance and Development Corporation and those of the Reserve Bank of India who were on deputation were transferred to the II party and an option was given to them that they may go back to their parent bank. A large number of employees in Group 'B' opted to go back. Because of the said extraordinary situation, there was an immediate need to engage persons on ad hoc and temporary basis, pending regular recruitment. As per Section 50 (10) of the NABARD Act, the employees in Group 'B' are liable to be transferred to any place in India. The bank had issued an advertisement in the newspapers of 30-4-1983, calling for applications for about 50 Group 'B' posts. These three workmen had sent their applications. They were called for test. Interviews were also held. The lists were sent to the Head Office to enable them to prepare an All India merit list of the selected candidates. Some of the offices including the Regional Office, Bangalore were in immediate need of clerical assistance and the Head Office permitted them to engage some candidates who were found to be at the top of the regional list but to engage on purely ad hoc and temporary basis, for the intervening period till the Head Office finalised the All-India merit list and issued appointment orders to them. Such appointment on daily wage basis was only a stop-gap arrangement. The Bangalore Regional Office appointed nine such candidates on daily wage basis. While doing so the workmen were clearly told that their engagement on daily basis had no bearing for their regular appointment and that regular appointment will depend upon the final selection list. One of the letters issued to them is enclosed at Annexure R I. After the All-India merit list was prepared, it was found that they were not in the merit list but they were placed at Sl. No. 644, 969 and 926. The bank had followed a benevolent principle by giving appointments to the candidates as far as possible at the region in which they had appeared for the written test and interview. Some of the selected candidates had been offered appointment at other places, depending upon the availability of vacancies. Out of the nine candidates appointed on daily wage basis, the names of six persons were found in the merit list and these three workmen were not in the merit list. As the vacancies to be filled up in Bangalore were 20, the bank had to fill fourteen vacancies from the candidates in the selection list from the adjoining states. This situation existed not only in Bangalore but also in other centres. These workmen are bound by the results of the test and interview and they cannot claim appointment when they were not within the required number of the final list. Termination or discontinuation of their services is not mala fide. It is in accordance with the terms of the engagement, R1. They did not serve for a continuous period of one year as shown in Section 25-B of the I.D. Act. The provisions of Section 25-F etc. are not applicable. If the II party absorbed these three persons on permanent basis, the action of the management would have been violative of the Articles 14 and 16 of the constitution, ignoring the merit of other candidates. It is denied that the Manager (Administration) gave any assurance to these three workmen. It is denied that the waiting list was prepared region-wise. All the persons whose services have been regularised are to be found in the final selection list. Even supporting that there were some vacancies, these three workmen had no right to claim appointment. The thirteen candidates shown in Para 7 of the claim statement are to be found in the final selection list and therefore they have been appointed. These three workmen have worked only for 197, 203 and 185 days respectively. The allegations made in para 11 and 12 of the

claim statement are denied. It is prayed that the reference may be rejected.

4. On 30-9-1987, the learned counsel for the I party submitted that the I party union does not want to agitate the case of Smt. Swarnavalli. Thus, this award is restricted to the claims of Nanaiah and Nagesh only and as regards the claim of Swarnavalli, it has been rejected for default.

5. The management has examined two witnesses and got marked Exs. M-1 to M-14.

6. Both the workmen have examined themselves and Exs. W-1 to W-8 have been got marked.

7. The parties have been heard.

8. My finding on the point of reference is as follows:

The action of the management of the National Bank for Agriculture and Rural Development Bangalore in terminating the services of Shri M. C. Nanaiah Shri B. N. Nagesh and Smt. Swarnavalli with effect from 5-11-84 was justified. It was further justified in not considering them for further employment while recruiting fresh hands. They are not entitled to any relief.

REASONS

9. In para 2 of the counter statement it has been contended by the II party that it is denied that S/Shri M. C. Nanaiah and B. N. Nagesh and Smt. Swarnavalli were the members of the I party union or that they have ever authorised the I party to prosecute the reference, and that the I party is put to strict proof of the same.

10. The learned counsel for the II party strongly contended that it is not an industrial dispute and that there is no proper espousal and that the I party union has no authority to represent the workmen.

11. The prayer made by Nanaiah and Nagesh is that an award may be passed to the effect that the action of the II party in terminating their services on 5-11-84 and in not considering them for further employment while recruiting fresh hands is illegal under Section 25-F of the I.D. Act and to direct them to give them all the service benefits like full back wages, continuity of service, as if they were in service between 5-11-84 and 13-2-1986, the date of their termination and date of their reinstatement. The said prayer is to be found in Para 19 of the claim statement. It is an admitted fact that Nanaiah and Nagesh have been reinstated and they are working in the II party from 13-2-1986. Looking at the aforesaid prayer of the said I party two workmen. It is obvious that they have no case for reinstatement but they claim an award that the termination of their service on 5-11-84 was illegal and that the II party should be directed to treat them as if they were in service even between 5-11-84 and 13-2-86, give them continuity of service, full back wages and other consequential benefits. Section 2-A of the I.D. Act has no bearing for the claim made by the I party workmen. In the first instance, it is not the case of the I party workmen that they have raised the dispute in their individual capacity by virtue of the provisions of Section 2-A of the I. D. Act. Secondly, it is the case of the I party union that the dispute of these two workmen is an industrial dispute and that it has been properly espoused by them.

12. Section 2(k) defines as to what is an industrial dispute. It means any dispute between employers and workmen or between workmen and workmen which is connected with the employment, or non-employment or terms of employment or conditions of labour. Since the case does not fall within the purview of the Section 2-A of the I.D. Act, and since the dispute as described in the claim statement refers

to continuity of service, back wages and other benefits, it is obvious that it is put forth as an industrial dispute, within the meaning of Section 2(k) of the I.D. Act. In that case, there shall have to be espousal by a trade union. Under the heading espousal by trade unions in the Law of Industrial Disputes (O. P. Malhotra—Fourth Edition—Volume 1, page 151), it has been described about the nature of espousal. On page 158, there is further commentary regarding the time of espousal.

13. The learned counsel for the II party referred to the case of Deepak Industries Ltd. Vs. State of West Bengal (1975 LAB. I.C. Page 1153). The authority has laid down a principle that in order that a dispute between a single employee and his employer should be validly referred under Section 10 of the I.D. Act, it is necessary that it should have been taken up by the union to which the employee belongs. It has been further stated that if it is a dispute raised by an individual, it must be raised by him and reference may be made about it in due course of adjudication. It has been further stated that on the other hand, that if a group of workmen raised a dispute that can also constitute an industrial dispute within the meaning of the Act, and it may be referred to the Tribunal in due course. From Para 9 of the authority, it is to be found that when the parties to the reference are the employer and his employees, the test must be necessarily whether the dispute referred to is one in which the workmen or the substantial section of them have interest, even though the dispute relates on a single workman. It has been further held that in the absence of any such material evidence either a resolution of the members or substantial number of them, it cannot be said that the respondent union had the capacity or authority to represent the workmen.

14. The learned counsel for the II party further referred to the case of State Bank of India Vs. Shri M. Sundara Money. The authority is with reference to Section 25-F of the I.D. Act and it is not pertinent.

15. The learned counsel for the II party then referred to the case of M/s. Sri Drindevan Hotel Vs. The Conciliation Officer, Hyderabad and another (AIR 1977 Andhra Pradesh Page 386). The point that arose for discussion was whether espousal or individual dispute of an individual employee by a union or a number of workmen who have the support of appreciable number of employees of the establishment, was proper. The principle laid down in the authority is that if a workmen's union wants to espouse the individual dispute of an individual employee, it can be done so only under the Industrial Disputes Act. The learned counsel for the II party contended that from the foregoing authorities it is obvious that since the I party union has espoused the cause on the basis that it is an industrial dispute falling under Section 2(k) of the I.D. Act, it should have the support of appreciable number of the workmen of the II party. In order to maintain it. He further contended that the I party union has not produced any resolution to the effect that majority of the workmen have supported the cause and have authorised the union to raise the dispute or to get an adjudication. It was also submitted that the two workmen WW-2

and WW-3 and the Secretary of the union WW-1 have stated that the two workmen are the members of the I party association, but no document has been produced to show that they are the members of the said association and that nothing prevented the workman from producing at least a receipt to show that they had paid the subscription to the I party union at any point of time, to show that they are the members of the same.

16. On the other hand, the learned counsel for I party cited the case of Algu Ram Vs. State of Punjab and others (1977 II L.L.J. page 207). The authority states that the reference of an individual dispute under Section 2A would be valid even if it is espoused by the Union of workmen.

17. The learned counsel for the I party further cited the case of M/s. Ramkrishna Mills (Coimbatore) Limited Vs. The Government of Tamil Nadu (1984 II L.L.J. Page 259). The principle laid down in the authority is that even if the competency of the Union to raise the dispute so as to make it get the colour of a collective dispute is a doubtful proposition, the reference cannot be held to be incompetent, because it could be sustained as relating to an individual dispute.

18. The present case does not involve the dispute of individual workman, in as much as the contention of the I party union is that the two workmen Nanaiah and B. N. Nagesh have been already reinstated and that their prayer for relief is for continuity of service, back wages and all the consequential benefits on the footing that they have continued to be in service from their first dates of appointments, viz., 1-2-1984 and 2-2-1984. It is not their case that because the termination of their services on 5-11-84 was illegal, it may be declared that they shall be presumed to have been reinstated on 13-2-1986 and consequently they should be given all the benefits flowing therefrom. Though the point of reference is whether the termination of their services was justified, the I party workman have only the claim for maintaining their seniority and consequential benefits. It is thus obvious that it is an industrial dispute falling within the ambit of Section 2 (k) and it is not a case of mere termination of services falling within the purview of Section 2-A of the I. D. Act. The authorities cited for the I party do not help the workmen. The reference cannot be maintained for want of proper espousal and competency of the I party union to raise and agitate the cause.

19. The main question raised by the I party workman is that termination of their services on 5-11-84 was illegal. WW-1 Fernandes is the Secretary of the I party union. In para 4 of his evidence, he states that the I party workmen were employed on daily wages, but the appointments were made with the intention that they will be made permanent. WW-2 Shri M. C. Nanaiah and WW-3 B. N. Nagesh have both stated that in response to the advertisement at Ex. W-2 (the original is Ex. W-2 (a)), they had sent their application and that they were called upon to give the test as per Exs. W-4 and W-7 and then they were called for interview as per Exs. W-5 and W-8 and thus they were appointed against regular

advertised posts. The management contends that since there was urgent necessity, these persons had been appointed on temporary basis only as a stop-gap arrangement and that the head office was to prepare a list based on merits. In order to support the evidence of WM-1 Exs. M-1 to M-3 have been produced. They are the letters of appointment dated 25-1-84 showing that these persons had been engaged on daily wage basis. In the first para, these letters show that the II party was prepared to engage them on daily wage basis on the following conditions. The conditions shown in Clause (a) to (c) of Para 1 are that they are entitled to only daily wages, that it has no bearing for regular appointment and the regular appointment will depend upon the selection to be finalised by the head office and that they will not be entitled to any other benefits, which the other regular members of the staff get. It has also been shown that their services were liable to be discontinued without notice and if they accept the said conditions, they were to subscribe their signatures and intimate about it. There is no dispute on the point that all the three persons have signed the originals of Ex. M-1 to M-3, having accepted the same. Contrary to the aforesaid case, the two workmen of the I party have stated that they were appointed against regular posts. MW-2 Nanniah has sworn in para 3 of his evidence that the Deputy Manager (Administration) had called him to see him immediately and accordingly he had gone to their office on 25-1-84 and he had seen the said Deputy Manager Shri Nagaraja Rao and also one Swamy. It is, however, admitted by him that he has signed in the original of Ex. M-2. In para 4 of his evidence, he however, states that he did not agree for the terms and conditions shown in Ex. M-2, but he was told that unless he signed, it was going to affect his permanent appointment. He has then sworn that because he was unable to maintain himself at that time, he believed the said officers and signed Ex. M-2. MW-3 Nagesh has also stated in Para 1 of his evidence that as per the letter Ex. W-3, he had gone to their office on 24-1-84 and saw Shri Nagaraja Rao and Shri A.G.T. Swamy. He further states that they told him that he had been selected for permanent appointment and till the formalities were completed, he should join on daily wage basis and that permanent appointment order was going to be issued within about 15 days. He has then stated that because he was unemployed and being afraid that he may not get the order of permanent appointment, he signed the original of Ex. M-3. It is admitted by both of them that till 5-11-84 they have received the daily wages, by working on daily wage basis. WW-2 Nanaiah is a science graduate whereas WW-3 Nagesh has done his M. Com. There is nothing on record to suggest that when they did not receive any order of permanent appointment within about 15 days or so, they made any representation in writing either to the said officers or to the management, and it is not as though some illiterate persons have signed the offer given to them as per Ex. M-2 and M-3. The subsequent conduct of MW-2 Nanaiah and MW-3 Nagesh, as shown above is consistent only with the conditions laid down in Exs. M-2 and M-3. It is, therefore, difficult to believe and accept their case that because of the promise made by Nagaraja Rao or Swamy they believed that they were being appointed for perma-

nent posts and accepted the offer made on daily wage basis as offers of permanent appointment.

20. Ex. W-1 is a letter dt. 10-10-85 from the management to the Assistant Labour Commissioner, Bangalore. Therein, it has been stated that as regards the question of reinstatement of ex-daily wage employees, they intended to reiterate their stand shown in their letter dt. 25-5-85. However, they have added that Nanaiah and Nagesh had been sponsored by the Mangalore Employment Exchange and that the II party would consider their cases as per usual rules. There is no dispute on the point that subsequently these two persons have been appointed on 13-2-1986. Ex. W-2 is the advertisement published by the II party, calling for about 50 posts of clerks. Ex. W-4 and Ex. W-7 dated 15-7-1983 are the admission letters for the written test. Exs. W-5 and W-8 both dated 19-12-83 are the letters of interview. From the evidence of WW-1, WW-2 and the aforesaid documents, it is obvious that the process of regular appointment was completed by the issue of letters of interview as per Res. W-5 and W-8. The management has contended that because of the urgency, they had issued these letters at Exs. W-3 and W-6 dated 23-1-84 and had requested them to call on them immediately. These two letters do not make any difference, since it is an admitted fact that Exs. M-2 and M-3 have been signed by WW-2 Nanaiah and WW-3 Nagesh.

21. In para 12.8 of the counter statement, the II party has stated that Nanaiah, Nagesh and Swarnavalli have worked only for 197, 203 and 185 days respectively. In para 7 of his evidence, MW-2 Nanaiah has stated that he would have completed 240 days of service but for the deliberate termination of his service effected by the management, in order to break his service record before 240 days. Similarly, MW-3 Nagesh has stated in para 7 of his evidence that his services have been terminated deliberately on 5-11-84, so that he should not complete 240 days of service. The evidence of MW-1 Gachehi and MW-2 R. P. Kamath shows that a gradation list was prepared as per Ex. M-4 in pursuance to the test and interview. Ex. M-4 shows that it is the waiting list of candidates selected for the posts of clerks on All-India basis. In para 11 of his evidence, MW-1 has stated that when the normal recruitment process started, the persons shown in the list Ex. M-4 were appointed as per their ranking and since those persons who had been selected on merit had been appointed, these three persons along with others, who were appointed on daily rated basis had to be discontinued. Ex. M-5 is the order of termination. In order to prove that these persons have worked on daily wage basis, they have produced the wage registers at Exs. M-6 and M-7. Xerox copies have been marked as Ex. M-6 (a) and Ex. M-7 (a). In para 16 MW-1 has then sworn that again on all-India basis, these two persons were selected, whereas Swarnavalli did not respond to the test and the offer made by them. The evidence of MW-1 then goes to show that some persons had challenged their orders of termination and Exs. M-8 and M-9 show that their writ petitions were dismissed. The evidence of MW-2 R. P. Kamath, Deputy Manager, Head office supports the evidence of MW-1 that the gradation list was prepared as per Ex. M-4

on the basis of their merit and employment was offered till Sl. No. 544. It is one of the contentions of the I party workmen that five persons shown in Ex. M-10, at Sl. Nos. 854 to 858 had been appointed and that they had the preferential claim for the said appointments. On the other hand, it is the case of the management that these five persons had been appointed on compassionate grounds, since they are the dependants of the persons who had died in harness and in that connection the I party union itself had made out a cause for such appointments of dependents of the employees who die in harness. In para 25 of his evidence WW-1, the Secretary of the I party union has conceded that there is a procedure in the II party establishment that if an employee dies in harness, his dependent is employed on compassionate grounds. His case is that the management should create a fresh vacancy and appoint such person and that any vacancy that had existed on the date of the death of the employee, should have been given to the persons, such as Nanaiah and Nagesh, who were already working on daily wage basis. Ex. M-11 is the proceedings of the meeting dated 2-6-83 in regard to the appointments to be made on compassionate grounds. It shows that it was agreed that clause 2 (iv) of the Memorandum was to be deleted and without conducting any written test, a son or daughter of the deceased should be appointed without any written test. Ex. M-14 is the case file showing as to how these five persons at Ex. M-10 (a) came to be appointed on compassionate grounds. The management contends that these appointments on compassionate grounds are in accordance with the rules shown in Ex. M-13. The documents at Exs. M-19 and M-14 thus indicate that the management was not motivated in making the five appointments shown at Ex. M-10 (a) by any extraneous considerations, but that these five persons have been appointed on compassionate grounds in accordance with the recognised rules and terms of the bipartite settlement. The contention of the I party that the management has indulged in unfair labour practice or has acted in a mala fide manner in terminating their services, so that they should not complete 240 days of service, is not borne out by record. On the other hand, the evidence of MW-1, MW-2 and the admissions made by WW-1, WW-2 and WW-3 that there is a procedure of making appointments on compassionate grounds indicates that these appointments are bona fide. The contention of the I party that the management should have created new posts to accommodate those five persons and should have accommodated these two persons in the regular vacancies is not supported by any rule or law.

22. The learned counsel for the I party cited the case of management of Karnataka State Road Transport Corporation, Bangalore Vs. Boraiah (AIR 1983 Supreme Court page 1320). It was urged that discharge of even a probationer amounts to retrenchment and in view of the said principle, it may be held that these two persons had been retrenched illegally. Para 3 of the authority indicates that there was no dispute on the point that the conditions precedent to discharge an employee, required to be complied with as per Section 25-F of the I. D. Act had not been complied with. The KSRTC had terminated the services of some of the probationers within the period

of two years of probation or within the extended period of probation after two years. In the context of such facts, it has been held that discharge of a probationer amounts to retrenchment and the provisions of Section 25-F should have been complied with. In the facts at hand, it is an admitted fact that these two workmen Nanaiah and Nagesh had not completed 240 days of service in the next preceding year to 5-11-1984. Secondly the principle laid down in the authority is with reference to the provisions of Section 2(oo) and 25-F, as they stood prior to the amendment effected by Act No. 49 of 1984, which came into force on 18-8-1984. The principle laid down in the authority is therefore not attracted.

23. The learned counsel for the I party then cited the case of Shailendra Nath Shukla and others Vs. Vice-Chancellor, Allahabad University (1987 LAB 1. C. Page 1607). The facts of the reported case would disclose that some workmen were employed as daily wagers on contract basis for five years, but the contract was renewed every three months and the job was not casual and the workmen were doing work like regular employees and termination of their services under such circumstances has been held to be illegal, since their case did not fall under Section 2 (oo) (bb). The opening sentence of the authority itself indicates that the workmen who had worked for not less than 240 days within the period of 12 months immediately preceding the date of termination had been retrenched without paying compensation. I cannot but reiterate that the facts of the case at hand are not such wherein the workmen had put in continuous service of 240 days in the next preceding year. The principle laid down in the authority is not attracted.

24. The learned counsel for the I party then placed reliance on the case of Central Inland Water Transport Corporation Ltd., Vs. Broje Nath Ganguly and another (AIR 1986 Supreme Court Page 1571). The authority is on the point that Rule 9 (i) of the said Corporation, empowering the Corporation to terminate these services of permanent employees without giving any reason and by giving notice is void under Section 23 of the Contract Act, being opposed to public policy. The facts of the case at hand would show that the services of these two workmen were terminated on 5-11-84 in order to make way for the appointment of candidates who had been selected in accordance with the rules and on the basis of merit. Under such set of circumstances, it cannot be said that the action of the management was arbitrary and against public policy.

25. It is reiterated that since it is an admitted fact that the two workmen Nanaiah and Nagesh had not completed continuous service of 240 days in the next preceding year to the date of their termination of services dt. 5-11-84, the question of invoking the provisions of Section 25-F or 2 (oo) does not arise. The further question of invoking the provisions of 25-H or any other provision of Chapter V A of the I.D. Act does not arise.

26. The learned counsel for the II party has placed reliance on the case of Karur Vysya Bank Employees Union Vs. Central Government Industrial

Tribunal, Bangalore (Vol. 73 F.J.R. Page 93). The authority states that if the temporary employee had been employed to do casual work off and on and when there was no continuity of employment, he cannot involve Sec. 25F. The authority supports the contention of the II party that under the present set of circumstances, the I party workmen cannot claim that the termination of their services on 5-11-1984 was illegal.

27. The principle laid down in the case of Mangalore University non-teaching Employees Association Vs. Mangalore University and others (W.P. No. 8349 of 1988 DD 10-6-1988) by the Hon'ble High Court of Karnataka supports my finding that the II party management was justified in terminating the services of these persons, in order to make way for the appointment on regular basis, who had been selected on merit.

28. The learned counsel for the I party contended that the evidence of MW-2 shows that there were vacancies in Hyderabad and Chandigarh when the services of these two persons were terminated and thus it may be held that the termination of their services is illegal. No where, it has been pleaded that though there were so many vacancies at Hyderabad and Chandigarh and though these workmen Nanaiah and Nagesh had preferential claim among all the daily rates workers working throughout India and though they had put forth their claim to continue their said work on daily rated basis at those places the II party had indulged in unfair labour practice and refused to give them work, lest that they would complete 240 days of continuous service. Secondly the principle laid down in the authority of Mangalore University cited above indicates that after the amendment of Sections 2(00) and 25-F of the I.D. Act, such workmen have no right to claim that their engagement on daily rated basis should have been continued as against the claim of candidates who were to be appointed in accordance with the rules and on the basis of their merit.

29. The case put forth by the I party workmen is, obviously for continuity of service, back wages and other consequential benefits, on the ground that they have been already reinstated in the same posts. It has been already observed that in that event, it will be an industrial dispute, falling within the ambit of Section 2(k) of the I.D. Act. The dispute cannot be maintained under Section 2-A of the I.D. Act, because presently it is not a case of these employees that they are still suffering under the order of dismissal and they seek for a direction of reinstatement. It is reiterated that since there is no proper espousal, the dispute cannot be maintained under Section 2(k) of the I.D. Act. Supposing for the sake of discussion that it is a dispute maintainable either under Section 2-A or 2(k) of the I.D. Act, still then the workmen cannot seek for any relief, since they did not complete continuous service of 240 days in the year next preceding 5-11-84, and the alleged termination of their services cannot be said to be in violation of Section 2(00) and 25-F of the I.D. Act. Looking from any angle, I find that the reference is liable to be rejected.

30. In the result, an award is passed to the effect that the management of National Bank for Agriculture and Rural Development, Bangalore was justified in terminating the services of Shri M. C. Nanaiah and B. N. Nagesh with effect from 5-11-84 and that there is no case of the workmen that the management failed to consider their cases at the time of fresh recruitment and acted contrary to Section 25-H of the I.D. Act. They are not entitled to any relief. The reference regarding Smt. Swarnavalli is rejected for default. She is not entitled to any relief.

(Dictated to the Personal Assistant, taken down by her, got typed and corrected by me.)

B. N. LALGE, Presiding Officer
[No. L-12012/253/85-D.I.(B)]

का. प्र. 1067.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, छात्रावास ग्रामीण बैंक, ओरई के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित आदेशों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार अध्यात्मिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करता है।

[संख्या एल-12012/4/88-ई-4(ए)/ई-1(बी)]

पञ्चायत बैठक, उपाय सचिव

S.O. 1067.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Chhatrasal Gramin Bank, Orai and their workmen.

BEFORE SHRI ARJUN DEV, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 141 OF 1988

In the matter of dispute.

BETWEEN

Shri Naresh Narain Awasthi C/o Shri P. C.
Bajpai, 990, Block, Kidwai Nagar, Kanpur.

AND

The Chairman, Chhatrasal Gramin Bank, Head
Office, Orai District Jalaun.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-12012/04/88-D-IV(A)/D III(A) dated, 29th October, 1988, has referred the following dispute for adjudication to this tribunal :

"Whether the action of the management of Chhatrasal Gramin Bank, Orai in terminating Sh. Naresh Narain Awasthi from service w.e.f. 22-10-84 is justified? If not to what relief, the concerned workman is entitled?"

Today this case was fixed for filing claim statement on behalf of the workman, but none appeared despite repeated calls from the side of the workman. Shri U. S. Dwivedi filed his authority on behalf of the management. The first date was 8-12-88, second date was 12-1-89 and the third date was 16-2-89. These dates were apart from notice issued by the Central Government to the workman to file written statement within 15 days of its receipt.

It appears, in the circumstances of the case, that the workman not interested to prosecute the case. Hence a no claim award is given in the case against the workman.

4. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012/4/88-D.IV(A)/DI(B)]

PAADMA VENKATACHALAM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1989

का. प्रा. 1068—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार पूर्वोक्तों के पक्ष में व्यापक, तृतीयक के प्रबन्धन में सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसूचित में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पक्ष को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रिय सरकार का 10-489 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-44012/3/84 डी-4(ए)/डी 3 (बी)]

New Delhi, the 17th April, 1989

S.O. 1068.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-4-89.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Wednesday, the 5th day of April, 1989

PRESENT:

THIRU K. NATARAJAN, M.A., B.L., Industrial
Tribunal

INDUSTRIAL DISPUTE No. 22 of 1986

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin).

BETWEEN

The workmen represented by
The Secretary,
The Tuticorin Port Mariners Union,
403, Lions Town, Tuticorin, 628001.

AND

The Chairman,
Tuticorin Port Trust,
Tuticorin.

REFERENCE:

Order No. L. 44012/3/84-D.IV(A), dt. 17-3-86
of the Ministry of Labour, Government of
India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 15th day of March, 1989 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru G. Balaram, Authorised Representative appearing for the workman and of Tvl. D. Raju and M. Venkatachalampathy, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Tuticorin Port Trust, Tuticorin arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-44012/3/84-D.IV(A) dated 17-3-86 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Is the Tuticorin Port Mariners Union justified demanding promotion to Shri R. Meenakshi Sundaram, Store Keeper, to the post of Head Clerk ? If so, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The averments in the claim petition are that one Meenakshi Sundaram was appointed as a Lower Division Clerk on 19-7-1963 at Tuticorin Harbour Project and finally it was renamed as Tuticorin Port Trust with effect from 1-4-1979. At the time of appointment the line of promotion was as follows : Lower Division Clerk—Upper Division Clerk/Store Keeper/Cashier—Head Clerk. The said Meenakshi Sundaram was promoted in 1970 as Upper Division Clerk after conducting the examination. While he was temporarily promoted as Upper Division Clerk, he was promoted to the post of Store Keeper and joined duty on 16-9-70. Section 29 of the Major Port Trust Act, 1963 reads as follows :

"Every employee serving under the Central Government or as the case may be, the other authority immediately before such day solely or mainly for or in connection with the affairs of the Port shall become an employee of the board, shall hold his Office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions of service as he would have held the same if

the board had not been established and shall continue to do so unless and until his employment to the Board is terminated or until his tenure remuneration or terms and conditions of service are duly altered by the said Board.

Provided that the tenure remuneration and terms and conditions of service of any such employee shall not be altered to his disadvantage without the previous sanction of the Central Government."

He was also confirmed as Store Keeper with retrospective effect from 4-6-1976. As per original recruitment rules, Lower Division Clerks were entitled to be promoted as Store Keeper|Upper Division Clerk|Cashier. While said Meenakshi Sundaram was working as Upper Division Clerk, vacancy arose and instead of promoting Meenakshi Sundaram as Head Clerk as per original service conditions, protected under Section 29-F of the Madras Port Trust Act, 1963, Kamakshi Sundaram and Radhakrishnan, Upper Division Clerk, who are junior to Meenakshi Sundaram were promoted as Head Clerks. The administration did not call for any option from the employee at the time of promotion as Store Keeper. The post of Store Keeper, as per then recruitment rules, was entitled to promote as Head Clerk on promotion. The condition of service as applicable to the existing employees shall not be altered without previous sanction of Central Government. No such sanction was obtained by the administration and new recruitment-rules have got into force adversely affecting Meenakshi Sundaram and others in the matter of promotion. The denial has been done by the Mgt. without giving notice under Section 9-A of the I.D. Act. The denial of promotion is illegal and unjustifiable. Hence the claim petition.

3. The Respondent in the counter statement says, R. Meenakshi Sundaram was one of the successful Lower Division Clerks in the examination held during 1970 for promotion to the post of Upper Division Clerk and he was temporarily promoted to the post of Store-Keeper and subsequently he was confirmed on 4-3-1976. It is correct as per the original recruitment rules, Lower Division Clerks were entitled to be promoted as Store Keeper|Upper Division Clerk and Cashier. It is incorrect that there were posts arose for the post of Head Clerks, the Junior namely S. Kamakshi Sundaram and Radhakrishnan were promoted instead of promoting Meenakshi Sundaram. The promotion of those people were made only in accordance with the provisions of recruitment rules which came into force on 1-4-1979. The claim petition refers to the promotion of Kamakshi Sundaram and Radhakrishnan is not relevant. After the formation of the Tuticorin Port Trust, the employees came to be governed by a Port Trust Employee (Recruitment, Seniority and Promotion) Regulations, 1979 made and notified by the Central Government as the first Regulations in exercise of the powers conferred by it by Section 126 of the Major Port Act, 1963. As per Regulation 34, Upper Division Clerks

with 5 years service alone are eligible for promotion to the post of Head Clerk. The Regulations do not provide for promotion of Store Keeper to the post of Head Clerk. Promotions had to be made to any higher post from only the feeder post in the respective line as provided in the Regulations. Again by virtue of Rule 12-A of the Fundamental Rules, which is applicable to the employees of the Tuticorin Port Trust and Government Servant appointed in a substantive capacity to any permanent post acquired a lien on that post and ceases to hold any lien previously acquired on any other post. Therefore, the seniority could be maintained only in the grade of Store-Keeper. Hence he has not been eligible to be considered with the post of Head Clerk as per present Regulations. There was no need to call for any option from the employee at the time of promotion since it was made as per existing rules. The terms and conditions of the service of an employee as per Section 29-F of the Major Port Trust Act can be altered even to the disadvantage by the Board with the previous sanction of Central Government. The terms and conditions have been altered by the Tuticorin Port Trust Employees Regulations, 1979 by the Central Government itself and not by the Board. Therefore no plea can be set up on the ground that the Administration did not obtain the previous sanction of the Central Government. Section 9-A of the Industrial Disputes Act cannot be invoked by the Petitioner since the promotion not being one of the conditioned services prescribed under the schedule. Further the fundamental and Supplementary rules and regulations that may be notified in this behalf by the Central Government in the Official Gazette referred to in proviso (b) to Section 9-A of the Industrial Disputes Act were applicable to the employee prior to formation of the Port Trust are applicable to him as employee under the New Regulations. The plea under Section 9-A is therefore not available to the Petitioner. Hence Meenakshi Sundaram is not entitled to the promotion as prayed for.

4. The point for determination is (1) whether the demand of the Petitioner-Union to promote Meenakshi Sundaram to the Post of Head Clerk is justifiable?

(ii) if so to what relief.

5. The Petitioner filed W-1 to W-5 of which W-1 is the copy of the Gazette Notification dated 31-12-68 making Rules regulating the method of recruitment in Class III and IV posts in the Tuticorin Project. It shows that for promotion to the category of Head Clerk the Feeder Post was apprenticeship clerks. Store Keeper, Cashiers with 5 years service in the grade of the project.

6. W-2 is a copy of Promotion Order dated—15-9-70 of Meenakshi Sundaram from Lower Division Clerk to the Post of Store Keeper.

7. W-3 is the Confirmation Order to the Post of Lower Division Clerk.

8. W-4 is the copy of Confirmation Order to the post of Store Keeper.

9. These cannot be disputed by the Respondent-Management. The case of the Petitioner is that

on the basis of W-1, Copy of Gazette Notification, promotion to the category of Head Clerks as have been existing were from Upper Division Clerks, Store Keepers, Cashiers with 5 years service in the grade of the project. This is also not disputed by the respondent-Management. The plea of the Petitioner is that instead of promoting Meenakshi Sundaram as Head Clerk, the Juniors have been promoted to substantiate the demand of the Petitioner-Union to promote Meenakshi Sundaram, Store Keeper to the post of Head Clerk. The Authorised Representative to the Petitioner relied on Section 29-F of the Madras Port Trust Act, 1963. Section 29-F says:

"Every employee serving under the Central Government or as the case may be, the other authority immediately before such day solely or mainly for or in connection with the affairs of the Port shall become an employee of the board, shall hold his office or service therein by the same tenure and upon the same terms and conditions of service as he would have held the same if the board had not been established and shall continue to do so unless and until his employment in the Board is terminated or until his tenure remuneration or terms and conditions of service are duly altered by the Board.

Provided that the tenure remuneration and terms and conditions of service of any such employee shall not be altered to his disadvantage without the previous sanction of the Central Government."

Stress is laid on the proviso of 29-F contending to the tenure remuneration and terms and conditions of service of any such employee shall not be altered to his disadvantage without previous sanction of Central Government. As against this proviso of 29-F it is pointed out by the learned counsel for the Respondent-Management that the conditions of service were not altered by the Respondent-Management without previous sanction of the Government. In fact the conditions of service of the employee of Port Trust were altered by the Central Government itself by passing regulations by virtue of Section 126 of the Major Port Trust Act. It is the case of the Respondent that under section 126, the Central Government has powers to make First Regulations. Section 126 says "Notwithstanding anything contained in this Act, the First Regulation under this Act shall be made by the Central Government and shall have effect on being published in the Official Gazette". In exercise of this power, regulations have been framed and also published in the Gazette as can be seen from the Gazette Notification dated 16-3-1979. All these regulations came into force from 1-4-1979. Regulation 34 says "For the post of Head Clerk a selection should be made by promoting Upper Division Clerk with five years service in the grade in the Post after appointment thereto on a regular basis". In view of this new regulation having been made superseding earlier rules, dated 13-12-68, the candidate Meenakshi Sundaram could not be considered for the post of Head Clerk. It is stressed that only the persons

working as Upper Division Clerk with 5 years service in the Grade on a regular basis has to be considered. The question of considering Meenakshi Sundaram, Store Keeper does not at all arise. The earlier notification framing rules under W-1 for promotion of Head Clerks, it includes the categories of Store Keeper and Cashier should be considered along with Upper Division Clerks. It is true, it appears to be same category. But under new regulation, the Government thought fit to consider only Upper Division Clerks has eligible for promotion to the post of Head Clerk. The Respondent-Management has no alternative except to consider the new regulation. It cannot be contended that the Board has violated Section 29-F by changing the condition of service to the disadvantage of said Meenakshi Sundaram without the previous sanction of Central Government. It is completely forgotten by the Petitioner-Union that a category of service namely Store Keeper originally included and subsequently taken away by a new regulation cannot be considered for the promotion on the old regulation which is no longer in force. As a matter of fact under Section 37 the old regulations which were in force immediately before the commencement of these regulations are repealed. Therefore the Petitioner-Union cannot contend the assurance given under proviso 29-F has been taken away by the Board. The proviso to 29-F as rightly pointed out by the Respondent-Board would be attracted only if the conditions of service are changed by the Board itself.

10. The next contention of the Petitioner-Union is that no notice of change of service condition was given as contemplated under Section 9-A of the Industrial Disputes Act. Section 9-A reads that "no employer, who proposes to effect any change in the condition of service applicable to any workman in respect of any matter specified in the Fourth Schedule shall affect such change.

- (a) without giving to the workman likely to be effected by such change a notice in the prescribed manner of the nature of change proposed to be effected; or
- (b) within 21 days of giving such notice; ****. It is urged by the learned Authorised Representative that the case would fall under Item 8 of Fourth Schedule namely withdrawal of any customary concession or privilege or change in usage. I am unable to accept this argument since no customary concession or privilege or change in usage have been violated so as to give a notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act. Further the condition give a notice under Section 9-A of the Industrial Disputes Act. Further the condition of service having not been altered by the respondent-Management the question of giving notice of change by the respondent does not at all arise. However, it is contended by the learned counsel for the Respondent that 9-A will not be applicable for the persons to whom the fundamental and supplementary rules are applicable. In this case, the fundamental rules are applicable

to the employees of the Respondent-Management. Hence the application of 9-A is also not attracted. Viewed from any angle, the Petitioner Union is not justified in demanding promotion to R. Meenakshi Sundaram, Store Keeper to the post of Head Clerk. Hence this point is found against the Petitioner.

11. Point (i) : The Petitioner is not entitled to any relief.

12. Point (ii) : In the result the claim is rejected and an award is passed accordingly. No cost.

Dated, this 5th day of April 1989

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. L-44012/3/84-D.IV(A)/D.III(B)]

WITNESSES EXAMINED

For Both Sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For workman :

Ex. W-1/31-12-68—Copy of Gazette Notification (Posts) No. 3-PE(14)/68.

W-2/15-9-70—Copy of Promotion Order of Thiru R. Meenakshi Sundaram, Lower Division Clerk to the post of Store Keeper.

W-3/30-4-75—Confirmation Order in the Post of Lower Division Clerk (copy).

W-4/19-4-76—Confirmation order in the post of Store Keeper (copy).

W-5/19-4-76—Extract from the Major Port Trusts Act, 1963 (Section 29-F and Section 126).

For Management : Nil.

सा. प्र. 1069:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैथुरा गोयनका प्रखर कम्पनी, बरगंदा, जिला गिरिडीह के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, सं. 2 धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-89 के प्राण हुआ था।

S.O. 1069.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Goenka Mica Company, Barganda, Distt. Giridih and their workmen which was received by the Central Government on the 7-4-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT

DHANBAD

PRESENT

Shri I. N. Saha, Presiding Officer,
REFERENCE NO. 14 OF 1987

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Goenka Mica Company, At Barganda, Distt. Giridih and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri D. K. Verma, Advocate.

On behalf of the employers : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Mica

Dated, the 3rd April, 1989

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-28012/1/86-D. III(B) dated the 12th December, 1986.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Dharbey Mica Mine of M/s. Goenka Mica Company, At Barganda, P.O. & Distt. Giridih in terminating the services of Shri Mathura Prasad Poddar, Clerk without notice and retrenchment compensation after closure of the Mine is legal and justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

The case of the concerned workman Shri Mathura Prasad Poddar is that he was working as Clerk at Dharbey Mica Mine of M/s. Goenka Mica Company with effect from 12-11-73. The management terminated his services illegally with effect from 2-6-84 without any notice or notice pay or retrenchment compensation. The concerned workman informed the LEO(C) regarding his illegal termination and also protested before the management. In spite of his protest against illegal termination of his services the management neither took him back on the job nor paid him any notice pay, retrenchment compensation, bonus, gratuity and other dues. At first he filed a case before the Labour Court, Bokaro Steel City for payment of his dues under the minimum wages Act on wrong advice and hence his case was dismissed. Subsequently he raised an industrial dispute against the termination of his services before the ALC(C), Dhanbad. The management filed their

comment before the ALC(C), Hazaribagh taking various inconsistent pleas. The management pleaded before the ALC(C) that the mine was suffering from closure with effect from 1-5-84. The management further stated that the concerned workman did not turn up even after closure. The management threatened to take disciplinary action against him. It was stated that the concerned workman did not join his services from 2-6-84. The conciliation proceeding started by the ALC(C) failed and thereafter the present reference was made to this Tribunal for adjudication. It is not a fact that the mine was suffering from closure. In fact the mine was still working. Even if the mine was suffering from closure it was not bonafide. The action of the management in not terminating the services of the concerned workman without notice and retrenchment compensation was illegal and unjustified. On the above facts it was prayed that it may be held that the termination of the services of the concerned workman is not legal and justified and the management be directed to reinstate the concerned workman with full back wages and other benefits available to him. In the alternative it is prayed that the concerned workman is entitled to notice pay and full retrenchment compensation as payable under Section 25F of the I.D. Act.

The management of M/s. Goenka Mica Co. Giridih did not appear and file any W.S. A petition was filed on behalf of the concerned workman that in Arbitration Case No. 66/85 pending before the Sub-Judge, Giridih Shri G. B. Raghavan has been appointed as Receiver to look after the management of M/s. Goenka Mica Co. and he should be impleaded in the case. Accordingly notice was sent to the Receiver to Shri G. B. Raghavan who appeared before this Tribunal. On 24-6-83 Shri Wasi Ahmed authorised representative appeared on behalf of Shri G. B. Raghavan, Receiver, Goenka Mica Company and filed a petition for adjournment of the case. The case was adjourned to 18-7-88 but no one appeared on behalf of the Receiver on 18-7-88. Thereafter 2 adjournments were given and again a notice was issued on 6-1-89 but in spite of the notice there was no appearance on behalf of the Receiver, and then after adjournment the case was fixed for hearing *ex parte*. The case was heard *ex parte* on 28-2-89.

The point for decision is whether the termination of the services of the concerned workman without notice and retrenchment compensation after closure of the mine was legal and justified. The concerned workman examined himself as WW-1 and his documents are marked Ext. W-1 to W-4.

Ext. W-3 and W-4 are the ordersheets of Arbitration case No. 66/85 of the Court of Sub-Judge, Giridih to show that Shri G. B. Raghavan was appointed as the Receiver of Goenka Mica Mine.

Ext. W-1 dated 12-11-73 is the letter of appointment of the concerned workman which also gives the term of his appointment. Ext. W-2 is the comment of Shri Nandlal Churiwala, Partner of Goenka Mica Company filed before the ALC(C) Hazaribagh in the conciliation proceeding. It will appear from the comment of the management that the concerned workman had been appointed in Dharbey Mine

since 11-12-73. The concerned workman WW-1 has stated that he was working as a Clerk in Dharbey Mica Mine of M/s. Goenka Mica Company. He has proved the appointment letter Ext. W-1. He has further stated that since June, 1975, the management stopped him from work and that the management did not issue any notice to him stopping his work. He has further stated that the management did not give him any retrenchment compensation at the time of stoppage of his work. He has stated that Dharbey Mica Mine is still working and it is under the management of Shri G. B. Raghavan, Receiver, appointed by the Court for Goenka Mica Company, Giridih. The concerned workman has denied that Dharbey Mica Mine was under closure and has stated positively that the said mine is still working and presently it is under the management of the Receiver. It is nowhere stated in Ext. W-2 that Dharbey Mica Mine was in lawful closure rather it is stated that it was suffering from closure. The fact that the Receiver has been appointed to run the mine shows that the mine was not under closure. There is no assertion by the management in Ext. W-2 that the concerned workman had been given notice or any compensation as is required under Section 25(0)(7) of the I.D. Act. Section 25(0)(7) provides that where an undertaking is approved or permitted to be closed down under sub-section 1 or sub-section 4 of Section 25(0), every workman in the said undertaking who has been in continuous service for not less than one year in that undertaking immediately before the date of application of permission under this section shall be entitled to notice and compensation as specified in Section 25(N) as if the said workmen had been retrenched under that Section. Even if the mine was approved to be closed down the management was bound to give notice and compensation as specified in Section 25(N) of the I.D. Act to the concerned workman. The concerned workman WW-1 has stated that he neither received any notice nor compensation provided to retrenched workmen. It is evident therefore that the concerned workman had not been given any notice or any compensation before stopping/terminating his services by the management. WW-1 has stated that since June, 1984 the management stopped him from work. As no notice pay and compensation as required under Section 25(0)(7) of the I.D. Act was paid to the concerned workman his termination or stoppage of work was illegal and unjustified. The provision of Section 25(0)(7) of the I.D. Act regarding compensation notice, has been brought at par with the provision of Section 25N of the I.D. Act and as no notice and compensation was paid to the concerned workman as required under the law, his termination of services was illegal and it will be deemed that the concerned workman continued in service of the management. Accordingly the concerned workman is reinstated in his job with effect from 2-6-84 with all back wages.

In the result, I hold that the action of the management of Dharbey Mica Mine of M/s. Goenka Mica Co. Giridih in terminating the services of the concerned workman Shri Mathura Pd. Poddar clerk without notice and retrenchment compensation is illegal and unjustified. The management is directed to reinstate the concerned workman and to

pay all back dues from the date of termination of service within one month from the date of publication of the Award.

Sd/-

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-28012/1/86-D-III(B)]

का. आ. १०७०—आयोगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की धारा १७ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रबन्धकता में सम्बद्ध नियोक्ता और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुवध में निम्नलिखित आयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आयोगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का ७-४-८९ प्राप्त हुआ था।

S.O. 1070.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-4-89.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 114 of 1988

PARTIES :

Employer in relation to the management of Calcutta Port Trust.

AND

Their workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Sukumar Chakravarty.....
Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of employer.—Mr. P. Roy, Industrial Relation Officer.

On behalf of workmen.—Mr. N. Dasgupta, General Secretary of the Union.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Port

AWARD

By Order No. L-32011/8/86-D-IV(A) dated 18-8-87 the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Calcutta Port Trust in denying the claim of Shri Ramsurath Ray, Acting Oiler, for promotion to the post of B.T.T. Crane Driver in the Millwright Shop under Ship Repair Complex Department is justified ? IF NOT to what relief is Shri Ramsurath Ray entitled?”.

2. The case in brief as made out in the written statement of the Union sponsoring the cause of the workman concerned, Shri Ramsurath Ray is as follows : In response to the employer, Calcutta Port Trust's (C.P.T.) circular for filling-up the

post of B.T.T. Over-head Crane Driver on promotion, Ramsurath Ray the concerned workman being the senior-most incumbent of the Unskilled Labour (U.S.L.) in the Class—IV category applied for the same. The post of B.T.T. Overhead Crane Driver is the Class—III post. Pending disposal of the concerned workman's aforesaid application, he was allowed to act as Oiler (Semi-skilled post) attached to B.T.T. Crane Driver. The management of C.P.T. did not call the concerned workman for the test in respect of the post of B.T.T. Crane Driver. The C.P.T. however held the test of other applicants and promoted illegally one Mohammad Sultan who was junior to the concerned workman in the post of unskilled labour. The employer—C.P.T. did not inform the concerned workman why his application for the post of B.T.T. Crane Driver on promotion was not considered and why he was not called for the test for the above post.

3. After the promotion of Mohammad Sultan the concerned workman however came to learn that his application for the post of B.T.T. Crane Driver was not considered and he was not called for the test as he was holding the post of Oiler on promotion at the relevant time. According to the concerned workman, he was holding the post of Oiler on promotion on temporary basis and accordingly his substantive post was the post of Unskilled Labour, which was the feeder post to the promoted post of B.T.T. Crane Driver. It was the further case of the workman concerned that previously the employer—C.P.T. promoted one Kaladhar Jha to the post of D.T.T. Crane Driver from the post of Oiler in 1970. The employer—C.P.T. accordingly was not justified in denying the claim of the concerned workman for the post of B.T.T. Crane Driver on promotion. The concerned workman approached the employer—C.P.T. for due consideration of his claim but to no effect. The dispute then raised by the concerned workman was taken-up by the Union and the Union's efforts also ended in failure. An attempt for conciliation was made and the failure report of the Conciliation Officer resulted in the present reference.

4. The case in brief as made out by the employer C.P.T. in their written statement is as follows: In Millwright Shop under the C.P.T. there are seven posts of B.T.T. Overhead Crane Driver and fifteen posts of O.T.T. Overhead Crane Driver. On 1-6-1984 a circular was issued inviting application from the Semi-skilled Labourers (R.S.Ks.) and Unskilled Labourers (U.S.Ls.) of all the eleven shops under the C.P.T. for filling-up three posts of B.T.T. Overhead Crane Driver. The concerned workman, an U.S.L. applied for one of the said posts. The said vacancies however could not be filled-up at the relevant time due to industrial disputes. In the meantime a post of Oiler fell vacant and for filling-up the said post a circular was issued on 29-10-1984 inviting the applications for the said post. The concerned workman applied for the said post on 1-11-1984 and he was promoted to the said post after holding a test. After protracted joint discussion it was possible to persuade the Union to drop the disputes and to take necessary action for filling-up the posts of Overhead Crane

Drivers. A trade test was held for the purpose and three persons including Md. Sultan were promoted to the posts of B.T.T. Overhead Crane Driver with effect from different dates. The concerned workman however was not called for the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver as he was holding then the post of the Oiler, which was not the feeder post for promotion to the post of B.T.T. Overhead Crane Drivers. The concerned workman holding the post of Oiler which was the post of Semi-skilled Labour had no right to be called for the test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. The employer—C.P.T. accordingly did not do any injustice in not considering the claim of the concerned workman while filling-up the posts of B.T.T. Overhead Crane Drivers.

5. Both sides have adduced evidence, both oral and documentary in support of their respective statements. It is an undisputed fact that the concerned workman was holding the post of the Unskilled Labour which was admittedly the feeder post to the post of B.T.T. Crane Driver on promotion. There is no dispute to the fact also that in pursuance of the employer—C.P.T.'s circular dated 1-6-1984 inviting application from U.S.L. and R.S.K. (Ext. N-1) for filling-up the posts of B.T.T. Overhead Crane Driver. The concerned workman also applied for one of such posts and that the concerned workman was Unskilled Labour when he made such application for the aforesaid post. It is also an undisputed fact that in response to the C.P.T.'s circular dated 30-10-1984 Ext. M-2 inviting application from the Unskilled Labourers for filling-up the post of Oiler, the concerned workman applied for the same and appeared for the purpose and was promoted to the said post of Oiler after qualifying for the said post before the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver was held. It is also an undisputed fact that the concerned workman was not called for the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver which was held for the purpose. There is no dispute to the fact as well that as a result of the said trade test, three persons including Mohammad Sultan were promoted to the posts of B.T.T. Overhead Crane Driver and that Mohammad Sultan as an Unskilled Labour was junior to the concerned workman.

The pertinent question for decision here is whether the employer—C.P.T. was justified in denying the consideration of the application of the concerned workman for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. It has already been stated that the concerned workman was in the post of Unskilled Labour which was feeder post to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver on promotion when he applied for the same. According to the employer—C.P.T., the promotion of the concerned workman to the post of Oiler in the meantime has disqualified him for insisting on the consideration of his application for the post B.T.T. Overhead Crane Driver as the post of Oiler was not the feeder post to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. The concerned workman has however in his evidence as WW-1 has stated that one Kaladher Jha was promoted to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver from the post of Oiler in 1970. This particular fact has also been admitted by MW-1 Ratan

Gangopadhyay a Junior Executive Engineer (Mechanical) in C.P.T.

6. In this particular reference I am not required to settle any dispute whether the post of Oiler can be the feeder post to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver on promotion. I am however required to see whether the employer—C.P.T. has been justified in not considering the application of the concerned workman for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver when it is an admitted fact that the concerned workman as an Unskilled Labour made the said application in response to the employer—C.P.T.'s circular dated 1-6-1984 inviting application from the Unskilled Labourers for filling-up the post of B.T.T. Overhead Crane Driver.

7. The management's witness MW-1 has clearly stated in his evidence that the workman concerned was not called for the test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver because in the mean time he was holding the another promoted post of Oiler. It is also an undisputed fact that the post of Oiler is inferior to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. It may be mentioned here that the management of C.P.T. did not inform the concerned workman that his application for the post of Oiler his selection for such post pending disposal of the application for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver would disqualify him to be called for the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. The concerned workman (WW-1) has stated in his evidence that he was not informed by the management that his candidature for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver would not be considered as he has been promoted to the post of Oiler in the mean time. The relevant circular for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver Ext. M-1 also does not indicate that the application of any Unskilled Labour if filled for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver, would not be considered if he is promoted to any other post in the meantime. I have given due consideration to all the facts and circumstances in the present case and the materials in the record. I do not find any justification in the C.P.T.'s action in not taking into consideration the concerned workman's application for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver.

8. The concerned workman has taken-up the definite plea in the written statement that he was not made permanent in the post of Oiler while the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver was held and the said post was filled up. The workman (WW-1) has stated so in his deposition. Ratan Gangopadhyay (MW-1) has however stated in his evidence that the concerned workman was promoted to the permanent post of Oiler in the end of 1984 before the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver was held. He has however given a rejoinder to his such statement by saying that so far as he recollects the post of Oiler held by the workman concerned was permanent. In the concluding part of his cross-examination this witness has however admitted that he is not connected with the Establishment Section which maintains the service sheet of the workmen including the workman concerned. The service sheet Ext. W-13 of the concerned workman

however does not show that the concerned workman was holding the permanent post of Oiler in 1986 when the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver was held. If it is found that the concerned was not made permanent in the post of Oiler at the time when the trade test for the B.T.T. Overhead Crane Driver was held, then it goes without any saving that he was holding the substantive post of Unskilled Labour till then. Even if it be assumed for the shake of argument that the concerned workman was holding the permanent post of Oiler at the time when the trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver was held, then also the employer—C.P.T. was not justified in not calling for the workman concerned in trade test for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver on the basis of his application. The employer C.P.T. could not show any rule or any order made by it to the effect that the promotion of the concerned workman to the post of Oiler which is admittedly inferior to the post of B.T.T. Overhead Crane Driver, pending consideration of his application for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver, would debar the employer from considering his application for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver.

9. In view of what has been discussed above and regard being had to the materials in the record I find that the employer—C.P.T. has not been justified in denying the consideration of the application of the concerned workman filed in 1984 for the post of B.T.T. Overhead Crane Driver. The concerned workman is entitled to get his such application duly considered by the employer—C.P.T. in connection with the existing or future vacancy for the post of B.T.T. Crane Driver. The employer—C.P.T. is directed, to act accordingly and take follow-up action and if the concerned workman qualifies in the test held for the purpose and is found suitable, he may be promoted to the post of B.T.T. Crane Driver according to the rules against the existing or future vacancy.

This is my Award.

Dated, Calcutta,

The 27th March, 1989.

SUKUMAR CHAKRAVARTY, Presiding Officer

[No. L-32011|8|86-D.IV(A)|D.III(B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1989

का.आ. 1071:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक, तमिलनाडु, मद्रास के प्राबन्धन के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7 अप्रैल, 1989 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st April, 1989

S.O. 1071.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the

management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 7th April, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

Tuesday, the 4th day of April, 1989.

Industrial Dispute No. 87 of 1987

FOR

(In the matter of dispute for adjudication under Section 10(1)(J) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of State Bank of India, Orthanad, Thanjavur Dist.)

BETWEEN

Thiru R. Ramaswamy, Watchman, State Bank of India, Orthanad, Thanjavur District (Tamil Nadu).

AND

The Branch Manager, State Bank of India, Orthanad, District Thanjavur (Tamil Nadu).

Reference : Order No. L-12012|471|86-D. II(A), dt. 8-1987 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 22nd day of March, 1989 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru B. Venugopal, Advocate appearing for the Workman and of Thiru R. Sreekrishnan, Advocate for the Management and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

This dispute between the workman and the Management of State Bank of India, Orthanad, arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. 12012|471|86-D. II(A) dated August, 1987 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

“Whether the action of the management of State Bank of India in relation to its Orthanad Branch, Tamil Nadu in denying employment or regular basis and terminating services of the workman Shri R. Ramaswamy with effect from 6-4-84 is justified? If not, to what relief the said workman is entitled?”

2. The claim petition averments are that the petitioner is a workman under the Respondent Management having been worked as watchman from the year 1962 at the Orathanadu Branch. He is an Ex. I.N.A. member and completed 19 years of service in the above branch. The Branch never put him in the

permanent service. While so a call for of interview on 14-12-82 at Madurai, he appeared for the interview and also produced the discharge certificate of I.N.A. He also sent school certificate for the proof of his age through the 1st Respondent. While so he was terminated from service in the month of April, 1984 without any valid reasons. Then he moved the Labour Commissioner, who referred the matter to this Tribunal.

3. The Respondent in its counter statement states, the Petitioner is not entitled to reinstatement and the dispute referred to is vexatious one. The Petitioner has no locus standi to maintain the dispute. The Petitioner was appointed at the Orthana Branch as substitute watchman during the period 23-2-1975 to 5-4-1984 for 2395 days. The Petitioner was not engaged by the bank for 240 days during any period of any calendar month. In spite of it he was considered for permanent appointment and was interviewed on 25-12-1982. The Petitioner could not produce any documentary evidence in support of his age other than the discharge certificate from I.N.A. in 1942. The committee felt the absence of production of age certificate that he should be over 18 years in 1942 and at the time of interview he would complete his 60 years and therefore no employment was offered to the Petitioner after 5-4-84. Hence the non-employment after 6-4-84 was just and proper. The Petitioner since discharged from I.N.A. from 1942 he would have born in the year 1924 and reached the age of superannuation in 1982 (58 years) and he was 60 years in 1984. Hence the claim should be rejected.

4. The point for determination is whether the termination of the Petitioner from service is legal and proper? If so to what relief the petitioner is entitled to?

5. By consent W-1 to W-4 and M-1 to M-6 were marked on behalf of the Petitioner and Management respectively. No oral evidence was adduced on the either side.

6. The facts in this case that the petitioner was employed as substitute watchman till 5-4-1984 has not been questioned. The Petitioner seeks to make out a case on the basis he having served in Indian National Army and was employed in the Management since 1962 he should have been absorbed regularly. But against his conversion, the respondent would contend that he was a substitute watchman from 23-2-1965 to 5-4-1984 and further he was since over aged beyond 58 years he was not considered for regular employment. In this connection, the Petitioner would contend that the School Certificate was given by him to the 1st Respondent. There was nothing to indicate on record whether he had actually given the School Certificate to the 1st Respondent. Any way, the Petitioner ought to have produced the material before the interview committee or atleast now before this Tribunal to substantiate his version that he was below 58 years on the date of interview and therefore he should not have been terminated on account of age. The Petitioner except contending that he was illegally terminated, no documentary evidence was led in to show that he was below 58 years. It may be even according to the Respondent that he might have worked from 23-2-1965 to 5-4-1984 and

that the plea of the respondent that he has not worked for 240 days during any period of calendar months. It is the case of the Respondent that the petitioner has not proved his age. Therefore the Petitioner cannot have grievances against the respondent for his fault. He should have produced some tangible evidence before the committee or atleast now before this Tribunal. Regarding age the demand could have been considered on the basis of materials. In the absence of the same it cannot be contended the termination of service is not justified.

7. For all these reasons it is found the termination of service of the Petitioner is justified.

8. In the result the claim is rejected and an award is passed accordingly.

Dated, this 4th day of April, 1989.

THIRU K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. L-12012/471/86-D. II(A)/D. III(A)]

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1/11-4-84.—Representation by the Petitioner—Workman to the Management—Bank for service benefit.

Ex. W-2/15-3-85.—Petition u/s 2(A) of the I.D. Act by Petitioner Workman to the Labour Officer (Central) Madras.

Ex. W-3.—Petition filed by the Petitioner—workman in No. M7(18)/86-D3, dt. 26-6-86 before the Assistant Labour Commissioner, Madras.

Ex. W-4.—Petition filed by the Petitioner—workman in No. M7(18)/86-D3, dt. 11-8-86 before the Honourable Minister for Labour, Government of India, New Delhi.

For Management :

Ex. M-1/17-10-75.—Letter from Branch Manager of the Management Bank to the Workman Thiru R. Ramaswamy (Xerox copy).

Ex. M-2/20-11-82.—Letter from Branch Manager of the Management Bank to the Workman Thiru R. Ramaswamy (Xerox copy).

Ex. M-3/17-11-83.—Letter from the workman to the President of India (Xerox copy).

Ex. M-4/16-8-86.—Petition u/s 2(a) of the I.D. Act filed by the Workman before the Regional Labour Commissioner, Madras (Xerox copy).

Ex. M-5/18-8-86.—Written comments from the Branch Manager of the Management Bank to the Assistant Labour Commissioner (Central) Madras (Xerox copy).

Ex. M-6(17-10-86.—Conciliation Failure Report
(Xerox copy).

का था 1872—आयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धन के सबसे नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित आयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार आयोगिक अधिनियम, मद्रास के पंचाट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 10 अप्रैल, 1989 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1072.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th April, 1989.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

Wednesday, the 5th day of April, 1989
Industrial Dispute No. 134/1987

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the Management of State Bank of India, Madras-1.

BETWEEN

The workmen represented by:—

The General Secretary,
State Bank Employees Union
157, Angappa Naicken Street,
P.B. No. 1548, Madras-1.

AND

The Chief Regional Manager
State Bank of India,
Region Office V.
43, Moore Street, P.B. No. 1025.
Parry House,
Madras-600 001.

REFERENCE :

Order No. L. 12012/58/87-D.II(A), dated.....
of the Ministry of Labour, Government of
India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Wednesday, the 22nd day of March, 1989 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru V. S. Balasubrahmaniam, Authorised Representative appearing for the workmen and of Thiru G. S. M. Sridhar for Tvl. R. Sreekrishnan, S. Krishnamurthy, G. S. M. Sridhar and B. Raghavulu Naidu, Advocates for the Management and this dispute having stood over till this

day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of State Bank of India, Madras arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12012/58/87-D.II(A) dated of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of State Bank of India in relation to their Triplicane Branch, Madras in denying full time scale of wages to Smt. T. Alamelu, part-time sweeper-cum-waterman with effect from 7-1-1985 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. The Petition averments are that the employee Smt. T. Alamelu was appointed as sweeper-cum-water woman at Triplicane Branch of the Respondent Bank with effect from 1-10-1966 with wages of Rs. 54/- per month on consolidated basis. The hours of work stipulated from 6 A.M. to 8 A.M. on week days and from 7 A.M. to 8 A.M. on Saturdays and total hours not to exceed 13 hours a week. The wages were paid to the employee on the basis of hours of work as per the provisions of Circular Instructions issued by the Respondent Bank. The Petitioner was advised in writing about the re-designation as part time sweeper-cum-water woman in the same branch from 17-8-1979. The Respondent Bank further advised the petitioner about her eligibility for 34th wages in the revised hours of work in the week days 6.00 A.M. to 9.00 A.M. and 12.30 P.M. to 2.30 P.M. and on Saturday 6.00 A.M. to 9.00 A.M. and on Saturdays afternoon 12.30 P.M. to 1.30 P.M. The total hours of work 29 hours per week. While so the Triplicane Branch was expanded by occupying the ground floor of the premises also in addition to the first and second floors. The said Alamelu represented to the superiors for overtime employment and full wages consequent upon the increase in the volume of her work performed involving more than 29 hours per week. Based on the representation of the employee and taking into account other factors, connected to the area to be cleaned and swept daily, the Branch Manager recommended that the employee asked to work beyond the present stipulated working hours, due to increasing work load in the area, to refix the working hours and absorb her as full time sweeper-cum-water woman with effect from 2-1-1985. The increased working hours as recommended by the Branch Manager came to 39-1/2 hours per week. He also recommended that the employee to perform the duty at a revised schedule in anticipation of the approval and asked the Management to confirm his action. The Regional Manager taking into consideration of the recommendation of the Branch Manager did not accede to the request and stated taking into account the carpet area of the branch premises and the existing staff strength does not exist a case for the conversion of the part time sweeper-cum-water woman to full time for the present. Thereupon, the dispute was raised. The recommendation of the Branch Manager are based on reality and actual happening of the Branch with

regard to the increase of working load as well as in the working hours warranting full wages to the employee. Having extracted of work for 39-1/2 hours per week with effect from 2-1-1985 is unfair on the part of the Manager, the denial of the full wages as well as full time employment. Hence this petition.

3. The respondent in its counter statement states the Petitioner—Union is not competent to raise the dispute as a substantial body of the workmen of the Respondent—Bank have not resolved to raise the dispute and have authorised the Petitioner—Union to so raise. The working hours of the Petitioner was raised on 1-3-1973 for 13 hours and 19 hours and later 29 hours with effect from 27-9-1979 and she was paid 1/2 and 3/4 the scale wages for the respective years. No written orders were given to the employee extending her service beyond 29 hours per week nor has given any letter changing of working hours from 29 hours to 39-1/2 hours per week. The employee has been informed in writing that her full time employment had not been considered since there is no increase of volume of work. The Union cannot claim as a matter of right for appointment on full time basis when there is no need for the branch to appoint full time sweeper. The Respondent had no right to produce the letter written by the Branch Manager the controlling authority. There is no binding legal duty cast on the Respondent Bank to convert to the full time employee where she performed work in excess of 29 hours during any period the employee's redressal lies only in claiming full time wages for having performed work beyond 29 hours or overtime wages as the case may be and cannot claim full time employees status. Hence the claim may be rejected.

4. The point for determination is whether the demand of the employee Smt. T. Alamelu, Triplicane Branch, Madras, claiming full time scale wages and denial of the same by the Respondent Bank is justified? If so, to what relief.

5. W-1 to W-4 were marked by consent. No oral evidence was adduced on either side.

6. W-1 is the copy of the Respondent—Bank's letter appointing the employee Smt. T. Alamelu as a Sweeper-cum-Water woman on consolidated wage of Rs. 54/- for the fixed hours of work. W-2 is the dispute raised by the Employees Union, claiming full time wages for the said Alamelu from 2-1-1985 and also full time employment. W-3 is the reply by the Respondent Bank to Labour Commissioner denying the claim of the employees Union. W-4 is the conciliation failure report submitted by the Assistant Labour Commissioner (Central) to Government.

7. The claim of Petitioner Union mainly depended on the recommendation of the Branch Manager to absorb her as a full time servant and also revise the working hours from 29 hours to 39-1/2 hours per week. The letter though has not been marked before this Tribunal, the contents have been reproduced in the claim petition and had not been denied by the Respondent—Bank. It is seen from the extract the Branch Manager had made out a case for the demand of the employee while recommending

the representation to his controlling authority. It is seen that the bank has taken additional area comprising 1701 Sq. Ft. of the ground floor of the same premises. Next stating, the employee should work more by way of sweeping the carpet area of the branch premises, the Manager states further in anticipation of approval has allowed her to work for 39-1/2 hours instead of 29 hours so as to come in with the provisions of full time sweeper. This recommendation has been rejected by the Regional Manager for the reasons (1) that on the ground that the carpet area of the Branch as well as the existing strength of the staff in that branch does not warrant the conversion of the part time sweeper-cum-water woman post to full time for the present. This rejection by the Regional Manager according to the Petitioner's Union, is unjust and the respondent is adopting unfair labour practice on the employee. On the other hand, the learned counsel of the respondent would straight away contend firstly, that the Union has not let in any evidence to prove the employee has worked 39-1/2 hours per week by producing documentary evidence namely the Register of attendance available in the branch. Of course, the Branch Manager has written that she works for 39-1/2 hours per week. But however, according to the Respondent Bank, the administration direction could not be binding on the management even assuming that is true. Both sides have not produced before this Tribunal the necessary criteria for conversion of part time sweeper-cum-water woman to full time, where it depends on the basis of the carpet area or the hours of work. In short there is nothing to show the policy adopted in such a case. The request has not been accepted in spite of the recommendations of the Branch Manager. It is not known how the petitioner union can insist or compel the Management to absorb her as a full time employee. The Union has also not pointed out any rule or bi-partite settlements that when the employee works more than 39-1/2 hours per week, the employee is entitled to absorb as a full time employee. In other words the Union has not made out the case when especially the Regional Manager states that this does not exist at present for conversion to post as from part time sweeper-cum-water woman to full time. In the absence of any justification made out, it is idle to contend for simple reasons because the Branch Manager allowed to work for 39-1/2 hours per week and also recommended the case to the Regional Manager to accept the same and implement it. It is also not found out by the Petitioner—Union that similar corresponding Branch or Office of the Respondent—Bank having same carpet area has employee as full time sweeper-cum-water woman.

8. However it is seen from the recommendation of the Branch Manager that she has been made to work for 39-1/2 hours per week and for no fault on her part she had not been paid the full time wages or overtime wages which she is entitled to. For these reasons, the Respondent Bank is justified in denying the full time scale wages.

9. In the result the claim is rejected and an award is passed accordingly.

Dated, this 5th day of April, 1989.

THIRU K. NATARAJAN, Presiding Officer
[No. L-12012/58/87-D.II(A)|IR.B.III]
P. V. SREEDHARAN, Desk Officer

WITNESS EXAMINED

For Both Sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1/26-10-1966.—Letter from the Respondent—Bank to the Petitioner—workman Smt. T. Alamelu appointing her as part time Sweeper. (copy).

W-2/18-1-1986.—Industrial Dispute raised by the Petitioner—Union (copy).

W-3/7-8-1986.—Reply statement of the Respondent—Bank to the Asstt. Labour Commissioner (Central) Madras-6. (copy).

W-4/13-2-1987.—Conciliation Failure report (copy).

For Management : Nil.

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1989

का. अ. 1073—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार राजस्थान परमाणु पावर स्टेशन, रावतभाटा के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अविश्लेषण, कोटा (राज.) के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-4-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st April, 1989

S.O. 1073.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Kota (Rajasthan) as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajasthan Atomic Power Station, Rawatbhata and their workmen, which was received by the Central Government on the 11-4-1989.

ANNEXURE

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण, कोटा/राज.

निर्देश प्रकरण क्रमांक : औ.न्या.रे. (केन्द्रीय)-2 मत् 1987

दिनांक स्थापित : 3-12-87 II

प्रसंग : भारत सरकार, अम संत्रालय के आदेश क्रमांक

एन-42012/188/86-डी.-2 (बी) दि. 20-10-87

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

मंचिव, राजस्थान अणुशक्ति कर्मचारी संघ, रावतभाटा।

—प्रार्थी युनियन

एवं

मुख्य अधीक्षक, राजस्थान एटोमिक पावर स्टेशन, अणुशक्ति, रावतभाटा

—प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थिति

श्री बन्हेयालाल व्यास,

धार.एच.जे.एस.

प्रार्थी युनियन की ओर से :—

कोई उपस्थित नहीं

प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से :—

कोई उपस्थित नहीं

अधिनियम दिनांक : 2 मितम्बर, 1988

अधिनियम

भारत सरकार, अम संत्रालय द्वारा निम्न निर्देश औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 (1) (घ) एवं उपधारा (2क) के अन्तर्गत इस न्यायाधिकरण को अधिनियमार्थ सम्प्रेषित किया गया है :—

“Whether the action of the management of R.A.P.S. for not confirming Shri Man Singh, tradesman “O” in R.A.P.S. is justified? If not, to what relief the workman is entitled to:—”

2 निर्देश के न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर दोनों पक्षों की सूचना मिलवाई गयी, परन्तु दिनांक 10-2-88 की पेशी की सूचना दोनों पक्षों को प्राप्त होने के बाद के आज तक इस न्यायाधिकरण में न तो उपस्थित हुए और न ही उनकी ओर से कोई क्लेम अथवा जवाब प्रस्तुत किया गया। पक्षकारों की हुई सूचना की पुष्टि हेतु ए.डी. रसीद पताबली में शामिल है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि पक्षकारों को इस प्रकरण में कोई रूचि नहीं है और ऐसी स्थिति में इस प्रकरण में “विवाद रहित अधिनियम” लागू किया जाता है।

इस अधिनियम को भारत सरकार, अम संत्रालय को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जावे।

श्री बन्हेयालाल व्यास,

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण,

[नं एन-12012/186/86-डी-III (बी)]

का.अ. 1074.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उत्तर रेलवे लखनऊ के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अविश्लेषण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-89 प्राप्त हुआ था।

S.O. 1074.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Northern Railway, Lucknow and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-4-89.

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

I. D. No. 28 of 1989

In the matter of dispute between :

Divisional Secretary, Uttar Railway Karamchhari
Union 96/196 Roshan Bajaj Lane Ganesh
Ganj Lucknow.

AND

The D.R.M. Northern Railway Hazaratganj
Lucknow.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification no. L-41012/38/87 D-II(B) dated 17th January 1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the D.M.O. Northern Railway, Lucknow was justified in placing Smt. O. R. Lartius as Junior to Smt. Leela Verma also declining the promotion as Matron Gr. III to Smt. Lartius w.e.f. 1-1-84. If not, to what relief the workman was entitled?"

2. In the present case the first date for filing claim statement was 24-2-89, by the workman but on 24-2-89 none appeared from the side of the workman to file statement of claim. However, the case was again fixed for 10-3-89 at Camp Lucknow, but on that date too none appeared from the side of the workman to file the statement of claim, Shri Ravi Jauhari, authorised representative for the management appeared Later Shri B. D. Tiwari, on behalf of the Union appeared and submitted before the Tribunal that he did not represent the union in the present case.

3. Thus in the circumstances, of the case it appears that neither the workman nor Union is interested in contesting the case. As such a no claim award is being given in the case against the workman.

4. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-41012/30/87-D.II(B) (Pt.)]

का.प्र. 1075:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीनियर सुपरिन्टेन्डेंट आफ पोस्ट आफिस, इलाहाबाद के प्रबंधसमूह में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-89 प्राप्त हो हुआ था।

S.O. 1075.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sr. Supdt. of Post Office, Allahabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-4-89.

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Industrial Dispute No. 89 of 1988

In the matter of dispute between :

The Divisional Secretary All India Postal Employees Union Class III & EDA at Head Post Office Allahabad.

AND

The Sr. Supdt. of Post Office Allahabad

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its notification no. L-40012/22/86-D. II(B) dated 25th March, 1988, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the Sr. Supdt. of Post Office Allahabad in re-suspending Shri Ram Bhatt Postal Assistant, Allahabad Head Post Office vide his orders dated 4-4-86 is legal and justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?

2. The present case was fixed on 31-3-89 for cross of the workman. On the date fixed Shri S. P. Kapoor authorised representative for the management was present but none appeared in the case from the side of the workman despite repeated calls till 12.55 p.m.

3. In the circumstances, it appears that the workman is not interested in contesting the case and as such a no claim award is being given in the case against the workman.

4. Reference is answered accordingly

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-40012/22/86-D.II (B)]

का. प्र. 1076.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट, नागपुर के प्रबंधसमूह में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद से औद्योगिक अधिकरण, मद्रास को पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1076.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Environmental Engineering Research Inst., Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on 13-4-89.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU
MADRAS

Wednesday, the 22nd day of March, 1989
Industrial Dispute No. 60 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

between the workmen and the Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur).

BETWEEN :

Thiru P. T. Sambandam,
G-8, Engineering College Quarters,
Kottur, Madras-600085;

AND

The Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nehru Marg,
Nagpur-440020.

REFERENCE :

Order No. L-42012(51)/84-D.II(B), dt. 19-9-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 9th day of March, 1989 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvallargal S. Senthilnathan and R. Santhanakrishnan Advocates appearing for the workman and Thiru V. Suresham, Advocate for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L. 42012(51)/84-D.II(B), dated 19-9-1985 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of the National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur in terminating the services of Shri P.T. Sambandam, Meter Reader, National Environmental Engineering Research Institute (Madras Zonal Laboratory) Madras with effect from 18-4-1983 is legal? If not, to what relief the workman is entitled to?"

The averments in the claim-statement are that the Petitioner Thiru P. T. Sambandam joined the Respondent-Establishment as a Meter Reader on 19-1-1978. He was discharging his duties diligently. When he reported for duty on 18-4-1983 he was informed by the Respondent orally that his services were no longer required. Then the Petitioner wrote a letter dated 19-4-1983 requesting to reinstate him in service, but no reply was sent to that letter though it was acknowledged. Hence the dispute was raised by the Petitioner under Section 2-A of the Industrial Disputes Act. The Conciliation Proceedings ended in failure. The Petitioner has been terminated without following the principles of natural justice. He was not given any opportunity before terminating his services. The Respondent ought to have complied with Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Hence this claim for directing the Respondent to reinstate him with all benefits.

2. The Respondent in its counter statement states that the Respondent is not an 'industry' within the meaning of Industrial Disputes Act. It is purely a research and non-profit organisation, outside the purview of the Tribunal. The Respondent is not in legal person. It is a unit of the parent body, the Council of Scientific and Industrial Research, Rafi Marg, New Delhi-1 which alone can sue and be sued as a registered Society under the Societies Registration Act. The Petitioner was engaged on daily wage basis intermittently for which no offer of appointment letter was ever issued. He did not work for 1037 GI/89--18

240 or more days at any time since he was employed on daily basis. As he had never worked continuously for 240 days he is not entitled to any benefits under the Industrial Disputes Act. The Respondent-Institution being one of the Research Institutions the Petitioner has no statutory or contractual relief. The work was of a non-recurring nature and there was no commitment from the Respondent at any time to permanently absorb the Petitioner. The termination cannot be disputed as illegal or contrary to the Principles of natural justice. The Petitioner having engaged on daily basis intermittently without any qualifying service, there is no retrenchment and the Industrial Disputes Act does not apply. Hence the claim petition is liable to be dismissed.

3. POINT : The point for determination is whether this Tribunal has no jurisdiction?

4. The learned counsel for the Respondent contended firstly by virtue of provisions of Section 14 and 29 of the Administrative Tribunals Act, 1985, this Tribunal has no jurisdiction to entertain this reference. In this connection, a perusal of Section 14, 28 and 29 of the Administrative Tribunal Act, 1985 would enlighten the contention of the learned counsel for the Respondent. Section 14 relates to the jurisdiction, powers and authority of the Central Administrative Tribunal. It reads as follows :

"14. Jurisdiction, powers and authority of the Central Administrative Tribunal.—

(1) Save as otherwise expressly provided in this Act, the Central Administrative Tribunal shall exercise, on and from the appointed day, all the jurisdiction, powers and authority exercisable immediately before that day by all courts (except the Supreme Court) in relation to—

(a).....

(b) all service matters concerning—

(i) a member of any All-India Service; or

(ii) a person (not being a member of an All-India Service or a person referred to in clause (c) appointed to any civil service of the Union or any civil post under the Union; or

(iii) a civilian (not being a member of an All-India Service or a person referred to in clause (c) appointed to any defence services or a post connected with defence,

and pertaining to the service of such member, person or civilian, in connection with the affairs of the Union or of any State or of any local or other authority within the territory of India or of any corporation (or society) owned or controlled by the Government,

(c) all service matters pertaining to service in connection with the affairs of the Union concerning a person appointed to any service or post referred to in sub-clause (ii) or sub-clause (iii) of clause (b), being a person whose services have been placed by a state Government or any local or other authority or any Corporation (or society) or other body at the disposal of the Central Government for such appointment. (Explanation—For the removal of doubts, it is hereby declared that reference to 'Union' in this sub-section shall be construed as including references also to a Union territory).

(2) The Central Government may, by notification, apply with effect from such date as may be specified in the notification the provisions of sub-section (3) to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporation (or societies) owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation (or society) controlled or owned by a State Government.

Provided.....

(3)....."

The Respondent being a Research Institute forming part of the parent body namely the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi, a question arose whether the employees of the Institution would fall within the purview of Section 14(c) of the Administrative Tribunals Act, 1985. Section 14(c) of the Act refers to the service matters pertaining to service in connection with the persons whose services have been placed by a State Government or any local or other authority or any Corporation or society or other body, at the disposal of the Central Government for such appointment. The Respondent institute being a parent body of the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi registered under the Societies Act, the services of the persons of the Respondent-Management would fall under Section 14(c) of the Administrative Tribunals Act, 1985.

5. In this connection, the learned counsel for the Respondent referred to 1976-II-M.L.J. (Division Bench) page 43 (Karuppannan vs. Registrar of Trade Unions). It is seen from the above decision that the parent body Respondent-Management, namely, the Council of Scientific and Industrial Research and the Madras C.S.I.R. Employees and Workers Union, Madras is the Petitioner. The Secretary, The Council of Scientific and Research Employees and Workers Union, Madras filed a writ petition and writ appeal before the High Court, Madras praying for writ of mandamus directing the Second Respondent therein to re-consider the question of making a reference of the dispute pursuant to the order of the Secretary, Department of Labour and also relating to the dispute regarding non-employment of one Jesudosa. In the High Court before Division Bench a point was raised that the Institute is not an industry within the meaning of Section 2(i) of the Industrial Disputes Act and Trade Unions Act. The Division Bench of our High Court after elaborate discussion has upheld the legal plea raised by the Institute. That apart, the High Court has also found that the Madras Complex of the CSIR is a Union Agency set up for promotion of special Studies and Research and for co-ordination in Institutions for higher research and Scientific and Technical Institutions and the Complex uses its funds for expenditure from the fund of the CSIR, Para 8 and 9 of 1976-II-M.L.J. reads as follows :

"8. The Madras Complex, with which we are concerned of the CSIR is thus a Union Agency set up for promotion of special Studies and Research and for co-ordination in Institutions for higher research and Scientific and Technical Institutions. The Complex gets its funds for expenditure from the fund of the CSIR. The Appropriation Acts of 1971 to 1974 of the Union of India show that for the three years, 1971 to 1973 sums of Rs. 232,21,000, Rs. 4,12,22,000 and Rs. 4,03,91,000 were made over to the CSIR as grants from the Union of India.

9. The CSIR is thus financed by the Government of India....."

6. It is next relied on by the learned counsel for the Respondent on the decision reported in Lawyer at page 73. That is a case wherein the jurisdiction of the Central Administrative Tribunal constituted under Section 4(1) of the Act came into question. The Bench held at page 76 that 'no sooner than a matter is found to be covered by Section 14, the exclusion of jurisdiction of all courts except the Supreme Court, but including the High Court and of all authorities referred to in Section 28(a) and (b) of the Act, is total.' It further says "The Central Administrative Tribunal is not only vested with the jurisdiction to deal with matters which the authorities constituted under the Industrial Disputes Act could deal but also vested with the jurisdiction conferred on the High Court under Articles 226 and 227 of the Constitution." While referring to Section 29 of the Administrative Tribunals Act, 1985 it covers all proceedings before any Court or other Authority. The expression "Other Authority" must be read *ejusdem generis* with a word 'Court' Section 29 of the Act, when it refers to 'other authorities' seems to proceed on the footing that a 'court' is one of the authori-

ties. The authorities constituted under the Industrial Disputes Act are specified under Chapter-IV of the Act. Similar provisions are contained in other corresponding Acts envisaged by Section 28(b) of the Act. That authority may not have all the trappings of a court, but yet may be an authority vested with the jurisdiction to redress the grievances of the persons mentioned in Section 14 of the Act. Section 28 of the Administrative Tribunals Act says :—

"28. Exclusion of jurisdiction of courts except the Supreme Court under Article 136 of the Constitution. On and from the date from which any jurisdiction, powers and authority becomes exercisable under this Act by a Tribunal in relation to recruitment and matters concerning recruitment to any Service or post or service matters concerning members of any Service if persons appointed to any Service or post, (no court except,—

(a) the Supreme Court ; or

(b) any Industrial Tribunal, Labour Court or other authority constituted under the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), or any other corresponding law for the time being in force,

shall have or be entitled to exercise any jurisdiction, powers or authority in relation to such recruitment or matters concerning such recruitment or such service matters."

This Section unambiguously says that the Industrial Tribunal, Labour Court or authority constituted under the Industrial Disputes Act or any other corresponding law for the time being in force shall have jurisdiction in relation to recruitment or matters concerning such recruitment or such service matters. In spite of Section 28, it is seen in the above decision that the Central Administrative Tribunal is not only vested with the jurisdiction to deal with the matters which authoritatively constituted under the Industrial Disputes Act to deal with. However, the learned counsel for the Respondent relying on Section 29 of the Act and the finding given by the Central Administrative Tribunal Madras Bench in the above case contended that this Tribunal has no jurisdiction and the proceeding pending before this Tribunal shall stand transferred to the Central Administrative Tribunal. The learned counsel for the Petitioner except relying on Section 28 of the Administrative Tribunal Act, 1985 vesting jurisdiction of the Tribunal he could not meet the above decision of the Central Administrative Tribunal, 1985 vesting jurisdiction of the Tribunal he could not meet the above decision of the Central Administrative Tribunal reported in Lawyer—December, 1987 issue. However, Section 14(2) of the Administrative Tribunals Act, 1985 reads as follows :—

"The Central Government may, by notification, apply with effect from such date as may be specified in the notification the provisions of sub-section (3) to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporation (or societies) owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation (or society) controlled or owned by a State Government."

Under this Section the Central Government should have issued a notification making application of the provisions of Sub-Section (3) to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporations or societies owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation or society controlled or owned by a State Government. It has not been brought to the notice by the learned counsel for the Respondent that a notification has been made

under Section 14(2) making the provisions of Sub-Section 14(3) applicable to the Respondent-Management or its parent body. In the absence of any notification as contemplated under Section 14(2) of the Administrative Tribunal Act, the Administrative Tribunal cannot exercise jurisdiction or powers over the service matters of the Respondent-Management. Therefore the contention that this Tribunal has no jurisdiction cannot be accepted.

7. It is secondly contended by the learned counsel for the Respondent even assuming this Tribunal has got jurisdiction and not Central Administrative Tribunal but in view of the fact that the Respondent is not an 'industry' within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, this Tribunal has no jurisdiction and the reference itself is bad. He straightaway drew my attention to 1976-II—M.L.J. page 43 (Karuppannan vs. Addl. Registrar of Trade Unions), wherein the question arose whether the Council of Scientific and Industrial Research, Madras Complex and the Pasteur Institute of Southern India, Coonoor are industries. The Bench after going in detail and after elaborate discussion and considering various case laws, came to a conclusion that the Council of Scientific and Industrial Research and the Pasteur Institute of Southern India, Coonoor are not industries within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act. As against this Bench decision of our High Court, the learned counsel for the Petitioner is not able to lay his fingers on any authority holding the Respondent-Management is an 'industry'. At this stage, it is relevant to note the parent body of the Respondent-Management is the Council of Scientific and Industrial Research which is the subject matter of the decision reported in 1976-II—M.L.J. Page 43. Thus it is seen that the Respondent not being an 'industry' under Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, this Tribunal has no jurisdiction and consequently the reference is bad.

8. In the result, in view of the finding on second issue that this Respondent-Management is not an 'industry' within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, 1947, this Tribunal has no jurisdiction and the reference is consequently bad. An award is passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, this 22nd day of March, 1989

THIRU K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. I-42012/51/84-D II(B)]

का.आ. 1077-—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, 1947 की 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार, आन इंडिया रेडियो, रांची के प्रबंध में सम्बद्ध निगोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिनियम नं. 1, धनबाद के पंचतट को प्रस्तावित करती है, है जो केन्द्रिय सरकार 10-4-89 प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-42012/190/87-ई. 2 (बी)]

S.O. 1077.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of All India Radio, Ranchi and their workmen, which was received by the Central Government on the 10-4-89.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Sec. 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 31 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of All India Radio, Ranchi.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri A. D. Purkayastha, Administrative Officer and Shri I. K. Singh, Clerk Grade II.
For the Workmen.—None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Broadcasting.

Dated, the 3rd April, 1989

AWARD

By Order No. L-42012/190/87-D.II(B), dated, the 30th September, 1988, the Central Government in the Ministry of Labour as, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the All India Radio Station Management, Ranchi in terminating the services of Shri Narayan Sharma w.e.f. 8-1-87 is justified ? If not, what relief the workman is entitled to ?"

2. It appears from the terms of reference that the management of All India Radio, Ranchi, terminated the services of Narayan Sharma with effect from 8-1-87. This led to an industrial dispute having been raised by the dismissed workman and the appropriate Govt. was pleased to refer this dispute for adjudication by this Tribunal.

3. After receipt of the order of reference this Tribunal fixed 16-12-88 as the date for taking steps by the parties. On the date fixed none appeared for the parties and 20-1-89 was fixed for appearance of the workman and filing written statement by him. Accordingly, notices were issued to the parties arrayed. On 20-1-89 S/Sri A. D. Purkayastha, Administrative Officer and I. K. Singh, Clerk Grade II appeared for the management. But neither the workman nor any competent person on his behalf appeared on the date fixed. Again notice was issued to the concerned workman fixing 20-2-89 for his appearance and filing written statement. The workman was also directed in the said notice to show cause by the date fixed as to why the case would not be heard ex-parte. Even on 20-2-89 the concerned workman did not appear nor did file any written statement or show cause. On management side S/Sri A. D. Purkayastha and I. K. Singh were present. Again the concerned workman was directed to show cause by 3-4-89 as to why the case would not be heard ex-parte. On 3-4-89 the workman did not appear nor did he file written statement or show cause.

The management was represented by S/Sri A. D. Purkayastha, Administrative Officer and I. K. Singh. Letter of authority was also submitted by them. They also filed written statement for the management.

4. The case of the management as appearing from the written statement, details apart, is as follows :

Narayan Sharma, the concerned workman, was engaged as casual labourer on daily wages basis during the years 1985, 1986 and 1987 against a Group 'D' post, in the absence of a regular Daffry for the job. During 1985, 1986 and 1987 he was engaged for 218 days, 221 days and 6 days respectively. His services were withdrawn on the joining of duties by the regular incumbent. The post of Daffry is a promotional post. It is alleged that at the time of his appointment as a casual labourer he suppressed factual position regarding his educational qualification and represented that he was an undermatic. He was employed for the job of sorting vouchers and the job being over he was offered employment as a Mali, but he refused to do so. In the circumstances the management has reason to believe that he suppressed the material information regarding his educational qualification. Anyway, in the case of casual

labour, no appointment or letter of dismissal are issued by the Station. They are simply called for interview before employment as casual labourer and informed verbally before discontinuation of the service. As per rules of the Organisation observing five days a week, casual workers are considered for regularisation to Group 'D' posts if otherwise eligible if they have put in two years of service as a casual worker with 206 working days during each year. However, in the Central Government offices observing six days a week like AIR Stations, casual labourers are eligible for regularisation after rendering 240 days of service in each year for two years. The management has also submitted that it is doubtful whether AIR Station is an 'industry' or not and the decision of Jabalpur High Court holding AIR an 'industry' has been stayed by Hon'ble Supreme Court. In the context of facts and circumstances the management has submitted that its action be held to be justified.

5. It will be evident from the facts as set out above that the concerned workman has not spared any pains to appear before this Tribunal and to file written statement in support of his claim. On the other hand, the management has submitted written statement in support of its action relating to the termination of services of the concerned workman with effect from 8-1-87. In the circumstances, I have reason to believe that the concerned workman is not interested in proceeding with the present reference. Hence, this Tribunal has got no other alternative than to pass 'no dispute award' and I accordingly do so.

This is my award.

S. K. MITRA, Presiding Officer.

[No. L-42012/190/87-D.II(B)]

का.शा.1078—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दक्षिण रेलवे, मद्रास के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, भ्रूणबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 13-4-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1078.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Southern Railway, Madras and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-4-89.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

Thursday, the 16th day of March, 1989

Industrial Dispute No. 117 of 1287

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workman and the Management of Southern Railway, Madras.)

BETWEEN

Thiru R. Mohan,
No. 50/10th Street,
Kamaraj Nagar, Avadi,
Madras-71.

AND

1. The General Manager,
Southern Railway, Madras-3.

2. The Chief Personnel Officer,
Office of the G. M.,
Southern Railway, Madras-3.

REFERENCE :

Order No. L-41012/66/86-D.II(B), dt. 7-10-1987 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 28th day of November, 1988 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru R. Arumugam for Aiyer and Dola and R. Arumugam, Advocates appearing for the workman and of Thiru R. Vanugopalan, Advocate for the Management 1 and 2 and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of Southern Railway, Madras arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-41012/66/86-D.II(B), dated 7th October, 1987 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Chief Personnel Officer, Southern Railway, Madras in terminating Shri R. Mohan, Substitute Bungalow Lascar, from service with effect from 12th September, 1983 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The Petitioner's averments are that the Petitioner Thiru R. Mohan was duly appointed by an order dated 6th January, 1982 by the Assistant Personnel Officer of the Respondent Railway as Substitute Bungalow Lascar in the pay scale of Rs. 196—232 to the Deputy Chief Mechanical Engineer and he joined duty on the same day after medical examination. The said Deputy Chief Mechanical Engineer Thiru C. S. S. Rajan retired from service on 31st January, 1982. Even though the Petitioner was appointed as Substitute Bungalow Lascar he was engaged only as a peon in Chief Mechanical Engineer Office from 6th January, 1982 till his termination. The Attendance Register, Leave Card, Identity Card and in other records he had been described as a peon and on completion of one year service the Provident Fund benefits were extended to him and he was also given increment. Compulsory Insurance Policy amount of Rs. 5 was also deducted from his salary. He was paid bonus. Thus all the benefits which are available to a railway servant were extended to him as per Chapter 23 of Indian Railway Establishment Manual.

3. As a Peon, he was asked to accompany the Chief Workshop Engineer on duty in various places. He worked more than 240 days in a continuous period of one year. While so without any reasons an order of termination was issued to him on 12th September, 1983. No opportunity was given to him (i.e.) neither notice nor compensation was paid to him. His termination is in contravention of Industrial Disputes Act and Chapter 23 of the Railway Establishment Manual and Sec. 149 of Indian Railway Establishment Code. The termination is in contravention of Sec. 25-F of the Industrial Disputes Act. Hence the order is invalid, imperpetrative and void. The Petitioner further states that he has lost a better opportunity to get himself appointed as a Khalasi on compassionate grounds since he did not attend the interview on 5th July, 1983 in view of the fact that he had already employed.

4. The Respondent in its counter statement states that the Railway Administration authorises Administrative Grade Officers in Headquarters and Divisional Superintendents to recruit themselves of their choice of bungalow peons subject to certain conditions. They are liable to be discharged without any notice during the period of three years or on the expiry of sanction to the post they hold or in the event of mental or physical incapacity. It is also

provided that they would be discharged if the Officer who appointed them is transferred from the post within three years of the appointment and his successor does not require the services of the individual. It is only after completion of three years of service either with the same Officer or more than one Officer, Bungalow Peons should be given the same rights as regularly appointed Peons. Under terms and conditions of the appointment of Bungalow Peon, the petitioner ought to have been terminated on 31st March, 1982 consequent on the retirement of the Deputy Chief Mechanical Engineer. However, he was allowed to continue as a Bungalow Peon without proper sanction as the above post had expired on 31st January, 1982. Coming to know of this fact he was being continued without any sanction of the post and his continuance being irregular, the services of the Petitioner was terminated with effect from 12th September, 1983 afternoon. The sanction of the post of Bungalow Peon was available only upto 31st January, 1982 and as soon as the Officer retired, the post also lapsed and therefore, the continuance of the applicant was irregular and not against any sanctioned post. The Petitioner is not a temporary employee and he was not entitled to any benefits of the rule contained in the Manual. The contribution of the Petitioner towards the Provident Fund would not give any right. There is no question of Petitioner claiming any notice under Section 25-F of the Industrial Disputes Act or any other rules contained in the Manual. The termination was in accordance with the conditions of service of the Petitioner. The Respondent states that no appointment was given on compassionate grounds when his father was working in the Railways, and if he did not attend the interview, the Railway is not responsible. Hence the petition is liable to be dismissed.

5. The point for determination is: (1) Whether the termination of the Petitioner from service with effect from 12th September, 1983 is legal and justified; and (2) If not, to what relief the workman is entitled to.

6. By consent Exs. W-1 to W-9 and M-1 to M-4 were marked. The Petitioner was examined as W.W. 1. No oral evidence was adduced on behalf of the Management.

7. The case of the Petitioner has been spoken to by W.W.1. He would depose that he was appointed as a Bungalow Lascar on 6-1-82 under Ex. W-1 and that he joined on the same date. He would also state that after joining as a Bungalow Lascar he was posted as a Peon in Chief Mechanical Engineer as can be seen from the Attendance Register. He would further state that he had worked for 260 days in a year and the post he worked as a permanent one while so he was terminated on 12-9-1983 without giving any notice or compensation. He would also add that in view of his existing appointment he did not attend the interview for the post of Khalasi and therefore he lost his chance. Thus he prays for reinstatement. In the cross-examination, an attempt was made to show that he was only appointed temporarily and would liable to be discharged from service as soon as his Officer Thiru Rajan who appointed him, retired. It was also suggested that the said Rajan while appointing him as Bungalow Lascar had told him that he would get regular job only after a period of three years. These suggestions were denied by the witness and would assert that his termination is not proper. Exs. W-3 and W-4 are the casual leave and restricted holiday card and Medical Attendance Identity Cards respectively. Exs. W-2 and W-6 are the Duty Card and Free Passes issued to the Petitioner by the Respondent. Ex. W-5 is the Statment of Provident Fund Account showing the contribution towards provident fund by the Petitioner. Ex. W-7 is a bunch containing pay slips for various months from January, 1982 to August, 1983. These pay slips show the increment date and also various amounts under various heads. These documents are strongly relied to show that he was treated as a regular peon and therefore he was given all the privileges and consequently he cannot be terminated without following the rules.

8. On the other hand, the learned counsel for the Respondent would mainly rely on Exs. M-1 to M-3. Exs. M-3 is the xerox copy of the application of the Petitioner for the post of Bungalow Peon. In that application, one Thiru C.S.S.

Rajan makes an endorsement stating that this was the first time he was exercising his power in appointing a bungalow lascar of his choice and that he recommends the Petitioner for appointment. It is true on the basis of this application and recommendation, he was appointed under W-1 Order as per Ex. M-1 confidential letter and subsequently modified under Ex. M-2 letter. Ex. M-1 is a letter dated 25-9-1965 authorising Administrative Grade Officers at Headquarters and Divisional Superintendents entitled to bungalow peons, subject to certain conditions. The main condition refers to that they are liable to be discharged without any notice and also on the expiry of sanction to post or in the event of mental or physical incapacity. The letter further says when the officer who appointed is transferred from the post after one year from the appointment and his successor does not wish to retain the services of the individual etc., they can be discharged without any notice. It is also open to the successor to retain the same person as Bungalow Peon. Ex. M-2 is the subsequent letter dated 4-6-1977 in modification of the earlier letter Ex. M-1. In this letter, the designation is shown as Lascars and not as Bungalow Peons. Further it says the services of those Lascars can be terminated within three years if it is not required by the same officer or his successor or he is found unsatisfactory. But they will be eligible for regular absorption as Lascars after three years of continuous service whether in the open line or Construction. On the basis of Ex. M-2, the learned counsel for the Respondent-Management vehemently contended that the Officer appointing him namely, Thiru C.S.S. Rajan having been retired on 31-1-1982 any further continuation of the Petitioner in the service is not proper and is against the instruction under Ex. M-2. In other words, it is pointed out by the Respondent's counsel that the Petitioner ought to have been terminated on the date of retirement of Thiru C.S.S. Rajan on 31-1-1982 and his continuation in service by mistake could not cloth the Petitioner with the rights. It is further urged that as per Ex. M-2, it is open to the Respondent to terminate his services within a period of three years and it cannot be questioned. This argument appears to be reasonable on the face of it.

9. However, it is the case of the Petitioner that he having been engaged in service continuously for more than 240 days in a period of one year he cannot be terminated without following the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act and Railway Establishment Manual. Admittedly in this case, the Petitioner has been in continuous service for more than 240 days, namely from 6-1-1982 to 12-9-1983 when he was terminated from service. This fact has also not been disputed by the Respondent.

10. Now a point would arise whether he is a workman of the Respondent-Management. This fact is also not disputed by the Respondent either in the counter or it was raised at the time of arguments. Therefore, it goes without saying the Petitioner is a workman within the definition of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. The learned counsel for Petitioner would point out once he falls under the definition of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act as a 'workman' he cannot be terminated without following the conditions in Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Admittedly in this case the petitioner having been worked for not less than one year continuously under the Respondent he ought to have been given a month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment as has been paid wages for the period of notice and paid retrenchment compensation.

11. In this connection, the learned counsel for the Petitioner straight away drew my attention to the decision reported in 1982-1-L.L.J. page 330 (Thiru L. Robert D'Souza vs. Executive Engineer, Southern Railway and another). That was a case wherein the services of the Appellant (employee) of the Railways were terminated on account of absence during the period the appellant was on fast. The Appellant contended absence without leave constituted misconduct and it is not open to the employer to terminate service without notice and enquiry or at any rate without complying with the principles of natural justice and also following the procedure under Rule 2303 of the Railway Establishment Manual and therefore the termination is void and invalid. The Supreme Court after elaborate discussion and also considering various decisions of the

Supreme Court held in that case that termination of service was illegal and the Appellant continues to be in service and he would be entitled full back wages with costs.

12. While coming to conclusion, the Supreme Court also considered Section 25-F of the Industrial Disputes Act and held that the termination in that case of a workman would constitute retrenchment and for not complying with the pre-conditions for valid retrenchment the order of termination would be illegal and valid. This decision is directly applicable to the facts of this case and therefore it is binding on this Tribunal. 1989-I.L.L.N.(S.C.) page 278 (Krishna Kumar Lubey vs. Uttar Pradesh State Food and Essential Commodities Corporation and another) is the latest decision wherein Supreme Court has held that when an employee continuously worked for more than 240 days, his termination of service without complying with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act held illegal. It cannot be contended by any stretch of imagination on the basis of circulars issued under Exs. M-1 and M-2 that the appointment was only under certain conditions and that he can be terminated without following the procedure laid down under Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Those circulars cannot take precedence over the statute, which protects any workman who worked continuously for not less than one year under any employer shall of be retrenched without following the conditions mentioned therein.

13. Point 1 : For these reasons, the termination of the petitioner is not legal and not justified and this point is found in favour of the petitioner.

14. Point 2 : In view of the finding in Point No. 1, the Petitioner is entitled to reinstatement and the Respondent is directed to reinstate him without any back wages but with continuity of service and other attendant benefits within one month from the date of publication of this Award in the Government Gazette. There will be no order as to costs.

Dated, this 16th day of March, 1989,

Sd./-

Industrial Tribunal

[No. 4(4)/86-Accts. (xiii)]

WITNESSES EXAMINED :

For Workman—W.W. 1—Thiru R. Mohan,

For Management—None.

DOCUMENTS MARKED :

For Workmen :

Ex. W-1/6-1-82—Xerox copy of Appointment order issued to the workman.

Ex. W-2/30-9-82—Three duty cards issued to the workman (Xerox copy).

Ex. W-3/30-9-82—Casual Leave and Restricted Holiday Card for the year 1983 (Xerox copy).

Ex. W-4/30-9-82—Railway Medical Attendance Card for the year 1982 (Xerox copy).

Ex. W-5/30-9-82—Statement of Non-Contributory S.R.P.F. Account of workman (Xerox copy).

Ex. W-6/30-9-82—Free pass issued to the workman for the year 1982-83 (8 Nov.).

Ex. W-7/36-9-82—Pay Slip from January, 1982 to December 1982 and January 1983 to April 1983, June 1983 and August 1983 (Xerox copy).

Ex. W-8/1-7-84—Interview card sent to the workman for Khalasi Post (Xerox copy).

Ex. W-9/12-9-83—Termination Order (Xerox copy).

For Management :

Ex. M-1/25-9-65—Letter No. PB/CS/153, dated 25th September, 1965 issued by the General Manager/Personnel, Madras-3 to all Heads of Departments, Southern Railway regarding appointment and discharge of Bungalow peons (Xerox copy).

Ex. M-2/4-6-77—Letter No. PB/CS/153, dated 4th June, 1977 issued by the General Manager/Personnel/Madras-3 to all Heads of Departments, Southern Railway regarding appointment and discharge of Bungalow peons (Xerox copy).

Ex. M-3/4-6-81—Application from Petitioner Workman to the General Manager, Southern Railway, Madras-3 for appointment of Bungalow Peons (Xerox copy).

Ex. M-4/4-6-81—Conduct Certificate given by Thiru C. S. S. Rajan, Dy. CME/Survey to the Petitioner-Workman (Xerox copy).

THIRU K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. L-41012/66/86-D. II(B)]

नई दिल्ली 26 अप्रैल, 1989

का. प्र. 1079—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल एनवायरमेन्टल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट नागपुर के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 13-4-89 प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 26th April, 1989

S.O. 1079.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Environmental Engineering Research Instt. Nagpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 13-4-1989.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU MADRAS

Wednesday, the 22nd day of March, 1989

Industrial Dispute No. 61 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur).

BETWEEN

Thiru N. Duraisamy, No. 5, Yaduwal Extension-4, Kottur, Madras-600085 ;

AND

The Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nehru Marg, Nagpur-440020.

REFERENCE :

Order No. L-42012(44)/84-D.II (B), dated 19-9-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 9th day of March, 1989 upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiruvalargal S. Senthilnathan and R. Santhanakrishnan, Advocates appearing for the workman and of Thiru V. Suresham, Advocate for the Management, and this dispute having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following.

AWARD

This dispute between the workman and the Management of National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-42012(44)/84-D.II (B), dated 19-9-1985 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of the National Environmental Engineering Research Institute, Nagpur in terminating the services of Shri N. Duraisamy, unskilled labour, National Environment Engineering Research Institute (Madras Zonal Laboratory), Madras with effect from 22-3-1983 is legal ? If not to what relief the workman is entitled to ?"

2. The averments in the claim statement are that the Petitioner Thiru N. Duraisamy joined the Respondent-Esta-

ishment as an unskilled labour on 1-12-1980. He was discharging his duties diligently and sincerely. When reported for duty on 22-3-1983 he was informed by the Respondent orally that his services were no longer required. Then the Petitioner wrote a letter dated 20-4-1983 requesting to reinstate him in service, but no reply was sent to that letter though it was acknowledged. Hence the dispute was raised by the Petitioner under Section 2-A of the Industrial Disputes Act. The Conciliation Proceedings ended in failure. The Petitioner has been terminated without following the principles of natural justice. He was not given any opportunity before terminating his services. The Respondent ought to have complied with Section 25-F of the Industrial Disputes Act. Hence this claim for directing the Respondent to reinstate him with all benefits.

3. The Respondent in its counter statement states that the Respondent is not an 'industry' within the meaning of Industrial Disputes Act. It is purely a research and non-profit organisation, outside the purview of the Tribunal. The Respondent is not a legal person. It is a unit of the parent body, the Council of Scientific and Industrial Research, Kirti Marg, New Delhi-1 which alone can sue and be sued as a registered Society under the Societies Registration Act. The Petitioner was engaged on daily wage basis intermittently for which no offer of appointment letters was ever issued. He did not work for 240 or more days at any time since he was employed on daily basis. As he had never worked continuously for 240 days he is not entitled to any benefits under the Industrial Disputes Act. The Respondent Institution being one of the Research Institutions the Petitioner has no statutory or contractual relief. The work was of a non-recurring nature and there was no commitment from the Respondent at any time to permanently absorb the Petitioner. The termination cannot be disputed as illegal or contrary to the principle of natural justice. The Petitioner having engaged on daily basis intermittently without any qualifying service, there is no retrenchment and the Industrial Disputes Act does apply. Hence the claim petition is liable to be dismissed.

4. Point—The point for determination is whether this Tribunal has no jurisdiction?

5. The learned counsel for the Respondent contended firstly by virtue of provisions of Section 14 and 29 of the Administrative Tribunals Act, 1985, this Tribunal has no jurisdiction to entertain this reference. In this connection, a perusal of Section 14, 28 and 29 of the Administrative Tribunal Act, 1985 would enlighten the contention of the learned counsel for the Respondent. Section 14 relates to the jurisdiction, power and authority of the Central Administrative Tribunal.

"14. Jurisdiction, powers and authority of the Central Administrative Tribunal :—

(1) Save as otherwise expressly provided in this Act, the Central Administrative Tribunal shall exercise, on and from the appointed day, all the jurisdiction, powers and authority exercisable immediately before that day by all courts (except the Supreme Court) in relation to—

(a)

(b) all service matters concerning—

(i) a member of any All-India Service ; or

(ii) a person not being a member of an All-India service or a person referred to in clause (c) appointed to any civil service of the Union or any civil post under the Union ; or

(iii) a civilian not being a member of an All-India Service or a person referred to in clause (c) appointed to any defence services or a post connected with defence.

and pertaining to the service of such member, person or civilian, in connection with the affairs of the Union or of any State or of any local or other authority within the territory of India or of any corporation (or society) owned or controlled by the Government.

(c) All service matters pertaining to service in connection with the affairs of the Union concerning a

person appointed to any service or post referred to in sub-clause (ii) or sub-clause (iii) of clause (b), being a person whose services have been placed by a State Government or any local or other authority or any Corporation (or society) or other body at the disposal of the Central Government for such appointment.

(Explanation—For the removal of doubts, it is hereby declared that references to 'Union' in this sub-section shall be construed as including references also to a Union Territory.)

(2) The Central Government may, by notification, apply with effect from such date as may be specified in the notification the provisions of sub-section (3) to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporations (or societies) owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation (or society) controlled or owned by a State Government.

Provided,....

(3)

The Respondent being a Research Institute forming part of the parent body namely the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi, a question arose whether the employees of the Institution would fall within the purview of Section 14(c) of the Administrative Tribunals Act, 1985. Section 14(c) of the Act refers to the service matters pertaining to service in connection with the persons whose services have been placed by a State Government or any local or other authority or any Corporation or society or other body, at the disposal of the Central Government for such appointment. The Respondent Institute being a parent body of the Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi registered under the Societies Act, the services of the persons of the Respondent-Management would fall under Section 14(c) of the Administrative Tribunal Act, 1985.

(6) In this connection, the learned counsel for the Respondent referred to 1976-II-M.L.J. (Division Bench) page 43 (Karuppannan Vs. Registrar of Trade Unions). It is seen from the above decision that the parent body Respondent-Management, namely, the Council of Scientific and Industrial Research and the Madras C.S.I.R. Employees and Workers Union, Madras is the Petitioner. The Secretary, The Council of Scientific and Research Employees and Workers Union, Madras filed a Writ Petition and Writ Appeal before the High Court, Madras praying for writ of mandamus directing the Second Respondent therein to reconsider the question of making a reference of the dispute pursuant to the order of the Secretary, Department of Labour and also relating to the dispute regarding non-employment of one Jesudoss. In the High Court before Division Bench a point was raised that the Institute is not an industry within the meaning of Section 2(i) of the Industrial Disputes Act and Trade Unions Act. The Division Bench of our High Court after elaborate discussion has upheld the legal plea raised by the Institute. That apart, the High Court has also found that the Madras Complex of the CSIR is a Union Agency set up for promotion of special Studies and Research and for co-ordination in Institutions for higher research and Scientific and Technical Institutions and the Complex gets its funds for expenditure from the fund of the CSIR. Paras 8 and 9 of 1976-II-M.L.J. reads as follows :

"8 The Madras Complex, with which we are concerned of the CSIR is thus a Union Agency set up for promotion of special Studies and Research and for co-ordination in Institutions for higher research and Scientific and Technical Institutions. The Complex gets its funds for expenditure from the fund of the CSIR. The Appropriation Acts of 1971 to 1974 of the Union of India show that for the three years, 1971 to 1973 sums of Rs. 23,21,21,000, Rs. 4,12,22,000 and Rs. 4,03,91,000 were made over to the CSIR as grants from the Union of India.

9 The CSIR is thus financed by the Government of India....."

7. It is next relied on by the learned counsel for the Respondent on the decision reported in *Lawyer* at Page 73. That is a case wherein the jurisdiction of the Central Administrative Tribunal constituted under Section 4(1) of the Act came into question. The Bench held at page 76 that no sooner than a matter is found to be covered by Section 14, the exclusion of jurisdiction of all courts except the Supreme Court, but including the High Court and of all authorities referred to in Section 28(a) and (b) of the Act, is total. It further says "the Central Administrative Tribunal is not only vested with the jurisdiction to deal with matters which the authorities constituted under the Industrial Disputes Act could deal, but is also vested with the jurisdiction conferred on the High Court under Articles 226 and 227 of the Constitution." While referring to Section 29 of the Administrative Tribunals Act, 1985 it covers all proceedings before any Court or other Authority. The expression "other Authority" must be read ejusdem generis with the word 'court'. Section 29 of the Act, when it refers to 'other authorities' seems to proceed on the footing that a 'Court' is one of the authorities. The authorities constituted under the Industrial Disputes Act are specified under Chapter IV of the Act. Similar provisions are contained in other corresponding Acts envisaged by Section 28(b) of the Act. That authority may not have all the trappings of a court, but yet may be an authority vested with the jurisdiction to redress the grievance of the persons mentioned in Section 14 of the Act. Section 28 of the Administrative Tribunals Act says :

"28. Exclusion of jurisdiction of courts except the Supreme Court under Article 136 of the Constitution. On and from the date from which any jurisdiction, powers and authority becomes exercisable under this Act by a Tribunal in relation to recruitment and matters concerning recruitment to any Service or post or service matters concerning members of any service of persons appointed to any Service or post, (no court except,—

(a) the Supreme Court ; or

(b) any Industrial Tribunal, Labour Court or other authority constituted under the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) or any other corresponding law for the time being in force, shall have) or be entitled to exercise any jurisdiction, powers or authority in relation to such recruitment or matters concerning such recruitment or such service matters."

This Section unambiguously says that the Industrial Tribunal, Labour Court or authority constituted under the Industrial Disputes Act or any other corresponding law for the time being in force shall have jurisdiction in relation to recruitment or matters concerning such recruitment or such service matters. In spite of Section 28, it is seen in the above decision that the Central Administrative Tribunal is not only vested with the jurisdiction to deal with the matters which authoritatively constituted under the Industrial Disputes Act to deal with. However, the learned counsel for the Respondent relying on Section 29 of the Act and the finding given by the Central Administrative Tribunal, Madras Bench in the above case contended that this Tribunal has no jurisdiction and the proceeding pending before this Tribunal shall stand transferred to the Central Administrative Tribunal. The learned counsel for the Petitioner except relying on Section 28 of the Administrative Tribunals Act, 1985 vesting jurisdiction of the Tribunal he could not meet the above decision of the Central Administrative Tribunal, 1985 vesting jurisdiction of the Tribunal he could not meet the above decision of the Central Administrative Tribunal reported in *Lawyer*—December, 1987 issue. However, Section 14(2) of the Administrative Tribunals Act, 1985 reads as follows :

"The Central Government may, by notification, apply with effect from such date as may be specified in the notification the provisions of Sub-Section (3)

to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporations (or societies) owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation (or society) controlled or owned by a State Government."

Under this Section, the Central Government should have issued a notification making application of the provisions of Sub-Section (3) to local or other authorities within the territory of India or under the control of the Government of India and to corporations or societies owned or controlled by Government, not being a local or other authority or corporation or society controlled or owned by a State Government. It has not been brought to the notice by the learned counsel for the Respondent that a notification has been made under Section 14(2) making the provisions of Sub-Section 14(3) applicable to the Respondent-Management or its parent body. In the absence of any notification as contemplated under Section 14(2) of the Administrative Tribunals Act, the Administrative Tribunal cannot exercise jurisdiction or power over the service matters of the Respondent-Management. Therefore the contention that this Tribunal has no jurisdiction cannot be accepted.

8. It is secondly contended by the learned counsel for the Respondent even assuming this Tribunal has got jurisdiction and not Central Administrative Tribunal, but in view of the fact that the Respondent is not an 'industry' within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, this Tribunal has no jurisdiction and the reference itself is bad. He straight away drew my attention to 1976-II-M.L.J. page 43 (*Karuppannan vs. Addl. Registrar of Trade Union*), wherein the question arose whether the Council of Scientific and Industrial Research, Madras Complex and the Pasteur Institute of Southern India, Coonoor are industries. The Bench after going in detail and after elaborate discussion and considering various case laws, came to a conclusion that the Council of Scientific and Industrial Research and the Pasteur Institute of Southern India, Coonoor are not industries within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act. As against this Bench decision of our High Court, the learned counsel for the Petitioner is not able to lay his fingers on any authority holding the Respondent-Management is an 'industry'. At this stage, it is relevant to note the parent body of the Respondent-Management is the Council of Scientific and Industrial Research which is the subject matter of the decision reported in 1976-II-M.L.J. page 43. Thus it is seen that the Respondent not being an 'industry' under Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, this Tribunal has no jurisdiction and consequently the reference is bad.

9. In the result, in view of the finding on second issue that this Respondent-Management is not an "industry" within the meaning of Section 2(j) of the Industrial Disputes Act, 1947, this Tribunal has no jurisdiction and the reference is consequently bad. An award is passed accordingly. There will be no order as to costs.

Dated, this 22nd day of March, 1989.

THIRU K. NATARAJAN, Industrial Tribunal
[No. L-42012/44/84-D.II(B)]
HARI SINGH, De l. Officer.